राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 359

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, गुरुवार, 6 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सौ दिनों में पूरी करेंगे अटकी राजमार्ग परियोजनाएं : गडकरी

>> 10

सरोकार

मध्य प्रदेश के 'ग्रीन विलेज' छेड़का का हर घर हरा-भरा

भोपाल : मध्य प्रदेश में सतपुड़ा की वादियों में बसे होशंगाबाद जिले के गांव छेड़का की प्रसिद्धि अब गांधीवादी गांव के रूप में होने लगी है। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से फैसला लेकर गांव को 'ग्रीन विलेज' की थीम पर भी विकसित करने का संकल्प लिया है। (पेज-13)

जागरण विशेष

रंग-बिरंगे फूलों के साथ हिमखंडों का भी दीदार

चमोली : विश्व धरोहर फूलों की घाटी की सैर इस बार पर्यटकों के लिए किसी यादगार से कम नहीं। घाटी को जाने वाले रास्ते में अब भी छह विशालकाय हिमखंड मौजूद हैं और जून आखिर तक इनके पिघलने के आसार नहीं हैं। ऐसे में पर्यटकों के लिए इनके बीच से गुजरना अपने आप में अलौकिक अनुभव होगा। (पेज-13)

अचानक दिल्ली पहुंचे पाक विदेश सचिव

कूटनीति ▸ अगले हफ्ते किर्गिस्तान में मोदी-इमरान मुलाकात की अटकलें तेज

रिश्तों में तनातनी के बीच सोहेल महमूद के भारत दौरे से शुरू हुआ कयासों का दौर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारत के साथ बातचीत शुरू करने की पाकिस्तान की बेचैनी के बीच अचानक पाक विदेश सचिव सोहेल महमूद नई दिल्ली पहुंचे हैं। मंगलवार रात दिल्ली पहुंचे महमूद ने बुधवार को ईद के मौके पर दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा की। पाकिस्तानी उच्चाधिकारी के अचानक भारत दौरे से कूटनीतिक हलके में कयासों का दौर शुरू हो गया है। इस दौरे से अगले हफ्ते किर्गिस्तान में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की मुलाकात की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की पैरवी करने वाले सोहेल महमूद का यह दौरा व्यक्तिगत बताया जा रहा है। वह विदेश सचिव बनने से पहले भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त थे। विदेश सचिव बनाए जाने के बाद 14 अप्रैल को वह पाकिस्तान चले गए थे। पाकिस्तानी उच्चायोग का कहना है कि बच्चों की परीक्षा के कारण महमूद का परिवार दिल्ली में ही रुक गया था। अब महमूद उन्हें ले जाने के लिए आए हैं। शुक्रवार को वह परिवार के साथ पाकिस्तान वापसी करेंगे। उनकी दिल्ली में किसी से औपचारिक मुलाकात तय नहीं है। हालांकि किसी से अनौपचारिक मुलाकात की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। दूसरी ओर, पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने ईद के मौके पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की।

पाकिस्तानी विदेश सचिव के दिल्ली आने और भारतीय उच्चायुक्त के इमरान खान से मिलने से कयासों का बाजार गर्म हो गया है। किर्गिस्तान में 13 और 14 जून को शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) की शीर्ष बैठक में नरेंद्र मोदी और इमरान खान दोनों हिस्सा लेने वाले हैं। अभी तक बैठक से अलग दोनों की आपसी मुलाकात तय नहीं है। लेकिन पाकिस्तान बातचीत दोबारा शुरू करने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। ऐसे में हालिया घटनाक्रम इन संभावनाओं को बल देते दिख रहे हैं।

रिश्तों में है तल्खी : पुलवामा में 14 फरवरी को सीआरपीएफ के काफिले पर हुए आतंकी हमले के बाद से दोनों देशों के रिश्ते तल्ख बने हुए हैं। 26 फरवरी को बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर भारत की एयर स्ट्राइक के बाद दोनों देशों के बीच युद्ध के हालात भी बनने लगे थे। उस समय भारत के सख्त रुख और चौतरफा दबाव में पाकिस्तान शांति का राग अलापने लगा था। इमरान खान ने प्रधानमंत्री मोदी से बात करने की कोशिश भी की थी, लेकिन भारत ने कोई जवाब नहीं दिया।

रुख पर कायम है भारत : भारत अपने इस रुख पर कायम है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में भाजपा की जबर्दस्त जीत के बाद इमरान ने फोन कर प्रधानमंत्री को बधाई दी थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण एशिया में स्थायी शांति के लिए मिलकर काम करने की जरूरत जताई। बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें स्पष्ट संदेश दे दिया कि आतंकवाद और हिंसा पर लगाम लगाए बिना शांति की गुंजाइश नहीं है।

नई दिल्ली की जामा मस्जिद में बुधवार को ईद की नमाज पढ़ते पाकिस्तान के विदेश सचिव सोहेल महमूद (बाएं से दूसरे)। साथ में हैं भारत में पाक के कार्यवाहक उच्चायुक्त सैयद हैदर और अन्य। एएनआइ

रोजगार और विकास के लिए मोदी सरकार ने बढ़ाए कदम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पीएम की अध्यक्षता में बनीं दो समितियां गृह, वित्त और रेल मंत्री बतौर सदस्य समितियों में शामिल

अर्थव्यवस्था की सुस्ती दूर करने और रोजगार बढ़ाने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दो कैबिनेट समितियों का गठन किया। इन दोनों समितियों के अध्यक्ष खुद प्रधानमंत्री होंगे। ये समितियां अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन और निवेश बढ़ाने के उपाय बताएंगी।

पीएम की अध्यक्षता वाली पहली समिति विकास दर और निवेश पर है। इस पांच सदस्यीय समिति में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और रेल मंत्री पीयूष गोयल बतौर सदस्य शामिल हैं। दूसरी समिति रोजगार और कौशल विकास पर है जिसमें 10 सदस्य हैं। इसमें शाह, सीतारमण, गोयल के अलावा कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, श्रम राज्य मंत्री संतोष कुमार गंगवार और आवास व शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल हैं।

सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2018-19 की अंतिम तिमाही में घटकर 5.8 फीसद पर आ गयी थी जो बीते पांच साल में न्यूनतम है। जीडीपी की सालाना वृद्धि दर भी पिछले वित्त वर्ष में घटकर 6.8 फीसद के स्तर पर आ गई है जबकि सरकार ने 7.2 का लक्ष्य रखा था। पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में कृषि और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई। ऐसे में सरकार पर निवेश की गति बढ़ाने का भी दबाव है। सरकार के समक्ष दूसरी बड़ी चुनौती रोजगार के अवसर बढ़ाने की है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की ताजा रिपोर्ट बताती है कि देश में बेरोजगारी की दर 6.1 फीसद हो गई है जो बीते 45 साल में सर्वाधिक है। यह शायद पहला मौका है जब निवेश, विकास दर और रोजगार जैसे मुद्दों पर पीएम की अध्यक्षता में कैबिनेट समितियों का गठन किया गया है।

सुरक्षा पर कैबिनेट समिति का गठन

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) का गठन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी सदस्य हैं। यह समिति राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश से जुड़े मामले देखती है। सरकार बदलने या मंत्रिमंडल बदलाव के बाद कैबिनेट समितियों का गठन और पुनर्गठन होता है।

विश्वास न्यूज Neuro

पीएम मोदी के छोटे भाई नहीं चलाते हैं ऑटो रिक्शा

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 5

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ेगा अब प्रत्येक छात्र

नई दिल्ली : स्कूल, कालेजों और विवि से निकलने वाले छात्र अब डिग्री और डिप्लोमा के साथ हुनरमंद बनकर भी निकलेंगे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। साथ ही वर्ष 2025 तक 50 फीसद छात्रों को इससे जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 7

पेयजल से धुल रही थीं विराट कोहली की कारें, हुआ चालान

गुरुग्राम : गुरुग्राम नगर निगम ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की कारों को धोने में पेयजल की बर्बादी पर संज्ञान लिया। निगम की टीम ने बुधवार को विराट के डीएलएफ फेस-1 स्थित निवास के बाहर उनके घरेलू सहायक दीपक को कार धोते पकड़ा। इस पर दीपक के नाम से चालान काट 500 रुपये जुर्माना वसूला।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 11

ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर चलाई कैंची

वाशिंगटन : अमेरिका के वीजा कार्यक्रम पर ट्रंप प्रशासन की सख्त नीतियों का असर दिखने लगा है। अमेरिका ने भारतीय पेशेवरों के बीच लोकप्रिय एच-1बी वीजा पर कैंची चला दी है। अमेरिका ने 2018 में तीन लाख 35 हजार एच-1बी वीजा आवेदनों को मंजूरी दी। यह आंकड़ा 2017 की तुलना में दस फीसद कम है।

क्रिकेट महाकुंभ

ऑस्ट्रेलिया vs वेस्टइंडीज | दोपहर 3:00 बजे से | स्थान : नॉटिंघम | स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

अखिलेश बोले, विफल प्रयोग रहा बसपा के साथ गठबंधन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सपा अध्यक्ष ने कहा, प्रयोगों से अपनी कमजोरियों का पता चलता है

लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा के बीच हुए गठबंधन से मायावती के किनारा करने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गठबंधन को प्रयोग करार दिया है। कहा कि मैं इंजीनियरिंग का छात्र रहा हूं और प्रयोग किया था। जरूरी नहीं कि हर एक प्रयोग सफल हो। आने वाले उपचुनाव में वह अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात कर आगे की रणनीति बनाएंगे।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि कभी-कभी आप प्रयोगों में सफल नहीं होते हैं लेकिन, इससे आपको कमजोरियों का पता चलता है। अखिलेश ने कहा कि बसपा सुप्रीमो मायावती के लिए जो बात मैंने पहले दिन कही थी कि उनका सम्मान हमारा है, वही बात आज भी दोहराता हूं। अगर अब रास्ते खुले हैं तो आने वाले उप चुनावों में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात कर आगे की रणनीति तय होगी। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में सपा का नेता मार दिया जाता है और आरोपी नहीं पकड़े जाते लेकिन, अमेठी में भाजपा के नेता की हत्या होने पर ऐसा नहीं होता। सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि चुनाव अमीरी और गरीबी के मुद्दे पर नहीं हुए लेकिन, आगे जनता जरूर सोचेगी कि अमीर और अमीर होता जा रहा है, गरीब और गरीब होता जा रहा है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा का रास्ता रोकने के लिए सपा, बसपा और रालोद ने गठबंधन किया था। अब इस गठबंधन में दरारें पड़ने लगी हैं।

टीम इंडिया का जीत के साथ आगाज

- चहल ने चटकाए चार विकेट तो रोहित ने बनाया नाबाद शतक
- विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से किया पराजित

122* रन बनाकर रोहित शर्मा बने मैन ऑफ द मैच

2 शतक रोहित ने विश्व कप में लगाए हैं। इससे पहले उन्होंने एक शतक 2015 विश्व कप में लगाया था

अभिषेक त्रिपाठी • साउथैंप्टन

इंग्लैंड में टीम इंडिया जब विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरी तो उसके सामने दुनिया की तीसरे नंबर की दक्षिण अफ्रीकी टीम थी, लेकिन विराट एंड कंपनी ने उसे आसानी से छह विकेट से हराकर इस टूर्नामेंट में शानदार आगाज किया। यह दक्षिण अफ्रीकी टीम की लगातार तीसरी हार है और इससे उसके लीग दौर से ही बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। दूसरी रैंक वाली भारतीय टीम को अब अपने दूसरे मुकाबले में रविवार को ओवल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। भारत की तरफ से युजवेंद्रा सिंह चहल ने चार विकेट लिए तो उप कप्तान रोहित शर्मा ने नाबाद 122 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का गलत फैसला लिया, जिसका फायदा भारतीय गेंदबाजों ने उठाया। भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (2/35) ने द. अफ्रीकी ओपनरों को पवेलियन पहुंचाया तो युजवेंद्रा सिंह चहल (4/51) ने कुलदीप यादव के साथ मिलकर मध्य क्रम की कमर तोड़ दी। द. अफ्रीका का कोई बल्लेबाज अर्धशतक भी नहीं लगा पाया और टीम 50 ओवरों में नौ विकेट पर 227 रन बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शिखर धवन (8) के रूप में पहला झटका लगा। कप्तान कोहली (18) व केएल राहुल (26) भी नहीं टिक सके, लेकिन ओपनर रोहित टिके रहे और एक जीवनदान मिलने के बाद जीत दिलाकर वापस लौटे। महेंद्र सिंह धौनी ने 34 रन बनाए।

संबंधित खबरें >> पेज 12

नीट के टॉपर बने राजस्थान के नलिन खंडेलवाल

- दिल्ली के भाविक बंसल दूसरे और उप्र के अक्षत कौशिक तीसरे स्थान पर
- देशभर में सातवां स्थान पाने वाली तेलंगाना की माधुरी लड़कियों में अव्वल

नई दिल्ली, प्रेट्र/एएनआइ/आइएएनएस : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2019 के परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए गए। परीक्षा में राजस्थान के नलिन खंडेलवाल ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। दिल्ली के भाविक बंसल ने दूसरा और उत्तर प्रदेश के अक्षत कौशिक ने तीसरा स्थान हासिल किया है। देशभर में सातवां स्थान हासिल करने वाली तेलंगाना की माधुरी रेड्डी जी. लड़कियों की सूची में अव्वल रही हैं। शीर्ष के छह स्थानों पर लड़के काबिज हैं।

मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया और डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में क्रमशः एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा किया जाता है। इस साल की परीक्षा में टॉप करने वाले नलिन को 720 में से 701 अंक प्राप्त हुए। भाविक और अक्षत दोनों को 700-700 अंक मिले हैं। बायोलॉजी में अधिक अंक होने से भाविक को दूसरा स्थान मिला है। माधुरी रेड्डी को 695 अंक मिले हैं। शीर्ष 100 छात्रों की सूची में 20 लड़कियां हैं। दिव्यांग पुरुष छात्रों में राजस्थान के ही भेराराम ने 604 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि दिव्यांग महिलाओं में उत्तर प्रदेश की सभ्यता सिंह कुशवाहा 610 अंकों के साथ अव्वल रहीं। परीक्षा में बैठे पांच ट्रांसजेंडरों में से तीन सफल हुए हैं। परीक्षा का आयोजन 11 भाषाओं में देश भर के 154 शहरों में 2,546 केंद्रों पर पांच और 20 मई को किया गया था।

राज्यों में दिल्ली शीर्ष पर : राज्यों में दिल्ली का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। सूबे के 74.92 फीसद छात्र सफल रहे। शीर्ष 50 में भी नौ छात्र दिल्ली के हैं। इसके बाद हरियाणा (73.41 फीसद), चंडीगढ़ (73.24 फीसद) का स्थान है। नगालैंड के 34.52 फीसद छात्र सफल हुए हैं।

सामान्य वर्ग के लिए कटऑफ 134 : एनटीए के मुताबिक, समान्य वर्ग के कम से कम 134 अंक पाने वाले छात्रों को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए काउंसिल में शामिल होने का मौका मिलेगा। आरक्षित वर्ग के छात्रों के लिए 107 अंक होना जरूरी हैं। एनटीए ने प्रश्नों के जवाब (आंसर की) पहले ही जारी कर दिए थे और 31 मई तक आपत्तियां भी स्वीकारी थी।

नलिन खंडेलवाल

भाविक बंसल

अक्षत कौशिक

कुल सम्मिलित अभ्यर्थी	14,10,755
कुल सफल अभ्यर्थी	7,97,042
सफल पुरुष अभ्यर्थी	3,51,278
सफल महिला अभ्यर्थी	4,45,761

राज्यों में दिल्ली शीर्ष पर

राज्यों में दिल्ली का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा है। यहां के 74.92 फीसद छात्रों ने परीक्षा में सफलता अर्जित की है। यही नहीं, शीर्ष 50 छात्रों में भी नौ दिल्ली के हैं। दिल्ली के बाद हरियाणा (73.41 फीसद) और चंडीगढ़ (73.24 फीसद) का स्थान है।

एनसीआर में 10-15 दिन की देरी से पहुंचेगा मानसून

नई दिल्ली, एएनआइ/प्रेट्र : मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली निजी एजेंसी 'स्काईमेट' ने बुधवार को कहा कि मानसून अगले 48 घंटों (सात जून तक) में केरल पहुंच जाएगा, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में यह 10-15 दिन की देरी से पहुंचेगा। वहीं भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून आठ जून को केरल पहुंचेगा। सामान्यतः यह एक जून को केरल पहुंचता है।

'स्काईमेट' के वरिष्ठ वैज्ञानिक समर चौधरी ने बताया, 'दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में मानसून पहुंचने की सामान्य तिथियां जून के आखिरी हफ्ते में पड़ती हैं, लेकिन इस बार यह 10-15 दिन की देरी से पहुंचेगा। अल नीनो और ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से इस साल मानसून कमजोर रहेगा। हमें उम्मीद है कि मानसून की बारिश करीब 93 फीसद रहेगी जो औसत से कम है।' चौधरी ने कहा, 'पिछले 65 साल में यह दूसरा सबसे सूखा साल है। सामान्य मानसून पूर्व बारिश 131.5 मिमी है जबकि अब तक यह 99 मिमी रिकॉर्ड की गई है। अल नीनो प्रभाव के कारण यह स्थिति बनी है और यह मानसूनी बारिश पर भी असर डालेगा। नमी लाने वाली पुरबिया हवाओं ने उत्तर भारतीय राज्यों में बढ़ते तापमान को नियंत्रण में रखा है, लेकिन गर्म हवाओं से तापमान में फिर वृद्धि होगी।' वहीं, भारतीय मौसम विभाग के अनुसार. इस साल मानसून सामान्य रहेगा। विभाग 96 से 104 फीसद वर्षा को सामान्य मानता है। इसकी गणना वह जून से प्रारंभ होने वाले चार माह में गत 50 साल की औसत 89 सेंटीमीटर वर्षा से करता है।

स्काईमेट का आकलन

- 48 घंटों में केरल पहुंचेगा मानसून, दिल्ली में सामान्यत: जून के आखिरी हफ्ते में बारिश लेकर आते हैं बादल

राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक

उद्योग संगठन सीआइआइ ने जारी की रिपोर्ट, मध्य प्रदेश दूसरे व छत्तीसगढ़ तीसरे नंबर पर

खजाने के बेहतर इस्तेमाल में बिहार अव्वल, बंगाल फिसड्डी

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

'राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक' पर राज्यों में बिहार पहले नंबर पर रहा है। सरकारी खजाने के बेहतर इस्तेमाल के मामले में बिहार ने गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे संपन्न राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं राजकोषीय अनुशासन के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले पश्चिम बंगाल, कांग्रेस शासित राज्य पंजाब और वामपंथी शासन वाले राज्य केरल का रहा है। यह जानकारी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) ने एक रिपोर्ट के माध्यम से दी है।

सीआइआइ ने इस रिपोर्ट में राजकोषीय अनुशासन के पैमाने पर राज्यों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए 2004-05 से लेकर 2016-17 की अवधि में नॉन-स्पेशल कैटेगरी में शामिल 18 राज्यों का 'राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक' (फिस्कल परफॉर्मेंस इंडेक्स) तैयार किया। यह सूचकांक चार मानकों- राजस्व व पूंजी व्यय सूचकांक, राज्य के अपने टैक्स की प्राप्तियों का सूचकांक, राजकोषीय व राजस्व घाटे को दर्शाने वाले डेफिसिट प्रूडेंस इंडेक्स और कर्ज सूचकांक के आधार पर तैयार किया गया है।

देश के शीर्ष उद्योग संगठन सीआइआइ के मुताबिक 'राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक' पर मध्य प्रदेश दूसरे और छत्तीसगढ़ तीसरे स्थान पर है। दूसरी ओर महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा जैसे उच्च आमदनी वाले राज्य लगातार इस सूचकांक पर पिछड़ रहे हैं। व्यय की गुणवत्ता के मामले में आर्थिक रूप से समृद्ध राज्यों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। सीआइआइ का कहना है कि कम आय वाले राज्यों में बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा ने व्यय में गुणवत्ता बरतते हुए हाल के वर्षों में लगातार राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक पर शानदार प्रदर्शन किया है। खास बात यह है कि 2004-05 से 2013-14 तक आंध्र प्रदेश का प्रदर्शन इस सूचकांक पर शानदार था लेकिन 2014 में राज्य के विभाजन के बाद वित्तीय संकट के चलते उसका प्रदर्शन खराब हो गया। जिस राज्य का स्कोर 100 अंकों वाले इस सूचकांक पर जितना ज्यादा होता है, उसका प्रदर्शन उतना ही बेहतर माना जाता है। इस सूचकांक पर बिहार का स्कोर 66.5 है जबकि पश्चिम बंगाल का सबसे कम 23.3 है। वैसे तो 2004-05 के दौरान इस सूचकांक पर उत्तर प्रदेश का औसत स्कोर 55.9 है और यह सातवें नंबर पर है लेकिन वित्त वर्ष 2016-17 में राज्य ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए इस पर 77.3 स्कोर प्राप्त किया जो देशभर में सबसे बेहतर है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) ने केंद्र और राज्यों के राजकोषीय प्रदर्शन का आकलन करने के लिए यह सूचकांक तैयार किया है। सीआइआइ का कहना है कि समग्र राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक केंद्र और राज्यों के स्तर पर बजट की गुणवत्ता को परखने का तरीका है। उल्लेखनीय है कि बिहार के बारे में आम धारणा है कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। उद्यमी इस राज्य में निवेश नहीं करना चाहते हैं।

राज्य	सूचकांक स्कोर
बिहार	66.5
मध्य प्रदेश	65.9
छत्तीसगढ़	64.6
ओडिशा	61.5
आंध्र प्रदेश	60.4
तेलंगाना	59.2
उत्तर प्रदेश	55.9
गोवा	53.3
कर्नाटक	53.0
तमिलनाडु	49.0
झारखंड	48.4
गुजरात	43.6
हरियाणा	42.1
महाराष्ट्र	41.8
राजस्थान	37.0
केरल	33.7
पंजाब	25.7
पश्चिम बंगाल	23.3

राजस्थान शांति एवं अहिंसा विभाग बनाने वाला पहला राज्य होगा

नरेंद्र शर्मा, जयपुर

अशोक गहलोत फाइल

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद संभालेंगे विभाग का जिम्मा

राजस्थान सरकार शांति एवं अहिंसा विभाग की स्थापना करने जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद इस विभाग की कमान संभालेंगे। विभाग में प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी के साथ ही राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों की तैनाती की जाएगी। जिला स्तर पर भी अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा। राज्य सरकार का दावा है कि राजस्थान ऐसा विभाग बनाने वाला देश का पहला राज्य होगा।

सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शांति एवं अहिंसा विभाग बनाने जा रही है। सीएम अशोक गहलोत ने मुख्य सचिव डी.बी.गुप्ता को विभाग की स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने इस संबंध में 10 जून को जयपुर स्थित सचिवालय में वरिष्ठ अफसरों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई है।

जिलों में आयोजित होंगे महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित कार्यक्रम : सरकार ने महात्मा गांधी के 150वीं जयंती वर्ष में राज्य के सभी जिलों में गांधी के जीवन पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है। तीन जून से शुरू हुए ये कार्यक्रम चार अक्टूबर तक चलेंगे। इसके तहत हर जिले में अलग-अलग तिथि पर तीन दिन का कार्यक्रम होगा। पहले दिन गांधी संदेश यात्रा निकाली जाएगी। दूसरे दिन 'गांधी अतीत ही नहीं भविष्य भी है' विषय पर निबंध और 'गांधी के सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता तथा 'सद्भावना और विकास' विषय पर भाषण प्रतियोगिता होगी। तीसरे दिन संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

2.28 लाख अभ्यर्थियों ने बुधवार तक आवेदन कर दिया है दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए। इसके साथ ही 1,27,257 छात्रों ने फीस भी जमा करा दी है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 6 जून 2019

सख्त रुख ▸ डॉक्टरों, दवाओं की कमी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों पर हाई कोर्ट का आदेश

दिल्ली के 35 अस्पतालों का होगा निरीक्षण

पूर्व प्रधान सचिव के नेतृत्व में गठित की गई सात सदस्यीय टीम

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

- चार माह में रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए, कार्य की समीक्षा 28 अगस्त को होगी
- दिल्ली सरकार व अस्पतालों को सहयोग करने को कहा

सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाओं, डॉक्टरों व दवाओं की समस्या के बीच भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने 35 सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण करने का आदेश दिया है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन व न्यायमूर्ति एजे भंभानी की पीठ ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पूर्व प्रधान सचिव डीएस नेगी के नेतृत्व में विशेषज्ञ कमेटी गठित की है। पीठ ने कमेटी को सभी अस्पतालों का निरीक्षण कर चार माह में रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। मुख्य पीठ ने कहा कि अगर चार माह में पूरी रिपोर्ट देना संभव न हो तो प्राथमिक रिपोर्ट अदालत में जरूर पेश करें। कमेटी के कार्य की समीक्षा 28 अगस्त को होगी।

मुख्य पीठ ने दोनों पक्षों की तरफ से समिति के लिए सुझाए गए नामों में से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पूर्व प्रधान सचिव डीएस नेगी समेत सात लोगों की विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। डीएस नेगी को कमेटी का संरक्षक बनाया है। उनके अलावा कमेटी में जीबी पंत अस्पताल की पूर्व निदेशक डॉ. वीना चौधरी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक प्रोफेसर डॉ. संगीता गुप्ता, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस के असिस्टेंट प्रोफेसर मोहम्मद तारिक, दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर मीनू आनंद, दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रधान सचिव (सेवा) को शामिल किया गया है। पीठ ने विशेषज्ञ कमेटी के कार्य में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा को मदद करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य पीठ ने दिल्ली सरकार व सभी अस्पतालों के प्रशासन को निर्देश दिया कि वे विशेषज्ञ कमेटी के निरीक्षण के दौरान सहयोग करें। उन्हें दस्तावेज उपलब्ध कराएं और अस्पताल का मौका-मुआयना कराएं। पीठ ने साथ ही सेवारत दो सरकारी अधिकारियों को छोड़कर समिति के अन्य पांच सदस्यों को दो-दो लाख रुपये वेतन के रूप में भुगतान का दिल्ली सरकार को निर्देश दिया।

इन अस्पतालों समेत 35 का होगा निरीक्षण : जीबी पंत अस्पताल, लोकनायक अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलिरी साइंसेस (आइएलबीएस), बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल, लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस समेत 35 अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा।

यह है मामला : नौ महीने की गर्भवती मधुबाला के बच्चे की मौत जीटीबी अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर नहीं मिलने के कारण गर्भ में ही हो गई थी। अस्पताल की लापरवाही के कारण तीन दिन तक मृत बच्चा उनके पेट में ही रहा और उनकी जान को भी खतरा हो गया। हालांकि वह बच गईं। इसके बाद मधुबाला ने अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा के माध्यम से जीटीबी अस्पताल समेत पांच बड़े सरकारी अस्पताल के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी।

बेहाल है अस्पतालों का हाल : अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा ने बेहाल अस्पतालों पर स्थिति रिपोर्ट पेश की थी। उन्होंने पीठ को बताया था कि 35 सरकारी अस्पतालों में एनुअल मेंटीनेंस कांट्रैक्ट (एएमसी), कॉम्प्रीहेंसिव मेंटीनेंस कांट्रैक्ट (सीएमसी) उपलब्ध नहीं हैं। फर्जी कंपनियों से उपकरण की खरीद होती है और इसके कारण एएमसी व सीएमसी उपलब्ध नहीं है। वर्ष 1996 से नियमित पद नहीं निकाले गए। ऐसे में मेडिकल सुपरिंटेंडेंट से लेकर अन्य पदों पर संविदा पर भर्ती के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है। इसके बाद पीठ ने सभी 35 अस्पतालों को इसमें शामिल किया था।

दिल्ली सरकार ने आइआरसीटीसी से तीर्थ यात्रा के लिए मांगी ट्रेन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत दिल्ली के बुजुर्ग इस माह की 15 तारीख को पंजाब की यात्रा पर जा सकते हैं। पहली खेप में एक हजार बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा का सफर कराने के लिए दिल्ली सरकार ने आइआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) से 15 जून के लिए ट्रेन की मांग की है। आइआरसीटीसी ने अभी तक इसके लिए हामी नहीं भरी है। मगर दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि ट्रेन इस तारीख को मिल जाएगी। अगर किसी कारण से ट्रेन नहीं मिलती है तो यात्रा को कुछ दिन आगे बढ़ा दिया जाएगा।

दिल्ली के दो हजार बुजुर्गों ने अमृतसर, वाघा बॉर्डर, आनंदपुर साहिब की पांच दिन की यात्रा की इच्छा जताई है। इन्हें दो बार में ले जाया जाएगा। 15 जून को पहली ट्रेन मिल जाती है तो इसमें एक हजार बुजुर्ग जाएंगे। आठ दिन बाद दूसरी ट्रेन इसी स्थान के लिए रवाना की जा जाएगी। ऑनलाइन किए गए आवेदनों में बुजुर्गों ने सबसे अधिक इसी तीर्थ स्थान के लिए आवेदन किया है। इसके चलते इस रूट को फाइनल कर दिया गया है।

दिल्ली सरकार की तीर्थ यात्रा विकास समिति के चेयरमैन कमल बंसल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अनुमति दे दी है। इसके साथ ही सुझाव दिया है कि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

नमाजियों की भीड़ में घुस गई कार, कई लोग जख्मी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन, पथराव में चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त

> कार चालक को पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपित को पकड़ लिया जाएगा। हमारे पास तीन लोग आए हैं, जिनको हल्की खरोंच लगी है।
> –मेघना यादव, पुलिस उपायुक्त, शाहदरा

ईद के मौके पर खुरेजी खास स्थित जामा मस्जिद के बाहर बुधवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे अनियंत्रित होंडा सिटी कार नमाजियों के बीच घुस गई। भीड़ देख चालक ने कार गली में मोड़ दी और लोगों को टक्कर मारते हुए आगे निकल गया। इस दौरान कई लोग जख्मी हो गए। अफवाह फैल गई कि कार ने 17 लोगों को कुचल दिया है। यह सुनकर नाराज लोगों ने डीटीसी बस व अन्य वाहनों पर पथराव शुरू कर दिया और जगतपुरी थाने के बाहर प्रदर्शन किया। पथराव में चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं।

खुरेजी स्थित जामा मस्जिद पटपड़गंज रोड से परवाना रोड की ओर जाने वाली गली में है। पटपड़गंज रोड पर नमाज पढ़ने के लिए लोग एकत्र हुए थे। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर और रस्सा बांधकर यातायात को रोक दिया था। सुबह करीब साढ़े नौ बजे नमाज के बाद एसीपी की गाड़ी के निकलने के लिए रस्सा और बैरिकेड को हटा दिया गया। इस दौरान बेकाबू होंडा सिटी कार नमाजियों की ओर बढ़ी। मुख्य सड़क पर भीड़ देख चालक ने कार मस्जिद वाली गली में मोड़ दी। अंदर घुसते ही मस्जिद के बाहर रखी दान पेटी की मेज में कार ने जोरदार टक्कर मार दी। वहां बैठे शख्स को टेबल से चोट लगी। कार को रोकने के लिए नमाजी उसके पीछे दौड़े, लेकिन कार चालक नहीं रुका। चौपाल चौक पर कुछ लोग कार की चपेट में आकर चोटिल हो गए। लोगों को टक्कर मारते हुए चालक कार सहित फरार हो गया। लोगों का आरोप है कि पुलिस मौके पर थी, लेकिन चालक को पकड़ने का प्रयास नहीं किया। मस्जिद के आगे एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कार चालक कैद हुआ है।

शास्त्री नगर के आराम पार्क निवासी जुबैर आलम (36) के बयान पर पुलिस ने आइपीसी की धारा 307 के तहत केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि कार में एक लड़का और दो लड़कियां सवार थीं। देर शाम तक पुलिस के पास फरीद खान सहित तीन घायल पहुंचे, जिनका मेडिकल कराया गया। तीनों को मामूली चोट आई हैं। पुलिस के मुताबिक कार डिप्टीगंज के पते पर पंजीकृत है। पता लगाया जा रहा है कि कार कौन चला रहा था।

उम्मीद थी कि लौट आएंगे जिग्स, पर नहीं आए

प्रियंका दुबे मेहता, गुरुग्राम

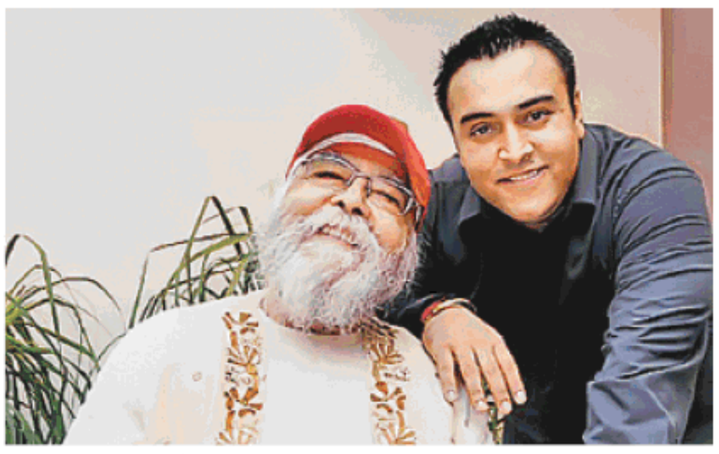
जिग्स कालरा अपने बेटे जोरावर कालरा के साथ। (फाइल)

पाक कला के बेताज बादशाह जसपाल इंदर सिंह कालरा उर्फ जिग्स कालरा 19 साल से अपनी जीवटता के दम पर जी रहे थे। सन 2000 में उन्हें ब्रेन स्ट्रोक के कारण लकवा मार गया लेकिन ये जिग्स थे...इन्होंने जीने के लिए मौत को कोई दो दशकों तक दूर धकेले रखा। क्या अचरज कि मंगलवार को जब उनकी मृत्यु हुई तो भी दिमाग सक्रिय था। लोग सोच रहे थे कि जिग्स इस बार भी मौत का मुंह मोड़ कर वापस आएंगे लेकिन...नियति को कुछ और ही मंजूर था। मंगलवार को 72 साल की उम्र में वहां फोर्टिस अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को सुबह 10:30 बजे दिल्ली के निजामुद्दीन पश्चिमी लाला लाजपत राय रोड स्थित लोधी मोक्ष स्थल पर किया जाएगा। वे पत्नी लवजीत कालरा, दो बेटे अजीत कालरा और जोरावर कालरा के अलावा पोते-पोतियों को छोड़ गए हैं।

क्या गजब की जीवटता थी : जिग्स गजब के जीवट थे। वह डीएलएफ फेज-एक के निवासी थे। सन 2000 में उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया था। इसके कारण ही उनके शरीर के बाएं अंगों में लकवा मार गया था। वह छह बार अस्पताल के आइसीयू में भर्ती हुए और हर बार अपनी जीवटता के कारण ठीक होकर वापस आते रहे। मृत्यु से एक दिन पहले उनके शरीर में हरकत हुई थी।

पिता की कलनरी विरासत को संभालने वाले जोरावर कहते हैं : मैं पापा की बराबरी नहीं कर सकता। पापा को सन 2000 में ब्रेन स्ट्रोक आया था। उसके पहले की बात करें तो पापा देश के टॉप फ्रीक्वेंट फ्लायर (देश विदेश में हवाई यात्रा करने वाले) थे। तब मैं मात्र 23 साल का था। मैं टूट सा गया था। उस दौर में पापा ने हमेशा मेरी हिम्मत बढ़ाई। इस बार भी पापा 22 दिनों तक आइसीयू में थे। हम सभी को उम्मीद थी कि पापा हर बार कि तरह फिर से सकुशल वापस आएंगे लेकिन.... नियति को शायद यही मौजूद था। उनकी बराबरी संभव नहीं।

पत्नी को नहीं है अंदाजा : 43 वर्षों से जिग्स की जीवन संगिनी रही लवजीत कालरा भी लंबे अर्से से सीवियर डिमेंशिया से जूझ रही हैं। जोरावर कहते हैं कि कहीं न कहीं यह अच्छा ही कहा जाएगा कि मां अपनी बीमारी की वजह से पिता की इस जुदाई का दर्द नहीं अनुभव करेंगी।

केजरीवाल ने खो दिया है जनता का विश्वास : रामलाल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- भाजपा की मासिक बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति पर हुई चर्चा
- पार्टी ने दिल्ली की 65 विधानसभा सीटों पर कमल खिलाने का बनाया लक्ष्य

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी की मासिक बैठक के दौरान राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल का स्वागत करते दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी और अन्य। (भाजपा से प्राप्त फोटो)

दिल्ली की सातों संसदीय सीटें जीतने के बाद बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी की अध्यक्षता में हुई मासिक बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए चुनाव प्रबंधन टीम, कार्यकर्ताओं की मेहनत और नेता का करिश्माई व्यक्तित्व की अहम भूमिका होती है। कार्यकर्ता दिल्ली की 65 सीटें जीतने के बाद ही अब विश्राम करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भरोसा नहीं है क्योंकि वह झूठ व फरेब की राजनीति करते हैं। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता के भरोसे की राजनीति करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब दिल्ली व केंद्र में भाजपा की सरकार होगी तो गरीबों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने के साथ ही वर्ष 2022 तक पक्का मकान देने का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। उन्होंने कमजोर समझे जाने वाले क्षेत्रों में भाजपा सदस्यों की संख्या बढ़ाने की नसीहत दी।

प्रदेश भाजपा प्रभारी श्याम जाजू ने कहा कि केजरीवाल ने सत्ता में आने से पहले जो भी वादे किए, उनमें से एक भी पूरा नहीं किया। सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने का संकल्प लेकर जाएंगे। तिवारी ने कहा कि 21 वर्षों से भाजपा दिल्ली की सत्ता से दूर है। हम सभी के लिए यह वनवास की तरह है। इस दौरान 15 वर्षों तक कांग्रेस के कुशासन व भ्रष्टाचार से दिल्ली को नुकसान हुआ। अब पिछले लगभग साढ़े चार वर्षों से झूठ की बुनियाद पर बनी सरकार का शासन है। जनता ने झूठ और बहकावे में आकर केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन अब उन्हें पछतावा हो रहा है। दिल्ली परिवहन निगम को बर्बाद करने वाले मुख्यमंत्री अब महिलाओं को मुफ्त सफर का झांसा देकर फिर से सत्ता में आना चाहते हैं।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा ने 70 में से 65 सीटों और 272 वार्डों में से 262 वार्डों पर बढ़त बनाई। उन्होंने कहा कि पहली बार दिल्ली की 500 झुग्गी बस्तियों को गोद लेकर कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत की और उनमें से 400 झुग्गी बस्तियों में भाजपा को जीत दिलाई। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वयंसेवकों ने 15 हजार से अधिक बैठकें करके और 25 लाख परिवारों से संपर्क करके दिल्ली की सातों सीटों पर भाजपा को जीत दिलाने का आधार तैयार किया। लोकसभा चुनाव सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया ने कहा दिल्ली के कार्यकर्ता 2020 के विधानसभा चुनाव में इतिहास लिखने को तैयार हैं।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय मंत्री एवं सह प्रभारी तरुण चुघ, राष्ट्रीय मंत्री महेश गिरी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय गोयल, मांगे राम गर्ग, सतीश उपाध्याय, सांसद रमेश बिधूड़ी, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, महामंत्री कुलजीत सिंह चहल, रविंद्र गुप्ता सहित अन्य विधायक, पार्षद व भाजपा पदाधिकारी मौजूद थे।

लाल चंदन की लकड़ी के साथ कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लाल चंदन की लकड़ी की तस्करी करने वाले एक कुख्यात को गिरफ्तार कर एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। गिरोह का नेटवर्क कर्नाटक व दक्षिण भारत के अन्य राज्यों सहित दिल्ली, नेपाल व चीन तक फैला हुआ है। पुलिस ने आरोपित से 572 किलो लाल चंदन की लकड़ी बरामद की है, इसकी कीमत दिल्ली में करीब 50 लाख रुपये है। नेपाल व चीन में इसकी कीमत दो करोड़ रुपये तक है। क्राइम ब्रांच ने पिछले साल सितंबर में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग निवासी अमित वर्मा उर्फ बॉबी के लाल चंदन की लकड़ी की तस्करी में शामिल होने की जानकारी मिली थी। दिल्ली पुलिस इसकी तलाश कर रही थी। सोमवार को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि असोला गांव के एक फार्म हाउस में बने गोदाम में लाल चंदन की लकड़ी रखी हुई है।

पुलिस ने छापा मारकर चंदन की लकड़ी बरामद कर बॉबी को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी जी. राम गोपाल नाईक के मुताबिक बॉबी के पिता की मृत्यु के बाद उसने सिलीगुड़ी में जूते की दुकान खोली। उसमें घाटा होने पर चंदन की लकड़ी की तस्करी के धंधे में वर्षों से जुड़े रिश्तेदार नीरज सहगल के संपर्क में आकर दिल्ली आ गया। इसके बाद नोएडा निवासी एक व्यक्ति के साथ मिलकर तस्करी शुरू कर दी।

ईद की खुशी

मुस्लिम समुदाय का प्रमुख त्योहार ईद बुधवार को देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर मस्जिदों में नमाजें पढ़ी गईं और लोगों ने गले मिलकर बधाइयां दीं। इस अवसर पर जामा मस्जिद में नमाज पढ़ने के बाद खुशियों का इजहार करते बच्चे। ध्रुव कुमार

भाविक बने नीट में दिल्ली के टॉपर

रितु राणा, नई दिल्ली

नीट की परीक्षा में दिल्ली में प्रथम व देश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र भाविक बंसल (बाएं) अपने परिवार के साथ। (छात्र द्वारा भेजी गई फोटो)

यमुनापार के विश्वास नगर इलाके में रहने वाले भाविक बंसल नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) परीक्षा 2019 में देश में दूसरे और दिल्ली में प्रथम स्थान पर रहे। आनंद विहार स्थित विवेकानंद स्कूल से भाविक ने इसी वर्ष 12वीं पास की है। इस परीक्षा में उन्होंने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। भाविक की मां सीमा बंसल सरकारी स्कूल में शिक्षिका और पिता राजेंद्र कुमार बंसल दिल्ली सरकार में कार्यरत हैं। भाविक एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेने मुंबई गए हैं।

मां सीमा बंसल ने बताया कि 10वीं के बाद ही भाविक ने नीट की परीक्षा पास करने का लक्ष्य बना लिया था। उसने 11वीं कक्षा में आते ही इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। स्कूल की पढ़ाई के साथ वह नीट की तैयारी कर रहा था। भाविक ने कभी ट्यूशन नहीं लगवाया। मां ही उन्हें पढ़ाती थीं। भाविक ने केवल नीट की तैयारी के लिए ही कोचिंग ली।

भाविक ने फोन पर बताया कि वह स्कूल में मन लगाकर पढ़ाई करते थे। घर लौटने के बाद वह दोपहर तीन बजे नीट की तैयारी के लिए कोचिंग पढ़ने जाते थे। उसके बाद रात आठ बजे घर पहुंचकर परिवार के साथ भोजन कर कुछ देर बातचीत कर फिर पढ़ाई करने बैठ जाते थे। उन्हें किताबों से बहुत प्यार है और किताबों से ज्यादा ज्ञान कोई नहीं दे सकता। उन्होंने अपनी किताबों को जो समय दिया, उसका ही परिणाम है कि वह आज नीट की परीक्षा में सफल हुए हैं।

भाविक ने 2019 में 12वीं की सीबीएसई परीक्षा में विज्ञान विषय में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यह भी उनके परिवार व पूरे स्कूल के लिए गौरव की बात थी। भाविक का मनपसंद विषय विज्ञान ही है। शुरू से ही उन्होंने विज्ञान विषय में अपनी पकड़ बना ली थी। इसके बाद स्कूल और कोचिंग के अध्यापकों और माता-पिता के मार्गदर्शन से उन्हें निरंतर सीखने की प्रेरणा मिलती रही।

भाविक का संदेश : पढ़ाई को बोझ की तरह नहीं, उसे मनोरंजन की तरह लें। मैं रात को पढ़ाई करूं या सुबह, मुझे कभी भी पढ़ाई करते वक्त थकावट नहीं लगती क्योंकि मैं हर विषय को आनंद लेकर पढ़ता हूं और उनमें नए-नए प्रश्न खोजता हूं। मैं सभी परीक्षार्थियों को यह संदेश देना चाहूंगा कि वह पढ़ाई का आनंद लें न कि उसे बोझ समझें। हम जब तक किताबों को बोझ समझकर पढ़ेंगे, तब कर हमें कुछ समझ नहीं आएगा और न ही हम परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

टॉप-10

1. नलिन खंडेलवाल (राजस्थान)
2. भाविक बंसल (दिल्ली)
3. अक्षत कौशिक (उत्तर प्रदेश)
4. स्वास्तिक भाटिया (हरियाणा)
5. अनंत जैन (उत्तर प्रदेश)
6. भट सार्थक राघवेंद्र (महाराष्ट्र)
7. माधुरी रेड्डी जी. (तेलंगाना)
8. ध्रुव कुशवाहा (उत्तर प्रदेश)
9. मिहिर राय (दिल्ली)
10. राघव दुबे (मध्य प्रदेश)

नई तकनीक

प्रगति मैदान में शुरू हुए विश्व पर्यावरण एक्सपो में वायु प्रदूषण से बचने की नई-नई तकनीकों का किया जा रहा प्रदर्शन

ऐसा कूड़ेदान जो भरने पर भी भरता नहीं

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

तेजी से बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच इसके दुष्प्रभाव से बचने की नई-नई तकनीकें भी सामने आ रही हैं। प्रगति मैदान के हॉल नंबर-सात में बुधवार से शुरू हुई विश्व पर्यावरण एक्सपो में इन तकनीकों को समझा जा सकता है और उनका इस्तेमाल भी देख सकते हैं। इन तकनीकों के उपयोग से प्रदूषण की समस्या को कम तो किया जा सकता है। प्रदर्शनी शुक्रवार तक चलेगी।

एक्सपो में एक ऐसा कूड़ेदान-स्मार्ट बिन प्रदर्शित किया गया है, जो रोज नहीं भरता। यह बिन तीन अलग- अलग क्षमताओं में उपलब्ध है। एक सौ लीटर, 120 लीटर और 240 लीटर में। जैसे ही संबंधित क्षमता का कूड़ेदान अपनी क्षमता के अनुरूप कचरा भर लेगा, उसके साथ ही यह कूड़ेदान खुद व खुद उसे दबाकर नीचे ले जाएगा और आप फिर से उसमें उतनी ही क्षमता में कचरा डाल सकेंगे। यह प्रक्रिया सात से आठ बार तक चलेगी। इसके बाद कूड़ेदान खाली करना होगा। यह सौर ऊर्जा से चलता है।

पर्यावरण एक्सपो में ऐसे हाईटैक मास्क भी प्रदर्शित हैं, जो दोहरी प्रणाली से काम करते हैं। मतलब, एक तरफ इनमें एयर प्यूरीफायर लगा हुआ है तो दूसरी तरफ एक छोटा सा पंखा लगा है। एयर प्यूरीफायर जहां प्रदूषित वातावरण में भी आपके शरीर में स्वच्छ हवा को ही प्रवेश देता है, वहीं पंखे की हवा घुटन का एहसास नहीं होने देती। यह मास्क बच्चों और व्यस्कों के लिए अलग ढंग डिजाइन किए गए हैं। इनमें लगा फिल्टर 0.3 माइक्रोन तक के आकार वाले प्रदूषक तत्वों को भी अपनी गिरफ्त में ले लेता है।

भंडारे के बाद कचरा नहीं फैलाएंगी प्लेटें : पर्यावरण एक्सपो में ऐसी इको फ्रेंडली प्लेटें भी प्रदर्शित की गई हैं, जो न प्लास्टिक से बनी हैं और न ही थर्मोकोल से। प्लास्टिक और थर्मोकोल से बनी प्लेटें फेंके जाने के बाद कचरा भी फैलाती हैं और इनका पूर्णतया निपटान भी नहीं हो पाता, जबकि यहां प्रदर्शित प्लेटें गन्ने से जूस निकालने के बाद उससे निकलने वाली वेगास से बनाई जाती हैं। ऐसे में इस्तेमाल होने के बाद यह प्लेटें आसानी से मिट्टी में मिल भी जाती हैं और पर्यावरण को नुकसान भी नहीं पहुंचातीं।

अंतिम संस्कार के लिए गाय के गोबर से बना ईंधन

आइआइटी दिल्ली के विद्यार्थियों का एक समूह एक्सपो में आने वाले दर्शकों को एक अनूठी पहल के प्रति प्रेरित कर रहा है। यह पहल है- गाय के गोबर से बने ईंधन के जरिये अंतिम संस्कार करने की। इन विद्यार्थियों की ही संस्था अर्थ के प्रमुख हर्षवर्धन पार्तनी ने बताया कि भारत में अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों की आपूर्ति करने को हर साल 16.4 मिलियन पेड़ काट दिए जाते हैं, जबकि हर साल गाय का 190 मिलियन टन गोबर व्यर्थ चला जाता है। ऐसे में अगर अंतिम संस्कार के लिए गाय के गोबर से बने ईंधन का इस्तेमाल किया जाए तो वातावरण भी कम प्रदूषित होगा और पेड़ों को कटने से भी बचाया जा सकेगा।

भाजपा नेता ने गोली मारकर की आत्महत्या

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : नगर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर भाजपा नेता ने मां के घर पर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पत्नी व बेटे ने दोनों बड़े भाइयों पर संपत्ति को लेकर विवाद व उनका मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट में भी दोनों भाइयों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। लिखा है कि दोनों ने उनके इकलौते बेटे की हत्या की धमकी दी है। बेटे व परिवार की सुरक्षा की जाए। बेटे की ओर से दोनों भाइयों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मृतक की पहचान नवीन जैन (50) के रूप में हुई है, जो पत्नी शुभ्रा व बेटे रचित के साथ अशोक नगर में रहते थे। नवीन भाजपा किसान मोर्चा में महानगर कोषाध्यक्ष थे और उनकी डिस्पोजेबल आइट बनाने की फैक्ट्री है। नवीन के दो बड़े भाई पवन जैन व पंकज जैन हैं। पवन मां शारदा जैन के साथ आंबेडकर रोड स्थित गुप्ता कालोनी में रहते हैं। नवीन साल 2006 में मां व भाइयों से अलग हो गए थे।

फ्लैट बनाने में बिल्डर नाकाम, ब्याज के साथ लौटाने होंगे 34 लाख

सुशील गंभीर, नई दिल्ली

वर्ष 2010 में बिल्डर ने ग्राहक के साथ तीन साल में फ्लैट देने का अनुबंध किया, लेकिन निर्माण पूरा नहीं किया। ग्राहक ने बैंक से लोन लेकर उसका ब्याज दिया। लंबे इंतजार के बाद भी निकट भविष्य में फ्लैट मिलने के कोई आसार नजर नहीं आए तो मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचा। आयोग ने बिल्डर को सेवा में कोताही बरतने और अनैतिक व्यापार करने का जिम्मेदार पाया। बिल्डर को आदेश दिया कि ग्राहक को 34 लाख रुपये 12 फीसद वार्षिक ब्याज के साथ वापस किए जाएं। बिल्डर पर 25 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है।

ग्रेटर कैलाश निवासी अंजली चावला ने यूनिटेक लिमिटेड के गुरुग्राम में बनने वाले यूनिटेक हाइट्स प्रोजेक्ट में एक फ्लैट बुक किया था। आयोग में दायर शिकायत के मुताबिक नवंबर 2010 में अनुबंध हुआ और फ्लैट की कुल कीमत 79 लाख 66 हजार तय हुई। अनुबंध के मुताबिक तीन साल में फ्लैट बनाकर कब्जा दिया जाना था। शिकायत में कहा गया है कि साढ़े सात लाख रुपये बुकिंग के तौर पर दिए थे। बकाया रकम अदा करने के लिए लोन लिया था। दिसंबर 2012 तक 34 लाख 58 रुपये अदा कर दिए गए थे, लेकिन फ्लैट का निर्माण अधर में ही था।

बिल्डर ने नहीं दिया नोटिस का जवाब : शिकायत के मुताबिक अधर में लटके निर्माण के चलते कई बार बिल्डर से संपर्क किया गया, लेकिन कोई राहत देने वाला जवाब नहीं मिला। अनुबंध के मुताबिक नवंबर 2013 में फ्लैट मिलना था, लेकिन 2016 में भी कोई आसार नहीं दिखे तो लीगल नोटिस दिया गया। बिल्डर की तरफ से नोटिस का भी कोई जवाब नहीं दिया। मामला जब उपभोक्ता आयोग पहुंचा तो आयोग की तरफ से बिल्डर को नोटिस जारी हुआ। इसका जवाब देने के लिए समय दिया गया, लेकिन आयोग में बिल्डर की तरफ से कोई जवाब दाखिल नहीं किया।

166 साल पुराने गत्ते वाले टिकट रेलवे से होंगे अलविदा। 31 मई से गत्ते वाले टिकटों की प्रिंटिंग पर रेलवे की ओर से रोक लगा दी है। इसके साथ ही छोटे व हाल्ट स्टेशनों पर भी अनरिजर्व टिकट सिस्टम (यूटीएस) मशीन से जनरल टिकट की बिक्री की व्यवस्था शुरू कराने के प्रयास शुरू हो गए हैं।

मोदी का आह्वान, योग को जीवन का हिस्सा बनाएं

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्व योग दिवस (21) से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोगों से योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने योग के एक आसन से संबंधित एक छोटा सा वीडियो भी पोस्ट किया है। पिछले साल भी पीएम ने योग के विभिन्न आसनों से संबंधित कई वीडियो क्लिप पोस्ट की थीं।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, '21 जून को हम योग दिवस मनाएंगे। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और दूसरों को ऐसा करने के लिए प्रेरित करें।' केंद्र सरकार प्रत्येक साल की तरह इस बार भी योग दिवस पर कई शहरों में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इनके लिए दिल्ली, शिमला, मैसुर, अहमदाबाद और रांची शहरों का चुनाव किया गया है। मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री के बनने के बाद उनकी सरकार का यह पहला विशाल सार्वजनिक कार्यक्रम होगा।

प्रकृति के साथ सद्भाव से रहेंगे तो भविष्य बेहतर होगा : पीएम

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को पीएम मोदी ने कहा कि अगर हम प्रकृति के साथ सद्भाव से रहेंगे तो भविष्य बेहतर होगा। उन्होंने ट्वीट किया, 'हमारी पृथ्वी और यहां का वातावरण कुछ ऐसा है, जिसमें हम सभी को बहुत प्यार करते हैं। आज हम विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं, ऐसे में हम प्रदूषण रहित पृथ्वी सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।' उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा है कि सिर्फ पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है बल्कि लोगों को पेड़ बनने तक इसकी देखभाल करनी होगी।

एक भी सीट जीतने में नाकाम रहे 610 राजनीतिक दल

इस बार के लोकसभा चुनावों में 610 क्षेत्रीय और छोटे राजनीतिक दल एक भी सीट नहीं जीत सके। जबकि 530 राजनीतिक दल ऐसे हैं, जिनका वोट शेयर जीरो रहा। चुनाव आयोग के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल 13 दल सिर्फ एक सीट हासिल करके लोकसभा में प्रवेश करने में सफल रहे।

इतने दल रहे सफल

इस बार कुल 37 राजनीतिक दल लोकसभा पहुंचने में कामयाब रहे। वहीं 2014 के लोकसभा चुनावों में कुल 464 पार्टियों में से 38 दलों ने लोकसभा में प्रवेश किया था।

शून्य सीटों वाले बड़े क्षेत्रीय दल

फॉरवर्ड ब्लॉक, भारती राष्ट्रीय लोक दल (इनेलो), जननायक जनता पार्टी (जेजेपी), सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, सर्व जनता पार्टी (एसजेपीए), जम्मू एंड कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआइएनआरसी), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और पीएमके।

एक सीट जीतने वाले दल

सिर्फ एक सीट के साथ सदन में प्रवेश करने वाली पार्टियों में आम आदमी पार्टी, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी, एआइएडीएमके, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, क्रांतिकारी सोशलिस्ट पार्टी, वीसीके, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, राष्ट्रवादी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (नगालैंड), जनता दल (एस), राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरल कांग्रेस (एम) और मिजो नेशनल फ्रंट शामिल हैं। वहीं 2014 लोकसभा चुनावों में 12 दलों ने एक-एक सीट जीती थी।

राष्ट्रीय दलों का प्रदर्शन

इस बार छह राष्ट्रीय दलों (भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, सीपीआइ, सीपीआइ (एम), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) ने सामूहिक रूप से 2014 (342) की तुलना में 375 सीटें हासिल की।

पिछला प्रदर्शन

2014 के लोकसभा चुनावों में खाता न खोल पाने वाले चार सौ दलों के 6,040 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी।

चुनाव आयोग ईवीएम से जुड़े दंड वाले प्रावधान पर करेगा पुनर्विचार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव खत्म हो जाने के बाद चुनाव आयोग एक बार फिर से चुनाव के पुराने नियमों और उसमें किये जाने वाले संशोधनों पर विचार करने का मन बना रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने कहा है कि निर्वाचन आयोग चुनाव के उस नियम पर पुनर्विचार कर सकता है, जिसमें ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की गड़बड़ी की शिकायतें झूठी पाये जाने पर मतदाता के खिलाफ मुकदमा चलाने का प्रावधान है। इसी को देखते हुए चुनाव आयोग ने नौ विशेष कार्य बलों का गठन किया है जो हाल ही में संपन्न हुए चुनाव से जुड़े हर पहलू पर विस्तृत रिपोर्ट आयोग को सौंपेंगे, जिसे लेकर आयोग आगे बढ़ेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने दंड प्रावधन से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि देश में कई लोगों का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया में इस प्रकार का दंड अवांछनीय है। उनके अनुसार चुनाव खत्म हो चुका है, इसीलिए आयोग आतंरिक रूप से इस पर चर्चा करेगा कि क्या इसमें संशोधन या शिथिलता आदि होनी चाहिए या फिर नहीं।

असल में मौजूदा नियमावली के अनुसार अगर कोई वोटर दावा करता है कि ईवीएम या पेपर ट्रेल मशीन में उसका वोट सही से रिकॉर्ड नहीं हुआ तो उसे निर्वाचन आचार नियम के नियम 49 एमए के तहत टेस्ट वोट डालने की अनुमति मिलती है। यानी उसे मौका दिया जाता है कि एक बार फिर से बटन दबाएं और देखें कि सही निशान दिखाता है या नहीं। इस वोट का गिना नहीं जाता है, लेकिन अगर वोटर इस गड़बड़ी को साबित करने में नाकाम रहता है तो चुनाव अधिकारी भारतीय दंड संहिता की धारा 177 के तहत शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। ऐसा ही एक वाकया इस चुनाव में भी देखने को मिला था, जब एक वोटर ने मशीनों से जुड़ी शिकायत बूथ पर अधिकारी से की थी और बाद में सोशल मीडिया पर इसको लेकर बहस छिड़ गई थी। हालांकि चुनाव आयोग लंबे समय से कहता रहा है कि अगर दंड का प्रावधान नहीं हो तो लोग झूठे दावे कर सकते हैं।

व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ेगा अब हर छात्र

नई शिक्षा नीति ▸ 2025 तक पचास फीसद छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य

मौजूदा समय में देश में पांच फीसद से कम लोगों के पास है व्यावसायिक शिक्षा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

स्कूल, कालेजों और विश्वविद्यालयों से निकलने वाले छात्र अब डिग्री और डिप्लोमा के साथ हुनरमंद बनकर भी निकलेंगे। सरकार ने इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। हाल ही में सामने आई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे में भी व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। साथ ही वर्ष 2025 तक पचास फीसद छात्रों को इससे जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। मौजूदा समय में देश के कामकाजी लोगों में (19 से 24 आयु वर्ग) पांच फीसद से कम लोग व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त हैं।

सरकार के साथ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने की यह पहल उस समय की गई है, जब स्कूल-कालेजों से निकलने के बाद छात्रों को नौकरी के लिए भटकना पड़ता है। वजह इनके पास कोई व्यावसायिक हुनर का नहीं होना है। यही वजह है कि शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से जोड़ने की पहल तेज की गई है। मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने मंत्रालय का जिम्मा संभालते ही अधिकारियों से व्यावसायिक शिक्षा पर पूरी ताकत लगाने के निर्देश दिए हैं।

व्यावसायिक शिक्षा को छठी कक्षा से पढ़ाने की सिफारिश : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे में व्यावसायिक शिक्षा में देश के पिछड़ेपन को लेकर चिंता जताई गई है। साथ ही कहा गया है कि कामकाजी दुनिया में हर किसी को काम देने के लिए शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा समय में अमेरिका के कामकाजी लोगों में (19 से 24 आयु वर्ग) 52 प्रतिशत लोग व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त हैं, जबकि जर्मनी में 75 प्रतिशत और कोरिया में 96 प्रतिशत लोग व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त हैं। प्रस्तावित नीति के मसौदे में व्यावसायिक शिक्षा को स्कूलों में छठी से पढ़ाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के बीच व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने का भी सुझाव दिया गया है।

व्यावसायिक शिक्षा से जोड़े 'लोक विद्या' भी : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित पारंपरिक हुनर को भी व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने की सिफारिश की गई है। केंद्र सरकार ने ऐसे विशिष्ट महत्व वाले क्षेत्रों की पहचान कर छात्रों को उसमें प्रशिक्षित करने पर जोर दिया है। इससे जहां यह प्राचीन ज्ञान अगली पीढ़ी तक पहुंचेगा, साथ ही भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में मदद मिलेगी। इनमें महीन काम वाले वस्त्रों, कशीदाकारी, भव्य स्थापत्य, औषधीय ज्ञान कला, शिल्पकारी और जल संरक्षण जैसे विधाओं को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। इससे युवाओं के सामने नए क्षेत्र में रोजगार के अवसर होंगे और भारतीय ज्ञान भी बढ़ेगा।

रमेश पोखरियाल 'निशंक' फाइल

पलानीस्वामी का पीएम से अनुरोध देश भर में तमिल बने वैकल्पिक भाषा

नई दिल्ली, एएनआइ : तीन भाषा फार्मूला में हिंदी को शामिल किए जाने पर विवाद के बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश भर के पाठ्यक्रम में तमिल को वैकल्पिक भाषा के रूप में शामिल करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया है, 'माननीय पीएम नरेंद्र मोदी से दूसरे राज्यों में तमिल को अध्ययन के लिए वैकल्पिक भाषा के रूप में शामिल करने का आग्रह है। इससे दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक में शामिल तमिल के लिए बड़ा कदम होगा।'

केंद्र के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे का गैर हिंदी भाषी राज्यों के नेताओं ने विरोध किया है। तमिलनाडु में दलगत भावना से ऊपर उठकर सभी नेताओं ने कहा है कि उनका राज्य तीसरी भाषा को किसी कीमत पर सहन नहीं करेगा।

केंद्र के कार्यालयों में तमिल बने आधिकारिक भाषा : द्रमुक

चेन्नई, प्रेट्र : केंद्र के तीन भाषा फार्मूला लागू करने का कड़ा प्रतिरोध करने के बाद द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने बुधवार को केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में तमिल को आधिकारिक भाषा बनाने की मांग की। आइयूएमएल के पूर्व अध्यक्ष कैद-ए-मिल्लत को श्रद्धांजलि देने के बाद द्रमुक प्रमुख ने कहा कि हम इस मांग पर जोर देंगे। द्रमुक इस मांग का समर्थन जारी रखेगा।

एमके स्टालिन फाइल

एयर इंडिया ने किया था विदेशी विमान कंपनियों को लाभ पहुंचाने का विरोध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 2010 में तत्कालीन कार्यकारी निदेशक ने लिखा था विमानन मंत्रालय को पत्र
- कहा था, विदेशी विमान कंपनियों को अनापशनाप सीटें बढ़ाने का मौका देना ठीक नहीं

एयर इंडिया में होता है एयर इंडिया का इस्तेमाल। फाइल

विदेशी विमान कंपनियों को द्विपक्षीय समझौतों के तहत लाभकारी रूट आवंटित करने के खिलाफ एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 2010 में तत्कालीन यूपीए सरकार को पत्र लिखकर विरोध जताया था और इससे एयर इंडिया को संभावित नुकसान के बारे में आगाह किया था।

इस संबंध में एयर इंडिया के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक (योजना एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध) टीके पलित का उस समय विमानन मंत्रालय को लिखा गया पत्र सामने आया है। पत्र में पलित ने लिखा है, 'यदि द्विपक्षीय समझौतों के तहत दक्षिण पूर्व एशियाई देशों तथा खाड़ी देशों की विमान कंपनियों को अपनी क्षमता बढ़ाने का और अधिकार दिया जाता है तो इससे भारतीय विमान कंपनियों को और नुकसान होगा।'

उस समय एयर इंडिया का कहना था कि भारत को तथा भारत से उड़ाने भरने वाली विदेशी विमान कंपनियां एयर इंडिया तथा अन्य भारतीय विमान कंपनियों के मुकाबले काफी सशक्त हैं। उनके पास विशाल बेड़े के अलावा अपेक्षाकृत बड़ा नेटवर्क और अपने खुद के देशों में सुविकसित हवाई अड्डे हैं। इसके अलावा विदेशी विमान कंपनियों के पास नकदी की कोई कमी नहीं है और वे सीट फैक्टर में गिरावट को लंबे समय तक बर्दाश्त कर सकती हैं। उन्हें अपनी सरकारों से वित्तीय एवं अन्य मदद मिलती है। एयर इंडिया तथा भारत की निजी विमान कंपनियों की हालत फिलहाल अच्छी नहीं है और वे अब भी अपने बेड़ों के आधुनिकीकरण एवं विस्तार का प्रयास कर रही हैं।

एयर इंडिया का कहना था कि जनवरी, 2004 से अप्रैल, 2010 के छह वर्षों की लंबी अवधि के दौरान द्विपक्षीय समझौतों के तहत विदेशी विमान कंपनियों की क्षमता 2.28 करोड़ से बढ़कर 8.35 करोड़ वन वे सीट हो गई। यह 266.5 फीसद औसत वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि वास्तविक वृद्धि इससे भी कहीं ज्यादा रही है। ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि कुछ समझौतों के तहत विदेशी विमान कंपनियों को भारत में तथा भारत से होने वाली उड़ानों में असीमित सीटें बढ़ाने के साथ भारत के महत्वपूर्ण शहरों तक पहुंच बनाने का मौका दिया गया। विदेशी विमान कंपनियों ने 6ठे फ्रीडम राइट्स का भी इस्तेमाल किया जिसके तहत उन्हें किसी दूसरे देश से किसी अन्य देश के बीच अपने देश से होकर उड़ाने भरने का मौका मिलता है। इसका फायदा उठाते हुए खाड़ी देशों की एमीरेट्स और कतर एयरवेज जैसी कंपनियों ने भारत से यूरोप और अमेरिका के लिए लंबी दूरी की यात्रा शुरू कर दी।

गौरतलब है कि यूपीए सरकार पर अपने फैसले से विदेशी विमान कंपनियों को फायदा पहुंचाने और एयर इंडिया को घाटे में लाने के आरोप लगते रहे हैं। इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तत्कालीन विमानन मंत्री प्रफुल्ल पटेल को गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। जहां उनसे एविएशन लॉबिस्ट दीपक तलवार के साथ हुए मेल व फोन पर संवाद को लेकर सवाल पूछे जाने की संभावना है।

तलवार पर विदेशी विमान कंपनियों को द्विपक्षीय समझौतों के जरिये लाभ पहुंचाने में बिचौलिये की भूमिका निभाने का शक है। गुरुवार को पटेल प्रेस कांफ्रेंस भी कर सकते हैं। पटेल समर्थक विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी सरकार की प्राथमिकता हवाई सेवाओं के विस्तार के साथ हवाई किराया में कमी लाने और यात्रियों को ज्यादा विकल्प देने की होती है। सरकार किसी एक विमान कंपनी के फायदे को ध्यान में रखकर फैसला नहीं लेती। भारत में हवाई किराए में कमी यूं ही नहीं आई है।

दो साल में साफ हो जाएगी गंगा : शेखावत

नई दिल्ली, आइएएनएस : केंद्र सरकार ने कहा है कि दो साल में गंगा साफ हो जाएगी। नमामि गंगे परियोजना के अच्छे नतीजे नहीं आने पर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह दावा किया है।

गजेंद्र सिंह शेखावत फाइल

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में शेखावत ने कहा कि केवल सरकार के प्रयासों से अच्छे परिणाम नहीं आ सकते हैं। उन्होंने गंगा के कायाकल्प और संरक्षण के लिए आम जनता से आगे आने का आह्वान किया। शेखावत ने कहा कि लगातार यह पूछा जा रहा है कि पिछले चार सालों के दौरान आखिर गंगा साफ क्यों नहीं हुई? ऐसे लोगों को मैं बताना चाहूंगा कि गंगा की सफाई का काम पूरी क्षमता से चल रहा है। 298 परियोजनाओं में से 98 परियोजनाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। अगले दो साल में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि केवल कड़े नियम बनाना पर्याप्त नहीं है। लोगों को अपने जीवन में नदी की उपयोगिता के बारे में समझना होगा। हमें ऐसा तंत्र विकसित करना होगा, जिसमें सरकार और आम जनता के बीच साझेदारी हो।

ईद मिलन

नई दिल्ली में बुधवार को भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन के आवास पर ईद मिलन कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। इस दौरान आडवाणी को सेवई खिलाते शाहनवाज हुसैन। प्रेट्र

खाली पदों को भरने के लिए कैबिनेट का विस्तार होगा : सिद्दरमैया

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार से कांग्रेस-जदएस गठबंधन के भीतर संकट टलने के अनुमान के बीच गठबंधन समन्वय समिति के प्रमुख सिद्दरमैया ने कहा, सबसे पहले मंत्रिमंडल की खाली जगहों को भरा जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस विधायक दल के भी नेता हैं। उन्होंने कहा कि अगले विस्तार में नाराज पार्टी विधायक रामलिंगा रेड्डी को मंत्री के रूप में सेवा करने का मौका मिल सकता है। रेड्डी ने मंगलवार को वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की थी।

सिद्दरमैया ने कहा, 'मैं रामलिंगा रेड्डी से बात करूंगा। मैंने उनसे कहा था कि फेरबदल के दौरान वह मंत्री बनाए जाएंगे। अब हम फेरबदल नहीं करेंगे। हमने कांग्रेस कोटा की एक सीट भरने का फैसला लिया है। शिवाली के निधन के कारण यह सीट खाली हो गई है। जब फेरबदल होगा तो रामलिंगा को भी अवसर मिलेगा।' सिद्दरमैया और मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी कैबिनेट विस्तार या फेरबदल पर कई दौर की वार्ता कर चुके हैं। माना जा रहा है कि वे पहले तीन खाली जगहों को भरने और उसके बाद जरूरी होने पर फेरबदल पर सहमत हो गए हैं। कर्नाटक कैबिनेट में मंत्री के 34 पदों में से कांग्रेस के 22 और जदएस के 12 पद हैं।

महाराष्ट्र में अगले हफ्ते से वंदे भारत जैसी ट्रेन का ट्रायल रन

मुंबई, प्रेट्र : नई दिल्ली से वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की सफलता से उत्साहित रेलवे ऐसी ही हाई स्पीड ट्रेन मुंबई से पुणे, नासिक और वडोदरा के बीच चलाने की संभावना पर विचार कर रहा है। दिल्ली से वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ने यात्रा समय में 40 फीसद की कमी की है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य (रोलिंग स्टॉक) राजेश अग्रवाल ने कहा, 'हम यह पता लगाना चाहते हैं कि क्या ऐसी ट्रेन मुंबई से पुणे या मुंबई से नासिक या मुंबई से बड़ौदा (वडोदरा) के बीच चलाई जा सकती है। अगले सप्ताह से प्रायोगिक परिचालन शुरू हो जाएगा।'

अग्रवाल ने आगे कहा, 'अगले सप्ताह से वंदे-भारत पैटर्न पर हम प्रायोगिक परिचालन शुरू करने जा रहे हैं। एक एसी-ईएमयू रैक और एक गैर-एसी मेमू रैक मध्य और पश्चिम रेलवे को दिया जाएगा। यदि योजनानुसार प्रयोग सफल रहा तो हम मुंबई से पुणे और नासिक के बीच यात्रा समय को करीब दो घंटा कम कर सकते हैं। अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। हम केवल संभावना का पता लगाने जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यातायात गतिरोध और ट्रैक सहित बुनियादी ढांचा का उन्नयन रेलवे के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि मार्च 2020 के आखिर तक रेलवे ने मुंबई में 12 एसी लोकल चलाने की योजना बनाई है। इनमें से मध्य और पश्चिम उपनगरीय लाइनों पर छह-छह लोकल चलाई जाएंगी।

- मुंबई से पुणे, नासिक और वडोदरा के बीच संभावना तलाश रहा है रेलवे

वंदे भारत एक्सप्रेस फाइल

रेलवे बोर्ड के सदस्य (रोलिंग स्टॉक) राजेश अग्रवाल ने कहा कि कोच की कमी नहीं है क्योंकि उसके निर्माण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष तक हर कोच फैक्ट्री में सालाना 4000 से कम कोच बनते थे और इस वर्ष इनकी संख्या 6000 तक पहुंच सकती है। अगले साल 8000 कोच बनाने का लक्ष्य है।

अंदरूनी खींचतान

लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस पाटी में अंदरूनी खींचतान से पार्टी की सियासी चुनौती बढ़ गई है

कांग्रेस में गठबंधन खत्म करने और सूबों में बदलाव की मांग तेज

संजय मिश्र, नई दिल्ली

- बिहार में राजद से नाता तोड़ने की वकालत, नेतृत्व की कमजोरी पर भी सवाल
- राजस्थान में खेमेबाजी बढ़ी, मध्य प्रदेश में भी संगठन में बदलाव का दबाव

कांग्रेस में इन दिनों बदलावों को लेकर मंथन का दौर जारी है। फाइल

लोकसभा चुनाव में हार के बाद कई सूबों में प्रदेश कांग्रेस में व्यापक बदलाव की मांग जोर पकड़ने लगी है। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे सूबों में प्रदेश कांग्रेस का चेहरा बदलने को लेकर अंदरूनी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। वहीं, बिहार में प्रदेश नेतृत्व की शैली पर सवाल उठाने के साथ ही राजद से गठबंधन खत्म करने की मांग भी उठने लगी है। जबकि महाराष्ट्र में कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ विधायकों के पार्टी छोड़ने की खबरों ने कांग्रेस की सियासी चुनौती चौतरफा बढ़ा दी है।

लोकसभा चुनाव में शिकस्त के बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के इस्तीफे की पेशकश पर जारी असमंजस के बीच प्रदेश संगठनों में बदलाव को लेकर पार्टी के नेता हाईकमान से जल्द निर्णायक फैसले की उम्मीद कर रहे हैं। इसीलिए तमाम राज्यों की कांग्रेस इकाइयों ने राहुल के इस्तीफे की पेशकश खारिज करने के कार्यसमिति के प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए प्रस्ताव पारित किए हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से जोधपुर सीट पर हार की जिम्मेदारी लेने की बात कहकर साफ इशारा कर दिया है कि सूबे के संगठन में सब कुछ ठीक नहीं है। सूबे के मंत्री और पार्टी विधायकों के बीच भी खेमेबाजी स्पष्ट नजर आ रही है। मध्य प्रदेश में भी सिर्फ अपने बेटे की सीट निकलवा पाए मुख्यमंत्री कमलनाथ पर ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक नेता प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने का दबाव बना रहे हैं। इतना ही नहीं, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग सिंधिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग कर रहा है।

बिहार में भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मदन मोहन झा के 'चुप नेतृत्व' को लेकर हाईकमान का दरवाजा खटखटाया जाने लगा है। सूबे के कई नेताओं ने राज्य प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल के अलावा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से साफ कहा है कि मदन मोहन सूबे में पार्टी को प्रभावशाली और जुझारू नेतृत्व नहीं दे पा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस की ऐसी स्थिति हो गई है कि राजनीतिक कार्यक्रम भी राजद में संचालित होने लगा है। इसीलिए बिहार में सबल नेतृत्व ही नहीं, राजद से गठबंधन खत्म करने की वकालत भी की जा रही है।

बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने इस बारे में 'दैनिक जागरण' से कहा कि आज के हालत में जनता के बीच अपने बूते जाकर ही पार्टी अपनी जमीन वापस पा सकती है। इसके लिए गठबंधन की बेड़ियों को तोड़कर कांग्रेस को जनता का विश्वास खुद आगे बढ़कर हासिल करना होगा। अनिल शर्मा के अनुसार कोई भी पार्टी जब अपनी प्राकृतिक भूमिका भूल जाती है तब जनाधार पर असर पड़ता ही है। बिहार में राजद के साथ गठबंधन की वजह से ही आज कांग्रेस इस हालत में पहुंची है। ऐसे में अब जरूरी है कि सूबे में आक्रामक तेवर वाले नेतृत्व के सहारे अपने परंपरागत आधार की ओर लौटें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर आज के हालात में केवल राहुल गांधी ही आक्रामक नेतृत्व दे सकते हैं। पराक्रमी सत्ता के खिलाफ खड़ा होने का साहस किसी दूसरे नेता में नहीं है। बिहार कांग्रेस के एक अन्य वरिष्ठ नेता किशोर कुमार झा ने भी कहा कि गठबंधन के कारण ही सूबे में पार्टी हाशिये पर चली गई है। ऐसे में हाईकमान को कांग्रेस के अकेले चलने का निर्णय लेना होगा क्योंकि बीते दो दशक में गठबंधन का फायदा केवल राजद को हुआ है, जबकि कांग्रेस के खाते में सिर्फ घाटा ही आया है। लोकसभा चुनाव में 11 की जगह नौ सीटों पर कांग्रेस के राजी को लेकर प्रदेश नेतृत्व को घेरते हुए झा ने कहा कि सूबे में हमारे कमजोर नेतृत्व का राजद ने फायदा उठाया। उनका साफ कहना था कि चुनाव के दरम्यान खुले तौर पर सवर्ण विरोध की बात करने वाली राजद के साथ गठबंधन जारी रखना हित में नहीं है क्योंकि कांग्रेस की विचारधारा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की है।

कह के रहेंगे माधव जोशी

60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए हैं इस लोकसभा चुनाव के प्रचार पर। सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च द्वारा लोकसभा चुनावों के खर्चों पर प्रकाशित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 2014 लोकसभा चुनाव में 30 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 6 जून 2019

हरियाणा में मिशन-80 के लिए भाजपा का शंखनाद

विधानसभा चुनाव की तैयारी ▸ लोकसभा चुनाव में जीत का आधार बने पन्ना प्रमुख होंगे इस बार भी खास

सत्ता व संगठन के बीच की दूरी खत्म, सीएम ने कार्यकर्ताओं को लगाया सिर माथे

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हिसार में कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में कार्यकर्ताओं पर फूलों की वर्षा करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व साथ में मौजूद वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु। जागरण

हरियाणा में लोकसभा चुनाव का मिशन-10 फतह करने के तुरंत बाद भाजपा ने अब विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा दिया है। अपने वजूद के लिए लड़ रहे विपक्षी दलों को दरकिनार कर भाजपा ने विधानसभा चुनाव की पूरी लड़ाई कार्यकर्ताओं के माध्यम से लड़ने की तैयारी की है। इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को बांगर-जाट बेल्ट के अंतर्गत हिसार से कर दी है। मिशन-80 का लक्ष्य लेकर चल रहे मुख्यमंत्री ने सुबह हिसार में कार्यकर्ताओं का तिलक लगाकर व पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया और शाम को राजधानी चंडीगढ़ से सटे पंचकूला में उनकी पीठ ठोंकी।

हरियाणा में यह पहला मौका है जब किसी राजनीतिक दल द्वारा नेताओं की बजाय कार्यकर्ताओं का अभिनंदन समारोह आयोजित किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा भले ही मोदी को जीत का श्रेय दे रही है, लेकिन मुख्यमंत्री ने बिना किसी लाग-लपेट के इस जीत का सेहरा कार्यकर्ताओं के सिर बांधा है। उन्होंने नारा दिया कि मोदी नहीं, बल्कि कार्यकर्ता हैं तो सब कुछ मुमकिन है।

मुख्यमंत्री के भाषण का पूरा फोकस कार्यकर्ताओं पर रहा। उन्होंने पन्ना प्रमुखों की दिल खोलकर तारीफ की। भाजपा ने बड़े ही रणनीतिक ढंग से पन्ना प्रमुखों को चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी थी। एक पन्ना प्रमुख के जिम्मे मात्र 60 वोट थी। उन्हें पूरे चुनाव में सिर्फ 60 मतदाताओं को ही देखना था। इन मतदाताओं को पार्टी के हक में तैयार करने से लेकर मतदान केंद्र तक ले जाने में पन्ना प्रमुखों ने अहम भूमिका निभाई है। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा पन्ना प्रमुखों के सहारे चुनाव वैतरणी पार करने का इरादा रखती है।

हिसार संसदीय सीट भाजपा के लिए शुरू से ही बंजर भूमि की तरह रही है। भाजपा ने हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान भजनलाल व चौटाला परिवार के सदस्यों को हराकर यहां पहली बार कमल खिलाया है। इस जीत से मनोहर लाल खासे उत्साहित हैं। मनोहर लाल पर यह आरोप लगता रहा है कि वह अपने कार्यकाल के दौरान सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने जिस तरह के कार्यकर्ताओं का मान सम्मान करने की पहल की है, उससे उन्होंने हर आम कार्यकर्ता का दिल जीत लिया है।

राज्य के विपक्षी दलों के नेता भले ही मनोहर लाल को राजनीति का नया खिलाड़ी मानते हों, लेकिन वास्तविकता यह है कि अब मनोहर लाल मंझे हुए खिलाड़ी बन चुके हैं। पहले पांच नगर निगम, फिर जींद उपचुनाव और अब दस लोकसभा सीटें जीतकर उन्होंने साबित कर दिया कि उन्हें प्रदेश के राजनीतिक मिजाज की पूरी तरह से समझ आ चुकी है। हिसार से अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर मनोहर लाल ने भजनलाल और ओमप्रकाश चौटाला के साथ-साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह के प्रभाव को खुली चुनौती दी है।

चौ. बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र सिंह ने जब तक हिसार लोकसभा सीट नहीं जीती थी, तब तक बीरेंद्र मुख्यमंत्री के साथ ठीक चलते रहे, लेकिन दिल्ली पहुंचते ही उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाकर सीधे तौर पर मुख्यमंत्री की घेराबंदी कर दी है। इस घेराबंदी को हालांकि बीरेंद्र अथवा उनके बेटे की केंद्रीय मंत्रिमंडल में एंट्री नहीं हो पाने की कसक के रूप में देखा जा रहा है। मगर सीएम ने अपने अभियान की शुरुआत हिसार से करके यह संदेश देने की कोशिश की है कि केंद्र में मोदी व हरियाणा में मनोहर हैं तो सब कुछ मुमकिन है।

विधायक को अपशब्द कहने से बढ़ा हरियाणा कांग्रेस का विवाद

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

- दिल्ली में पार्टी वाररूम के अंदर और बाहर खूब झगड़े कांग्रेस नेता
- सिरे नहीं चढ़ रहा है नेताओं को एकजुट करने का आलाकमान का प्रयास

जयतीर्थ दहिया

डॉ. अशोक तंवर (सभी फाइल)

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक व सोनीपत के राई हलके से कांग्रेस विधायक जयतीर्थ दहिया को अपशब्द कहने के प्रकरण के बाद हरियाणा कांग्रेस के नेताओं के बीच विवाद गहरा सकता है। मंगलवार शाम को नई दिल्ली में 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड (कांग्रेस वाररूम) स्थित पार्टी कार्यालय में हुई लोकसभा चुनाव की हार की समीक्षा बैठक के अंदर और बाहर राज्य कांग्रेस के नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली।

बैठक में विधायक जयतीर्थ दहिया ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर पर अपशब्द कहने का आरोप लगाया और प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव गुलाम नबी आजाद से कार्रवाई करने की मांग की। इतना ही नहीं दहिया ने पार्टी आलाकमान को अल्टीमेटम भी दिया है कि यदि दो या तीन दिन के अंदर अशोक तंवर के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही पार्टी मुख्यालय के समक्ष धरने पर भी बैठ सकते हैं। इसके बाद राज्य कांग्रेस के नेताओं को एकजुट करने का आलाकमान का प्रयास एक बार फिर धूमिल होता नजर आ रहा है। इससे राज्य कांग्रेस में द्वितीय पंक्ति के नेता बेहद चिंतित हैं क्योंकि तीन माह बाद राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बैठक खत्म होने के बाद कहे अपशब्द : सूत्रों के अनुसार ने आजाद को दी शिकायत में लिखा है कि तंवर ने उन्हें तब अपशब्द बोले जब वे बैठक के बाद 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित पार्टी कार्यालय से बाहर जाने वाले थे। उनके साथ तब पूर्व मुख्य संसदीय सचिव अनिल ठक्कर खड़े थे। इसके बाद वे तंवर की गाड़ी के पीछे भी दौड़े, मगर तंवर अपनी गाड़ी तेजी से भगा ले गए। दहिया ने यह भी लिखा है कि उन्होंने तंवर के खिलाफ मंगलवार की बैठक में कुछ भी नहीं कहा, मगर उनके पिछले बयानों से खफा तंवर ने उन्हें अपशब्द कहे। बेशक अभी दहिया चिट्ठी को उजागर नहीं कर रहे हैं, मगर उन्होंने बुधवार को अपने समर्थकों के बीच यह एलान जरूर कर दिया कि वे इस मामले में आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे।

दहिया के मुद्दे पर आलाकमान को असहज करेगा हुड्डा खेमा : बेशक दहिया को अपशब्द कहने के मामले में अभी तंवर चुप्पी साधे हुए हैं, मगर मंगलवार की बैठक खत्म होने के बाद हुड्डा के दिल्ली निवास पर जुटे पार्टी विधायकों और नेताओं ने इसके लिए अगली रणनीति तैयार कर ली है। इसी रणनीति के तहत खुद हुड्डा रात्रि आठ बजे दिल्ली स्थित अपने निवास से दहिया के साथ आजाद के निवास पर तंवर के खिलाफ शिकायत करने पहुंचे थे। दहिया के मुद्दे पर हुड्डा खेमा पार्टी आलाकमान को भी कार्रवाई के लिए मजबूर करेगा। तंवर के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर हुड्डा खेमा सिर्फ उनका इस्तीफा चाहता है।

40 मिनट तक खूब झगड़े कांग्रेस नेता : मंगलवार शाम कांग्रेस नेता करीब 40 मिनट तक पार्टी वाररूम में रहे और शुरुआत से अंत तक खूब झगड़े। सूत्र बताते हैं कि शुरुआत कांग्रेस विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादयान ने की। कादयान ने प्रदेश नेतृत्व बदलने की मांग कुछ तथ्यों के साथ की। इसके बाद विधायक गीता भुक्कल ने विधायक दल की नेता किरण चौधरी के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। भुक्कल ने तो पूर्व सांसद दीपेंद्र हुड्डा को प्रदेश कांग्रेस की कमान देने की भी वकालत की और कहा कि उन्होंने लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सबसे ज्यादा मत लिए हैं। विधायक करण सिंह दलाल ने कांग्रेस के परंपरागत मतदाताओं के भाजपा में जाने के लिए प्रदेश नेतृत्व को दोषी बताया। इसके बाद विधायक कुलदीप शर्मा ने तंवर की करनाल बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेशाध्यक्ष उनकी हार की समीक्षा उनकी अनुपस्थिति में करने आए। तंवर भी तब तक पूरी तरह उखड़ चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया कि चूंकि वे अनुसूचित जाति से हैं इसलिए हुड्डा समर्थक उन्हें दबाना चाहते हैं। पहले उन पर जानलेवा हमला करवा चुके हैं। अब ये चाहें तो उन्हें गोली मार दें मगर वे गलत बात बर्दाश्त नहीं करेंगे। हार की समीक्षा में असल कारणों पर जाना चाहिए। हालांकि पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह ने पार्टी नेताओं को शांत करने का प्रयास किया मगर कोई चुप नहीं हुआ। बहरहाल, गुलाम नबी आजाद को बैठक से उठकर जाना पड़ा।

कैप्टन कैबिनेट बैठक आज सिद्धू पर रहेंगी सबकी निगाहें

कैलाश नाथ, चंडीगढ़

नवजोत सिंह सिद्धू (फाइल)

लोकसभा चुनाव को लेकर लगी आचार संहिता के बाद पहली बार पंजाब मंत्रिमंडल की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में सबकी निगाहें स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू पर होंगी कि वह बैठक में हिस्सा लेते हैं या नहीं। क्योंकि लोकसभा चुनाव में कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ छिड़े वाकयुद्ध के बाद यह पहला मौका होगा कि मुख्यमंत्री व सिद्धू आमने-सामने होंगे।

बैठक से पहले इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि सिद्धू बैठक में आते हैं या नहीं। वीरवार को होने वाली कैबिनेट की बैठक में स्थानीय निकाय विभाग का कोई एजेंडा नहीं होने के कारण भी इस बात को बल मिल रहा है कि सिद्धू बैठक में शामिल नहीं हो। यह विभाग सिद्धू के पास है। पहले भी कुछ मौकों पर सिद्धू कैबिनेट बैठक से दूर ही रहे थे।

सिद्धू अगर बैठक में हिस्सा नहीं लेते हैं तो उनकी परेशानियां बढ़ सकती हैं। क्योंकि वह पहले भी 30 मई को मुख्यमंत्री की ओर से बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने दावा किया था कि सीएलपी की बैठक में उन्हें बुलाया ही नहीं गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने बेहद गंभीरता से लिया था। उन्होंने इस बात की पूरी जांच करवाई की सिद्धू को संदेश भेजा गया था या नहीं। सूत्र बताते हैं कि सिद्धू को मीटिंग में शामिल होने के लिए संदेश भेज गया था। वहीं, कैप्टन के करीबी मंत्री भी सिद्धू पर आंखें तरेरे हुए हैं। इसलिए संभावना है कि सिद्धू अगर कैबिनेट बैठक में हिस्सा लेते हैं, तो वह कई मंत्रियों के निशाने पर होंगे। महत्वपूर्ण यह है कि बैठक भी तब होने जा रही है, जब मुख्यमंत्री नवजोत सिंह सिद्धू से स्थानीय निकाय विभाग लेने की पूरी तैयारी हो चुकी है। यह देखना बेहद रोमांचक होगा कि सिद्धू बैठक को लेकर क्या रुख अपनाते हैं।

कैप्टन ने शहरी इलाकों में हार के लिए सिद्धू को ठहराया था जिम्मेदार : लोकसभा चुनाव में शहरी क्षेत्रों में कांग्रेस को हुए नुकसान के लिए मुख्यमंत्री ने सिद्धू को जिम्मेदार ठहराया था। सिद्धू ने भी मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए कहा था कि जालंधर, अमृतसर, पटियाला लुधियाना जैसे शहरों में कांग्रेस के उम्मीदवारों की जीत हुई है।

भाजपा को पंजाब में पांव पसारने के लिए एक सिख चेहरे की है तलाश

इन्द्रप्रीत सिंह, चंडीगढ़

- 45 सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा लड़ती और जीतती रही है
- मालवा की कुछ सीटों पर भी पार्टी का आधार बनाने की तैयारी

पंजाब में 2022 के विधानसभा चुनाव को ध्यान मे रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में पांव पसारने पर फोकस शुरू कर दिया है। इसके लिए पार्टी को एक सिख चेहरे की तलाश है, जिसको आगे रखकर पार्टी कांग्रेस की पंजाब में रिप्लेसमेंट पर काम करना शुरू कर दे। मंगलवार को हुई कोर कमेटी की मीटिंग में भी इस बात की चर्चा हुई कि पार्टी को अपनी उन सीटों पर फोकस करना चाहिए जो पार्टी पहले भी लड़ती और जीतती रही है। इन सीटों को शिरोमणि अकाली दल से लेने के लिए पार्टी अब सीनियर लीडरशिप से भी चर्चा करेगी।

गौरतलब है कि पार्टी ने ऐसी 45 सीटों को चिन्हित किया है, जिन पर पार्टी लड़ती रही है और उसे जीत भी मिली है। 1980 में बल्लुआणा, सरहिंद सीटें भाजपा ने जीती थीं, लेकिन ये सीटें अब अकाली दल के पास हैं। इसी तरह लुधियाना की कुछ सीटें भी ऐसी हैं, जहां पार्टी का आधार है, लेकिन यह सीटें भी अकाली दल के पास हैं। मालवा के दस जिलों में पार्टी किसी सीट पर भी नहीं लड़ती। फतेहगढ़ साहिब, संगरूर, बठिंडा, मुक्तसर साहिब, मानसा, मोहाली, फरीदकोट ऐसे जिले हैं, जहां कई सीटों पर पार्टी का आधार है, लेकिन न लड़ने की वजह से यह आधार सीमित है और इसका विस्तार नहीं हो पा रहा। लगातार दो बार केंद्र की सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने के बाद भाजपा की पंजाब में भी अपना आधार मजबूत करना चाहती है। भाजपा कई ऐसे राज्यों में अपने पांव पसार चुकी है, जहां कभी पार्टी एक भी सीट नहीं जीतती थी। आज वहां भाजपा की सरकारें हैं। इससे उत्साहित पार्टी ने अब पंजाब पर अपना फोकस शुरू कर दिया है।

कोर कमेटी की मीटिंग के बाद से स्टेट लीडरशिप इस बात को लेकर खासी उत्साहित नजर आ रही है कि कम से कम अब पूरी लीडरशिप में इस बात को लेकर स्पष्टता है कि भाजपा को अब अपने दम पर पंजाब में 23 से ज्यादा सीटें लड़ने की जरूरत है।

कांग्रेस के नाराज नेताओं से संपर्क : दूसरी पार्टियों के सीनियर नेता भी आजकल भाजपा की लीडरशिप के साथ बात करने में लगे हैं। खासतौर पर आम आदमी पार्टी के कुछ मौजूदा विधायकों ने अपने लिए नई राजनीतिक जमीन तलाशनी शुरू कर दी है। कांग्रेस में कई नाराज नेता भी संपर्क साध रहे हैं। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि शिरोमणि अकाली दल के भी कई नेता उनसे संपर्क में हैं, लेकिन चूंकि पार्टी सालों से गठबंधन में है, इसलिए वे गठबंधन को नाराज नहीं करना चाहते। उनका निशाना कांग्रेस को रिप्लेस करना है न कि अपने ही पार्टनर को तोड़ना। निश्चित रूप से आने वाले दिनों में पार्टी बड़े पैमाने पर अपना आधार बढ़ाने की कसरत शुरू करने जा रही है।

अक्टूबर में मिलेगा नया प्रधान : पार्टी में प्रदेश प्रधान के लिए कवायद शुरू हो गई है। विजय सांपला के बचे हुए कार्यकाल को पूरा करते हुए श्वेत मलिक की जगह अब नया प्रधान की तलाश है। केंद्रीय लीडरशिप ने राज्य में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस बात की पूरी संभावना है कि अक्टूबर में पार्टी को नया प्रधान मिल जाएगा।

मोदी के शपथ समारोह में पवार को मिला था वीवीआइपी आमंत्रण

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार को भेजे गए आमंत्रण पर विवाद के बाद राष्ट्रपति भवन ने बुधवार को स्थिति साफ की है। उसने कहा है कि राकांपा प्रमुख को वीवीआइपी के तौर पर आमंत्रित किया गया था, जहां वरिष्ठ अतिथि बैठे थे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रेस सचिव अशोक मलिक ने ट्वीट किया, '30 मई को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पवार को वीवीआइपी श्रेणी में आमंत्रित किया गया था, जहां वरिष्ठ अतिथि बैठे थे। वीवीआइपी के तौर पर उनकी सीट पहली पंक्ति में थी। उनके दफ्तर के किसी ने वी (वीवीआइपी) को रोमन में पांच समझ लिया होगा।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि इस मामले में सफाई इसलिए भी आवश्यक हो गई थी, क्योंकि देश भर की मीडिया रिपोर्ट में यह प्रकरण आ गया था और मीडिया के लोग राष्ट्रपति भवन से पूछताछ भी कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रोटोकॉल के विपरीत सीट आवंटन से पवार की पार्टी नाराज थी।

मंत्रियों से हर रिपोर्ट कार्ड लेंगे नवीन पटनायक

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

नवीन पटनायक (फाइल)

लगातार पांचवीं बार ओडिशा की बागडोर संभालने वाले मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के तेवर पिछली चार पारियों से अलग दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रियों से प्रत्येक माह की सात तारीख से पहले बीजू जनता दल के चुनावी घोषणापत्र को कार्यकारी करने की दिशा में रिपोर्ट देने को कहा है। सात जून से पहले मंत्रियों को पहली रिपोर्ट देने का मुख्यमंत्री ने आदेश जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि नई सरकार के गठन के बाद 29 मई को राज्य कैबिनेट पहली बैठक हुई थी। बैठक में चुनाव के समय लोगों से किए गए वादों को सरकार के प्रमुख कार्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया गया था। महिलाओं का विकास, अभिवृद्धि में समान भागीदारी, कमजोर वर्ग के लोगों का विकास तथा युवा वर्ग के सपने को सफलता के साथ पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए मुख्यमंत्री ने महत्व दिया है। साथ ही 365 दिन के बाद अर्थात 29 मई, 2000 को सरकार के एक साल का रिपोर्ट कार्ड लोगों को देने के लिए भी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमने जो लोगों से वादा किया है, उसे एक साल में कितना पूरा किया है या फिर पूरा करने की दिशा में किस तरह से आगे बढ़ रहे हैं, उसे जनता के सामने रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने इसके लिए अपने मंत्रियों को प्रयास करने का भी आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में लोकसभा के साथ ही राज्य में हुए विधानसभा के चुनाव में बीजद ने 146 सीटों में से 112 सीट पर जीत दर्ज कर लगातार पांचवीं बार सत्ता में लौटी है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के 40 प्रत्याशियों संग हार पर मंथन करेंगी प्रियंका

जासं, प्रयागराज : कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं लोकसभा चुनाव में पूर्वी उत्तर प्रदेश की कमान संभालने वाली प्रियंका वाड्रा का सात जून को प्रयागराज आने का कार्यक्रम है। प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक वह देर शाम स्वराज भवन पहुंचेंगी। आठ जून की सुबह जिला कांग्रेस कमेटी दफ्तर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के 40 लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के साथ हार पर मंथन करेंगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों को भी बुलाया गया है।

प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक प्रियंका सात जून को करीब 10:30 बजे बमरौली एयरपोर्ट पहुंचेंगी। वहां से स्वराज भवन पहुंचकर रात में ही पार्टी के बड़े पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रात्रि विश्राम करेंगी। प्रदेश प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने बताया कि अगले दिन सुबह वह पार्टी कार्यालय में पूर्वी यूपी के लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों एवं जिलाध्यक्षों के साथ पार्टी को मजबूती देने के लिए हार के कारणों पर मंथन करेंगी। प्रियंका बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद भी कर सकती हैं।

बंगाल में करारी हार के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे माकपा-कांग्रेस

जागरण संवाददाता, कोलकाता

लोकसभा चुनाव में बंगाल में गठबंधन नहीं होने और करारी हार के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। मंगलवार को हार को लेकर पार्टी कार्यालय अलीमुद्दीन स्ट्रीट में हुई राज्य कमेटी की बैठक में पार्टी के केंद्रीय नेता सीताराम येचुरी ने प्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था कि चुनाव में वाम मोर्चा ने कांग्रेस से लिए सीट छोड़ दिया था। लेकिन कांग्रेस ने ही गठबंधन को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। इसी कारण करारी हार हुई और भाजपा न केवल मुख्य विपक्षी पार्टी ही बनी, बल्कि 18 सीटें भी जीत ली।

बुधवार को कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने माकपा के आरोपों का जवाब दिया। कहा, कांग्रेस को दोषी ठहराना उचित नहीं। राज्य की जनता का विश्वास जीतने के लिए वामो-कांग्रेस को गठबंधन कर उनकी बीच उतरना होगा। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में वामो-कांग्रेस गठबंधन हुआ था। तब भी भाजपा तेजी से उभर रही थी, लेकिन गठबंधन के चलते भाजपा को विस्तार नहीं मिला और राज्य में वामो-कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी बन कर उभरी। यही नहीं, 2016 में उनके (अधीर रंजन चौधरी) के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन हुआ था। तभी भी दोनों पार्टियों ने बेहतर प्रदर्शन किया था। लेकिन 2019 में वामो-कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण वामो और कांग्रेस राज्य में साइन बोर्ड बन कर रह गई है। कांग्रेस ने दो सीट पर किसी तरह जीत दर्ज कर पाई है, लेकिन वामो का सूपड़ा साफ हो गया है। अधीर ने कहा, दोनों पार्टियों को गंभीरता से विचार कर खुद को बचाने के लिए विकल्प तलाशना होगा। मतदान के दौरान गठबंधन और मतदान खत्म होते ही अलग-अलग होने वाली नीति अब नहीं चलेगी। उन्होंने वामो से गठबंधन नहीं होने के लिए पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं की भी आलोचना की।

जनमत
मुद्दा
क्या कांग्रेस से हाथ मिलाना, सिंगूर आंदोलन और ज्योति बसु को पीएम न बनाने जैसे निर्णय वेश की वाम राजनीति के सिमटने की वजह बने?
अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर MUDDA लिखें, स्पेस देकर YES या NO लिखकर 57272 पर भेजें।
facebook.com/muddajagran
mudda@jagran.com

विस उपचुनाव

पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए तारीख तय नहीं है, लेकिन महागठबंधन में शामिल राजद पांच में से चार सीटों पर लड़ने की तैयारी में है

महागठबंधन में खुल सकता है एक और मोर्चा

राज्य ब्यूरो, पटना

- 2015 में विधानसभा में राजद, जदयू और कांग्रेस थे एक साथ
- अब जदयू ने भाजपा का थाम लिया है दामन

महागठबंधन के घटक दलों की बैठक की फाइल फोटो।

लोकसभा चुनाव गुजर गया। विधायकों के सांसद बनने के कारण पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने जा रहा है। तारीख अभी तय नहीं है। फिर भी उपचुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और महागठबंधन के घटक दलों के बीच तकरार की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। महागठबंधन में राजद पांच में से चार सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रहा है। ये चार उसकी परंपरागत सीटें मानी जाती हैं, जो पिछले विधानसभा चुनाव में साथ रहने के कारण जदयू के कोटे में चली गई थीं।

2015 के विधानसभा चुनाव में राजद, जदयू और कांग्रेस साथ लड़े थे। अब राजद और कांग्रेस तो साथ हैं, लेकिन जदयू राजग का हिस्सा हो गया है। लिहाजा, दरौंदा, सिमरी बख्तियारपुर, नाथनगर और बेलहर पर राजद का दावा बनता है। इधर, कांग्रेस खेमें में भी बेलहर या नाथनगर में से किसी एक सीट पर लड़ने की तैयारी चल रही है। किशनगंज पहले से कांग्रेस के हिस्से में है। वहां 2010 में भी उसकी ही जीत हुई थी।

राजग के बीच भी पेच फंसने की आशंका है। पिछले चुनाव में इन पांच में से तीन पर भाजपा और दो पर लोजपा के उम्मीदवार दूसरे नंबर पर थे। किशनगंज में जदयू का उम्मीदवार नहीं था, इसलिए इस बार भी भाजपा की दावेदारी कायम रहेगी। मगर, बाकी चार सीटों में से भाजपा और लोजपा सांकेतिक तौर पर एक-एक सीट पर दावा कर सकती है। इस तरह से सीट हासिल करने का फॉर्मूला लोकसभा चुनाव में राजग के पक्ष में लाभकारी साबित हुआ। लोजपा ने अपनी जीती हुई मुंगेर की सीट जदयू को दी थी। भाजपा ने तो पांच जीती हुई सीटें जदयू-लोजपा के लिए छोड़ दी थी। हालांकि, जदयू के पक्ष में यह तर्क जा सकता है कि वह सरकार में है और उसे विधायकों की जरूरत है। लेकिन, महागठबंधन के दलों में तकरार का रास्ता तैयार हो रहा है। हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा और विकासशील इंसान पार्टी का दावा भले न हो, लेकिन कांग्रेस उपचुनाव में एक से अधिक सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मदनमोहन झा ने कहा कि इस मामले में हम नई दिल्ली से दिशा निर्देश लेंगे। अगर, 2015 का महागठबंधन कायम रहता तो कांग्रेस का दावा कमजोर हो सकता था। लेकिन, महागठबंधन से जदयू के बाहर जाने के कारण कांग्रेस का मजबूत दावा बनता है। वैसे, भी इनमें से कुछ सीटों पर कांग्रेस अतीत में चुनाव जीतती रही है।

बघेल सरकार कन्या विवाह की योजना को करेगी रिलांच

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ में गरीब व श्रमिक परिवार की कन्या के विवाह की योजना को सरकार रिलांच करेगी। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में श्रम विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग कन्या विवाह से जुड़ी दो अलग-अलग योजनाएं चलाते थे। इस दोहराव को देखते हुए भूपेश बघेल सरकार ने नई योजना तैयार की है। इस कारण पुरानी योजनाओं को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया है। रिलांच होने वाली योजना में सरकार गरीब व श्रमिक परिवार की कन्या के विवाह पर 25 हजार रुपये देगी। भाजपा इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन बताते हुए मॉनिटरिंग कमेटी से शिकायत करने की तैयारी में है। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने 2017 में श्रमिक परिवारों के लिए कन्या विवाह सहायता योजना शुरू की थी। इसमें सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की तरफ से 15 हजार रुपये दिया जाता था। वहीं, महिला एवं बाल विकास विभाग मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत बीपीएल परिवार को 15 हजार रुपये की आर्थिक मदद करता था।

पेंशनरों की डीआर बढ़ाने के लिए छग से सहमति नहीं लेगी मप्र सरकार

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के साढ़े चार लाख से ज्यादा पेंशनरों की महंगाई राहत (डीआर) बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ की सहमति लेने की अनिवार्यता को सरकार समाप्त करेगी। इसके लिए पिछले दिनों मुख्यमंत्री कमलनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट में सैद्धांतिक सहमति बन गई थी। वित्त विभाग अब मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 में संशोधन का परीक्षण करके छत्तीसगढ़ सरकार को औपचारिक पत्र भेजकर सहमति बनाएगा। इस प्रावधान के समाप्त होने से जब प्रदेश में अधिकारियों-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ेगा, उसके साथ ही पेंशनरों का डीआर भी बढ़ा दिया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक पेंशनरों का वेतनमान लागू करने या डीआर बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ की सहमति लेने में समय लगता है। इसके कारण कभी भी पेंशनरों का डीआर समय पर घोषित नहीं हो पाता। चुनाव के पहले छत्तीसगढ़ सरकार ने पेंशनरों का डीआर बढ़ा दिया पर मध्य प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के कारण मामला उलझ गया। इसके पहले भी ऐसा कई बार हो चुका है। इसके मद्देनजर पेंशनर्स एसोसिएशन ने सरकार को सुझाव दिया था कि छत्तीसगढ़ की सहमति लेने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया जाए। वैसे भी मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 में प्रावधान खर्च को लेकर है।

दरअसल, वर्ष 2000 के पहले जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं, उनका डीआर बढ़ाने में आने वाले खर्च का 74 फीसद हिस्सा मध्य प्रदेश को उठाना पड़ता है। इस राशि को आरक्षित कर रखा जा सकता है। जब छत्तीसगढ़ सरकार पेंशनरों का डीआर बढ़ाने का फैसला कर ले, तब राज्य सरकार उन्हें राशि मुहैया करा दे। इससे प्रदेश के पेंशनरों का डीआर बढ़ाने में आने वाली परेशानी समाप्त हो जाएगी। पेंशनर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेशदत्त जोशी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि हम तो काफी समय से इसकी मांग कर रहे थे। उधर, वित्त मंत्री तरण भनोत का कहना है कि इस मामले में परीक्षण कराया जा रहा है।

790 किमी लंबी सड़क झारखंड के साहिबगंज से ओडिशा के धामरा पोर्ट तक बनाने की अनुमति दे दी है नीति आयोग ने। सड़क की चौड़ाई 30 से 60 मीटर तक होगी।

बिहार में बिना पढ़ाए डिग्री दे रहे हैं 100 कॉलेज

घालमेल ▸ सरकार से संबद्धता लेने से पहले ही कर लेते हैं छात्रों का नामांकन

आधारभूत संरचना के मानदंडों पर भी ये कॉलेज खरे नहीं उतरते हैं

दीनानाथ साहनी, पटना

बिहार में 100 से ज्यादा ऐसे कॉलेज हैं जो बिना पढ़ाई के छात्रों को डिग्री देने का कारोबार चला रहे हैं। इनमें ज्यादातर कॉलेजों की स्थिति यह है कि ये छात्रों का एडमिशन पहले लेते हैं और राज्य सरकार से संबद्धता बाद में प्राप्त करते हैं। आधारभूत संरचना के मानदंडों पर भी ये कॉलेज खरे नहीं उतरते हैं। इस खेल में विश्वविद्यालयों के परीक्षा संकाय के प्रशासनिक अफसर और कर्मचारी भी शामिल होते हैं। ऐसे कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई करने में शिक्षा विभाग भी लाचार है क्योंकि ज्यादातर कॉलेज नेताओं के रिश्तेदारों के हैं। अब राजभवन ऐसे कॉलेजों के खिलाफ एक्शन में आ गया है।

शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक समय-समय पर जांच में मगध विश्वविद्यालय

राजभवन ऐसे कॉलेजों के खिलाफ एक्शन में आ गया है। (फाइल)

(बोधगया) में सर्वाधिक 56 कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (आरा) और बीआर अंबेदकर बिहार विश्वविद्यालय (मुजफ्फरपुर) में 11-11 कॉलेज, बीएन मंडल विश्वविद्यालय (मधेपुरा) और जय प्रकाश विश्वविद्यालय (छपरा) में आठ-आठ कॉलेज, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, पूर्णिया विश्वविद्यालय एवं मुंगेर विश्वविद्यालय में चार कॉलेज की संबद्धता सरकार के तय मानदंडों पर खरे नहीं हैं। ऐसे कॉलेजों के खिलाफ राजभवन ने जांच करने का आदेश संबंधित कुलपतियों को दिया है। राज्य सरकार से संबद्धता प्राप्त कुल 256 कॉलेज हैं। इसमें से मगध विश्वविद्यालय के अधीन करीब 124 संबद्धता प्राप्त कॉलेज आते हैं, इनमें से 50 फीसद से ज्यादा कॉलेज तय मानदंडों पर खरे नहीं उतरते हैं। फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा ऐसे कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती है, क्योंकि ऐसे कॉलेज राजनेताओं के रिश्तेदारों के नाम से संचालित हैं। राजभवन सचिवालय ने मगध विश्वविद्यालय के करीब 100 कॉलेजों के विरुद्ध जांच करने और बिना संबद्धता प्राप्त किए नामांकन लेने वाले कॉलेजों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश कुलपति को दिया है।

राजभवन ने सभी कुलपतियों को यह आदेश दिया है कि उनके विश्वविद्यालय के अधीनस्थ संबद्धता प्राप्त कॉलेजों की जांच कराएं जो बिना पढ़ाई के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं और डिग्री देते हैं। ऐसे कॉलेजों की संबद्धता खत्म करने के लिए शिक्षा विभाग को भी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। साथ ही कॉलेजों को संबद्धता देने संबंधी नियम में बदलाव करते हुए और कड़े प्रावधान करने का सुझाव दिया गया है।

बांग्ला फिल्म अभिनेत्री अंजू घोष ने थामा भाजपा का दामन

जोसं, कोलकाता : बांग्ला फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री अंजू घोष ने भाजपा का दामन थाम लिया। बुधवार को पश्चिम बंगाल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में उनका स्वागत किया। नौवें दशक में आई फिल्म 'बेदेर मेये ज्योत्सना' में अंजू ने अभिनय किया था। वह उस समय की चर्चित फिल्म थी। इस फिल्म से अंजू ने लोकप्रियता हासिल सिनेमा जगत में सफलता की सीढ़ी चढ़ी थी। वह बंगाल के साल्टलेक की निवासी हैं। अंजू घोष को बांग्लादेशी अभिनेत्री बताया जा रहा है। हालांकि उनकी नागरिकता के बारे में दिलीप घोष ने कुछ कहने से इन्कार कर दिया। इस बारे में अंजू घोष का कहना है कि उन्होंने भारतीय नागरिक से शादी की है, इसलिए उन्हें यहां की नागरिकता प्राप्त है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि इस दिन अंजू के अलावा पंचायत समिति के विभिन्न विरोधी दलों के सात सदस्यों सहित करीब 6 हजार कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। उत्तर 24 परगना जिले के वाजिदपुर ग्राम पंचायत समिति के माकपा, भाकपा, कांग्रेस व निर्दलीय सदस्यों ने भाजपा का झंडा थाम लिया। लोगों की संख्या अधिक होने के कारण उनके स्वागत के लिए प्रदेश भाजपा मुख्यालय के बाहर मंच तैयार किया गया था।

जो हमसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा : ममता

जागरण संवाददाता, कोलकाता

लोकसभा चुनाव के बाद भी तृणमूल प्रमुख व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही हैं। बुधवार को ईद के मौके पर कोलकाता के मैदान क्षेत्र के रेड रोड पर ईद की नमाज पढ़ने के लिए पहुंचे हजारों की संख्या में मुस्लिम भाइयों को ममता ने जहां एक ओर ईद का मुबारकबाद दिया तो दूसरी ओर राजनीतिक संदेश और ईवीएम का राग अलापना भी नहीं भूलीं। इस धार्मिक मंच से ममता ने ईवीएम कैप्चर कर (भाजपा का नाम लिए बिना) जीतने तक का आरोप लगाया। उन्होंने कि 'जो भी उनसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा।' शायरी बढ़ी और कहा 'मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो मंजूर-ए-खुदा होता है।' ममता ने कहा, त्याग का नाम है हिंदू, ईमान का नाम है मुसलमान, प्यार का नाम है ईसाई, सिखों का नाम है बलिदान। यह है हमारा प्यारा हिंदुस्तान। इसकी रक्षा हम लोग करेंगे। जो हमसे टकराएगा वह चूर-चूर हो जाएगा। यह हमारा नारा है।

बता दें कि 'जय श्री राम' नारे को लेकर बंगाल का राजनीतिक माहौल इन दिनों गर्म है। भाजपा कार्यकर्ताओं के 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर ममता ने आपा खो दिया था। इसके बाद, ममता ने दो जून को एक सोशल मीडिया पोस्ट में भाजपा पर धर्म को राजनीति में मिलाने और एक धार्मिक नारे का इस्तेमाल दुर्भावना के साथ पार्टी नारे के रूप में करने का आरोप लगाया।

बाबुल ने कहा- किसी भी धर्म का

कोलकाता में बुधवार को ईद के अवसर पर आयोजन को संबोधित करतीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। एएनआइ

सम्मान नहीं करती ममता : केंद्रीय मंत्री व भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो ने एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर करारा हमला बोला। बुधवार को कोलकाता में ईद की नमाज के दौरान ममता बनर्जी द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा है कि वह किसी भी धर्म का सम्मान नहीं करतीं। उनके मुख्यमंत्री होने की वजह से बंगाल और बंगाल के निवासी पूरी दुनिया में शर्मिंदा हैं। मुख्यमंत्री पर हमला बोलने के लिए सुप्रियो ने ट्विटर का सहारा लिया है। उन्होंने लिखा कि ईद जैसे मजहबी त्यौहार में शामिल होकर भी ममता बनर्जी राजनीतिक बातें करती हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकी देती हैं। यह बताता है कि उनके अंदर किसी भी धर्म का कोई सम्मान नहीं है।

भाजपा सांसद ने कहा- राम नाम सुनते ही सांड की तरह भड़क उठती हैं दीदी

राज्य ब्यूरो, देहरादून : नैनीताल से नवनिर्वाचित सांसद एवं भाजपा के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष अजय भट्ट ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राम का नाम सुनते ही दीदी उसी तरह भड़क उठती हैं, जिस प्रकार लाल कपड़ा दिखाने पर सांड भड़क उठता है। भट्ट ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जिसने भी भगवान राम के नाम का विरोध किया, वह बर्बाद हुआ है।

मंदिर में प्रवेश पर अनुसूचित जाति के नाबालिग की पिटाई

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान के पाली का मामला, घटना का वीडियो वायरल
- पीड़ित के खिलाफ ही दर्ज करा दिया छेड़खानी का केस

राजस्थान के पाली जिले में अनुसूचित जाति के एक नाबालिग की बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। घटना पाली जिले के धनेरिया गांव की है। इसका वीडियो वायरल हो गया है। इस बीच आरोपितों में से एक ने अपनी बेटी से छेड़खानी का आरोप लगा पीड़ित के ही खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस ने उसको हिरासत में भी ले लिया है।

जानकारी के अनुसार पिछले सप्ताह अनुसूचित जाति के लड़के के मंदिर में जाने से नाराज लोगों ने उसके हाथ-पैर बांधकर बीच सड़क पर लाठियों से पीटा। गांव के हनुमान मंदिर में पूजा के लिए जाने वाला पीड़ित लड़का लोगों से रहम की गुहार लगाने के साथ ही भविष्य में कभी मंदिर में नहीं जाने का विश्वास दिलाता रहा, मगर भीड़ में किसी का भी दिल नहीं पसीजा। वह बेरहमी से उसकी पिटाई करते रहे। इतना ही नहीं इस दौरान कई लोग घटना का वीडियो भी बनाते रहे।

एक जून की इस घटना का वीडियो किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही आरोपितों में से एक ने पीड़ित के खिलाफ अपनी बेटी से छेड़खानी का मुकदमा दर्ज करा दिया। इसके बाद पुलिस ने सोमवार को आनन-फानन में पीड़ित लड़के को हिरासत में ले लिया। इसके अगले दिन मंगलवार को पीड़ित के मामा मांगीलाल ने भी आरोपितों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित के परिजनों का कहना है कि आरोपितों के प्रभावशाली परिवार से होने के चलते पुलिस उनके खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। पुलिस आरोपितों का साथ दे रही है और उन्हें गांव छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। इस बारे में पुलिस थाना अधिकारी से लेकर जिला पुलिस अधीक्षक तक कुछ भी बताने को तैयार नहीं हैं। पुलिस इस मामले को दबाने में जुटी है।

गहरे समुद्र में डूबती पनडुब्बी से सैनिकों को बचाने में नौसेना हुई सक्षम

नई दिल्ली, आइएएनएस/एएनआइ : भारतीय नौसेना गहरे समुद्र में संकट में फंसी पनडुब्बी से अपने सैनिकों को बचाने में सक्षम हो गई है। नौसेना ने गहरे जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) के जरिये इस बचाव अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। दो जून को पूर्वी तट पर संचालित इस अभ्यास के लिए किलो श्रेणी की पनडुब्बी आइएनएस सिंधुराज को संकट में फंसी पनडुब्बी के तौर पर इस्तेमाल किया गया था। चालक दल के तीन सदस्यों द्वारा संचालित डीएसआरवी से एक बार में 14 नौसैनिकों को बाहर निकाला जा सकता है।

नौसेना ने बताया कि अभ्यास के दौरान गहरे समुद्र के अंदर ही सिंधुराज से सैनिकों को निकालकर डीएसआरवी के जरिये सुरक्षित बाहर लाया गया। भारतीय नौसेना के लिए गहरे समुद्र से सैनिकों को बचाने की दक्षता नई उपलब्धि है। पूर्वी तट पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नौसेना ने यह उपलब्धि हासिल की।

नौसेना में पहली डीएसआरवी को 2018 में शामिल किया गया था। इसमें एक तरह का पिंजड़ा होता है। जब कोई पनडुब्बी गहरे समुद्र में

गहरे जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) के जरिये चलाया जा रहा बचाव कार्य। ट्विटर

डूबती है तो बचाव टीम के रूप में डीएसआरवी को भेजा जाता है। डीएसआरवी अपने पिंजड़े के जरिए पनडुब्बी में फंसे सैनिकों को सुरक्षित निकालती है।

नौसेना का कहना है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के जरिए वह हिंद महासागर क्षेत्र में प्रमुख पनडुब्बी बचाव बल के रूप में उभरेगी।

बता दें कि नौसेना को हादसों में अपनी कई पनडुब्बियों को खोना पड़ा है। अगस्त, 2013 में सिंधुरक्षक पनडुब्बी भी गहरे समुद्र में विस्फोट के बाद डूब गई थी, जिसमें 17 नौसैनिकों की जान चली गई थी।

कोलकाता में अब बीफ नहीं मीट फेस्टिवल आयोजित होगा

जागरण संवाददाता, कोलकाता : सोशल मीडिया और फोन पर मिली धमकी के बाद आयोजक ने कोलकाता में आयोजित होने वाले बीफ फेस्टिवल का नाम बदलने का फैसला किया है। बताया जा रहा है उक्त फेस्टिवल का नाम बदलकर अब मीट फेस्टिवल कर दिया गया है। इसके साथ ही फेस्टिवल के आयोजन स्थल को भी बदल दिया गया है। इवेंट मैनेजमेंट फर्म के अर्जुन कर एक दिनी उत्सव के माध्यम से लोगों के लिए एक ही टेबल पर बीफ, पोर्क और मछली जैसे व्यंजन उपलब्ध कराने का मन बनाया था। जो आम तौर पर कोलकाता में उपलब्ध नहीं होता। इसके लिए दक्षिण कोलकाता के प्रिया सिनेमा के भवन में स्थित एक रेस्त्रां को चुना गया था। अर्जुन ने बताया कि मैं जानता हूं कि बंगाली खाने के शौकीन होते हैं। इसलिए महानगर में कुछ अलग करने की सोच लिए पोर्क व बीफ एक ही टेबल पर परोसने को इस फेस्टिवल का आयोजन का ख्याल आया। उत्सव को राजनीति से दूर रखने के उद्देश्य से ही चुनाव खत्म होने का इंतजार किया। 23 जून को इसका आयोजन किया जाएगा। लेकिन इस बीच धमकी भरे फोन और संदेश के माध्यम से मिली धमकी की वजह से इसका नाम बदलने को मजबूर होना पड़ा, लेकिन इसके मेनू को नहीं बदला गया है।

विश्वभारती विवि ने रद किया पौष मेले का आयोजन

जासं, कोलकाता : इस वर्ष विश्वभारती विश्वविद्यालय ने पौष मेले का आयोजन नहीं करने का निर्णय लिया है। विवि ने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और अन्य प्राधिकारों ने जिस स्तर का और जैसा पौष मेला आयोजित करने का निर्देश दिया है, विश्वभारती जैसे शिक्षण संस्थान के लिए ऐसा आयोजन करना संभव नहीं है। पौष मेला हर वर्ष दिसंबर में पश्चिम बंगाल के बीरभूम में दिसंबर में मनाया जाता है। विवि के जन संपर्क अधिकारी अनिर्बन सरकार ने मंगलवार रात जारी बयान में कहा कि शांतिनिकेतन पौष पर्व के पारंपरिक अनुष्ठान मनाएगा, लेकिन पौष मेले का आयोजन विश्वभारती प्रबंधन द्वारा करना संभव नहीं है।

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफॉर्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

पीएम मोदी के छोटे भाई नहीं चलाते हैं ऑटो रिक्शा

विश्वास News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: सोशल मीडिया पर पोस्ट के साथ वायरल हो रही एक तस्वीर में दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई ऑटो चलाते हैं। विश्वास न्यूज की टीम की पड़ताल में यह दावा फर्जी निकला। वायरल तस्वीर में दिख रहा शख्स पीएम मोदी का भाई नहीं बल्कि तेलंगाना के आदिलाबाद का एक ऑटो चालक है।

पड़ताल: विश्वास न्यूज की टीम ने वायरल हो रही तस्वीर की सच्चाई जानने के लिए क्रमवार अपनी जांच को आगे बढ़ाया। तस्वीर में जो ऑटो रिक्शा दिख रहा है, वह पूरी तरह पीले रंग का है। टीम ने गूगल पर Yellow Autoricksha टाइप करके सर्च किया तो इससे जुड़ी तस्वीरें केवल दक्षिण भारत के ही राज्यों में मिलीं।

इससे एक बात तो साफ थी कि वायरल तस्वीर में दिख रहा ऑटो रिक्शा दक्षिण भारत के किसी शहर का है। इसके बाद टीम ने गूगल रिवर्स इमेज की मदद से ओरिजनल तस्वीर सर्च करने की कोशिश की। कई पेजों पर यह फोटो दिखी। आखिरकार ओरिजनल तस्वीर मिल गई। 29 जून 2016 को fourth.in पर एक खबर अपलोड की गई। जिसकी हेडिंग है Adilabad Auto Driver Who Look Exactly Like Our PM Narendra Modi, Photo Is Going Viral. खबर के मुताबिक, तेलंगाना के आदिलाबाद में एक ऐसा ऑटो रिक्शा चालक है, जो नरेंद्र मोदी के जैसा दिखता है। इसके बाद टीम ने पीएम मोदी पर लिखी गई andy marino की किताब Narendra Modi A Political Biography को पढ़ा तो उनके परिवार से

जुड़ी कई जानकारियां मिलीं। इसमें बताया गया है कि उनके चार भाई और एक बहन है। फिर टीम ने पीएम मोदी के सगे भाई प्रह्लाद मोदी से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि सबसे बड़े भाई का नाम सोमा मोदी (वृद्धाश्रम चलाते हैं) हैं। इसके बाद अमृत मोदी (सेवानिवृत्त) हैं। नरेंद्र मोदी तीसरे नंबर पर आते हैं। चौथे नंबर पर खुद प्रह्लाद मोदी (समाजिक कार्यकर्ता) आते हैं, जबकि पांचवे भाई का नाम पंकज मोदी (सेवानिवृत्त) हैं। उन्होंने बताया वायरल हो रही तस्वीर फर्जी है।

क्या है वायरल पोस्ट में?

एक फेसबुक यूजर ने Politics Solitics नाम के पेज पर 3 जून को एक ऑटो चालक की तस्वीर को अपलोड करते हुए लिखा : जिसका बड़ा भाई भारत का प्रधानमंत्री हो और छोटा भाई ऑटो चालक। ऐसे महान सपूत को शत् शत् नमन। इसे अब तक 326 लोगों ने शेयर किया है, जबकि कमेंट करने वालों की संख्या सौ से ज्यादा है।

झूठी खबर और अफवाहों की हकीकत जानने के लिए वाट्सएप करें:
9205 270 293

अयोध्या में 18 महीने के भीतर शुरू होगा राम मंदिर का निर्माण

नई दिल्ली, आइएएनएस : केंद्र में नई सरकार बनते ही विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने राम मंदिर को लेकर एक बार फिर सक्रिय होने लगी है। विहिप का कहना है कि डेढ़ साल के भीतर अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरू हो जाएगा। उसने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए इस महीने के आखिर में अपने शीर्ष नेताओं की बैठक भी बुलाई है। विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि उनका संगठन राम मंदिर निर्माण को लेकर अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं कर सकता है। इसलिए मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के शुरू होने के एक महीने के भीतर ही उसको उसके वादे की याद दिलाने का फैसला किया है।

आलोक कुमार ने कहा, 'एक बात स्पष्ट है, विहिप दो मुद्दों पर कोई समझौता नहीं करेगी- पहला, भगवान राम के जन्मस्थान पर सिर्फ मंदिर का ही निर्माण होगा और दूसरा, अयोध्या की सांस्कृतिक सीमा के अंदर कोई मस्जिद नहीं हो सकती।' उन्होंने कहा कि विहिप मार्गदर्शक समिति की बैठक हरिद्वार में 19-20 जून को होगी। इसमें राम मंदिर निर्माण को लेकर प्रस्ताव पारित किया जाएगा और उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा जाएगा। इसके जरिए प्रधानमंत्री को उनकी पार्टी के घोषणापत्र में राम मंदिर को लेकर किए गए वादे की याद दिलाई जाएगी।

भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में जहां राम मंदिर के निर्माण की बात कही थी, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि सरकार को इस मुद्दे पर कोर्ट के फैसले का इंतजार है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को बातचीत से सुलझाने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जो सभी पक्षों से बातचीत कर रही है।

विहिप के सूत्रों का कहना है कि उसे अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं होगा। उसका यह भी कहना है कि अगर सरकार लखनऊ जैसे किसी मुस्लिम बहुल इलाके में मस्जिद के निर्माण के लिए जमीन और धन देती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी।

अपने सांसदों के साथ रामलला का दर्शन करने अयोध्या जाएंगे उद्धव

मुंबई, प्रेट्र : संसद का सत्र शुरू होने से पहले शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी के सभी 18 सांसदों के साथ रामलला का दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संसद का सत्र 17 जून से शुरू होगा। ठाकरे पिछले साल नवंबर में अयोध्या गए थे। तब उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले जन्मस्थान पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए।

मेडिकल कॉलेजों में काउंसलिंग सेंटर बनाना चाहता है आइएमए

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइएमए ने मेडिकल कॉलेज और शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से पीड़ित छात्रों के लिए काउंसलिंग सेंटर और चौबीसों घंटे काम करने वाली हेल्पलाइन की स्थापना की इच्छा जताई है। आइएमए ने यह पहल उस घटना के बाद की है जिसमें गत दिनों मुंबई के एक अस्पताल में कथित तौर पर सीनियर द्वारा प्रताड़ित किए जाने से क्षुब्ध 26 वर्षीय डॉ. पायल तड़वी ने खुदकशी कर ली थी।

द इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने डॉक्टर4डॉक्टर (डी4डी) नामक अभियान की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से निपटना और रेजिडेंट तथा निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों का दबाव कम करते हुए आत्महत्या की घटनाओं में कमी लाना है।

आइएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांतनु सेन ने कहा, 'हम मुद्दे पर जागरूकता पैदा कर और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने के साधनों का प्रयोग कर इस लक्ष्य को हासिल करेंगे। हम जरूरतमंदों को स्वयं सहायता के लिए प्रशिक्षण और डी4डी मुफ्त हेल्पलाइन उपलब्ध कराएंगे।' उन्होंने कहा, आइएमए का मानना है कि डॉक्टरों को सभी डॉक्टरों का निश्चित रूप से ध्यान रखना चाहिए। मेडिकल पेशेवरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति वैश्विक रूप से ज्यादा पाई गई है।

मिसाल

इसी वर्ष 14 सितंबर में प्रस्तावित है तपोवनम् हिरण्यगर्भ आर्ट गैलरी का उद्घाटन, स्वामी सुंदरानंद बोले, नहीं मिला धरोहर को संजोने वाला कोई योग्य शिष्य

स्वामी सुंदरानंद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सौंपी गंगोत्री आर्ट गैलरी

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

गंगोत्री धाम में बीते एक दशक से बन रही तपोवनम् हिरण्यगर्भ आर्ट गैलरी (हिमालय तीर्थ) तैयार हो चुकी है। अब सिर्फ ध्यान टावर का निर्माण होना बाकी है, जो अगस्त से पहले पूरा हो जाएगा। करीब ढाई करोड़ की लागत से तैयार इस आर्ट गैलरी को स्वामी सुंदरानंद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को सौंप दिया है। इसकी पुष्टि उन्होंने गंगोत्री में 'दैनिक जागरण' से बातचीत में की। बताया कि आर्ट गैलरी के संचालन के लिए उन्हें कोई योग्य शिष्य नहीं मिल पाया। इसी कारण आर्ट गैलरी आरएसएस को सौंप दी। इसी वर्ष 14 सितंबर को इसके उद्घाटन की तिथि भी तय कर दी गई है। उम्मीद है कि उद्घाटन के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंगोत्री पहुंचेंगे।

गंगोत्री में तैयार हो चुकी पांच मंजिला आर्ट गैलरी में तीन मंजिल ऐसी हैं, जिनमें मुख्य द्वार से लेकर सीढ़ियों व दीवारों पर हर जगह हिमालय की कंदराएं, चोटियां, घाटियां, लोक संस्कृति व पौराणिक लोक जीवन को जीवंत करती हजारों तस्वीरें लगी हैं। जबकि, एक मंजिल पर योग हॉल है और एक मंजिल पर अलग-अलग ध्यान केंद्र बनाए गए हैं।

उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम में स्वामी सुंदरानंद द्वारा बनाई गई तपोवनम् हिरण्यगर्भ आर्ट गैलरी। इस आर्ट गैलरी में स्वामी सुंदरानंद ने अपने कैमरे में कैद की गई तस्वीरों को सजाया है। जागरण

भारतीय संसद से लेकर यूरोप व अमेरिका में हिमालय की तस्वीरों का स्लाइड शो दिखा चुके स्वामी सुंदरानंद बताते हैं कि उन्होंने जीवनभर विकटता में हिमालय की जो तस्वीरें उतारी, उनका जीवंत स्मारक तैयार हो चुका है। इसका नाम उन्होंने 'तपोवनम् हिरण्यगर्भ आर्ट गैलरी' रखा है। बताया कि गैलरी में हिमालय की एक हजार दुर्लभ तस्वीरों के अलावा करीब एक लाख फोटो डिजिटल फॉर्मेट में हैं।

62 साल से कर रहे हिमालय को कैमरे में कैद : स्वामी सुंदरानंद बताते हैं कि वर्ष 1955 में वह समुद्रतल से 19510 फीट की ऊंचाई पर कालिंदीखाल ट्रैक से गुजरने वाले गोमुख-बदरीनाथ पैदल मार्ग से अपने सात साथियों के साथ बदरीनाथ धाम की यात्रा पर जा रहे थे। इसी बीच अचानक बर्फीला तूफान आ गया, लेकिन वह साथियों समेत किसी तरह बच गए। इस घटना के बाद उन्होंने हिमालय के विभिन्न रूपों को कैमरे में कैद करने की ठान ली। उन्होंने 25 रुपये में एक कैमरा खरीदा और शुरू हुआ फोटोग्राफी का सफर। बताते हैं, हिमालय में छह दशक के सफर के दौरान उन्होंने करीब ढाई लाख तस्वीरों का संग्रह किया है। वर्ष 2002 में उन्होंने अपने अनुभवों को पुस्तक 'हिमालया : थ्रू द लेंस ऑफ ए साधु' (एक साधु के लैंस से हिमालय दर्शन) में प्रकाशित किया। पुस्तक का विमोचन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था।

कौन हैं स्वामी सुंदरानंद

अविभाजित आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में स्थित अनंतपुरम गांव में वर्ष 1926 में जन्मे स्वामी सुंदरानंद को बचपन से ही पहाड़ लुभाते थे। पांच बहनों के अकेले भाई सुंदरानंद पढ़ाई के लिए अनंतपुरम, नेल्लोर व चेन्नई जाने के बाद भी सिर्फ चौथी कक्षा तक ही पढ़ पाए। वर्ष 1947 में उन्होंने घर छोड़ दिया और भुवनेश्वर, पुरी, वाराणसी व हरिद्वार होते हुए वर्ष 1948 में गंगोत्री पहुंचे। यहां तपोवन बाबा के सानिध्य में रहने के बाद उन्होंने संन्यास ले लिया। इसका उल्लेख स्वामी सुंदरानंद ने अपनी आत्मकथा में भी किया है।

गिरिराज के ट्वीट पर नीतीश ने कहा, ऐसे लोगों को जानता हूं

जागरण संवाददाता, पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के ट्वीट पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि धर्म को बदनाम करने वाले व्यक्ति को हम प्रोत्साहित नहीं करते हैं। सबको मैं जानता हूं। मीडिया में बने रहने के लिए कुछ लोगों को बोलने की आदत है। ऐसे लोगों का नाम नहीं लेता हूं और न ही प्रतिक्रिया देता हूं। किसी भी स्थिति में धार्मिक भावना से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। सीएम ने ये बातें बुधवार की सुबह गांधी मैदान में ईद पर आयोजित मुख्य समारोह में भाग लेने के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं सभी धर्मों को मानता हूं। किसी भी धर्म के लोगों की भावना से खिलवाड़ नहीं करता हूं। एक दूसरे के प्रति प्रेम रहने से समाज में इज्जत का भाव रहता है। सभी धर्म के आयोजन में हम भाग लेते हैं। सद्भावना की कामना करता हूं। ईद के अवसर पर सभी को बधाई देता हूं, खासकर मुस्लिम समाज को। देश और राज्य में अमन-चैन, एकता और भाईचारा कायम रहे।'

2022 तक सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को चलन से बाहर करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने कार्यालयों में होने वाले डिस्पोजेबिल प्लास्टिक वस्तुएं, प्लास्टिक कैरी बैग्स, फूड पैकेजिंग, प्लास्टिक फ्लावर पार्ट के साथ थर्माकोल से बने सजावटी सामानों को प्रतिबंधित कर दिया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 6 जून 2019

न्यूज गैलरी

उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रकाश पंत का निधन

देहरादून : अपने मृदु व्यवहार और ज्ञान से सबको प्रभावित करने वाले उत्तराखंड के संसदीय कार्य व वित्त मंत्री प्रकाश पंत का बुधवार को निधन हो गया। 59 वर्षीय प्रकाश पंत अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र व दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं। वह बीते कुछ माह से अस्वस्थ चल रहे थे। उन्हें पिछले सप्ताह ही बेहतर इलाज के लिए दिल्ली से अमेरिका ले जाया गया था। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर फैल गई। उनके निधन पर सरकार ने गुरुवार को प्रदेश के सभी सरकारी व अर्द्धसरकारी कार्यालयों में अवकाश के साथ ही तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान सभी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। उनकी अंत्येष्टि पूरे राजकीय सम्मान के साथ की जाएगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक उनका पार्थिव शरीर शनिवार तक दिल्ली लाए जाने की संभावना है। उनका अंतिम संस्कार पिथौरागढ़ में किया जाएगा। प्रकाश पंत का जन्म 11 नवंबर 1960 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पिथौरागढ़ में हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर शोक जताया है। (राब्यू)

मोबाइल की बैटरी फटने से 12 साल के बालक की मौत

धार : मध्य प्रदेश के धार जिले की ग्राम पंचायत लिलीखेड़ी के मजरे बडलीपाड़ा में बुधवार दोपहर घर पर मोबाइल की बैटरी फटने से 12 साल के बालक की मौत हो गई। पुलिस ने घर को सील कर दिया है और जांच कर रही है। प्राथमिक जांच के अनुसार मोबाइल की बैटरी चार्ज करते समय धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर लोग खोजबीन करते लखन पुत्र नंदू के घर पहुंचे। लखन के माता-पिता व अन्य परिजन मजदूरी करने गए थे। विस्फोट इतना जबर्दस्त था कि लखन का मुंह, एक आंख व दोनों हाथों के पंजे क्षत-विक्षत हो गए थे। दीवार में लगा बिजली का बोर्ड भी उखड़कर बाहर आ गया था। मौके से चार्जर के अवशेष भी मिले हैं। करीब एक घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस से लखन को बदनावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जा रहा था तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार अभी यह पता नहीं चला सका है कि इतना बड़ा विस्फोट मोबाइल बैटरी से कैसे हुआ। (नईदुनिया)

बिहार में कन्यादान कर रहे पिता की हत्या

गोपालगंज : बिहार के गोपालगंज में बरारी जगदीश गांव में मंगलवार रात शादी समारोह में कन्यादान कर रहे शंकर सहनी (50) को मंडप से खींचकर गोली मार दी गई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मारपीट व चाकूबाजी में उनके भाई सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए। वारदात उचकागांव थाना क्षेत्र के बरारी जगदीश गांव में हुई। बदमाश मंडप में चढ़ावे के लिए रखे गए डेढ़ लाख रुपये के आभूषण लूटकर फरार हो गए। गांव में तनाव को देखते हुए कई थानों की पुलिस कैंप कर रही है। तीन लोगों से पूछताछ की जा रही है। पिता की हत्या के बाद मचे कोहराम के बीच सिंदूर दान के साथ ही बेटी की मंडप से ही विदाई कर दी गई। वारदात में घायल लोगों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ दबंग स्टेज पर चढ़कर डांस करने लगे थे जिससे विवाद हुआ था। (जासं)

दस पौधे लगाने पर मिलेगा हथियार रखने का अधिकार

फिरोजपुर : हरियाली बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने एक अनोखी पहल की है। अब हथियार खरीदने वालों को कम से कम दस पौधे लगाने होंगे। डिप्टी कमिश्नर चंद्र गैंद ने बताया कि इन पौधों की देखरेख भी करनी होगी, तभी उन्हें हथियार रखने का लाइसेंस मिलेगा। लाइसेंस के लिए आवेदन में खुद पौधे लगाते समय की फोटो अटैच करनी होगी। करीब तीस दिन बाद दोबारा तस्वीरें खींचनी होंगी, ताकि सुनिश्चित हो सके कि आवेदक की ओर से लगाए पौधों की एक माह में अच्छी ग्रोथ हुई है। ये सभी तस्वीरें आवेदक को अपनी फाइल के साथ लगानी होंगी। (जांस)

याचिका दायर ▶ यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ को बनाया आधार

सुप्रीम कोर्ट के दर पर पहुंचा रेलवे का स्टील घोटाला

मानक के अनुरूप वजन के स्ट्रक्चर्स न लगाए जाने से बड़े हादसे का खतरा

दीपक बहल, अंबाला

देश भर में रेलवे विद्युतीकरण की परियोजनाओं में प्रयुक्त किए जा रहे स्टील के स्ट्रक्चर्स का वजन मानक से कम लगाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हो गई है। ये स्ट्रक्चर्स (ट्रैक के साथ-साथ लगाए जाने वाले खंभे और ढांचे) बिजली के तार को सपोर्ट करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मानक के अनुरूप वजन न होने से स्ट्रक्चर्स उतने मजबूत नहीं, जितने होने चाहिए और ये यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा बने रहेंगे।

याचिका जम्मू-ऊधमपुर प्रोजेक्ट को पूरा करने वाली क्वालिटी इंजीनियर्स एंड कांटेक्टर्स कंपनी के निदेशक सतीश मांडवकर ने दायर की है। याचिका में यूनियन आफ इंडिया, कोर के महाप्रबंधक, राइट्स (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड), के महाप्रबंधक, रेल मंत्रालय, चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर चेन्नई,

सुप्रीम कोर्ट। फाइल फोटो

चीफ प्राजेक्ट डायरेक्टर अंबाला, सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिक इंजीनियर, फिरोजपुर मंडल के ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूटर नीरज गुप्ता, मेरठ डिवीजन के रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन के इंजीयिर गौरव गोयल और मेसर्स जैन स्टील इंडस्ट्री को प्रतिवादी बनाया गया।

याचिका में जिन-जिन अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया है, उनकी मेज से ही परियोजना की फाइलें अग्रसारित हुई हैं। करोड़ों रुपये के इस घोटाले से 27 जनवरी 2016 को चेन्नई में पर्दा उठा था। इसके बाद देश भर में विद्युतीकरण परियोजनाओं में इस्तेमाल किए गए स्टील के स्ट्रक्चर्स की जांच हुई तो उनका वजन मानक कम पाया गया। यह बात अलग है कि रेलवे विजिलेंस लेकर सीबीआइ तक ने जांच की, लेकिन मुकदमा नहीं दर्ज किया गया।

चेन्नई से ऊधमपुर तक हुआ घोटाला : गौरतलब है कि इस प्रकरण का पर्दाफाश दैनिक जागरण ने ही किया था। दैनिक जागरण को मिले दस्तावेजों के अनुसार, कोझिकोड-कन्नूर सेक्शन विद्युतीकरण होने के बाद स्ट्रक्चर्स का वजन करवाया गया जो कम मिला। सीपीडी (चेन्नई) ने 27 जनवरी 2016 को इलाहाबाद स्थित केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर) के मुख्य विद्युत इंजीनियर (सीईई) को चिट्ठी लिखकर बताया कि स्ट्रक्चर्स का वजन सात से 11 फीसद कम है। इसके बाद महाप्रबंधक ने देशभर के दस मुख्य परियोजना निदेशक (सीपीडी) को चिट्ठी लिखकर स्ट्रक्चर्स का वजन करवाने के आदेश दिए। जम्मू से ऊधमपुर, ऊधमपुर से कटरा व गाजियाबाद से मुरादाबाद सहित कई सेक्शन में विद्युतीकरण के दौरान इस्तेमाल स्ट्रक्चर्स में स्टील का वजन मानक से 13 से 19 फीसद तक कम पाया गया था। रेलवे की इस रिपोर्ट को भी सुप्रीम कोर्ट में आधार बनाया गया है।

पाक सेना से सीधे जुड़ी है आसिया अंद्राबी

नई दिल्ली, आइएएनएस : कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी से सघन पूछताछ में पता चला है कि पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी के माध्यम से वह लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के संपर्क में आई थी। यह सैनिक अधिकारी दुख्तरान-ए-मिल्लत की नेता अंद्राबी का रिश्तेदार है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) अन्य अलगाववादी नेताओं के साथ ही उससे पूछताछ कर रही है।

कश्मीर विश्वविद्यालय से साइंस ग्रेजुएट अंद्राबी चार साल पहले श्रीनगर में पाकिस्तानी झंडा फहराने और पाकिस्तान का राष्ट्र गान गाने के बाद सुर्खियों में आई थी। उसके इस सनसनीखेज कदम की साजिश हाफिज सईद ने रची थी। एनआइए के सूत्रों ने कहा कि अंद्राबी का भतीजा पाकिस्तानी सेना में कैप्टन रैंक का अधिकारी है। उसके अन्य करीबी रिश्तेदारों का पाकिस्तान सेना और खुफिया एजेंसी आइएसआइ के साथ संपर्क है।

अंद्राबी के रिश्तेदार दुबई और सऊदी अरब में भी हैं जिसके माध्यम से उसे नियमित रूप से आर्थिक मदद मिलती है। इसका इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया जाता है। अंद्राबी के खिलाफ दर्ज एनआइए के मामले (आरसी-10/2017) का कहना है कि जमात-उद-दावा का अमीर और लश्कर-ए-तैयबा का मास्टरमाइंड सईद घाटी में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने के लिए आर्थिक मदद देता रहा। खुफिया इनपुट से पता चला है कि लश्कर से जुड़े सऊदी अरब और लाहौर के हवाला आपरेटर अंद्राबी तक पैसे पहुंचाने में मुख्य भूमिका निभाते रहे हैं। ये पैसे पत्थरबाजों और हुर्रियत के समर्थकों के बीच बांटे जाते थे।

बब्बर खालसा का तीसरा आतंकी भी गिरफ्तार

- दिल्ली से गिरफ्तार करने के बाद अदालत में पेश कर हासिल किया रिमांड
- हरचरण ने आतंकियों रविंदरपाल और जगदेव को दी थी पिस्तौल

जागरण संवाददाता, अमृतसर

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी से पहले पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक और आतंकी हरचरण सिंह को दिल्ली के नांगलोई इलाके से गिरफ्तार किया है। वह लंबे समय से अलगाववादी संगठनों से जुड़कर खालिस्तान के प्रचार में जुटा था। हरचरण ने ही कुछ दिन पहले पकड़े गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकियों रविंदरपाल सिंह और जगदेव सिंह को तीन महीने पहले एक हथियार तस्कर से पिस्तौल उपलब्ध कराई थी।

स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) की टीम ने हरचरण का मोबाइल बरामद कर कांटेक्ट नंबरों की जांच शुरू कर दी है। ये आतंकी ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी से पहले पंजाब में बड़ी वारदात की फिराक में थे। हरचरण को बुधवार देर शाम अमृतसर में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करके 8 जून तक पुलिस रिमांड हासिल किया गया। आतंकी जगदेव और रविंदरपाल पहले ही 8 जून तक पुलिस रिमांड पर हैं।

ग्रेनेड लाने वाले आतंकी अभी भी फरार, स्लीपर सेल अंडरग्राउंड : राजासांसी इलाके से बरामद दो ग्रेनेड लाने वाले आतंकी अभी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पाए हैं। उधर, बब्बर खालसा इंटरनेशनल के दो आतंकी गिरफ्तार होने के बाद इनके स्लीपर सेल अंडरग्राउंड हो चुके हैं।

बरसी पर कड़ी सुरक्षा, चार हजार जवान तैनात : आपरेशन ब्लू स्टार की बरसी को लेकर गुरुनगरी में अर्द्ध सैनिक बल और पुलिस के चार हजार जवानों को तैनात किया गया है। ज्यादा जवानों को श्री दरबार साहिब के आसपास तैनात किया गया है। इसके आसपास सीसीटीवी के जरिए नजर रखी जा रही है।

पंजाब के अन्य शहरों में भी चौकसी : कोई अप्रिय घटना न हो इसे लेकर अमृतसर के अलावा जालंधर, लुधियाना, पटियाला सहित कुछ अन्य शहरों में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चप्पे चप्पे पर पुलिस निगरानी कर रही है।

तीन हिंदू नेता हिरासत में

बुधवार को करीब एक दर्जन गर्मख्याली नेताओं को हिरासत में लेकर बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। वहीं शहर में तीन हिंदू नेताओं को हिरासत में लेकर हिमाचल भेजा गया है।

लोग अफवाहों पर यकीन ना करें। अगर कोई शरारती तत्व या अपराधी छवि का व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें।

सुधांशु शेखर श्रीवास्तव, पुलिस कमिश्नर, अमृतसर।

फ्रांस के राफेल संग उड़ान भरेंगे भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई

नई दिल्ली, एएनआइ/प्रेट्र : गरुड़ शृंखला के युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30 इस माह के अंत तक फ्रांस के लिए उड़ान भरेंगे। वहां वे एक जुलाई से शुरू हो रहे दो सप्ताह लंबे बड़े युद्धाभ्यास में फ्रांस के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल के साथ उड़ान भरेंगे।

एक अधिकारी ने बताया, 'फ्रांसीसी वायुसेना के साथ फ्रांस के एयरबेस पर अगले माह युद्धाभ्यास प्रस्तावित है। इसके लिए इस माह के अंत तक सुखोई-30 विमानों से सुसज्जित भारतीय दल रवाना होगा। उम्मीद है कि बरेली बेस के 24 स्क्वाड्रन हॉक्स भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।' हाल ही में भारत और फ्रांस ने अरब सागर में वरुण शृंखला के तहत नौसेना का संयुक्त अभ्यास किया था, जिसमें भारतीय नौसेना लड़ाकुओं के साथ फ्रांसीसी वायुसेना के राफेल-एम ने हिस्सा लिया था। भारत और फ्रांस रणनीतिक साझेदार हैं और पिछले कई वर्षों से परस्पर सहयोग में इजाफा कर रहे हैं। दोनों देशों की सरकारों के बीच वर्ष 2016 में 36 राफेल विमानों का सौदा हुआ है। इन पर 58 हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पहले राफेल विमान को इसी साल सितंबर में भारत आना है।

पूर्व आतंकी की पत्नी को घर में घुसकर मार डाला

- आतंकियों ने मुखबिरी के शक में बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां, एक रिश्तेदार जख्मी
- पुलवामा जिले के नारबल काकपोरा गांव में हुई वारदात

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

इस्लाम का नारा देने वाले जेहादी तत्वों ने बुधवार को ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर पुलवामा में एक महिला की उसके घर में दाखिल होकर हत्या कर दी और एक अन्य व्यक्ति को जख्मी कर दिया। मरने वाली महिला पूर्व आतंकी की पत्नी थी। सुरक्षाबलों ने घटना के बाद ही आतंकियों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया। वारदात बुधवार की सुबह पुलवामा जिले के नारबल काकपोरा गांव में हुई है। बताया जाता है कि स्वचालित हथियारों से लैस तीन से चार आतंकी नगीना जान नामक एक महिला के मकान में दाखिल हुए। आतंकियों ने मकान में दाखिल होकर नगीना जान पर उसके परिजनों के सामने ही अंधाधुंध गोलियों की बरसात कर दी। इससे नगीना जान और उनके एक निकट संबंधी जलालुद्दीन बफांदा जख्मी होकर वहीं पर गिर पड़े। दोनों को मरा समझ, आतंकी वहां से चले गए। आतंकियों के जाने के बाद नगीना जान व जलालुद्दीन को वहां मौजूद लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डाक्टरों ने नगीना जान को मृत घोषित कर दिया।

एक साल पहले पति की भी आतंकियों ने कर दी थी हत्या

नगीना जान के पति मोहम्मद यूसुफ लोन को करीब दो साल पहले 19 मई 2017 को लश्कर आतंकियों ने अगवा कर मौत के घाट उतार दिया था। यूसुफ भी अपने समय का एक नामी आतंकी था। एक बार ग्रेनेड फेंकने के प्रयास में वह खुद जख्मी हो गया था और उसका हाथ जख्मी हो गया था। बाद में उसने सरेंडर कर दिया और उसके बाद वह लश्कर व हिज्ब के आतंकियों के लिए बतौर ओवरग्राउंड वर्कर काम करने लगा था। आतंकियों को उस पर सुरक्षाबलों के लिए मुखबिरी करने का संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने यूसुफ को अगवा कर मौत के घाट उतार दिया।

कश्मीर में ईद पर भी पथराव व हिंसा, 20 घायल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर भी राष्ट्रविरोधी और शरारतीतत्व वादी में हिंसा से बाज नहीं आए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से लेकर उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा तक विभिन्न जगहों पर जिहादी नारों के बीच आतंकी संगठनों और पाकिस्तान के झंडे लहराते हिंसक तत्वों को काबू करने के लिए पुलिस को लाठियों, आंसूगैस और पैलेट के अलावा कई जगह हवाई फायरिंग का भी सहारा लेना पड़ा। हिंसक झड़पों में तीन पुलिसकर्मियों समेत करीब 20 लोग घायल हुए हैं। हिंसक तत्वों द्वारा लहराए गए कई बैनरों पर जाकिर मूसा और अजहर मसूद की तस्वीरों के अलावा राष्ट्रविरोधी बातें भी लिखी हुई थीं। पुलिस ने हिंसक झड़पों के दौरान पांच पत्थरबाजों को भी पकड़ा है। इस बीच, बनिहाल-बारामुला रेल सेवा को प्रशासन ने एहतियातन बंद रखा।

प्रशासन ने नमाज-ए-ईद के दौरान वादी समेत कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में शरारती तत्वों द्वारा हिंसा भड़काए जाने की आशंका को देखते हुए सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया था। सभी ईदगाहों और जियारतगाहों के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस व अर्धसैनिकबलों को भी तैनात किया गया था।

श्रीनगर की एतिहासिक जामिया मस्जिद में नमाज-ए-ईद के बाद बड़ी संख्या में युवकों ने जिहादी नारे लगाए। जामिया मस्जिद परिसर के बाहरी गेट पर पाकिस्तानी झंडा और जैश-ए-मुहम्मद के सरगना अजहर मसूद का बैनर भी शरारती तत्वों ने लगाया था। पुलिस ने जैसे ही इन बैनरों को हटाने का प्रयास किया, नारेबाजी कर रहे तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। उन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस को भी बल प्रयोग करना पड़ा।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में जंगलात मंडी और लालचौक में नमाज के बाद जुलूस निकाल रहे युवकों ने वहां तैनात सुरक्षाबलों पर पथराव शुरू कर दिया। उन्होंने वहां से गुजर रहे वाहनों को भी निशाना बनाया। हिंसक तत्वों को पूरी तरह बेकाबू होते देख सुरक्षाबलों ने उन्हें खदेड़ने के लिए लाठियों और आंसूगैस का सहारा लिया। कुछ लोगों के मुताबिक, पुलिस ने हिंसक तत्वों को भगाने के लिए हवाई फायरिंग भी की, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

मानवता की मिसाल ..: ईद के मुबारक मौके पर भी बुधवार को जब सोपोर में राष्ट्रविरोधी तत्व हिंसा कर रहे थे तभी एक महिला बीच में आ गई। पत्थरबाज फिर भी नही रुके नहीं, लेकिन सुरक्षाबलों के लिए उस समय महिला को बचाना प्राथमिकता थी। महिला मदद की गुहार लगा रही थी। ऐसे में जवान ने बहादुरी दिखाते हुए महिला को सुरक्षित निकाल लिया। जागरण

बीएसएफ और पाक रेंजरों ने दी ईद की मुबारकबाद

अटारी सीमा पर बीएसएफ के कमांडेंट एमके झा पाक रेंजर्स को मिठाई भेंट करते हुए। जागरण

जेएनएन, नई दिल्ली : पुलवामा हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच आई कड़वाहट ईद पर थोड़ी दूर हुई। पंजाब के अटारी और जम्मू कश्मीर के आरएसपुरा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ और पाकिस्तानी रेंजरों ने एक-दूसरे को मिठाई भेंट की।

बुधवार सुबह अटारी सीमा पर बीएसएफ और पाक रेंजरों के बीच जीरो लाइन पर पांच से छह मिनट का मिलन कार्यक्रम हुआ। पाकिस्तान सतलुज रेंजर्स के कमांडर मोहम्मद ख्वाजा खुर्शीद ने बीएसएफ के कमांडेंट मुकुंद कुमार झा को मिठाई भेंट की। झा ने भी पाक रेंजर्स को मिठाई और फलों का टोकरा भेंट किया। पिछले साल दीवाली पर बीएसएफ ने पाक रेंजर्स को मिठाई नहीं दी थी। उधर, आरएसपुरा में आक्ट्राय पोस्ट पर बीएसएफ अधिकारियों ने पाकिस्तान रेंजर्स को ईद की बधाई देते हुए मिठाइयां भेंट कीं। करीब दस मिनट तक की बातचीत में अधिकारियों ने सीमा पर शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील भी की।

दिल्ली, ओडिशा, तेलंगाना व बंगाल से आयुष्मान में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली, प्रेट्र/एएनआइ : केंद्र सरकार ने दिल्ली, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल से आयुष्मान भारत योजना में शामिल होने की अपील की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने इस संबंध में इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्रियों से गरीबों और वंचित लोगों के फायदे के लिए महत्वाकांक्षी स्वास्थ बीमा योजना आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) को अपने राज्यों में लागू करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि हर्षवर्धन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात भी की है। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से भी बात करने की कोशिश की थी। हर्षवर्धन ने कहा है कि गरीबों के फायदे के लिए वो इस योजना से दूर रहे राज्यों को इसे अपनाने के लिए समझाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस योजना को लागू किया है वहां यह बहुत सफल है और जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल रहा है।

तीसरे दिन भी जारी रही लापता विमान की खोज, खराब मौसम ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली, प्रेट्र : वायुसेना के सोमवार को लापता हुए एएन-32 विमान की दिन-रात खोज की जा रही है। बुधवार को खराब मौसम ने तलाशी अभियान में लगे दल की मुश्किलें बढ़ा दीं, लेकिन इसके बावजूद अभियान जारी रखा गया।

असम में जोरहट से अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के नजदीक स्थित मेंचुका एडवांस लैंडिंग ग्राउंड के लिए उड़ान भरने के करीब आधे घंटे बाद वायुसेना के एएन-32 विमान का संपर्क टूट गया था। वायुसेना प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन अनुपम बनर्जी ने बताया कि घने जंगलों, दुर्गम इलाकों और खराब मौसम के बावजूद तलाशी और बचाव अभियान दायरा बढ़ाया गया है और उसे तेज किया गया है। एयरबॉर्न सेंसरों से प्राप्त सभी संकेतों का बारीकी से मूल्यांकन किया जा रहा है और विमानों व जमीनी दलों द्वारा उसके अनुसार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान में सेना, नौसेना, आइटीबीपी, पुलिस और राज्य प्रशासन सभी जुटे हुए हैं। वायुसेना सूत्रों ने बताया कि दो सुखोई-30, सी-130जे व एएन-32 विमानों के बेड़े, दो एमआइ-17 हेलीकॉप्टर और दो एएलएच हेलीकॉप्टर समेत अतिरिक्त संसाधन भी खोज अभियान में लगाए गए हैं। मंगलवार को अभियान में लगाया गया नौसेना का पी8आइ विमान अभियान में सहायक साबित हो सकता है। इसरो के कार्टोसेट और रिसेट सैटेलाइट भी बचाव दल की मदद के लिए मेंचुका के आसपास की तस्वीरें मुहैया करा रहे हैं।

एएन-32 विमानों का अपग्रेडेशन पूरा क्यों नहीं हुआ : कांग्रेस

नई दिल्ली, एएनआइ : कांग्रेस ने सरकार से सवाल किया कि भारत और यूक्रेन के बीच 2009 में समझौते के बावजूद एएन-32 विमानों का अपग्रेडेशन पूरा क्यों नहीं किया गया। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सरकार से पूछा कि एएन-32 विमान इतने विषम इलाके में उड़ान क्यों भर रहा था जबकि उस मार्ग के लिए हमारे पास बेहतर विमान उपलब्ध हैं और एएन-32 विमानों की जगह दूसरे विमानों की खरीद के लिए पर्याप्त बजट का आवंटन क्यों नहीं किया?

लापता जवानों के घर में मचा कोहराम

जागरण संवाददाता, बलिया : असम के जोरहाट एयरबेस से अरुणाचल प्रदेश के लिए निकले भारतीय वायुसेना के एएन-32 लापता विमान में बलिया स्थित शोभाछपरा गांव निवासी वायुसैनिक सूरज सिंह के भी होने की खबर है। सूरज के पिता विनोद सिंह ने बताया कि लापता विमान में सूरज के होने की खबर जोरहट एयरबेस से मिली तब से परिवार में कोहराम मचा है। वहीं, इस विमान में सोनीपत के पंकज सांगवान (22) और पलवल के आशीष तंवर भी हैं। आशीष की पत्नी संध्या वायुसेना में रडार ऑपरेटर हैं और जोरहाट में ही कार्यरत हैं। आशीष की बहन अंजुला तंवर भी वायुसेना में स्कवाड्रन लीडर हैं। पिता राधेलाल व ताऊ उदयवीर सेना से सूबेदार मेजर के पद से सेवानिवृत हैं। वहीं, सोनीपत के गोहाना के गांव कोहला निवासी पंकज सांगवान वायुसेना के एयर ट्रैफिक सर्विस में तैनात हैं।

पेपर लीक मामला

आयोग केंद्रित कर्मचारियों के अलावा अन्य पर भी शासन की निगाह, भर्तियों पर प्रतिकूल असर पड़े बिना बदलाव करने की तैयारी

अब यूपीपीएससी के वॉश आउट की बारी

- योगी सरकार ने सत्ता में आने के बाद 22 मार्च 2017 को यूपीपीएससी का रोक दिया था कामकाज
- कई अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंच रही भ्रष्टाचार की आंच

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज

एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के पेपर लीक कांड पर आंदोलन कर रहे प्रतियोगी यूपीपीएससी के वॉश आउट की पुरजोर मांग कर रहे हैं। मामले में आरोपित भले ही परीक्षा नियंत्रक हैं लेकिन, भ्रष्टाचार की छींटे कई अधिकारियों यहां तक कर्मचारियों तक पड़ रही हैं। सूत्रों की मानें तो शासन आयोग को लेकर इन दिनों गंभीर है। मुख्यमंत्री ने अफसरों से जिस तरह की प्रतिक्रिया दी है, उसका असर जल्द दिख सकता है।

योगी सरकार ने सत्ता में आने के बाद 22 मार्च 2017 को यूपीपीएससी का कामकाज रोक दिया था। उस समय आयोग सचिव स्वायत्तता का हवाला देकर इस कार्रवाई का दबी जुबान विरोध कर रहे थे। सरकार ने सचिव व परीक्षा नियंत्रक के अलावा छिटपुट पदों पर ही बदलाव किया। कुछ माह बाद रोकी गई प्रक्रिया फिर बहाल हो गई। हालांकि चयन प्रक्रिया बहाल होते ही पांच साल की भर्तियों की सीबीआइ जांच का एलान हो गया। आयोग के जानकारों की मानें तो सरकार ने यूपीपीएससी को छेड़ा जरूर लेकिन, बदलाव एक दायरे तक ही सीमित रहा। सीबीआइ जांच रुकवाने के लिए यूपीपीएससी शीर्ष कोर्ट तक पहुंचा लेकिन, राहत नहीं मिली। सरकार ने सीबीआइ जांच को ही बड़ा हथियार माना और एक तरह से आयोग से किनारा कर लिया। सीबीआइ अब तक बेहतर कर नहीं सकी है। अफसर मनमाने तरीके से कार्य करते गए और भ्रष्टाचार सामने आया। अब शासन आयोग में तैनात अफसरों व अन्य की गतिविधियों पर गंभीर है। यूपीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष केबी पांडेय कहते हैं कि आयोग सांविधानिक संस्था है, इसलिए नियुक्त अध्यक्ष, सदस्य और यूपीपीएससी केंद्रित कर्मचारियों (जिनका चयन ही आयोग के लिए हुआ) के सिवा अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों को कभी भी और कहीं भी भेज सकती है। आयोग में बड़ी संख्या में संयुक्त सचिव, समीक्षा अधिकारी, एआरओ आदि तैनात हैं, इन्हें सरकार जब चाहे यहां से हटाकर अन्य जगह पर तैनाती दे सकती है। माना जा रहा है कि बड़े बदलाव के लिए अब तक नए परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति नहीं हुई है।

अन्य संस्थानों में नहीं हुआ बदलाव : प्रयागराज में अन्य भर्ती संस्थान माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उच्चतर शिक्षा आयोग व परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय में गड़बड़ियों के मामले खुलने पर वॉश आउट की तैयारी हुई लेकिन, प्रकरण ठंडा होते ही अधिकारी व कर्मचारी इधर-उधर नहीं किए गए।

यूपीपीएससी का कार्यालय। फाइल फोटो

टेंपो व ट्रक की टक्कर में पांच की मौत

जागरण संवाददाता, उत्तरी दिनाजपुर : उत्तरी दिनाजपुर के दालखोला में राष्ट्रीय राजमार्ग 34 के पूर्णिया मोड़ के पास बुधवार दोपहर करीब तीन बजे एक सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वाले बिहार के सीतामढ़ी के बेलसंड थाना के बासोल गांव के रहनेवाले थे। पुलिस ने बताया कि दालखोला रेलगेट से बिहार के पूर्णिया टेंपो पर सवार होकर सात लोग जा रहे थे। लेकिन पूर्णिया मोड़ के पास सामने से आ रही एक ट्रक ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। घटनास्थल पर ही चार लोगों की मौत हो गई। टेंपो चालक सहित घायल दो सवारी को इस्लामपुर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन रास्ते में एक की मौत हो गई।

ऊधमपुर में रेस लगा रही मेटाडोर पलटी, तीन की मौत : (ऊधमपुर) : जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर में बुधवार सुबह एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में रेस लगा रही दो मेटाडोर में से एक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे वाहन का इंतजार कर रहे लोगों पर जा गिरी। हादसे में तीन लोगों की मौत और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक व घायल सभी स्थानीय हैं।

मुंबई में ट्रेन में मिलीं जिलेटिन की छड़ें, बढ़ाई गई सतर्कता

- भाजपा सरकार को धमकी देने वाला पत्र भी मिला

राज्य ब्यूरो, मुंबई

मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल पर बुधवार को कोलकाता से आई शालीमार एक्सप्रेस में कुछ जिलेटिन की छड़ें और एक पत्र पाया गया। पत्र में लिखा गया है, 'इस भाजपा सरकार को बताना है कि हम क्या कर सकते हैं।' बता दें कि मंगलवार को नवी मुंबई के एक पुल के खंभे पर आतंकी संगठन आइएस के समर्थन में लिखे संदेश मिलने के बाद हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था। बुधवार को ईद के मद्देनजर पुलिस पहले ही सतर्क थी, लेकिन जिलेटिन छड़ों के साथ पत्र मिलने के बाद मुंबई के सभी उपनगरीय स्टेशनों पर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सुबह लगभग 11 बजे के आसपास शालीमार एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल पर पहुंची। थोड़ी देर बाद ज

1000 तालाबों को बुंदेलखंड में पुनर्जीवित करेगी मध्य प्रदेश सरकार। इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। तीन साल में वर्ल्ड बैंक की मदद से बुंदेला और चंदेलकालीन तालाबों को पुनर्जीवित किया जाएगा।

केरल में और सात लोगों में निपाह वायरस का शक

फैला खतरा ▸ संदिग्ध मरीजों के सैंपल को जांच के लिए पुणे भेजा गया

वायरस से संक्रमित छात्र की हालत में सुधार, बुखार कम हुआ

कोच्चि, आइएएनस/प्रेट्र : केरल में और सात लोगों के जानलेवा निपाह वायरस से संक्रमित होने का शक है। इनके सैंपल को जांच के लिए पुणे स्थित एनआइवी भेजा गया है। इन सभी को कलामसेरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बनाए गए अलग वार्ड में रखा गया है। इनमें निपाह वायरस से पीड़ित छात्र का इलाज करने वाली तीन नर्स और उसका एक सहपाठी शामिल है। इनके अलावा 314 लोगों को भी निगरानी में रखा गया है। वहीं, पीड़ित छात्र की तबीयत अब बेहतर हो रही है। उसका बुखार भी कम हुआ है।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने बताया कि निपाह वायरस से संक्रमित छात्र की हालत स्थिर बनी हुई है। बुखार कुछ कम हुआ है। उन्होंने बताया कि जिन सात लोगों को शक के आधार पर अस्पताल में रखा गया है, उनकी हालत गंभीर नहीं है। बल्कि, मंगलवार की तुलना में उनकी तबीयत कुछ बेहतर हुई है। उनके पैंसल को पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआइवी) भेजा गया है।

केरल के एर्नाकुलम में मेडिकल कॉलेज में निपाह वायरस से ग्रसित रोगियों के लिए बनाए गए वार्ड से कचरा हटाते कर्मी। एएनआइ

गुरुवार तक जांच रिपोर्ट आने की उम्मीद है। मंत्री ने पहले संदिग्ध निपाह वायरस के मामले की संख्या पांच बताई थी।

सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी बुलेटिन में कहा गया था कि निपाह वायरस से संक्रमित छात्र के संपर्क में आने वाले 314 लोगों को निगरानी में रखा गया है। ये लोग एरनाकुलम के परवूर व त्रिचूर और इडुक्की जिले के तोदूपुझा के रहने वाले हैं। पीड़ित छात्र उत्तरी परवूर का रहने वाला है और थोदूपुझा में कॉलेज में पढ़ता है। जबकि, हाल ही में अपने दोस्तों के साथ एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने त्रिचूर गया था। राज्य सरकार ने मीडिया के जरिए जागरूकता अभियान भी शुरू किया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन राज्य सरकार के संपर्क में हैं। मंगलवार को उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य मंत्री शैलजा से बातचीत भी की थी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया था। उन्होंने कहा कि हालात नियंत्रण में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह केरल की स्वास्थ्य मंत्री के साथ मिलकर व्यक्तिगत तौर पर इस मामले पर नजर रख रहे हैं।

मप्र के वृद्धाश्रम में वृद्ध की भूख से मौत!

नईदुनिया, सतना : मध्य प्रदेश के सतना जिले की धार्मिक नगरी चित्रकूट में प्रमोदवन स्थित वृद्धाश्रम में एक वृद्ध की मौत के मामले में भोपाल तक हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि मौत भूख के कारण हुई है। प्रदेश सरकार ने बुधवार को पत्र लिखकर जिला प्रशासन से जानकारी तलब की है। सरकार ने इस मामले में जांच के निर्देश दिए हैं।

चित्रकूट में 30 वर्ष से प्रमोदवन में संचालित वृद्धाश्रम में रघुनाथ सोनी अपनी पत्नी रामबाई सोनी के साथ कई वर्ष से रह रहे थे। रघुनाथ की एक जून को मौत हो गई थी। रघुनाथ की पत्नी का आरोप है कि मौत की वजह भूख और बीमारी है। उन्हें छह माह से पेंशन नहीं मिली थी। साथ ही भोजन की व्यवस्था भी नहीं थी। उनका इलाज तक नहीं कराया जा सका था।

रघुनाथ सोनी की मौत पर भोपाल के पूर्व सांसद आलोक संजर, विधायक व पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने सरकार को घेरा और कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आएगी। इस मामले में कलेक्टर सत्येंद्र सिंह का कहना है कि वृद्ध की मौत स्वाभाविक हुई है। जांच करा ली गई है।

मझगवां, सतना के एसडीएम ओमनारायण सिंह ने कहा कि भूख से मौत नहीं हुई है। बीमार रघुनाथ सोनी का इलाज चल रहा था। वृद्धाश्रम उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन विभाग के उपसंचालक दयाशंकर सिंह की देखरेख में संचालित होता है। इस वृद्धाश्रम के लिए राशि जारी की गई थी।

पेयजल से धुल रही थीं विराट कोहली की कारें, नगर निगम ने किया चालान

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

▸ गुरुग्राम नगर निगम ने घरेलू सहायक पर 500 रुपये जुर्माना लगाया

▸ पड़ोसी कर रहे थे कारें धोने में पेयजल बर्बाद होने की शिकायत

इंग्लैंड में खेले जा रहे क्रिकेट विश्वकप में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली की कारों को धोने में पेयजल बर्बाद किया जा रहा था। इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए नगर निगम ने उनके घरेलू सहायक पर पांच सौ रुपये जुर्माना लगाया है। 47.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गए तापमान में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। नगर निगम को इस दौरान भी पेयजल से गाड़ियां धोने की शिकायतें मिल रही थीं। निगम ने विराट के डीएलएफ फेस-1 स्थित निवास (सी-1/10) के बाहर पाइप लगाकर पेयजल गाड़ी धोने और व्यर्थ में बहाने पर घरेलू सहायक दीपक के नाम से चालान किया। मौके पर ही जुर्माना राशि 500 रुपये की अदायगी भी कर दी गई।

कोहली के पास आधा दर्जन से ज्यादा कारें

पड़ोसी सुनील भाटिया ने बताया कि कोहली के घर में आधा दर्जन से अधिक कार हैं। इनमें दो एसयूवी भी हैं। सभी गाड़ियों को रोजाना पाइप लगाकर पेयजल से धोया जाता है। इससे हजार लीटर से अधिक पेयजल की बर्बादी होती है। सुनील के अनुसार उन्होंने कई बार ऐसा करने से मना किया लेकिन कोहली के घरेलू सहायक व कार चालकों पर कोई असर नहीं पड़ा। नगर निगम के जेई अमन फौगाट ने बताया पानी की बर्बादी पर करीब 10 अन्य लोगों को भी चालान थमाया गया है। डीएलएफ इलाके में लगभग एक रुपये प्रति वर्ग गज पेयजल आपूर्ति शुल्क वसूला जाता है। यानी 500 वर्ग गज का मकान है तो प्रति माह 500 रुपये देने होंगे।

दैनिक जागरण ने उठाया था पेयजल बर्बादी का मुद्दा : डीएलएफ में एक सप्ताह से पेयजल संकट चल रहा है। दैनिक जागरण ने 2 मई के अंक में पेयजल की बर्बादी की तस्वीर दिखाते हुए खबर छापी थी जिसके बाद निगम आयुक्त ने निर्देश दिए थे कि इसे व्यर्थ बहाने वालों पर जुर्माना लगाया जाए।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के डीएलएफ फेस-1 स्थित घर के बाहर पाइप लगाकर धोई जा रही कार। (फोटो नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई है)

विराट कोहली की गाड़ियों को पाइप से धोकर रोजाना पेयजल की बर्बादी की जा रही थी, जिसके लिए चालान काटा गया है। उनके पड़ोसियों ने कई बार शिकायत भेजी थी। क्रिकेटर काफी प्रसिद्ध होते हैं, ऐसे में उनको पानी बर्बाद न करके पानी बचाने का संदेश देना चाहिए।

–हरिओम अत्री, संयुक्त आयुक्त नगर निगम गुरुग्राम।

पुलिस जीप से बजरंग दल कार्यकर्ता की मौत पर बवाल, दारोगा गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कानपुर : कानपुर स्थित कल्याणपुर के सैय्यदनगर में मंगलवार देर रात अनियंत्रित पुलिस जीप ने बजरंग दल कार्यकर्ता को रौंद डाला। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साई भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव कर आगजनी का प्रयास किया। सूचना पर एसएसपी ने दारोगा को निलंबित कर स्थिति को संभाला। बुधवार सुबह फिर जाम लगा और दोबारा पथराव किया गया। 25 लाख का मुआवजा, बहनों की शादी में आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी का आश्वासन देने पर लोग माने। बाद में आरोपित दारोगा को गिरफ्तार कर लिया गया।

सैय्यद नगर निवासी बजरंग दल कार्यकर्ता 25 वर्षीय रजत वर्मा उर्फ बिट्टू मंगलवार रात घर के बाहर मोबाइल पर कुछ देख रहा था। इसी बीच कल्याणपुर थाने की पुलिस जीप उसे रौंदते हुए बिजली के खंभे से जा टकराई। तेज धमाके के साथ बिजली जाने से आसपास के लोग घरों से निकल आए और पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। पुलिस जीप में तोड़फोड़ की और आगजनी का प्रयास किया। हंगामे की सूचना पर एसएसपी अनंतदेव तिवारी, एसपी पश्चिम संजीव सुमन भारी पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। रजत के परिवार वालों ने पुलिसकर्मियों पर नशेबाजी का आरोप लगाकर हंगामा किया।

परमाणु खनिज ब्लॉक आवंटन में गड़बड़ी की जांच शुरू

▸ वर्ष 2010 में यूपीए सरकार के दौरान जारी किए गए थे लाइसेंस

नई दिल्ली, आइएएनएस : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने दुर्लभ परमाणु खनिज पदार्थों की खोज और खनन के लिए ब्लॉक आवंटन में गड़बड़ियों की जांच फिर शुरू कर दी है। छह साल पहले अपनी प्रारंभिक जांच में सीबीआइ ने कहा था कि ब्लॉक आवंटन की प्रक्रिया में भारी अनियमितता बरती गई थी। 2010 में यूपीए सरकार के दौरान निजी कंपनियों को लाइसेंस दिए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका में सीबीआइ ने बताया कि सरकार का पक्ष एकदम स्पष्ट था कि परमाणु खनिज पदार्थों के सामरिक महत्व को देखते हुए उसकी खोज और खनन के काम को निजी हाथों में नहीं सौंपा जा सकता है। इसके बावजूद खनन मंत्रालय के अधिकारियों ने निजी कंपनियों के साथ मिलीभगत कर 2011 में जारी आशय पत्र को आधार बनाकर बैकडोर से इस क्षेत्र में उनकी एंट्री कराई थी। बिना उचित प्रक्रिया निजी कंपनियों को लाइसेंस भी जारी कर दिए थे। सीबीआइ लाइसेंस जारी करने में शामिल विभिन्न वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की भूमिका की जांच कर रही है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के मुताबिक जिन अपतटीय ब्लॉक (ऑफशोर ब्लॉक) के लिए लाइसेंस दिए गए थे, उनमें दुर्लभ खनिज पदार्थ मोनोजाइट भी पाया जाता है, जो परमाणु ऊर्जा अधिनियम की अनुसूची में निर्धारित खनिज है।

सीबीआइ के सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के भीतर निजी कंपनियों को 50 खनन पट्टे देने के लिए पिक-एंड-चूज फार्मूले को अपनाया था। मार्च, 2011 में 62 ब्लॉक के आवंटन के लिए 16 आवेदकों का चयन किया गया था। बाद में एक कमेटी ने पाया गया था कि एक ही ब्लॉक के लिए एक ही समूह से जुड़ी कंपनियों ने आवेदन किया था। इसके बावजूद भारतीय खनन ब्यूरो (आइबीएम) के तत्कालीन महानियंत्रक ने खनिज पदार्थों की खोज के लिए लाइसेंस जारी कर दिए थे। एक पूर्व सरकारी अधिकारी ने सीबीआइ जांच को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने सीबीआइ जांच पर रोक लगा दी थी। लेकिन केंद्र सरकार और सीबीआइ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए सीबीआइ को जांच करने की अनुमति दे दी थी।

ससुराल पहुंचे युवक ने पत्नी को दरवाजे पर ही दे दिया तीन तलाक

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात के नवसारी में ससुराल पहुंचे एक युवक ने दरवाजे पर ही पत्नी को तीन तलाक देते हुए तीन साल का संबंध खत्म कर दिया।

नवसारी के लंगरवाड निवासी नाहिदा (25) का निकाह तीन साल पहले उसी शहर के पारसी अगियारी मोहल्ले में रहने वाले मुंतजीर से मई 2016 में हुआ था। तीन-चार महीने सबकुछ ठीकठाक चला, लेकिन जब आर्थिक तंगी शुरू हुई तो सास मुमताज व जेठ आफताब ने मायके से पैसे लाने की बात कहते हुए उसे वापस भेज दिया। इसी बीच नाहिदा ने बेटे को जन्म दिया। पति से सुलह होने पर वह वापस लौट आई। ससुर सलीम मुल्ला व जेठानी आसीफा भी उसे दहेज के लिए तंग करने लगे। इस बीच नाहिदा फिर गर्भवती हो गई।

10 मई 2019 को पैसों के लेकर हुए झगड़े के बाद मुंतजीर ने नाहिदा को बच्चे समेत उसके मायके में छोड़ दिया। आरोप है कि 20 मई को मुंतजीर नाहिदा के घर पहुंचा और दरवाजे से ही चिल्लाकर बेटे को लौटाने की मांग करते हुए उसे तीन बार तलाक कह दिया। नाहिदा ने पति व चार अन्य के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अपर कलेक्टर को दारू-चिकन पहुंचाया तो करूंगी कार्रवाई

आकाश सिंह भदौरिया, गुना

▸ मध्य प्रदेश में गुना जिले की एसडीएम ने दिया आदेश

▸ तहसीलदार, नायब तहसीलदार को खुशामद न करने के दिए निर्देश

मध्य प्रदेश के गुना जिले की सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) शिवानी गर्ग ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार व पटवारियों को अपर कलेक्टर दिलीप मंडावी की खुशामद न करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले अपने अधीनस्थों के वाट्सएप ग्रुप पर एक मैसेज पोस्ट दिया। इसमें उन्होंने एडीएम को दारू और चिकन नहीं पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही लिखा कि ऐसा करने वाले के खिलाफ वे कार्रवाई करेंगी।

एसडीएम शिवानी गर्ग ने यह मैसेज जिले के रिवेन्यु ग्रुप नामक ऑफिशियल वाट्सएप ग्रुप पर डाला। इसमें एसडीएम ने लिखा, 'कृपया ध्यान दें, समस्त पटवारी, आरआइ, नायब तहसीलदार और तहसीलदार साहिबान ध्यान दें। अगर आप में से किसी ने भी किसी भी स्तर पर एडीएम को दारू, चिकन आदि... पहुंचाया, तो मेरे द्वारा आपके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और अनधिकृत लाभ पहुंचाने संबंधी कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। बताया जाता है कि जैसे ही वरिष्ठ अधिकारियों को पता चला तो एसडीएम ने ग्रुप में शामिल पटवारी व अन्य सदस्यों को बुलाया और उनके मोबाइल से इसे डिलीट भी करा दिया। बताते हैं कि उस समय कलेक्टर भास्कर लाक्षाकार अवकाश पर थे। उन्होंने इस बारे में बात करने से मना कर दिया है।

यह मैसेज तो पुराना हो गया है। एडीएम साहब अपनी फरमाइशों से रोज बेचारे पटवारियों को परेशान करते थे। इसलिए हमने ग्रुप में डाला। दो-ढाई महीने हमारा अमला परेशान रहा। पटवारियों ने इसके लिए कलेक्टर साहब को ज्ञापन भी दिया था। अभी वर्तमान में तो उनके द्वारा कोई ख्वाहिश नहीं की जा रही है।

– शिवानी रायकवार, एसडीएम, गुना

एसडीएम ने क्या मैसेज डाला और क्यों डाला, मुझे इस बारे में कोई भी जानकारी नहीं है।

– दिलीप मंडावी, एडीएम, गुना

खनन माफिया के गुर्गों ने की फायरिंग, इंस्पेक्टर समेत पांच जख्मी

जागरण संवाददाता, आगरा : बुधवार को खेरागढ़ में ट्रैक्टर से चंबल से रेत लेकर आ रहे खनन माफिया के गुर्गों ने पुलिस टीम पर फायरिंग और पथराव कर दिया। इससे इंस्पेक्टर खेरागढ़, चार पुलिसकर्मी और एक राहगीर घायल हो गए। हालांकि पुलिस का दावा है कि जवाबी फायरिंग में माफिया के दो गुर्गे भी घायल हुए हैं। बाद में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

बुधवार को इंस्पेक्टर खेरागढ़ जसवीर सिंह फोर्स के साथ खेरागढ़-कागारौल से बुरहरा रोड पर खनन माफिया को पकड़ने पहुंचे तो खनन माफिया के गुर्गों ने बुरहरा गांव के पास सड़क पर ही रेत पलटवा दी। ट्रॉली की आड़ लेकर फायरिंग शुरू कर दी। एक घंटे तक करीब 27 राउंड जवाबी फायरिंग हुई। इस दौरान इंस्पेक्टर जसवीर सिंह, सिपाही संजीव गोली लगने से घायल हो गए जबकि सिपाही योगेश और रजनीश पत्थर लगने से चोटिल हो गए। एक राहगीर करुआ भी गोली लगने से घायल हो गया। फोर्स पहुंचने पर गुर्गे सहित माफिया भाग गया। बाद में पुलिस ने पंकज निवासी गोपालपुरा थाना दिहोली धौलपुर (राजस्थान) को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी अमित पाठक ने बताया कि खनन माफिया राजस्थान के हैं।

नंदा देवी ईस्ट में हेलीकॉप्टर लैंडिंग के प्रयास विफल

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़

नंदा देवी ईस्ट अभियान के दौरान हिमस्खलन की चपेट में आकर बर्फ में दबे आठ पर्वतारोहियों की खोज एवं बचाव कार्य में नंदा देवी क्षेत्र का मौसम बाधक बन चुका है। बुधवार को उन्हें निकालने के लिए हेलीकॉप्टर ने तीन बार लैंडिंग के प्रयास किया परंतु सफलता हाथ नहीं लगी। पिथौरागढ़ में जोहार के मर्तोली से चलाए जा रहे अभियान को लेकर संदेह बने होने से अब बागेश्वर जिले के पिंडारी से अभियान चलाने के बारे में विचार हो रहा है। अभियान को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आइटीबीपी संयुक्त रूप से चला रहे हैं।

बुधवार को जिलाधिकारी डॉ. वीके जोगदंडे ने आइटीबीपी के डीआइजी एपीएस निंबाडिया की मौजूदगी में बताया कि बुधवार सायं तक 30 से 35 सदस्यीय एनडीआरएफ का दल पिथौरागढ़ पहुंच रहा है। अभियान एनडीआरएफ के साथ ही आइटीबीपी की 12 और एसडीआरएफ की 10 सदस्यीय टीम संयुक्त रूप से खोज एवं बचाव कार्य में जुटेगी। आइटीबीपी की सूचना के आधार पर मर्तोली से अभियान का संचालन कर पाना काफी चुनौतीपूर्ण हो रहा है। जिसे देखते हुए बागेश्वर के पिंडारी ग्लेशियर क्षेत्र से अभियान चलाए जाने के बारे में विचार किया गया है। हालांकि इसमें अब अधिक समय लगेगा।

पिथौरागढ़ के सैन्य क्षेत्र से बुधवार को नंदा देवी चोटी के लिए उड़ान भरने की तैयारी में वायुसेना का हेलीकॉप्टर, लेकिन यह लैंडिंग नहीं कर पाया। जागरण

बेहद मुश्किल है बचाव स्थल : डीएम ने बताया कि नंदा देवी ईस्ट में जिस स्थान पर शव देखे गए हैं और बचाव कार्य करना है, वहां पर तीनों तरफ से ऊंची बर्फीली पहाड़ियां हैं। बीच में कटोरानुमा स्थल है। जहां पर रेस्क्यू के लिए मार्ग नहीं मिल रहा है। यदि हेलीकॉप्टर उतर भी गया तो उसे टर्न होने के लिए जगह नहीं मिल पाएगी।

तीन बार भरी उड़ान : डीएम ने बताया कि बुधवार तड़के साढ़े तीन बजे से सुबह नौ बजे तक हेलीकॉप्टर ने तीन बार प्रयास किए परंतु सफलता नहीं मिली। गुरुवार को फिर रेस्क्यू अभियान चलाया जाएगा। एक-एक कर ही शव निकाले जा सकते हैं। इसके लिए खोज एवं बचाव दल के सदस्य अभ्यास भी करते रहेंगे।

पोलैंड को दल को रोका गया : जिलाधिकारी ने बताया कि नंदा देवी ईस्ट को जा रहे पोलैंड के पर्वतारोही दल को नंदा देवी बेस कैंप में रोका गया है। संभावित खतरे को देखते हुए उनसे आगे नहीं बढ़ने का अनुरोध किया है।

मंगलवार को भी नंदा देवी में हुआ हिमपात : नंदा देवी क्षेत्र में मंगलवार को भी हिमपात हुआ है। जिस स्थान पर शव पड़े हैं वह भी एवलांच जोन है। यहां पर यदि फिर एवलांच आया तो नजर आ रहे शव फिर बर्फ में दब सकते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में छोटे हेलीकॉप्टर से जाकर झंडे लगाने होंगे ताकि शवों वाला स्थल की पहचान बनी रहे।

अब लंबा चलेगा अभियान : आइटीबीपी के डीआइजी एपीएस निंबाडिया ने बताया पर्वतारोहण में प्रति हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थिति बदलती रहती है। इसका एक निर्धारित प्रोटोकाल होता है। जिसके मानक नौ हजार, 12 हजार और 14 हजार मीटर की ऊंचाई होते हैं। नौ हजार मीटर की ऊंचाई पर छह दिन आराम के बाद फिर 12 हजार की ऊंचाई पर चार दिन का रेस्ट और 14 हजार की ऊंचाई पर चार दिन ठहरने का प्रावधान है। यह सेना के मेडिकल का प्रोटाकॉल होता है। जिसे देखते हुए इस अभियान में लंबा समय लग सकता है। आने वाले दो दिनों में फिर रेकी की जाएगी। जिसमें एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आइटीबीपी की टीम जाएगी। वायु सेना से टीम को इन स्थानों पर छोड़ने का अनुरोध किया जाएगा। इस अभियान को अब पिंडारी ग्लेशियर से संचालित किए जाने का प्रस्ताव किया जा रहा है।

हिमालय की चोटी से दिया गंगा की सफाई का संदेश

नई दिल्ली, एएनआइ: उत्तर प्रदेश कैडर के आइएएस अधिकारी रवींद्र कुमार ने दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत (हिमालय की चोटी) माउंट एवरेस्ट से गंगा सफाई का संदेश दिया है। गंगाजल लेकर रवींद्र 23 मई को पर्वत की चोटी पर पहुंचे थे, वहां उन्होंने पवित्र जल चढ़ाया और गंगा के स्वच्छ होने की कामना की।

उल्लेखनीय है कि गंगा का उद्भव हिमालय से ही हुआ है। भारत सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के कार्यरत रवींद्र कुमार ने अपने पर्वतारोहण अभियान का नाम 'स्वच्छ गंगा स्वच्छ भारत एवरेस्ट अभियान 2019' रखा था। गंगा नदी की स्वच्छता के लिए लोगों को जागरूक करने के वास्ते वह वहां पर गंगाजल लेकर गए थे।

आइएएस अधिकारी ने बताया कि उनके अभियान का उद्देश्य लोगों को पानी से जुड़े विषयों पर जागरूक करना था। लोग समझें कि पानी को प्रदूषित (गंदा) होने से बचाना जरूरी है। नदियों, तालाबों और झरनों को सूखने-बर्बाद होने से बचाएं। सभी के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने पेयजल उपलब्ध कराने को इस समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया है।

क्या मेरा इलाज संभव है...?

बुधवार को पर्यावरण दिवस पर विभिन्न संस्थाओं ने पौधरोपण किया। सोशल मीडिया पर भी लोग पेड़ों व पर्यावरण को बचाने का संदेश देते हुए नजर आए लेकिन उनका यह प्रेम मात्र एक दिन तक ही सिमट कर रह जाता है। यही कारण है कि ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ रही है। बुधवार को पटियाला की जेल रोड पर एक सूखा पेड़ भी अपनी बेबसी पर कराहता नजर आया। मानो यह कह रहा हो कि मेरी देखभाल न करके और प्रदूषण फैलाकर आपने भी मुझे बेबस और अपाहिज कर दिया हो। अब मैं न आपको शुद्ध हवा दे सकता हूं और न छांव... क्या मेरा इलाज भी संभव है? विजय शर्मा

रणनीति

बिहार में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के आसपास के क्षेत्रों में किया जाएगा बदलाव, पिछले और इस वर्ष की शुरुआत में बाघों के भटकाव से हुई परेशानी

बदलेगा फसल पैटर्न ताकि भटकें नहीं बाघ

शशि कुमार मिश्र, बेतिया (पचं)

बाघ भटके नहीं, इसलिए वाल्मीकि टाइगर रिजर्व आसपास के क्षेत्रों के क्रॉपिंग पैटर्न में बदलाव करेगा। बाघों के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचने की घटना को देख वीटीआर प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। इस साल की वार्षिक कार्ययोजना में इसे शामिल किया गया है। स्वीकृति मिलने के बाद किसानों को जानकारी दी जाएगी कि गन्ने के बदले ऐसी नकदी फसलों का चुनाव करें, जिनसे आमदनी बढ़े और बाघों को छिपने के लिए जगह भी न मिले। माना जा रहा कि गन्ने के खेत बाघों के छिपने वास्ते उपयुक्त जगह है।

पहली बार बनी ऐसी योजना : क्रापिंग पैटर्न में बदलाव के लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए प्रबंधन ने शस्य वैज्ञानिकों (एग्रोनोमिस्ट) के साथ मंथन भी शुरू कर दिया है। जानकार बताते हैं कि अन्य नेशनल पार्क क्षेत्रों से बाघों और अन्य वन्य प्राणियों के भटकने की घटना कोई नई नहीं है। लेकिन, वीटीआर क्षेत्रों से इस तरह की घटना में इजाफा हुआ है। बाघों के भटकाव को देखते हुए क्रापिंग पैटर्न बदलने की योजना देश में पहली बार किसी नेशनल पार्क या टाइगर रिजर्व प्रशासन कर रहा। बाघों के भटकाव से आस पास के क्षेत्रों में जान-माल की हानि भी हुई है।

ऐसी फसलों को उगाने से बचा जाएगा जिनमें बाघों को छुपने में मदद मिल सके। प्रतीकात्मक फोटो

शावकों के प्रति असुरक्षा की भावना : बाघों के भटकने की एक और वजह शावकों के लिए असुरक्षा की भावना भी है। मादा अपने शावकों को नर बाघों से बचाव के लिए वीटीआर क्षेत्र से बाहर का रास्ता अख्तियार करती हैं। यह समय अमूमन अगस्त से नवंबर के अंतिम सप्ताह तक होता है।

बाघों के भटकाव को देखते हुए वाल्मीकि टाइगर प्रशासन इसके आसपास में हो रही गन्ने की खेती की जगह अन्य नकदी फसलों को अपनाने पर बल देगा। इसके लिए किसानों के बीच प्रशिक्षण दिया जाएगा। वैकल्पिक फसलों के चुनाव के लिए शस्य वैज्ञानिकों से सलाह ली जा रही। इस वर्ष के वार्षिक कार्ययोजना में इसे शामिल किया गया है।

–एचके राय, क्षेत्र निदेशक सह वन संरक्षक वाल्मीकि टाइगर रिजर्व

केदारनाथ में हवाई सफर के नाम पर फिर जालसाजी

संवाद सहयोगी, रुद्रप्रयाग

▸ मुंबई के यात्री के छह टिकट की एवज में 31800 रुपये खाते में जमा करवाए

▸ जालसाज ने खुद को एशियन होलीडेज एजेंसी का एजेंट बताया

केदारघाटी में हवाई टिकटों की कालाबाजारी एवं जालसाजी के कई मामले सामने आ रहे हैं। ऑनलाइन ठगी का एक और मामला सामने आया है। इससे पहले सोमवार को तीन घटनाएं उजागर हुई थीं। पीड़ित यात्री की शिकायत पर पुलिस ने एशियन होलीडेज एजेंसी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

यात्रियों की संख्या के अनुरूप व्यवस्थाएं न होने से केदारघाटी में हेली टिकटों की कालाबाजारी के साथ ही जालसाज गिरोह सक्रिय है। ऑनलाइन टिकट लेकर हेलीपैड तक पहुंचने वाले यात्रियों में कुछ के टिकट फर्जी निकल रहे हैं। हालांकि, प्रशासन इन पर नजर रखने के दावे कर रहा है, लेकिन श्रद्धालुओं के इनके चंगुल में फंसने के बाद ही मामले खुल पा रहे हैं। प्रशासन के स्तर पर अभी तक खुद संज्ञान नहीं लिया गया। सोमवार को तीन ऐसे मामलों में एफआइआर दर्ज कराई गई थी, बुधवार को एक और पीड़ित सामने आया। केदारनाथ यात्रा पर आए मुंबई निवासी विपिन यादव ने बताया कि ऑनलाइन हेली टिकट सर्च करने पर उन्हें एक व्यक्ति का कॉल आया। उसने पवनहंस कंपनी के टिकट ऑनलाइन बुक कराने की बात कही। उन्होंने 6 टिकटों की एवज में उन्होंने 31800 रुपये का भुगतान पेटीएम के माध्यम से उस व्यक्ति द्वारा दिए गए बैंक एकाउंट में किया। उसने खुद को एशियन होलीडेज एजेंसी का एजेंट बताया। शिकायतकर्ता को मेल के माध्यम से टिकट कंफर्म की गई, लेकिन टिकट उपलब्ध नहीं कराया। पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आने पर पुलिस ने एशियन होलीडेज एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। कहा कि अगर किसी अन्य की संलिप्ता भी पाई जाती है उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

आदि कैलास यात्रा शुरू, 21 यात्रियों का पहला दल रवाना

संसू पिथौरागढ़ : उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित प्रसिद्ध आदि कैलास यात्रा का शुभारंभ हो गया है। आइटीबीपी के डीआइजी और दिलिंग दारमा सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित पहला 21 सदस्यीय यात्री दल दारमा को रवाना हो गया है। मंगलवार शाम को यात्री दल के दिल्ली से धारचूला पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। दल में 13 पुरुष व आठ महिलाएं शामिल हैं।

पहले दिन दल 70 किमी का सफर वाहन से तय कर धारचूला से दुग्तू गांव पहुंचा। गुरुवार को दल दो किमी पैदल यात्रा कर विश्व प्रसिद्ध पंचाचूली ग्लेशियर का दर्शन करने के बाद रात्रि विश्राम दांतू गांव में करेगा। सात जून को सीपू गांव में महादेव गुफा, शिव पार्वती गुफा के दर्शन करने के बाद दल तिदांग गांव में विश्राम करेंगे। आठ जून को सुबह 12 किमी पैदल चलने के बाद रामा होते हुए दल विदांग पहुंचेगे, जहां रात्रि विश्राम करेंगे। नौ जून को आदि कैलास के दर्शन के बाद यात्री दल विष्णु कुंड और रामा कुंड के दर्शन करेगा और दस जून को वापस धारचूला लौटेगा।

दैनिक जागरण
शिक्षा में किया गया निवेश जीवनपर्यंत लाभ देता है

कश्मीर की राह

भले ही यह स्पष्ट न हो कि पाकिस्तान के विदेश सचिव किस खास मकसद से यकायक भारत आए हैं, लेकिन संभावना यही है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री के लिए अपने प्रधानमंत्री का कोई संदेश लेकर आए होंगे ताकि दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने को लेकर कोई सहमति कायम हो सके। यह संभावना इसलिए दिख रही है, क्योंकि एक तो पाकिस्तान ने अर्से बाद अपना हवाई क्षेत्र खोला है और दूसरे, इमरान खान भारत से संबंध सुधार के लिए व्यग्र दिख रहे हैं। इस व्यग्रता का एक बड़ा कारण पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था है। तमाम उपायों के बावजूद पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था संभलने का नाम नहीं ले रही है। लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के चलते पाकिस्तान ऐसी स्थिति में नहीं कि वह भारत से तनाव जारी रख सके। यह ठीक है कि पाकिस्तान में कुछ लोग यह समझने लगे हैं कि कश्मीर में दखल जारी रखकर भारत से संबंध नहीं सुधारे जा सकते, लेकिन मुश्किल यह है कि वहां एक तबका अभी भी ऐसा है जो छल-बल से कश्मीर हासिल करने के सपने देख रहा है। इस तबके को ताकत प्रदान कर रही है पाकिस्तानी सेना और जिहादी तत्व। फिलहाल यह कहना कठिन है कि इमरान खान अपनी सेना और अपने यहां के जेहादी तत्वों को यह समझाने में सफल हैं या नहीं कि कश्मीर की रट लगाते रहने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है, लेकिन भारत से संबंध सुधार उनके हाथ में ही है। अगर पाकिस्तान अपने सबसे बड़े पड़ोसी देश से संबंध सामान्य नहीं कर पा रहा है तो इसके लिए वही अधिक जिम्मेदार है। यह पाकिस्तान ही है जिसने संबंध सुधारने के नाम पर भारत को रह-रह कर धोखे दिए हैं। बीते दो दशक तो खास तौर से पाकिस्तान की धोखेबाजी की कहानी ही कहते हैं।

फिलहाल किसी के लिए भी यह कहना कठिन है कि पाकिस्तान से रिश्ते कब और कैसे सामान्य होंगे, लेकिन इस अनिश्चितता का यह मतलब नहीं हो सकता कि कश्मीर को सही रास्ते पर लाने के लिए भारत सरकार की ओर से अतिरिक्त प्रयास न किए जाएं। कश्मीर के हालात ठीक करने का काम तो प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि मोदी सरकार इस बार और अधिक मजबूती से सत्ता में आई है और उसने अनुच्छेद 370 खत्म करने का वादा भी किया है। इस अनुच्छेद को खत्म करने अथवा उसकी खामियों को दूर करने के उपायों पर काम करते हुए मोदी सरकार को यह भी देखना होगा कि कश्मीर के वर्चस्व को कैसे खत्म किया जाए? जम्मू-कश्मीर की समस्या को केवल घाटी की समस्या के तौर पर देखे जाने के अपने दुष्परिणाम सामने आए हैं। चूंकि कश्मीर ही ज्यादा चर्चा के केंद्र में रहता है इसलिए जम्मू और लद्दाख की अनदेखी ही होती है। एक समस्या यह भी है कि कश्मीर की हर छोटी-बड़ी घटना को सदैव गंभीर चुनौती के तौर पर देखा जाता है। इसके चलते वहां अलगाववाद ने एक धंधे का रूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर में नए सिरे से परिसीमन की तैयारियों के पीछे का सच जो भी हो, उपद्रवग्रस्त घाटी को पटरी पर लाने के लिए हर संभव कदम उठाने का समय आ गया है।

पोस्टकार्ड से वार

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल और भाजपा के बीच जारी तल्खी लोकसभा चुनाव के बाद से और तेज हो गई है। अब तक जय श्रीराम के नारे को लेकर तृणमूल एवं भाजपा में तलवार खींची हुई थी जो अब पोस्टकार्ड वार में तब्दील हो गई है। भाजपा ने सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जय श्रीराम लिखा 10 लाख पोस्टकार्ड भेजना शुरू किया है तो उधर तृणमूल इस पर पलटवार करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को 20 लाख पोस्टकार्ड भेजने का निर्णय लिया है, जिस पर जय हिंद, जय बांग्ला लिखा होगा। यह अजूबा सियासी जंग बंगाल में शुरू हो चुकी है। इस जंग का अंत कहां होगा यह तो वक्त बताएगा, लेकिन पोस्टकार्ड वार छिड़ चुका है। भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन सिंह ने कहा, हमने मुख्यमंत्री के आवास पर 10 लाख पोस्टकार्ड भेजने का निर्णय किया है, जिन पर जय श्रीराम लिखा होगा। भाजपा को उसके ही हथियार से पलटवार करने की तैयारी में तृणमूल भी जुटी है। भाजपा नेताओं का कहना है कि मैं इस बात को लेकर बहुत आश्चर्यचकित हूं कि आखिर ममताजी को जय श्रीराम के नारे से इतनी दिक्कत क्यों है? 1996 में राम मंदिर आंदोलन के समय से जय श्रीराम का नारा देश भर में प्रसिद्ध है। इसमें कुछ नया नहीं है। यहां तक कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में रहते हुए भी ममता ने कभी इसका विरोध नहीं किया। और हां, हमें जय हिंद से कोई दिक्कत नहीं है। हमारे नेता अक्सर भारत माता की जय और जय हिंद के नारे लगाते हैं। भाजपा के जय श्रीराम नारे के जवाब में तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया ट्विटर और फेसबुक पर अपनी डीपी बदल दी। अब उनकी डीपी में जय हिंद, जय बांग्ला लिखा नजर आ रहा है। ममता के साथ ही उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने भी अपनी डीपी बदल दी है। हमारे देश में जय श्री राम, जय हिंद, भारत माता की जय जैसे नारे पर किसी को भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस पर सियासत सही नहीं है। दोनों को चाहिए लोगों के कल्याण पर जोर दें न कि इस तरह की सियासत करते रहें।

चीन संग अमेरिका को साधने की चुनौती

ब्रह्मा चेलानी

दूसरे कार्यकाल में मोदी के नेतृत्व की परीक्षा इस आधार पर भी होगी कि वह भारत की विदेश नीति के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों से कैसे निपटते हैं?

तमाम राजनीतिक पंडितों को चौंकाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने धमाकेदार जीत के साथ सत्ता में वापसी कर ली। बौद्धिक जुगाली करने वाले तमाम लोग मोदी को विभाजनकारी राजनीति के लिए आड़े हाथों लेते रहे, लेकिन वे जमीन पर मोदी के पक्ष में चल रही हवा को भांपने में नाकाम रहे। इस प्रचंड जनादेश ने मोदी को घरेलू मोर्चे के साथ-साथ विदेश नीति की प्राथमिकताएं तय करने में एक तरह से खुला हाथ दे दिया है। उन्हें कुछ समय में ही दुनिया के दिग्गज नेताओं से मुलाकात करनी है। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात करेंगे। पहले कार्यकाल की तरह मोदी की विदेश नीति सतर्क व्यावहारिकता के साथ संचालित होगी। निर्णय लेने की मोदी की अनूठी और विशिष्ट शैली है। इसमें उनकी शख्सियत भी असर दिखाती है। अक्सर उनके अप्रत्याशित फैसलों में चौंकाने का भाव भी होता है। इससे मोदी के आलोचकों को उन पर राष्ट्रपति शैली में सरकार चलाने का आरोप लगाने का बहाना मिला जाता है, जबकि हकीकत यह है कि स्वतंत्र भारत में प्रधानमंत्री अमूमन राष्ट्रपति की शैली में ही काम करते आए हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नाम शामिल हैं। इस मामले में कमजोर और खंडित जनादेश से बनी सरकारें ही अपवाद हैं।

चुनाव से पहले ही मोदी ने अंतरिक्ष युद्ध को लेकर भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन कर चीन को चेतावनी देने का काम किया था। भारत ने 27 मार्च को अंतरिक्ष में अपने ही एक उपग्रह को मार गिराने में सफलता हासिल की थी। इस तरह वह अमेरिका, रूस और चीन के बाद अंतरिक्ष में कोई लक्ष्य भेदने की क्षमता रखने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। जैसे उपग्रह-भेदी हथियार के साथ ही भारत ने चीन के खिलाफ अहम प्रतिरोधी क्षमता विकसित कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की वैसे ही चुनावी जीत के बाद विदेश नीति के संदर्भ में मोदी का पहला कदम भी चीन को ध्यान में रखकर उठाया गया। पहले विदेश दौरे के लिए मोदी ने रणनीतिक रूप से हिंद महासागर के द्वीप मालदीव को चुना है। पिछले साल हुए चुनाव में मालदीव की जनता ने चीन समर्थित तानाशाह की सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। हालांकि उससे पहले ही वहां की सरकार कई छोटे-छोटे द्वीप चीन को पट्टे पर दे चुकी थी। मालदीव में लोकतंत्र बहाली के बाद से भारत ने उसे पूरी उदारता से वित्तीय मदद मुहैया कराई है। इससे मालदीव को चीनी कर्ज के जाल से निकलने में मदद मिली है। सात-आठ जून को मोदी का यह दौरा सांकेतिक रूप से बेहद अहम है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत दुनिया के सबसे छोटे मुस्लिम देश से करेंगे। इससे पहले मालदीव में जिस तानाशाह का शासन था उसके राज में मालदीव दुनिया में आतंकियों की आपूर्ति के लिए कुख्यात हो गया था। प्रति व्यक्ति आबादी के लिहाज से सीरिया और इराक में जिहाद के लिए आतंकी भेजने वाले देशों में मालदीव तब शीर्ष पर था।

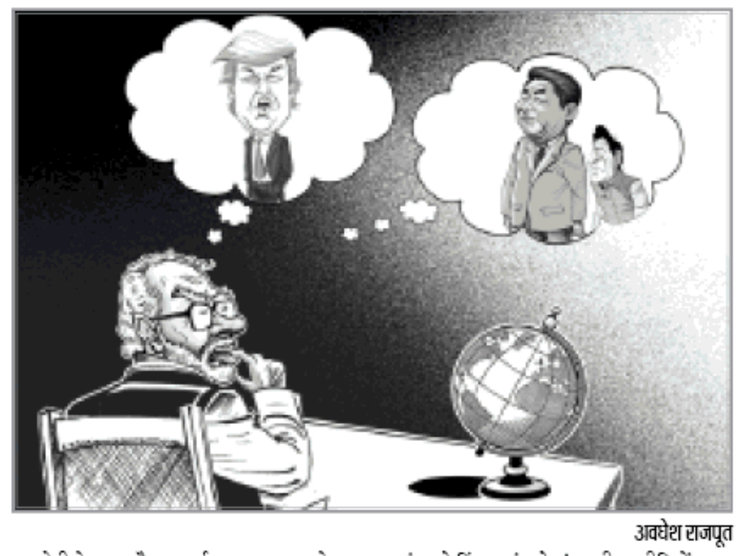

अवधेश राजपूत

मोदी ने एक और चतुराई भरा कदम उठाते हुए अपने शपथ ग्रहण समारोह में बंगाल की खाड़ी के लिए बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग परिषद पहल यानी बिम्सटेक के सदस्य देशों को आमंत्रित किया। इसमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल थे। मरणासन्न दक्षेस की तुलना में बिम्सटेक संभावनाएं जगाने वाली पहल है। बंगाल की खाड़ी दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया को जोड़ने वाली कड़ी है। इसमें भारत की 'पड़ोसी को प्राथमिकता' और 'एक्ट ईस्ट' नीति भी एकाकार होती हैं। इसके उलट दक्षेस भारत को उलझाए रखता है। उसका दायरा भी भारतीय उपमहाद्वीप तक सीमित है, जबकि बिम्सटेक भारत को उसकी ऐतिहासिक धुरियों से जोड़ता है। इतिहास में भारत के मुख्य व्यापारिक और सांस्कृतिक साझेदार पूरब के देश ही थे। पश्चिमी सीमा से तो केवल आततायी अपनी सेनाओं के साथ आक्रमण करते रहे। भारत के रणनीतिक हितों को देखते हुए बिम्सेटक सही है। इससे एबी शिंजो की पहल पर अमेरिकी नेतृत्व वाली 'मुक्त एवं खुले हिंद प्रशांत क्षेत्र' वाली रणनीति में भारत की भूमिका का और विस्तार होगा।

दक्षेस नेताओं को न बुलाकर मोदी परेशान करने वाले पड़ोसी पाकिस्तान को भी दूर रखने में सफल रहे, जिसने उनकी जीत पर उत्तर कोरियाई शैली में बधाई देते हुए चीनी डिजाइन की परमाणु क्षमता वाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। यह परीक्षण ऐसे समय किया गया जब पुलवामा हमले के कारण दोनों देशों में पहले से तनाव बढ़ा हुआ था। पाकिस्तान और चीन मिलकर मोदी के सामने बड़ी सामरिक चुनौती पेश करते हैं। यह शायद दुनिया में किसी एक देश को सबसे ज्यादा परेशान करने वाले पड़ोसियों की जोड़ी मानी जाएगी।

मोदी ने इस साल अक्टूबर में शी चिनफिंग को 'अनौपचारिक सम्मेलन' के लिए भारत बुलाया है। संबंधों में तल्खी दूर करने के लिए इससे पहले चीन के वुहान में दोनों नेता ऐसी एक बैठक कर चुके हैं। चीन को लेकर अमेरिकी नीति में ट्रंप द्वारा किए गए बदलाव से चीन के लिए आक्रामकता की गुंजाइश सीमित हो रही है। भारत इसका लाभ उठा सकता है। अमेरिका से रिश्ते बेहतर होने के बावजूद ट्रंप को साध पाना मोदी के लिए खासा चुनौतीपूर्ण है। ईरान और वेनेजुएला से तेल आयात पर प्रतिबंध से ट्रंप पहले ही भारत पर बोझ बढ़ा चुके हैं। इसके साथ ही 15 अरब डॉलर के रक्षा सौदे हासिल करने के बावजूद अमेरिका रूस से रक्षा साजोसामान की खरीद में अड़ंगे लगा रहा है। भारतीय बाजार में तार्किक एवं बराबर की भागीदारी न मिलने का आरोप लगाते हुए ट्रंप ने भारत को मिला जीएसपी का दर्जा भी वापस ले लिया है। इसके तहत भारत अमेरिका से 5.6 अरब डॉलर के तकनीकी उत्पादों का शुल्क मुक्त आयात कर सकता था। पिछले साल अमेरिका ने इस्पात और एल्युमिनियम पर आयात शुल्क बढ़ा दिया था। जवाबी कार्रवाई के नाम पर भारत ने अमेरिका से होने वाले करोड़ों डॉलर के उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाने का एलान किया। यह बात अलग है कि दरें बढ़ाने की मियाद आगे बढ़ती गई।

मोदी के दोबारा चुनाव पर जब ट्रंप ने उन्हें बधाई दी तो दोनों नेताओं ने 28-29 जून को ओसाका में आयोजित जी-20 सम्मेलन से इतर बैठक के लिए सहमति जताई। मोदी के विदेश दौरों का आगामी कार्यक्रम काफी व्यस्त है। 14-15 जून को उन्हें किरगिस्तान में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेना है। चार-छह सितंबर को वह व्लाडिवोस्टक में पूर्वी आर्थिक मंच के सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इसी बीच वाशिंगटन में ट्रंप से द्विपक्षीय वार्ता भी हो सकती है। मोदी के दूसरे कार्यकाल में उनके नेतृत्व की परीक्षा इस पहलू से तय होगी कि वह भारत की विदेश नीति के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों से कैसे निपटते हैं? अगर वह नाकाम रहते हैं तो उन्हें इसकी राजनीतिक कीमत चुकानी होगी, लेकिन यदि वह सफल होते हैं तो फिर इंदिरा गांधी के बाद वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा छाप छोड़ने वाले भारतीय नेता बन जाएंगे।

(लेखक सामरिक मामलों के विशेषज्ञ हैं)

response@jagran.com

संघ से वैचारिक संघर्ष की अधूरी तैयारी

बद्री नारायण

आरएसएस के विरोधी यह समझें तो बेहतर कि यह संगठन अपने को लगातार बदलता चला आ रहा है

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मुकाबला करने के लिए दो नए संगठन गठित किए हैं। इनमें एक है जयहिंद वाहिनी, दूसरा है बंग जनानी वाहिनी। उन्होंने जयहिंद वाहिनी का अध्यक्ष अपने एक भाई कार्तिक बनर्जी को एवं संयोजक दूसरे भाई गणेश बनर्जी को बनाया है। बंग जनानी वाहिनी का अध्यक्ष काकोली दस्तीदार को बनाया गया है। माना जाता है कि तृणमूल कांग्रेस 'जयहिंद' का संबंध सुभाष चंद्र बोस एवं स्वामी विवेकानंद के प्रतीकों से जोड़ने की कोशिश करेगी। ममता की तरह कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी अपना वैचारिक संघर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ही मानते हैं। वामपंथी दल यथा भाकपा, माकपा आदि भी अपनी वैचारिक लड़ाई दक्षिणपंथी राजनीति के वैचारिक आधार रचने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ही मानते हैं, किंतु प्रश्न यह उठता है कि ये सभी दल अपना वैचारिक संघर्ष किस आरएसएस से मानते हैं? क्या उस आरएसएस से जो उनकी धारणा का आरएसएस है या उस आरएसएस से जो वह वास्तव में है? उनकी धारणा का आरएसएस वह है जिसे आज से लगभग 40-50 वर्ष पूर्व की वामपंथी व्याख्याओं से रचा गया है। इस धारणा को लगातार दोहराते हुए आरएसएस के बारे में एक प्रकार की रूढ़िवादी सोच बना ली गई है। यह सोच आरएसएस की एक छाया का निर्माण करती है। आरएसएस स्वयं को लगातार बदलता और नया करता चला आ रहा है। हो सकता है कि यह नयापन एवं परिवर्तन उसके शरीर का ही परिवर्तन हो, आत्मा का नहीं, परंतु जो राजनीतिक दल अपनी लड़ाई आरएसएस से मानते हैं उन्हें आरएसएस के देह स्वरूप में हो रहे लगातार परिवर्तन को तो समझना ही होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते तो आरएसएस की एक छाया से लड़ते रह जाएंगे। इसके नतीजे में संघ अपने सामाजिक आधार को और फैलाता चला जाएगा।

पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, उत्तर पूर्व आदि में जहां-जहां संघ ने अपने को फैलाया है वहां उसके विरुद्ध संघर्ष की बात करने वाले राजनीतिक दल सच में जो संघ है, उसके बजाय उसकी छाया से ही लड़ते रहे हैं। हो सकता है कि मेरी इस बात से कुछ लोग नाराज हों, पर संघ में हो रहे सतत बदलाव को जाने-समझे बिना एक तरह से इस खुशफहमी में जीना है कि हम संघ के विचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। संघ की शक्ति यह है कि वह अपनी लड़ाई किसी से नहीं मानता। वह अपने लक्ष्य को दृष्टिगत रख अपने प्रसार में लगा हुआ है।

संघ के प्रतिवाद के लिए जयहिंद वाहिनी बनाने वाली ममता बनर्जी यह नहीं समझ पातीं कि संघ की शक्ति डंडे, लाठी में नहीं छुपी है। संघ की पहली शक्ति वह सांस्कृतिक

एकाधिकार है जिसकी सतत व्याख्या अंतोनियो ग्राम्शी के सैद्धांतिक प्रतिपादनों से पाई जा सकती है। यह सांस्कृतिक शक्ति धर्म, परंपरा, धार्मिक शास्त्रों-अनुष्ठानों एवं भारतीय पारंपरिक मूल्यों को अपनी भाषा में जोड़ने से संघ को प्राप्त हुई है। इसी कारण वह आज सर्वत्र उपलब्ध होने की क्षमता अर्जित किए हुए है। इसी अंतःशक्ति के कारण संघ व्यापक हिंदू समाज, कठिन भौगोलिक परिक्षेत्र, अल्पसंख्यक समूहों को अपने में जोड़ने में लगा हुआ है।

हाल के समय में संघ क्षेत्रीय संस्कृतियों को भी अपने वैचारिक ढांचे से जोड़ने में सफल होता हुआ दिखा है। संस्कृति की भाषा एवं भाव को अपनी शैली में जोड़ने के कारण उसने एक सांस्कृतिक शक्ति प्राप्त की है। जो भी राजनीतिक दल आरएसएस से वैचारिक प्रतिवाद का दावा कर रहे हैं उन्हें यह समझना होगा कि संघ सरीखी सांस्कृतिक शक्ति एवं सांस्कृतिक भाषा विकसित किए बिना ऐसा कर पाना कठिन है। इस भाषा का निर्माण भारतीय संस्कृति के तत्वों एवं स्रोतों में समाहित होकर ही किया जा सकता है। संघ की एक अन्य शक्ति है उसके संपूर्ण ढांचे में निहित समाहन की शक्ति। संघ में अपने विरोधी तर्कों, ढांचों एवं शक्तियों को समाहित कर लेने की अद्भुत शक्ति है। संघ अपने ढांचे से जरूरी समझौते करके भी जनजातीय समूहों, उत्तर-पूर्व के गैर हिंदू समूहों और अल्पसंख्यकों को अपने से जोड़कर एक 'विस्तृत हिंदुत्व' का निर्माण करने में लगा हुआ है। यह 'इच्छा' जब तक संघ के विरोध में सक्रिय शक्तियों में विकसित नहीं हो पाती तब तक उनके लिए संघ से मुकाबला कठिन है। समाहन की यही शक्ति समाज एवं राजनीति में प्रभावी परंपरा रचती है।

संघ की तीसरी शक्ति है सेवाभावी सामाजिक कार्य। संघ पूरे देश में अनेक सेवाभावी परियोजनाएं चला रहा है। इन सेवाभावी परियोजनाओं के माध्यम से वह जरूरतमंद लोगों तक पहुंचकर उन्हें अपने में शामिल कर रहा है। सेवाभाव की यह संस्कृति भी उसने भारतीय परंपरा में निहित सेवा एवं दान की भावना से सीखी है। इस पारंपरिक सीख का परिवर्द्धन संघ ने ईसाई मिशनरियों के सेवा कार्य की राजनीति को अप्रासंगिक बनाने के लिए भी किया है। अभी हाल में कुंभ में नेत्र रोगियों के लिए लगाए गए 'नेत्र कुंभ' के जरिये संघ लगभग दो लाख नेत्र रोगियों तक पहुंचने में सफल रहा। इसके लाभार्थियों में हिंदू-मुस्लिम, वंचित, आदिवासी सामाजिक समूहों के लोग शामिल थे।

जहां संघ प्रचारक अपने घर परिवार का मोह छोड़ संगठन के प्रति समर्पित होने का आभास देते हैं वहीं ममता बनर्जी ने जो 'जयहिंद वाहिनी' बनाई उसकी कमान अपने भाइयों को सौंप दी। इस तरह धारणा की लड़ाई में ममता बनर्जी अपनी लड़ाई प्रथम चरण में ही हार बैठीं। संघ प्रचारक जिस त्याग भाव को अपनी छवि से जोड़कर रखते हैं उससे जनता के बीच उनके प्रति भरोसा पैदा होता है। स्पष्ट है कि संघ और भाजपा विरोधी दलों को यह सोचना होगा कि पुरानी भाषा, पुरानी धारणा एवं पुराने हथियार से नित परिवर्तित होते जाने वाले संगठन से सफल प्रतिवाद नहीं किया जा सकता। संघ से लड़ने के लिए इन दलों को भी नया तन एवं नई आत्मा वाला नया अवतार लेना होगा। सबसे बड़ा अंतर्विरोध है कि जहां ये दल राजनीतिक सत्ता की लड़ाई लड़ रहे हैं वहीं संघ सामाजिक सत्ता रचने में लगा है। जब उसे अपने किसी प्रचारक में राजनीतिक प्रतिभा एवं आकांक्षा दिखती है तो वह उसे भारतीय जनता पार्टी से जोड़ देता है। गैर राजनीतिक होने की उसकी यह छवि उसके प्रति जनता में विश्वास सृजित करती है। स्पष्ट है कि राजनीतिक शक्तियों को खुद को सामाजिक अभियानों से जोड़ना होगा।

(लेखक गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

योजनाबद्ध कार्य

किसी भी कार्य के लिए सबसे पहले उसकी रूपरेखा बनाई जाती है। उसमें कार्य की प्रकृति, उसमें लगने वाले समय, धन और सामर्थ्य का आकलन शामिल होता है। इससे कार्य में सफलता की सुनिश्चितता बढ़ जाती है। प्रायः लोग कोई कार्य बिना किसी ठोस योजना के शुरू कर देते हैं और असफल होने पर निराश तो होते हैं, साथ ही भाग्य और भगवान को दोष देते हैं। जबकि कहा गया है कि प्रयास करने से भी कोई कार्य पूर्ण नहीं हो पाता या सफलता नहीं मिलती तो कहीं न कहीं स्वयं का दोष है। उसी को बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताए भी कहा जा सकता है।

योजनाबद्ध कार्य का उदाहरण भगवान श्रीराम द्वारा कदम-कदम पर प्रस्तुत किया गया। लंका पर आक्रमण के पहले वहां की सारी स्थिति का अध्ययन करने के लिए वह हनुमान जी को लंका भेजते हैं। लंका के भौगोलिक, सामाजिक, सामरिक सारी क्षमता का आकलन कर हनुमान जी विस्तृत जानकारी श्रीराम को देते हैं और जब श्रीराम को खुद लंका जाने की बात आती है तथा बीच में समुद्र पर मार्ग बनाने का प्रश्न उठता है तब उनके अनुज श्री लक्ष्मण जी तत्काल ही उस कार्य को अंजाम देना चाहते हैं और पुल बनाने का उद्यम करने लगते हैं, लेकिन श्रीराम ने उन्हें किसी तरह की जल्दबाजी से रोक दिया। रामचरितमानस में उल्लेख है कि स्वयं श्रीराम समुद्र तट पर तीन दिन बैठे। इन तीन दिनों में श्रीराम का समुद्र पर पुल बनाने की कार्ययोजना को अंजाम देना ही था। किसी कार्य को शुरू करने में जब व्यक्ति एकाग्र मन से किसी कार्य का चिंतन करता है तो चिंतन में ही अनेक रास्ते निकलते हैं।

जितने भी वैज्ञानिक आविष्कार हुए सबमें वैज्ञानिकों ने पहले गहरा चिंतन किया। माना जाता है कि ठंडे मन से किसी विषय पर सोचने से सरल उपाय निकल आते हैं, जबकि प्रायः व्यक्ति जल्दबाजी तथा शॉर्टकट रास्ता तलाशता है। होना तो यह चाहिए हर दिन सो कर उठने के बाद जिस भी क्षेत्र में जो लगा है, वह अपने उस दिन के कार्य की सुविचारित योजना बनाए और उसके अनुसार कार्य करे तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि सफलता न मिले। हो सकता है कि किन्हीं कारणों से कभी कुछ कम सफलता मिले। थोड़ी भी सफलता मिलने से उत्साह बढ़ता है और उत्साह से किया गया कार्य मंजिल तक पहुंचता है।

सलिल पांडेय

फास्ट फूड से बिगड़ती सेहत

अभिजीत मोहन

पिछले कुछ वर्षों में फास्ट फूड में गैर सेहतमंद तत्वों की मात्रा में भारी इजाफा हुआ है जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है

अमेरिका के बोस्टन विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का यह खुलासा चिंतित करने वाला है कि पिछले कुछ वर्षों में फास्ट फूड में गैर सेहतमंद तत्वों की मात्रा में 226 प्रतिशत का इजाफा हुआ है जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये खाद्य पदार्थ पहले से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक थे और अब इन तत्वों की मात्रा में भारी इजाफा स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकता है। शोधकर्ताओं ने यह नतीजा दस प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन के 1787 खाद्य पदार्थों पर अध्ययन के उपरांत निकाला है। शोधकर्ताओं का मानना है कि 1986 से 2016 के बीच इन फास्ट फूड चेन में मेनकोर्स व्यंजन का औसत आकार 39 ग्राम और कैलोरी 90 तक बढ़ी है। साइड कोर्स की बात करें तो आकार में ये चार ग्राम बढ़े हैं जिससे 175 से 217 तक कैलोरी में इजाफा हुआ है। इन फास्ट फूड चेन पर मिलने वाली मिठाइयों का वजन 71 ग्राम और कैलोरी 186 ग्राम तक बढ़ी है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि 1985 की तुलना में जीवनशैली में नकारात्मक बदलाव आया है।

गौर करें तो भारत में भी फास्ट फूड सेवन का प्रचलन तेजी से बढ़ा है और उसी का नतीजा है कि मोटापा बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि 2025 तक भारत में 1.7 करोड़ बच्चे मोटापे से ग्रस्त होंगे और 184 देशों की सूची में भारत दूसरे पायदान पर होगा। मौजूदा समय में चीन में 1.53 करोड़ बच्चे मोटापे संबंधी बीमारी के शिकार हैं। बीते एक दशक में भारत में मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या दोगुनी हुई है। दुनिया में सबसे ज्यादा अमेरिका में 7.94 करोड़ वयस्क मोटापे से ग्रस्त हैं। चीन दूसरे नंबर पर है जहां 5.73 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हैं। एसोचैम और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी कई रिपोर्टों में कहा जा चुका है कि मोटापा का एक प्रमुख कारण फास्ट फूड का सेवन है। चूंकि हर तरह के फास्ट फूड के निर्माण में चीनी से बनने वाली चीजें मसलन सोडा, कैंडी और बेक का इस्तेमाल किया जाता है। लिहाजा इनका अधिक सेवन करने से मुंह संबंधी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। चिकित्सकों का मानना है कि चूंकि आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज जैसे फास्ट फूड में सोडियम की मात्रा अधिक रहती है जो रक्तचाप और स्ट्रोक की संभावना को बढ़ा देती है। शरीर को सेहतमंद रखने के लिए विटामिन की जरूरत पड़ती है। इससे शरीर का समग्र विकास होता है, लेकिन गौर करें तो फास्ट फूड में विटामिन और खनिज की मात्रा न के बराबर होती है। लिहाजा अधिक फास्ट फूड सेवन करने वाले विटामिन न मिलने के कारण कई किस्म की गंभीर बीमारियों का सामना करते हैं।

आज की तारीख में फास्ट फूड कंपनियों का बाजार 15 हजार करोड़ रुपये के आसपास है और इसमें हर वर्ष 25 फीसद का इजाफा हो रहा है। यहां ध्यान देना होगा कि जब 1972 में फास्ट फूड की शुरुआत हुई तो उसका उद्देश्य यह था कि लोगों को ज्यादा कैलोरी हासिल हो। कंपनियां इस मकसद में तो कामयाब रहीं, लेकिन गुणवत्तापरक पौष्टिक आहार देने के मानक पूरे नहीं किए। उनका एकमात्र मकसद खूब धन कमाना है चाहे उसकी कीमत लोगों को बिगड़ते स्वास्थ्य के रूप में क्यों न चुकानी पड़े।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

भाषाई सद्भाव की जरूरत

प्रो. निरंजन कुमार का अपने आलेख 'हिंदी के प्रति अनावश्यक दुराग्रह' में नई शिक्षा नीति में हिंदी भाषा को राष्ट्रव्यापी स्तर पर स्कूली शिक्षा में सम्मिलित करने के दक्षिण भारतीय विरोध को राजनीति से प्रेरित भाषाई दुराग्रह मानना उचित प्रतीत होता है। आज हिंदी भाषा भारत के करीब हर प्रदेश में बोली और समझी जाती है। व्यापारिक और राजनीतिक विज्ञापनों में सर्वाधिक रूप से हिंदी भाषा ही प्रयुक्त की जाती है। बावजूद इसके केवल भाषाई स्तर पर अपने को विशिष्ट मानने के दुराग्रहवश हिंदी भाषा का विरोध करना दक्षिणी राज्यों का शगल बन गया है। दक्षिण भारतीय गैर हिंदी भाषी राज्यों के इस भाषाई दुराग्रह के कारण ही हिंदी अपने राष्ट्रभाषा के अधिकार से अब तक वंचित रही है। आखिर कब तक भारत राष्ट्र भाषाई स्तर पर गूंगा बना रहेगा? उम्मीद थी कि मोदी सरकार अपनी दूसरी पारी में हिंदी को राष्ट्रभाषा का गौरव दिलाने के लिए कटिबद्ध दिखाई देगी, लेकिन थोड़े से विरोध प्रदर्शन के बाद नई शिक्षा नीति के प्रारूप से हिंदी भाषा की राष्ट्रव्यापी अनिवार्यता को खत्म करके नव निर्वाचित केंद्र की भाजपा सरकार ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को कमजोर कर दिया है। हिंदी भाषा के प्रति होने वाला यह अन्याय अब हिंदी भाषा भाषियों के लिए असहनीय होता जा रहा है। देश की भाषाई एकता के लिए एक राष्ट्रभाषा का होना जरूरी है। इस दृष्टि से हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना अब समय की मांग है। दक्षिण भारतीय राज्यों को भी अपने भाषाई दुराग्रह से परे होकर हिंदी भाषा के संबंध में लचीला रुख अपनाना चाहिए। आखिर हम भारतवासी अपने देश की सभी भाषाओं का सम्मान करना कब सीखेंगे? अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त दूसरी भाषा सीखना कोई बुरी बात तो नहीं है, फिर हिंदी भाषा सीखने का विरोध क्यों? विभिन्न भाषाओं की जानकारी रखना लाभदायक होता है। गैर हिंदी भाषी लोग इसी सद्भाव से हिंदी भाषा को पढ़ने-पढ़ाने में संकोच न करें, क्योंकि इस तरह के भाषाई सद्भाव से ही हिंदी को घोषित रूप से राष्ट्रभाषा का गौरव प्राप्त हो सकता है।

pandeyvp1960@gmail.com

समरसता की राह पर चलना होगा

संपादकीय आलेख 'क्षणिक गठबंधन' में सपा-बसपा के चुनावी समीकरण का सटीक आकलन किया गया है। संपादक का यह कथन काफी हद तक सही है कि यदि कांग्रेस गठबंधन का हिस्सा होती तो स्थिति थोड़ी अलग हो सकती थी। बेशक कांग्रेस गठबंधन में शामिल होने के लिए उत्सुक थी, लेकिन सपा-बसपा ने उसे भाव ही नहीं दिया। अखिलेश यादव विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का परिणाम भुगत चुके थे, जहां वे सत्ता से बेदखल हो गए थे। शायद इसी कटु अनुभव के कारण सपा-बसपा ने कांग्रेस से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझी होगी। किंतु मोदी लहर के आगे गठबंधन भी कोई चमत्कार नहीं दिखा सका। वैसे भी अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियों के बेमेल गठबंधन कभी स्थायी नहीं होते, बिखरना ही उनकी नियति है। इसीलिए मायावती ने भविष्य की संभावना को देखते हुए गठबंधन का पटाक्षेप कर दिया है। यदि सपा-बसपा को उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में प्रभावी प्रदर्शन करना है तो उन्हें जातिवाद के बंधन को तोड़ कर समरसता की राह पर च

143 वें पायदान पर है भारत स्वास्थ्य सेवा सुलभ होने के मामले में दुनिया के 192 देशों में। भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी खर्च बीते करीब एक दशक से जीडीपी के लगभग 1.15 फीसद के आसपास ही है।

आजकल

रहीस सिंह
विदेश मामलों के जानकार

इंडोनेशिया से संबंधों में मोदी-विडोडो केमिस्ट्री

इंडोनेशिया में हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुए हैं जिसमें जोको विडोडो को लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति चुना गया है। हालांकि इंडोनेशिया और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंध रहे हैं जिसका बड़ा कारण दोनों देशों की संस्कृति का जुड़ाव माना जाता है। शायद आपको यह जानकर सुखद अनुभव होगा कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने अपने पोते का नाम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर श्रीनरेंद्र रखा है जिसका जिक्र भी उन्होंने मोदी की पिछली इंडोनेशिया यात्रा के दौरान किया था। लिहाजा यह उम्मीद की जा सकती है कि मोदी-विडोडो केमिस्ट्री भारत-इंडोनेशिया को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में निर्णायक शक्ति बनाने में मदद करेगी

चीन- इंडोनेशिया के बीच टकराव की स्थिति

हालांकि अभी तक यह माना जा रहा है कि इंडोनेशिया में समुद्री राष्ट्रवाद (मैरीटाइम नेशनलिज्म) का दावा नहीं किया जा रहा है और न ही ऐसी संभावनाएं दिख रही हैं। लेकिन यह इंडोनेशिया को मजबूती प्रदान करने का एक बेहतर माध्यम हो सकती है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंडोनेशिया का रक्षा खर्च उसके जीडीपी के एक प्रतिशत से भी कम है। हालांकि वर्ष 2017 में इसमें आकस्मिक वृद्धि देखी गई थी, लेकिन इसके बाद से इसमें ठहराव है। यह भी संभव है कि इंडोनेशिया की यह नीति चीन को रोकने के उद्देश्य से निर्मित की गई हो, क्योंकि नातुना समुद्र में चीन और इंडोनेशिया के बीच में टकराव की स्थिति है। चूंकि चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति और न्यू मैरीटाइम सिल्क रूट भारत के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं, इसलिए इस मुकाम पर आकर भारत और इंडोनेशिया के हित समान हो सकते हैं और दोनों चीन के विरुद्ध साझी रणनीति बना सकते हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि इंडोनेशिया चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का समर्थन करता है और भारत इसका विरोध कर रहा है। फिर भी भारत रणनीतिक संबंधों को लेकर संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारत-इंडोनेशिया द्विपक्षीय संबंध

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण और इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री रियामिजार्ड रियाकुडू के बीच हुई बैठक में भारत और इंडोनेशिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के साथ आगे ले जाने का निर्णय लिया था। इसमें भारत ने दोनों देशों के बीच नजदीकी राजनीतिक संवाद, आर्थिक व व्यापारिक संबंधों, सांस्कृतिक व नागरिक जुड़ावों की परंपरा की बात करते हुए भारत-इंडोनेशिया के बीच समुद्री पड़ोसियों के तौर पर पारस्परिक रूप से लाभदायक और लगातार बने रहने वाले संबंधों पर जोर दिया। दोनों ओर से सेनाओं के बीच पारस्परिक संबंधों पर संतोष व्यक्त किया गया था और द्विपक्षीय नौसेना एवं वायुसेना अभ्यासों को प्रोत्साहित करने पर भी सहमति व्यक्त की गई थी। इन संबंधों में दोनों ओर से सूचना के बेहतर आदान-प्रदान और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने संबंधी विषय भी शामिल किए गए। भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक दल और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच भी सहयोग बढ़ा है। हम इंडोनेशिया को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के साथ ही वहां उनके संयुक्त उत्पादन के लिए शोध एवं विकास की संभावनाएं तलाश सकते हैं। भारत सुमात्रा के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाह में भी निवेश कर सकता है। इसे आसियान इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना के तहत मूर्त रूप दिया जा सकता है।

मजबूती की ओर कारोबारी रिश्ते

बहरहाल मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आधार पर दोनों देश अपने परंपरागत मूल्यों के साथ-साथ रक्षा, शिक्षा, ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और कला के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए कदम उठा रहे हैं। दोनों देश अपने द्विपक्षीय व्यापार को 2025 तक 50 अरब डॉलर पर ले जाने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। लेकिन फिर भी चूंकि चीन और उसके महत्वाकांक्षी बीआरआइ को लेकर इंडोनेशिया का नजरिया अलग है। वह दक्षिण चीन सागर को लेकर भी मुखर नहीं है, बल्कि चीन न्यू मैरीटाइम सिल्क रूट के जरिये मलक्का और ग्वादर (पाकिस्तान) को कनेक्ट करना चाह रहा है। दूसरी तरफ वह इंडिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की चार देशों को लेकर बन रहे क्वैड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया द्वारा निर्मित रणनीतिक चतुर्भुज) को लेकर कुछ सशंकित हो सकता है। इन सबके बावजूद वह सामुद्रिक सुरक्षा को संतुलन देने में भारत के महत्व को भी बखूबी समझता है। इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन में वह भारत का पूरा समर्थन और इस्लामिक देशों के संगठन में भारत विरोधी अभियान का विरोध करता है। इन्हीं संवेदनशील आयामों को समझते हुए दोनों देशों को आगे बढ़ने की जरूरत है।

पिछले दिनों जोको विडोडो को विश्व के तीसरे बड़े लोकतंत्र यानी इंडोनेशिया का राष्ट्रपति फिर से चुना गया। उन्होंने राष्ट्रपति चुनावों में लगातार दूसरी बार जीत हासिल की है। इंडोनेशियाई निर्वाचन आयोग के अनुसार 'इंडोनेशियन डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल' पार्टी के जोको विडोडो ने अपने प्रतिद्वंद्वी एवं सेवानिवृत्त जनरल प्राबोवो सुबियांतो को पराजित किया। साथ ही उनके उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मारूफ अमीन ने सांडियागा यूनो के खिलाफ विजय हासिल की। हालांकि अनधिकृत आंकड़ों में विडोडो की जीत का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया था, लेकिन सुबियांतो ने मतदान में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए विडोडो की जीत को चुनौती देने का संकल्प लिया है। फलतः इंडोनेशिया में तनाव की स्थिति है। यहां जो सबसे अहम बात है, वह यह कि वहां इस्लामिक स्टेट यानी आइएस की सक्रियता बढ़ी है। ऐसे में देखना यह है कि जोको विडोडो इन आंतरिक चुनौतियों से कैसे निपटेंगे? दूसरा प्रश्न यह भी है कि विडोडो पूर्व की भांति भारत के साथ निर्णायक साझेदारी का निर्माण कर सकेंगे या नहीं?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी अच्छी मित्रता है जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछली बार जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया की यात्रा पर गए थे तो उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपने पोते का नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर श्रीनरेंद्र रखा है। इसलिए इस बात की संभावनाएं अधिक हैं कि विडोडो इंडोनेशिया को वह दिशा देंगे जो भारत के अधिक अनुकूल होगी। हालांकि नई दिल्ली-जकार्ता के संबंधों को लंबे समय से पाला पोसा गया है ताकि इस क्षेत्र में दोनों देश नई ऊंचाइयों को पाने में सफल हो सकें। इस दृष्टि से तो भारत और इंडोनेशिया को इन संबंधों पर केवल सीमेंटिंग ही करनी है। ध्यान रहे कि इंडोनेशिया की भारत से यह निकटता संस्कृति, परंपरा और इतिहास के संबंधों को दर्शाती है। इसलिए इस बात की संभावना अधिक बनती है कि भारत के इंडोनेशिया से संबंध और मधुर होंगे।

धर्मनिरपेक्ष मुस्लिम देश

दुनिया की सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाला देश इंडोनेशिया उन चुनिंदा मुस्लिम बहुल देशों में शामिल है, जो धर्मनिरपेक्ष बने हुए हैं। भारत से इनकी निकटता और अभिन्नता किस प्रकार की है इस संदर्भ में इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति सुकर्णो के शब्दों को याद करने की जरूरत है। उन्होंने कहा था- 'हमारी नसों में भारतीय पूर्वजों का खून बहता है और हमारी संस्कृति भारत से लगातार प्रभावित रही है, दो हजार वर्ष पहले, आपके देश (यानी भारत) से लोग भाईचारे की भावना से जावाद्वीप और सुवर्ण पहुंचे, उन्होंने श्रीविजय, माताराम और मजापहित जैसे शक्तिशाली राज्यों की स्थापना की पहल की और उसके बाद हमने उन देवताओं की उपासना करना सीखा, जिनकी उपासना आप लोग (यानी भारतीय) अभी तक करते हैं। हमने ऐसी संस्कृति विकसित की जो भारत से बहुत मिलती जुलती है, लेकिन बाद में हमने इस्लाम को अपना लिया, किंतु हमारा धर्म भी हमारे पास उन लोगों के जरिये आया जो सिंधु नदी के दोनों किनारों से यहां पहुंचे।'

सुकर्णो के इन शब्दों को कुछ समय पूर्व नीमराणा फोर्ट पैलेस में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज (लंदन) द्वारा 'रीथिंकिंग इंडियाज रोल इन वर्ल्ड' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में इंडोनेशियाइ विद्वान एस द्विजवांदोनों ने जब दोहराया था तो लगा कि इंडोनेशिया वास्तव में भारत के इतना करीब है कि एक भारत अभी भी इंडोनेशिया में बसता है।

ऐतिहासिक संबंध

इंडोनेशिया और आधुनिक भारत के बीच संबंधों की शुरुआत आजादी से कुछ समय पहले ही हो गई थी, मार्च-अप्रैल 1947 में जब भारत में नेहरू द्वारा इंडोनेशिया की समस्या पर विचार-विमर्श करने के लिए नई दिल्ली में पहले एशियाई संबंध सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन में संपूर्ण एशिया के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेता एकत्रित हुए थे। यह एशियाई एकता के निर्माण की दिशा में पहला कदम था। वर्ष 1955 के बांडुंग सम्मेलन से इंडोनेशिया को एशियाई या एफ्रो-एशियाई राजनीति में एक नया मुकाम हासिल हो गया था जिसका श्रेय भारत को ही जाता है। यहीं से चले संबंध आज संस्कृति, रक्षा, अर्थव्यवस्था आदि के क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रकट होते हैं। सामान्यतया जब हम द्विपक्षीय संबंधों की बात करते हैं तो व्यापार और अर्थव्यवस्था को केंद्र में रखते हैं। लेकिन मेरी समझ से हमें इंडोनेशिया के साथ संबंधों की समीक्षा करते समय संस्कृति और सामरिकता को केंद्र में रखना चाहिए। ध्यान रहे कि इंडोनेशिया भारत का समुद्री पड़ोसी है। सुमात्रा द्वीप का सबसे पश्चिमी छोर अर्थात बंदर असेह भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के सबसे पूर्वी छोर से मुश्किल से 90 नॉटिकल मील दूर है। दोनों ही देश इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन पर घनिष्ठ सहयोग के लिए कदम उठा रहे हैं।

भारत से रणनीतिक साझेदारी

कुछ समय पहले हिंद महासागर से जुड़े मुद्दों पर त्रिपक्षीय ट्रैक-2 का आयोजन किया गया था जिसमें भारत और इंडोनेशिया के अतिरिक्त ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के बीच हुई जकार्ता शिखर बैठक के बाद दोनों देशों ने समग्र रणनीतिक साझेदारी के लिए अपने संबंधों को और मजबूती प्रदान करने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समेत कुल 15 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन रीजन) विजन की चर्चा करते हुए भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को जाहिर किया था। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने समुद्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक- सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की थी और मोदी ने कहा था कि भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और सागर दृष्टिकोण राष्ट्रपति विडोडो की 'मैरीटाइम फल्क्रम नीति' से मेल खाता है। जहां तक विडोडो की मैरीटाइम फल्क्रम नीति का प्रश्न है तो इसके पांच प्रमुख स्तंभ हैं- मैरीटाइम कल्चर, मैरीटाइम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी, प्रोटेक्शन ऑफ मैरीटाइम रिसोर्सेज, मैरीटाइम डिप्लोमेसी और मैरीटाइम डिफेंस। विडोडो सरकार ने इस नीति की घोषणा 2014 की 'नै पी तॉव' (म्यांमार) ईस्ट एशिया समिट से की थी, लेकिन इसे लागू 2017 में किया गया। वह नीति इंटर-आइलैंड कनेक्टिविटी को इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से मजबूत बनाती है और मैरीटाइम रिसोर्सेज का संरक्षण करती है। इसका उद्देश्य है इंडोनेशिया को विभिन्न क्षेत्रीय पहलों के लिए सेतु के रूप में निर्मित करना- विशेषकर बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव, इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन, रीजनल कॉम्प्रीहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप और कॉम्प्रीहेंसिव एंड प्रोग्रेसिव एग्रीमेंट फॉर ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप। इस नीति का एक अन्य उद्देश्य है कि वैश्विक जल मार्ग में इंडोनेशिया की स्ट्रैटेजिक लोकेशन का बेहतर इस्तेमाल करना। इस दृष्टि से ग्लोबल मैरीटाइम फल्क्रम नीति एक बेहतर रक्षा क्षमता की प्रतीक है जिसका उद्देश्य इंडोनेशिया को शक्तिशाली मैरीटाइम पावर बनाना है।

खरी-खरी

मर्दानगी के कुछ बिंब!

शांतिलाल जैन

उसे एक झटका सा लगा। लड़की ने उसके साथ शादी करने से इन्कार कर दिया। औरत जात की इतनी हिम्मत! लानत है ऐसी मर्दानगी पर जो छोकरी को सबक ना सिखा पाए। वो उठा, दोस्त की बाइक पर पीछे बैठा, दोनों ने दुपट्टों से चेहरे ढंके, कॉलेज से लौटती लड़की के चेहरे पर एसिड फेंका और फरार हो गया। भागती बाइक पर उसमें अपने मर्द होने का अहसास गहरा रहा था।

दमकते चेहरे पर घनी मूंछें उनकी मर्दानगी का हरदम ऐलान करती हैं। वे मूंछ के दोनों सिरों को ऊपर बट देते और आईने में देखकर पोज बनाते। एक रोज लगा कि एक लड़की आईने में से झांक रही है, और उसने उनकी मूंछें नीची कर दी हैं। अरे, ये तो बेटे की फियांसी है। टीन-टप्परों में रहने वाली की हिम्मत कैसे हुई उनकी अटारी पर चढ़ने की। ये मुंह और मसूर की दाल! इसे मुंह दिखाने लायक नहीं रहना चाहिए। गैंग लीडर ने लिफाफा थामा और काम समझ लिया। उस रात आइपीसी की धारा 376-ए भी उस लड़की को बचा नहीं पाई। अगली सुबह मूंछ के बट घुमाते हुए उनमें अपने मर्द होने का अहसास गहरा रहा था।

दो बेटियों को जन्म देने के बाद फिर से बेटी जनने वाली है। अल्ट्रासाउंड तो यही कहती है। मनहूस कहीं की, तीन-तीन छोरियों के साथ जिनगीभर छाती पर मूंग दलेगी। विषाद में डूबा था पति कि मां ने ताना मार दिया था, कुछ करता क्यों नहीं इस जनमजली का! शूर-मर्द वाली बात चुभ गई उसे। गहरी नींद में तीनों का गला रेत दिया उसने और भाग खड़ा हुआ। भागते-भागते उसमें अपने मर्द होने का अहसास गहरा रहा था।

करमजली के बाप ने कुंवर कलेवा में स्विफ्ट डिजायर का कौल उठाया था, जबकि ऑल्टो तक नहीं दी। कूट दिया देवर और ससुर के साथ मिलकर पति ने। कार, कैश, गोल्ड, किस-किस के लिए नहीं पीटी जाती रही। रात गए पूरा घर जब गहरी नींद में सो रहा था, तब वह आंख के पास गहराते नील पर बरफ के टुकड़े से सिंकाई कर रही थी। कमाल ये कि तब भी उसे ये ख्याल नहीं आया कि वह घर के मर्दों का गला रेत दे, कि खंजर भोंक दे सो रहे मर्दों में से किसी के भी सीने में, कि सोते हुए किसी भी मरद के मुंह पर से चादर हटाकर एसिड फेंक दे और भाग जाए कहीं अंधेरी रात में...

क्योंकि औरत औरत होती है, मर्द नहीं होती। वह कभी मर्द जितनी 'कमजोर' हो भी नहीं सकती।

ट्वीट-ट्वीट

हमारे शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, उसी गति से वहां हरित आवरण हट रहा है। सड़कें चौड़ी करने के लिए पेड़ चाहे काटे जाएं, लेकिन जितने कटें, उससे कई गुना ज्यादा लगाए जाएं। पेड़ों की कमी तेजी से शहरों का तापमान बढ़ा रही है। हर सांसद को जितने वोट मिले, उसे उतना वृक्षारोपण कराना चाहिए।

अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

फरवरी 2018 में भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज कुलदीप और चहल को नहीं खेल पाए थे। अब जून 2019 में भी ये दोनों गेंदबाज उनके लिए पहेली बने हुए हैं। आपको भले ही लगे कि 16 महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक लंबी अवधि होती है, लेकिन ऐसा लगता तो नहीं है।

आकाश चोपड़ा@cricketaakash

मायावती-अखिलेश का गठबंधन टूट रहा है, क्योंकि वोटों के जो पोस्ट डेटेड चेक उन्होंने एक दूसरे को दिए थे, वे बाउंस हो गए। उनके वोट बैंक के खाते में वोट कम थे और चेक ज्यादा का काट दिया।

सुधीर चौधरी@sudhirchaudhary

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या मायावती का उपचुनाव अकेले लड़ने का फैसला महागठबंधन टूटने का संकेत है?

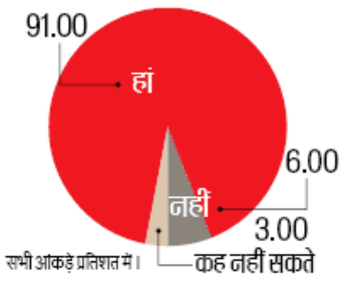

आज का सवाल

क्या दिल्ली में महिलाओं के लिए मेट्रो और बस की यात्रा मुफ्त करने का प्रस्ताव व्यावहारिक है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

गठबंधन था मोम का इक पुतला कमजोर,
जैसे ही पारा चढ़ा मिले ओर ना छोर।
मिले ओर ना छोर आत्मसम्मान गंवाया,
मिला न तब भी वोट और अब छिटकी माया।
पकड़ बुआ के पांव किया घर भर ने वंदन,
रहीं बुआ जी भाग तोड़ फिर भी गठबंधन!

- ओमप्रकाश तिवारी

फारस की खाड़ी में बढ़ता ईरान-अमेरिका तनाव

अमरीश सरकानगो

सऊदी अरब में रियाद से 320 किमी दूर उसके पूर्वी प्रांत से लाल सागर तक जाने वाली एक प्रमुख तेल पाइपलाइन के पंपिंग स्टेशन पर बीते दिनों ईरान-समर्थित यमन के हाउथी विद्रोहियों ने लंबी दूरी के ड्रोन विमानों से हमला किया। हाउथी विद्रोहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। यमन में सऊदी अरब-समर्थित सेना से लड़ रहे इन हाउथी विद्रोहियों को हर तरह के सैन्य उपकरणों की आपूर्ति ईरान से होती है। इससे पहले ओमान की खाड़ी में संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह के पास दो सऊदी तेल टैंकरों पर हमला किया गया था। यहां पर स्थित ईरान के प्रभुत्व वाली हरमुज की खाड़ी से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। यूएई ने अभी तक इस हमले में ईरान के हाथ होने की पुष्टि नहीं की है, पर अमेरिकी एजेंसियों ने ईरान-समर्थित छद्म लड़ाकों की तरफ इशारा किया है।

ईरान और अमेरिका एवं उसके मध्य-पूर्व के सहयोगी देशों के बीच तनाव तब अत्यधिक बढ़ गया जब अमेरिका ने कुछ दिनों पहले अपने सामरिक और आर्थिक हितों पर ईरान की ओर से संभावित खतरे को देखते हुए क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से अपनी सैन्य उपस्थिति में वृद्धि की। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते से पिछले साल अमेरिका के बाहर आने के बाद से ईरान के अमेरिका और सहयोगी देशों से संबंध बेहद तनावपूर्ण चल रहे हैं। ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने 60 दिनों की समयसीमा दी है कि अगर इस बीच विश्व समुदाय अमेरिका के एकतरफा प्रतिबंधों के खिलाफ ईरान का साथ नहीं देता है तो ईरान समझौते से पीछे हट जाएगा और तब ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र है। अमेरिका अब ईरान पर पहले से भी अधिक कड़े आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध लगाना चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि ईरान की अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े इंजन तेल व गैस निर्यात पर ऐसे प्रतिबंध लगाए जाएं कि उसकी अर्थव्यवस्था विदेशी मुद्रा के अभाव में दम तोड़ दे। इससे भारत और रूस समेत उन सभी देशों पर भी ईरान से अपने रिश्ते सीमित करने का दबाव है जो ईरान के मित्र हैं या उससे किसी तरह के व्यावसायिक या सैन्य सहयोग रखते हैं।

क्षेत्र में तनाव को देखते हुए इस क्षेत्र में ट्रंप ने 2003 के इराक युद्ध के बाद पहली बार

अपनी सैन्य उपस्थिति में जबरदस्त इजाफा किया है। क्षेत्र में पहले से मौजूद एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन का साथ देने के लिए बी-52 बॉम्बर हवाईजहाजों को लगाया गया है। ईरान को लक्षित कर पेट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और एंफीबियस बॉरशिप यूएसएस आर्लिंग्टन की भी तैनाती की गई है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस बात को नकार चुके हैं कि वो क्षेत्र में 1.20 लाख अमेरिकी सैनिकों को भेजने की योजना बना रहे हैं, पर अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक इस पर भी विचार किया गया था।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव पिछले साल से बढ़ने लगा था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वर्ष 2015 में हुए छह देशों के परमाणु करार से एकतरफा हटने की घोषणा कर दी थी। उनके पूर्ववर्ती अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने आठ सालों के कार्यकाल में ईरान से अमेरिका के संबंध सुधारने की भरसक कोशिश की थी, और उसी के परिणाम से 2015 में ईरान और छह देश- अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, रूस और जर्मनी के बीच ऐतिहासिक 'ज्वाइंट कॉम्प्रीहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन' समझौता हुआ था। इसके तहत ईरान के सैन्य-असैन्य परमाणु कार्यक्रम निगरानी में आए थे, उन पर धीरे-धीरे रोक लगनी थी, ईरान को परमाणु निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना था और बदले में ईरान पर लगे हर तरह के अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटते और ईरान की अर्थव्यवस्था और व्यापार-उद्योग पटरी पर आते। इस परमाणु करार के बाद चीजें ईरान और शेष दुनिया के लिए सही दिशा में जा रही थी। मगर अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के निर्वाचित होने के बाद उन्होंने अमेरिका- ईरान संबंधों की नए सिरे से समीक्षा शुरू की और पिछले साल ईरान पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से इस करार से अमेरिका बाहर आ गया। उसे उम्मीद थी कि इससे ईरान झुकेगा, पर ऐसा नहीं हुआ। फिर ट्रंप ने ईरान पर नए सिरे से प्रतिबंध लगाने शुरू किए और विश्व के प्रमुख देशों पर भी दबाव बनाया कि वो उन प्रतिबंधों का पालन करें और ईरान से अपने व्यावसायिक-सैन्य संबंध न्यूनतम स्तर पर ले आएं। इससे ईरानी अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है और ईरानी मुद्रा रियाल न्यूनतम स्तर पर है।

ईरान से अमेरिकी रिश्ते तय करने में इस वक्त अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन मुख्य भूमिका में हैं और जानकार मानते हैं कि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाने के लिए वो भी जिम्मेदार हैं। अमेरिका से तनातनी के बीच नई दिल्ली की यात्रा कर चुके ईरानी विदेश मंत्री को भारत की तरफ से भी इस मसले पर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं मिला है कि क्षेत्र में स्थिति बिगड़ने पर भारत द्वारा ईरान से आयात जारी रहेगा। परिस्थिति ईरान को स्वयं संभालनी होगी और भारत चाहता है कि ईरान- अमेरिका बातचीत के जरिये ही अपने मतभेद सुलझाएं और क्षेत्र में यथाशीघ्र तनाव कम हो। दोनों पक्ष फिर से 2015 के समझौते का पालन करें, वहीं क्षेत्र में शांति, स्थायित्व और तरक्की के लिए आवश्यक है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मुद्दा

रवि शंकर
स्वतंत्र टिप्पणीकार

सभी को मिलें स्वास्थ्य सेवाएं

देश में स्वास्थ्य व्यवस्था सभी तक समुचित तरीके से नहीं पहुंच पाई है। सरकार इस दिशा में प्रयासरत है, लेकिन संसाधनों के अभाव में सभी को स्वास्थ्य मुहैया करा पाना बड़ी चुनौती है

यदि गुणवत्ता और मूल्य के आधार पर देखा जाए तो भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर कमजोर बना हुआ है। हर साल स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारें करोड़ों रुपये का बजट पेश करती हैं, मगर आज भी देश के ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सवालों के घेरे में हैं। देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं का सच यह है कि भारत में 27 फीसद मौतें सिर्फ इसलिए हो जाती हैं, क्योंकि लोगों को वक्त पर मेडिकल सुविधा नहीं मिलती है। इतना ही नहीं, भारत में लगातार बढ़ते चिकित्सा खर्च की वजह से हर साल 23 फीसद बीमार लोग अपना सही इलाज नहीं करा पा रहे हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य मद में होने वाले खर्च का 70 फीसद लोगों को अब भी अपनी जेब से भरना पड़ता है, जोकि उन्हें गरीबी रेखा के नीचे धकेल देता है। इलाज महंगा होने के कारण देश में स्वास्थ्य सुविधा गरीब आदमी की पहुंच से बहुत दूर है। बहुतों लोग संसाधनों के अभाव में बिना इलाज के दम तोड़ जाते हैं। देश की विशाल व विविधता भरी जनसंख्या को सस्ता और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती रही है। मौजूदा हालात की वजह से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से लोगों का भरोसा खत्म हो रहा है और वह भारी-भरकम रकम चुकाकर बीमारियों के इलाज के लिए निजी क्षेत्र की शरण में जा रहे हैं।

हालांकि मोदी सरकार ने गरीबों को मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के रूप में एक क्रांतिकारी पहल की है। यह विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। फिर भी इस योजना को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से अमल में आने में अभी वक्त लगेगा। लेकिन तब तक स्वास्थ्य संबंधी समस्या देश के लिए एक चुनौती है ही। वहीं दूसरी तरफ आधारभूत ढांचे की कमी, मेडिकल कॉलेज, अस्पतालों, प्रशिक्षित डाक्टर और नर्स के अभाव की वजह से देश में स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही बीमार हैं। आबादी लगातार बढ़ने के बावजूद आधारभूत ढांचे में सुधार पर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। भारत की मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली अनेक प्रकार की विसंगतियों से परिपूर्ण है। यह विडंबना तब है जब भारत में इन समस्याओं से निपटने के लिए सभी जरूरी कार्यक्रम और नीतियां मौजूद हैं, लेकिन इन्हें सही तरह से लागू नहीं किया जा रहा है। हालांकि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की घोषणा और क्रियान्वयन से यह आस जगी थी कि इससे देश की तस्वीर बदल जाएगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2018 के मुताबिक भारत उन देशों में शुमार है जहां स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी खर्च सबसे कम है। एक अनुमान के मुताबिक, सात फीसद आबादी हर साल इसलिए गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) चली जाती है, क्योंकि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर जरूरत से कम खर्च करती है। ऐसे लोग इलाज के लिए भारी कर्ज लेते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत, जहां दुनिया की कुल आबादी के 17.5 फीसद लोग बसते हैं, वहां नवजात बच्चों की मृत्यु दर 27 फीसद है, जिसमें विभिन्न रोगों से 20 फीसद मौतें होती हैं। यह दुनिया में बच्चों की कुल मौतों का 21 फीसद है। इसका प्रमुख कारण भारत के लोगों की सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं होना है और इसका एकमात्र समाधान पर्याप्त संख्या में लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवर मुहैया कराना है।

देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी खर्च बीते लगभग एक दशक से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 1.15 प्रतिशत पर स्थिर है। सात फीसद के वैश्विक स्तर की रोशनी में यह आंकड़ा बेहद दयनीय नजर आता है। यही वजह है कि स्वास्थ्य सेवा सुलभ होने के मामले में भारत दुनिया के 192 देशों में 143वें पायदान पर है। दूसरे देशों से अगर तुलना की जाए तो अमेरिका में यह जीडीपी का 18 फीसद, मलयेशिया में 4.2, चीन में छह, थाइलैंड में 4.1, फिलीपींस में 4.7 प्रतिशत, इंडोनेशिया में 2.8, नाइजीरिया में 3.7, श्रीलंका में 3.5 और पाकिस्तान में 2.6 फीसद है। स्वास्थ्य शायद भारत के राजनीतिक एजेंडे के प्राथमिक बिंदुओं में कभी नहीं था।

दरअसल हमारे यहां चिकित्सक और मरीज का रिश्ता मुनाफा कमाने वाले और ग्राहक का है। जाने-माने अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन भी जोर देते रहे हैं कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी एकीकृत एक्शन प्लान की सख्त आवश्यकता है। उनका मानना है कि

आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक प्रगति भी आवश्यक है। यदि हम चीन और भारत के आर्थिक विकास की तुलना करें, तो चीन के आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण उसका स्वास्थ्य एवं शिक्षा में निवेश करना रहा है।

भारत की तरक्की तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर किया जाए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम के जरिये सरकार का प

निर्मला जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी-20 समूह के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर्स की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेंगी। यह बैठक जापान में इसी सप्ताह शनिवार से शुरू होने जा रही है। वित्त मंत्री के रूप में सीतारमण की यह पहली विदेश यात्रा होगी। सीतारमण के अलावा इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के भी भाग लेने की उम्मीद है। इसी महीने की 28 और 29 तारीख को जी-20 समूह के शीर्ष नेताओं का भी सम्मेलन होने वाला है।

हर तिमाही में करीब 2,000 करोड़ रुपये की रिकवरी के लिए हमने समर्पित टीम का गठन किया है। हम जल्द एनपीए को काबू करने में कामयाब रहेंगे।
— एसएस मल्लिकार्जुन राव
एमडी व सीईओ, इलाहाबाद बैंक

लक्ष्य ▸ पांच वर्षों में सड़क निर्माण पर 15 लाख करोड़ रुपये के खर्च का इरादा

सौ दिनों में पूरी करेंगे सभी अटकी राजमार्ग परियोजनाएं : गडकरी

इस बार 8,000 नए दुर्घटना-बहुल मार्ग खंडों को दुरुस्त किया जाएगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अपनी दूसरी पारी में मंत्री नितिन गडकरी का इरादा 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश कराने का है। अगले सौ दिनों में उनका लक्ष्य लंबित सड़क परियोजनाओं को पूरा कराने पर रहेगा। इनमें दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे शामिल है। उन्होंने एयरस्ट्रिप के तौर पर विकसित जा रही सीमावर्ती सड़कों को भी शीघ्र पूरा कराने तथा ग्रीन हाईवे प्रोग्राम के तहत राजमार्गों को के दोनो ओर वृक्षारोपण के अभियान को तेज करने का वादा किया है। हादसों पर अंकुश लगाने के लिए गडकरी का इरादा मोटर बिल को जल्द ही संसद में फिर से पेश करने का है। इसके अलावा उन्होंने राज्यों में पहचाने गए 8,000 नए 'एक्सिडेंट ब्लैक स्पॉट' को दुरुस्त कराने का वादा भी किया है।

दुबारा सड़क मंत्रालय का जिम्मा मिलने से खुश गडकरी ने इस बार अधूरे कार्यों को पूरा करने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब उन्होंने मंत्रालय का प्रभार लिया था तो उस वक्त कोई कंपनी सड़क क्षेत्र में पैसा लगाने की तैयार नहीं थी। बैंकों के हाथ खड़े कर देने के कारण 400 से ज्यादा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं अटकी हुई थीं। लेकिन उनके अथक प्रयासों की वजह से इनकी संख्या घटकर करीब 25 रह गई है। गडकरी ने कहा कि अब इन्हें अगले 100 दिनों के भीतर पूरा कराने का लक्ष्य रहेगा।

सड़क निर्माण की रफ्तार को 40 किलोमीटर प्रतिदिन करने के अपने पुराने वादे को दोहराते हुए गडकरी ने कहा, 'यह संभव है क्योंकि सड़क निर्माण की रफ्तार लगभग 32 किमी प्रतिदिन पर पहुंचने वाली है। इससे भी बड़ी बात ये है कि पांच वर्षों में सड़क निर्माण की रफ्तार पांच गुना बढ़ने और 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होने के बावजूद उनके मंत्रालय में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ।'

सड़क निर्माण के नए अभियान के अंतर्गत गडकरी का इरादा अगले पांच वर्षों में 15 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का है। इसके लिए चालू वर्ष में 3,000 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों के ठेके आवंटित कराने तथा धार्मिक स्थलों से संबंधित पर्वतीय सड़कों को पूरा कराने की योजना है। इनमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री को जोड़ने वाली चारधाम सड़क संपर्क परियोजना शामिल है, जिसके इसी वर्ष दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। जबकि पिथौरागढ़ से होकर जाने वाला कैलास मानसरोवर मार्ग अगले वर्ष मार्च तक पूरा हो जाएगा।

गडकरी ने माना कि सड़क निर्माण में बड़ी सफलता के बावजूद वे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने में कामयाब नहीं हो सके। हालांकि उनके मंत्रालय ने पिछले कार्यकाल के दौरान न केवल देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना-बहुल स्थानों (एक्सिडेंट ब्लैक स्पॉट) की पहचान कराई और उन्हें दुरुस्त कराने के लिए अभियान चलाया। उन्होंने कहा, 'पिछली बार हमने 704 ब्लैक स्पॉट की पहचान की थी। जबकि इस बार 8,000 नए ब्लैक स्पॉट की पहचान की जाएगी और उन्हें सुधारकर सुरक्षित बनाने के लिए कार्य किया जाएगा।'

नया मोटर बिल जल्द पारित कराएंगे

गडकरी ने कहा कि उन्होंने नया मोटर बिल लाने का प्रयास भी किया। इससे बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन न तो उसे आगे बढ़ा सके और न मौजूदा मोटर एक्ट में संशोधन करा सके। इसके लिए उन्होंने विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जिसने लोकसभा में पारित होने के बावजूद राज्यसभा में बिल को पास नहीं होने दिया। अब नई पारी में वे इस बिल को दोबारा संसद में पेश करेंगे तथा यथासंभव पारित कराने का भी प्रयास करेंगे।

नितिन गडकरी फाइल फोटो

यूरिया के लिए भी पोषण-आधारित सब्सिडी पर सरकार कर रही विचार

▸ फिलहाल सरकार फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों पर दे रही यह सब्सिडी

▸ कई मुद्दों के कारण यूरिया में इसे अब तक लागू नहीं किया जा सका है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार यूरिया के लिए पोषण आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दर तय करने पर विचार कर रही है, ताकि इस उर्वरक के संतुलित उपयोग को बढ़ावा मिले और उद्योग की क्षमता में बढ़ोतरी हो। पोषण आधारित सब्सिडी कार्यक्रम की शुरुआत सरकार ने 2010 में की थी। इसके तहत सब्सिडी वाले फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों के प्रत्येक ग्रेड पर एक निश्चित राशि सब्सिडी के तौर पर दी जाती है। यह सब्सिडी सालाना आधार पर और इन उर्वरकों में मौजूद पोषण की मात्रा के आधार पर तय की जाती है।

एक उच्चस्थ सूत्र ने कहा कि फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों के मामले में हमने इसे लागू कर दिया है। लेकिन कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों के कारण यूरिया के मामले में इसे अब तक लागू नहीं किया जा सका है। नई सरकार इसे लागू करने पर विचार कर सकती है। उर्वरक मंत्रालय यूरिया के लिए भी पोषण आधारित सब्सिडी दर तय करने पर विचार कर रहा है। इसे तय करने के तरीकों पर चर्चा हो रही है।

सूत्रों ने कहा कि यूरिया के लिए एनबीएस दर तय होने से यूरिया के संतुलित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिए जाने से उर्वरक उद्योग की क्षमता में सुधार होगा। अभी यूरिया एक मात्र नियंत्रित उर्वरक है। इसे सरकार द्वारा निर्धारित एक समान कीमत पर बेचा जाता है। इसकी अधिकतम खुदरा कीमत 5,360 रुपये प्रति टन तय की गई है। इस पर अत्यधिक सब्सिडी दिए जाने से किसान इसका बड़े पैमाने पर उपयोग करते हैं।

सूत्रों ने कहा कि यूरिया को उर्वरक नियंत्रण व्यवस्था से बाहर किए बिना भी इस पर एनबीएस तय किया जा सकता है। नियंत्रण के मोटे पैमाने के अंदर आपके पास बाजार की स्थितियों के हिसाब से एडजस्ट करने की सुविधा है और यूरिया पर एनबीएस की दर तय की जा सकती है। गौतरलब है कि मोदी सरकार ने पिछले कार्यकाल में यूरिया का बेजा इस्तेमाल रोकने के लिए इसे नीम कोटेड कर दिया था।

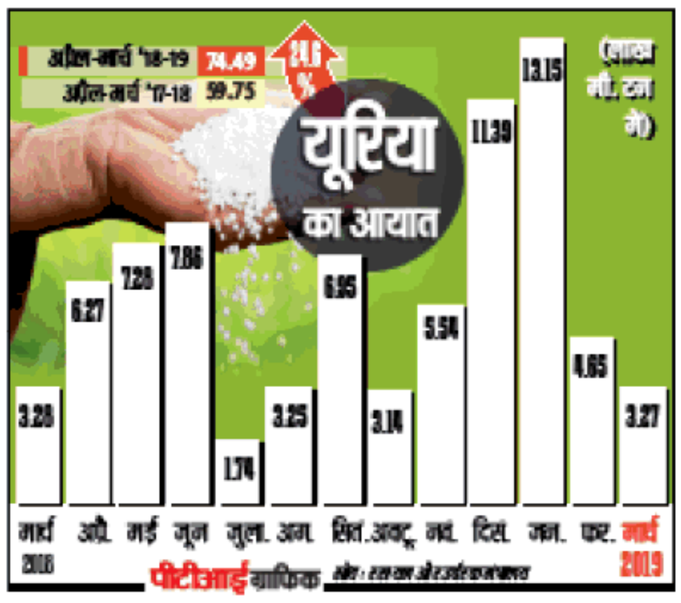

एएआइ व बोइंग ने बेहतर हवाई यातायात के लिए मिलाया हाथ

▸ हवाई यातायात के आधुनिकीकरण के लिए बनेगा 10 साल का रोडमैप

▸ रोडमैप 18 महीने में तैयार हो जाने की उम्मीद

नई दिल्ली, प्रेट्र : एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) और अमेरिकी कंपनी बोइंग भारत के हवाई यातायात का आधुनिकीकरण करने के लिए 10 साल का एक रोडमैप बनाएंगी। दोनों कंपनियों के बीच हुए करार के मुताबिक यह रोडमैप 18 महीने में बन कर तैयार हो सकता है। बोइंग ने कहा कि युनाइटेड स्टेट्स ट्रेड एंड डेवलपमेंट एजेंसी (यूएसटीडीए) से मिले एक ग्रांट के तहत रोडमैप का निर्माण किया जाएगा। एएआइ देशभर में अपने करीब 125 हवाई अड्डों का संचालन करती है।

बोइंग ने कहा कि इस करार के तहत एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। एएआइ अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय सर्वोत्तम तौर-तरीकों के आधार पर भारतीय राष्ट्रीय हवाई यातायात प्रणाली (एनएएस) का आधुनिकीकरण करने में इस रोडमैप का उपयोग करेगी। इससे भारतीय हवाई क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग करने, नैविगेशन, सर्विलांस और हवाई यातायात प्रबंधन में निवेश हासिल करने में मदद मिलेगी। बोइंग ने कहा कि परियोजना के तहत वह भारतीय विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए), भारत की विमानन कंपनियां, हवाई अड्डा संचालकों और यूएस-इंडिया एविएशन कॉपरेशन प्रोग्राम (एसीपी) जैसे अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम करेगी। वह वर्तमान टेक्नोलॉजी और प्रक्रिया का विश्लेषण कर क्षमता में सुधार की ऐसी संभावनाओं की पहचान करेगी, जिसे व्यावहारिक और सुरक्षित हवाई क्षेत्र प्रणाली को कायम रखते हुए लागू किया जा सके।

एएआइ के चेयरमैन गुरुप्रसाद मोहापात्रा ने कहा कि आधुनिक टेक्नोलॉजी और अंतरराष्ट्रीय तौर तरीकों को लागू करने से भारत के हवाई क्षेत्र की क्षमता का विस्तार होगा। इससे संचार प्रणाली में सुधार होगा, हवाईक्षेत्र का बेहतर उपयोग होगा और हवाई नैविगेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग कर अतिरिक्त उड़ानों की प्रोसेसिंग को सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

चांदी की बढ़ी चमक, सोना पिछले स्तर पर रहा कायम

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को चांदी 100 रुपये उछलकर 37,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के मुताबिक सोने का भाव हालांकि पिछले दिन के स्तर पर कायम रहा। कारोबारियों ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं द्वारा खरीदारी बढ़ाए जाने से चांदी की कीमत बढ़ी है। न्यूयॉर्क में सोने में 1,333.70 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर और चांदी में 14.92 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हुआ।

राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 फीसद खरा सोना 33,370 रुपये और 99.5 फीसद खरा सोना 33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के पिछले भाव पर कायम रहा। आठ ग्राम सोने की गिन्नी भी 26,700 रुपये प्रत्येक के भाव पर कायम रही।

चांदी हाजिर 100 रुपये उछलकर 37,850 रुपये पर पहुंच गई, जबकि वीकली डिलीवरी 36,853 रुपये प्रति किलोग्राम की हो गई। चांदी के सिक्कों की कीमत प्रति सैकड़ा 80,000 रुपये खरीद और 81,000 रुपये बिक्री के स्तर पर कायम रही।

सेवा क्षेत्र में एफडीआइ 37 फीसद बढ़ा

▸ सरकार ने भी कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए प्रक्रियाओं को दुरुस्त किया

▸ जीडीपी में सेवा क्षेत्र की 60 फीसद हिस्सेदारी, एफडीआइ जरूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सेवा क्षेत्र में पिछले वित्त वर्ष (2018-19) के दौरान एफडीआइ में 36.5 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के मुताबिक इस बढ़ोतरी के साथ पिछले वित्त वर्ष के दौरान सेवा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) 9.15 अरब डॉलर (64,000 करोड़ रुपये से ज्यादा) रहा। उससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2017-18 में सेवा क्षेत्र में 6.7 अरब डॉलर का एफडीआइ आया था। सेवा क्षेत्र में वित्त, बैंक, बीमा, आउटसोर्सिंग, अनुसंधान एवं विकास, कूरियर, प्रौद्योगिकी परीक्षण तथा विश्लेषण शामिल हैं।

सरकार ने निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें मंजूरी के लिए तय समय-सीमा तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने जैसे उपाय शामिल हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सेवा क्षेत्र के 60 फीसद से अधिक योगदान को देखते हुए एफडीआइ में यह बढ़ोतरी बेहद महत्वपूर्ण है। अप्रैल, 2000 से मार्च, 2019 के दौरान देश में आए कुल एफडीआई में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 18 फीसद रही। कुल एफडीआइ में पिछले वित्त वर्ष के दौरान छह वर्ष में पहली बार गिरावट दर्ज की गई। यह एक फीसद घटकर 44.37 अरब डॉलर रहा। दूरसंचार और औषधि क्षेत्र में विदेशी निवेश में उल्लेखनीय गिरावट से एफडीआइ में कमी आई।

एफडीआइ इसलिए जरूरी : विदेशी निवेश भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि देश को बंदरगाहों, हवाई अड्डों और हाईवे जैसे ढांचागत क्षेत्रों के विकास के लिए करीब एक लाख करोड़ डॉलर के विदेशी निवेश की जरूरत है। विदेशी निवेश से देश की भुगतान संतुलन की स्थिति भी सुधरती है। अमेरिकी डॉलर सहित दुनिया की अन्य मुद्राओं के आगे रुपया भी मजबूत होता है। 2017-18 में कैमिकल्स में भी एफडीआइ थोड़ी कमी आई।

एक साल के निचले स्तर पर आई सेवा गतिविधियों की वृद्धि दर : नई दिल्ली : देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों की वृद्धि दर मई महीने में एक साल के निचले स्तर पर आ गई। यह गिरावट मई महीने के दौरान लोकसभा चुनाव के कारण नए कार्यों की वृद्धि प्रभावित होने से आई है। बुधवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। निक्केई इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी का सूचकांक मई महीने में गिरकर 50.20 पर आ गया। यह पिछले 12 महीने में वृद्धि की सबसे धीमी दर है। अप्रैल महीने में यह 51 पर रहा था। हालांकि सेवा गतिविधियों की वृद्धि सुस्त पड़ने के बाद भी यह लगातार 12वां महीना है जब सेवा क्षेत्र में विस्तार हुआ है। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार का संकेत देता है जबकि 50 से नीचे का सूचकांक संकुचन का संकेतक है।

आइएचएस मार्किट की प्रधान अर्थशास्त्री एवं रिपोर्ट की लेखिका पॉलिएना डी लीमा ने कहा, 'भारत का प्रधान सेवा क्षेत्र फिर से चुनाव के कारण प्रभावित हुआ है और लगातार तीसरे महीने नए कार्यों एवं कारोबारी गतिविधियों दोनों में नरमी आई है।' रिपोर्ट के मुताबिक गिरावट क्षणिक भी हो सकती है क्योंकि कंपनियों ने नियुक्तियां बढ़ा दी हैं। लीमा ने कहा, 'नियुक्ति गतिविधियों में तेजी और धारणा में सुधार से निकट भविष्य में सेवा क्षेत्र का रुख पलटने के संकेत मिलते हैं।

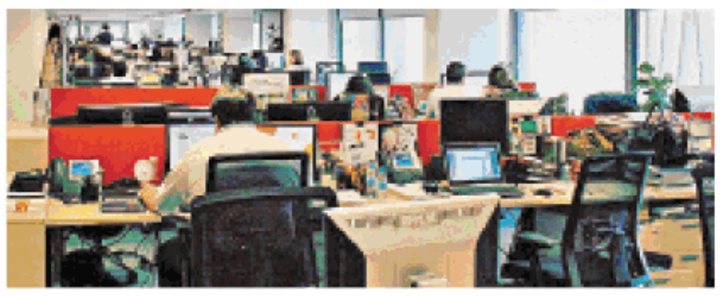

प्रतीकात्मक

मानसून की आहट से अनाज खरीद एजेंसियों की बढ़ी चिंता

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

▸ खुले में ही रखना होगा तीन करोड़ टन से अधिक गेहूं

▸ पंजाब, हरियाणा व मध्य प्रदेश में खरीदा गेहूं बना संकट का सबब

▸ खपत वाले राज्यों में गेहूं की मांग 50 फीसद तक घटी

भारी मात्रा में गेहूं खरीदने वाले एफसीआइ और संबंधित राज्य एजेंसियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। निर्धारित बफर स्टॉक के मुकाबले कई गुना अधिक खाद्यान्न के भंडारण की चुनौती से जूझ रही एजेंसियों के हाथ-पांव फूलने लगे हैं। अगले एक पखवाड़े में उत्तर भारत में मानसून के सक्रिय होने की दशा में खुले में पड़े करोड़ों टन गेहूं के खराब होने की आशंका से उनकी चिंता बढ़ गई है।

गेहूं उत्पादक राज्य पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश से चालू खरीद सीजन में 3.57 करोड़ टन से अधिक गेहूं की खरीद हो चुकी है। यह पिछले साल के मुकाबले 10.5 लाख टन अधिक है। उत्तर प्रदेश में गेहूं की खरीद अभी भी जारी है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश में खरीदा गेहूं रखने के लिए गोदाम खाली नहीं है। केंद्रीय खरीद एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) और राज्यों की खरीद एजेंसियों के लिए गेहूं के इस स्टॉक का भंडारण बड़ी चुनौती बन गया है।

एफसीआइ के एक राज्य स्तरीय अधिकारी ने बताया कि पंजाब व हरियाणा में एक बोरा गेहूं रखने के लिए भी गोदाम खाली नहीं है। सारे गोदाम पिछले सीजन के चावल से भरे हुए हैं। हैरानी इस बात की है कि पंजाब व हरियाणा में चावल का उत्पादन केंद्रीय पूल के लिए किया जाता है। इन राज्यों में अपनी कोई खपत नहीं है। दूसरी ओर जिन राज्यों में राशन प्रणाली के लिए यहां का चावल भेजा जाता था, वहां अब इसकी जरूरत नहीं है। ऐसे में यहां के गोदाम पुराने चावल से भरे हुए हैं, जिसे बाहर नहीं रखा जा सकता है।

इससे परेशान पंजाब ने केंद्र से गेहूं उठाने और चावल को यहां से दूसरे राज्यों में भेजने की गुहार लगाई है। इस बारे में एक पत्र खाद्यमंत्री रामविलास पासवान को भेजा है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी राज्यों के साथ अब ओडिशा में भी चावल की सरकारी खरीद होने लगी है। इसके चलते अब उन्हें दूसरे राज्यों से चावल की जरूरत नहीं है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ने पहले ही इसके लिए मना कर दिया है।

मानसून जून के मध्य तक उत्तरी राज्यों में सक्रिय हो जाएगा। जबकि करोड़ों टन गेहूं का स्टॉक खुले में अस्थायी तौर पर रखा होगा, जिसके खराब होने की आशंका से एजेंसियों की हालत पस्त है। राज्य सरकारों की मुश्किल यह है कि अगर गोदाम खाली नहीं हुए तो संकट और गहरा जाएगा। मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीद बोनस के साथ हो रही है, जिसे लेकर खाद्य मंत्रालय सख्त है। राज्य में गेहूं की खरीद पिछले साल के लक्ष्य से अधिक हो रही है, लेकिन केंद्र ने भंडारण से हाथ खींच लिए हैं।

फाइल फोटो

जेएलआर-बीएमडब्ल्यू मिलकर बनाएंगी नई इलेक्ट्रिक कार

▸ दोनों कंपनियां मिलकर बनाएंगी अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रिक वाहन

▸ ऑटोनोमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक व शेयर्ड कारों के लिए टेक्नोलॉजी होगी तैयार

नई दिल्ली, प्रेट्र : टाटा मोटर्स समूह की कंपनी जैगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने बुधवार को कहा कि अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रिक वाहन प्रणालियों का विकास करने के लिए उसने बीएमडब्ल्यू के साथ एक करार किया है। जेएलआर ने कहा कि इस करार के तहत ऑटोनोमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक, शेयर्ड (एसीईएस) भविष्य की तरफ बढ़ने में मदद करने के लिए इलेक्ट्रिफिकेशन टेक्नोलॉजी का विकास किया जाएगा। ग्राहकों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता को बढ़ाने में मदद करने के लिए दोनों साझेदार कारोबार को जरूरी व्यापकता प्रदान करने के मकसद से रिसर्च एंड डेवलपमें, इंजीनियरिंग और प्रोक्योरमेंट में संयुक्त तौर पर निवेश करेंगे।

दोनों ही कंपनियों के पास इलेक्ट्रिफिकेशन के क्षेत्र में समुचित विशेषज्ञता है और इस साझेदारी में इसका उपयोग किया जाएगा। जेएलआर के इंजीनियरिंग डायरेक्टर निक रोजर्स ने कहा कि हमने साबित किया है कि हम विश्वस्तरीय इलेक्ट्रिक कार बना सकते हैं, लेकिन अब हमें अगली पीढ़ी के जैगुआर लैंड रोवर उत्पादों के लिए टेक्नोलॉजी का बड़े स्तर पर उपयोग करने की जरूरत है। अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दोनों कंपनियों की जरूरतों में पर्याप्त समानता है। जेएलआर ने अपनी प्रीमियम बैटरी इलेक्ट्रिक एसयूवी जैगुआर आइ-पेस और प्लग-इन हाइब्रिड मॉडल्स के जरिये इस क्षेत्र में अपनी क्षमता का पहले ही परिचय दे दिया है।

बीएमडब्ल्यू समूह ने 2013 में बीएमडब्लयू आइ3 लांच किया था। उसके पास भी इलेक्ट्रिक वाहनों का विकास करने और उनका उत्पादन करने का विशाल अनुभव है। जेएलआर ने कहा कि दोनों कंपनियों की साझेदारी में होने वाले रिसर्च एंड डेवलपमेंट और उत्पादन योजना का लाभ दोनों कंपनियों को मिलेगा।

जियो ग्राहक हॉटस्टार पर मुफ्त देख सकेंगे क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : क्रिकेट के दीवानों को मुकेश अंबानी नियंत्रित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने बड़ा तोहफा दिया है। जियो ने हॉटस्टार के साथ साझेदारी की है। इसके तहत जियो के सभी ग्राहक इस वक्त इंग्लैंड और वेल्स में चल रहे क्रिकेट वर्ल्ड कप के सभी मैच का सीधा प्रसारण अपने फोन पर जियो टीवी एप या हॉटस्टार एप के माध्यम से मुफ्त में देख सकेंगे। जियो के इस ऑफर का फायदा करोड़ों ग्राहकों को होगा।

जियो इससे पहले आइपीएल और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) द्वारा आयोजित अन्य क्रिकेट मुकाबलों का सीधा प्रसारण भी अपने यूजर्स को उपलब्ध करवा चुका है। इस ऑफर के साथ जियो के 30 करोड़ से अधिक ग्राहक कहीं भी अपना पसंदीदा वर्ल्ड कप मैच अपने मोबाइल पर देख सकेंगे। इसके साथ ही जियो ग्राहक माईजियो एप पर क्रिकेट खेल सकेंगे और रोमांचक पुरस्कार भी जीत सकेंगे।

वजह

चालू वित्त वर्ष के लिए 7 .5 फीसद का विकास अनुमान रखा बरकरार, अगले दो वित्त वर्ष में भी विकास दर 7 .5 फीसद रहने की जताई उम्मीद

विश्व बैंक को भारत के तेज आर्थिक विकास का भरोसा

वाशिंगटन, प्रेट्र : पिछली तिमाही के सुस्त आधिकारिक जीडीपी आंकड़े के बावजूद विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को 7.5 फीसद पर कायम रखा है। इतना ही नहीं विश्व बैंक ने अपनी 'ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स' रिपोर्ट में कहा है कि अगले दो वित्त वर्ष में भी भारत की विकास दर 7.5 फीसद रह सकती है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वित्त वर्ष में देश की अनुमानित विकास दर 7.2 फीसद रही है। सरकारी खपत में सुस्ती की भरपाई इस दौरान निवेश में बढ़ोतरी से हुई।

चीन के बारे में मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 की 6.6 फीसद विकास दर के मुकाबले 2019 में चीन की विकास दर घटकर 6.2 फीसद पर आ सकती है। 2020 में यह 6.1 फीसद और 2021 में और घटकर छह फीसद पर आ सकती है। इससे भारत दुनिया की सर्वाधिक विकास दर वाली उभरती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इन आंकड़ों के आधार पर 2021 में भारत की विकास दर चीन के मुकाबले 1.5 फीसद अधिक हो जाएगी।

कुछ दिनों पहले केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक 2018-19 की चौथी तिमाही में देश की विकास दर 5.8 फीसद रही, जो पिछले पांच साल का निचला स्तर है। इस आंकड़े के साथ विकास की दौड़ में भारत चीन से पिछड़ गया है। सीएसओ ने कहा कि कृषि और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में विकास दर घटने से देश की समग्र विकास दर पर नकारात्मक असर पड़ा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे से नीचे आ गई है। मौद्रिक नीति में नरमी के बीच कर्ज में होने वाली बढ़ोतरी का लाभ निजी खपत और निवेश को मिलेगा। 2018-19 में केंद्रीय स्तर पर वित्तीय घाटा कम करने की योजना में विलंब ने आम चुनाव से जुड़ी अनिश्चितता को बेअसर किया है।

विश्व बैंक ने कहा कि शहरों में कर्ज बढ़ने से खपत बढ़ी है और गांवों में कृषि उपज की कीमत गिरने से खपत घटी है। 2018 के आखिरी महीनों में आर्थिक गतिविधियों में आई सुस्ती का असर 2019 की पहली तिमाही में भी रहा, जैसा कि सेवा और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स के आंकड़ों से पता चलता है। वित्तीय घाटा के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान में यह सरकार के लक्ष्य से अधिक रह सकता है। गौरतलब है कि नई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नई सरकार का पहला बजट अगले महीने की पांच तारीख को पेश करेंगी।

कम आय वाले देशों की विकास दर गरीबी मिटाने के लिए काफी नहीं : विश्व बैंक ने कहा कि कम आय वाले देशों की विकास दर इस साल के 5.4 फीसद से बढ़कर अगले साल छह फीसद पर पहुंच जाने का अनुमान है। लेकिन विकास में यह बढ़ोतरी गरीबी में समुचित कमी लाने के लिए काफी नहीं है। विश्व बैंक समूह के प्रेसिडेंट डेविड मलपास ने कहा कि गरीबी घटाने और जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए आर्थिक विकास दर में बढ़ोतरी किया जाना जरूरी है।

फाइल फोटो

इलाहाबाद बैंक को पहली तिमाही में लाभ में आने की पूरी उम्मीद

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकारी क्षेत्र के कर्जदाता इलाहाबाद बैंक को बेहतर वसूली प्रणाली और फंसे कर्ज (एनपीए) पर लगाम के चलते आने वाले समय में घाटे से उबरने और लाभ की स्थिति में आने की उम्मीद है। बैंक ने बीते वित्त वर्ष की सालाना रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई है। बैंक को पिछले वित्त वर्ष (2018-19) में 8,334 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष में रकम जुटाने की भी योजना बनाई है और विभिन्न माध्यमों से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने को निदेशक मंडल से मंजूरी मिल गई है।

बैंक को 2017-18 में 4,674 करोड़ रुपये और 2016--17 में 279 करोड़ रपए का नुकसान हुआ था। इलाहाबाद बैंक के एमडी और सीईओ एसएस मल्लिकार्जुन राव ने अपने संबोधन में शेयरधारकों से कहा कि हर तिमाही में करीब 2,000 करोड़ रुपये की वसूली के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। हम उम्मीद करते हैं कि बैंक 2019-20 की पहली तिमाही में नुकसान से उबरते हुए लाभ कमाने की स्थिति में आ जाएगा। उल्लेखनीय है कि नुकसान के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने पिछले वर्ष जनवरी में बैंक को प्रांप्ट करेक्टिव एक्शन (पीसीए) के तहत लाए जाने वाले बैंकों की सूची में डाल दिया था। इस सूची वाले बैंकों पर खर्च और कर्ज देने को लेकर कई पाबंदियां लगाई गई थीं।

हालांकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान सरकार ने बैंक में तीन किस्तों में 11,740 करोड़ रुपये की रकम का निवेश किया। उसके बाद इस वर्ष फरवरी में आरबीआइ ने बैंक को पीसीए के दायरे से बाहर कर लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2018-19 भारतीय बैंकिंग उद्योग के लिये एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा। इसका कारण विभिन्न वृहद आर्थिक और अन्य कारणों की वजह से संपत्ति गुणवत्ता पर निरंतर दबाव था। रिपोर्ट के अनुसार बैंक चालू खाता और बचत खाता आधार (कासा) को मजबूती देने तथा खुदरा क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ाकर चालू वित्त वर्ष में कारोबार में नौ फीसद तक की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है।

4 लोगों की मौत हो गई ऑस्ट्रेलिया के डार्विन शहर में हुई गोलीबारी में। पुलिस ड्यूटी अधीक्षक ली मॉर्गन ने बताया कि गोलीबारी के बाद 45 साल के एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

चीन ने पहली बार समुद्र से लांच किया रॉकेट

बीजिंग, आइएएनएस/प्रेट्र : पहली बार चीन ने समुद्री पोत से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में राकेट लांच किया है। इस कदम से बीजिंग ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है।

शानडोंग प्रांत के येलो सी (पीले सागर) तट के पास तैरते प्लेटफार्म से बुधवार को स्थानीय समयानुसार दिन के 12:06 बजे सालिड प्रोपेलेंट कैरियर राकेट लांग मार्च-2 अंतरिक्ष के लिए रवाना हुआ। यह चीन का समुद्र में स्थित प्लेटफार्म से पहला और लांग मार्च कैरियर राकेट शृंखला का 306वां अभियान है।

▸ अंतरिक्ष के क्षेत्र में बीजिंग ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया

चीन ने अंतरिक्ष टेक्नोलाजी पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं और 2022 तक वह अंतरिक्ष में दबदबा रखने वाला सुपरपावर बनना चाहता है। लांग मार्च-2 छोटे उपग्रहों को ले जा सकता है और एक ही समय में कई उपग्रहों को कक्षा तक पहुंचा सकता है। यह राकेट दो टेक्नोलाजी प्रायोगिक और पांच व्यावसायिक उपग्रहों को अंतरिक्ष में लेकर गया है। विशेषज्ञों ने कहा है, 'समुद्र से लांच करने की तकनीक से लो इनक्लिनेशन सेटेलाइट के लांच करने की बढ़ती मांग पूरी होगी और चीन को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में भाग ले रहे देशों के लिए लांच सेवा मुहैया कराने में मदद मिलेगी।' राकेट के साथ भेजे गए दो उपग्रहों से हर मौसम में महासागरीय हवा की निगरानी करने में मदद मिलेगी। इससे चीन में सटीक मौसम पूर्वानुमान जारी किया जा सकेगा।

चीन के शानडोंग प्रांत में येलो सी से उड़ान भरता रॉकेट। रायटर

अमेरिका में भारतीयों को लूटने वाली महिला सरगना दोषी करार

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भारतवंशियों के घरों में लूटपाट करने वाले गिरोह की महिला सरगना को मिशिगन की अदालत ने दोषी करार दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश साक्ष्यों के अनुसार, ह्यूस्टन में रहने वाली 44 साल की चाका कास्त्रो के गिरोह ने 2011 से 2014 के बीच अमेरिका के विभिन्न प्रांतों में खास तौर पर भारतवंशियों के घरों में लूटपाट की कई वारदात को अंजाम दिया।

इस गिरोह के निशाने पर भारतीयों के अलावा एशियाई मूल के नागरिक भी थे। चाका की अगुआई में गिरोह के सदस्य हथियारों के साथ घर पर धावा बोलते थे और लूट की वारदात को अंजाम देते थे। सबसे पहले ये लोग घरों की रेकी करते थे। फिर मौका मिलते ही घर में घुसकर सदस्यों को हथियारों का डर दिखाकर बांधकर कमरे में बंद कर देते थे। गिरोह के सदस्य अपने चेहरे ढके रहते थे, जिसकी वजह से वे पहचान में नहीं आ पाते थे। चाका की सजा का एलान सितंबर में किया जाएगा।

रक्षा बजट में कटौती करेगी पाक की सेना

इस्लामाबाद, प्रेट्र : आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की सेना ने अपने रक्षा बजट में कटौती का फैसला किया है। अभी हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि बजट में कितनी कटौती की जाएगी? लेकिन पाक सेना के इस कदम को अप्रत्याशित माना जा रहा है। उसका यह फैसला ऐसे समय पर सामने आया है जब प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार ने मुल्क को बदहाल अर्थव्यवस्था से उबारने के लिए सरकारी खर्चों में कटौती की मुहिम छेड़ रखी है।

सेना की मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आइएसपीआर) के महानिदेशक मेजर जनरल आसिफ गफूर ने मंगलवार को ट्वीट किया, 'अगले वित्तीय वर्ष के लिए रक्षा बजट में स्वेच्छा से कटौती के कारण रक्षा और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हम सभी खतरों का प्रभावी तरीके से जवाब देने की क्षमता को बनाए रखेंगे। सेना की तीनों सेवाएं इस कटौती के प्रभाव का आंतरिक उपायों के जरिये प्रबंधन करेंगी।' सेना के इस फैसले की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा, 'मुल्क की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर पाकिस्तान की सेना द्वारा अपने रक्षा खर्चों में स्वेच्छा से कटौती का फैसला बेहद सराहनीय है। पाकिस्तान कई तरह की सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। इसके बावजूद यह फैसला लिया गया है। इससे हम खुश हैं।'

पिछले साल प्रधानमंत्री बनने के बाद इमरान ने सरकारी खर्चों में कटौती की मुहिम शुरू की थी। इसी के तहत उन्होंने आलीशान प्रधानमंत्री आवास में रहने के बजाय तीन बेडरूम के फ्लैट में रहने का निर्णय लिया था। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य उपायों का एलान किया था।

स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, साल 2018 में पाकिस्तान दुनिया का 20वां ऐसा देश था जिसने सैन्य मद में सबसे ज्यादा खर्च किया था। उसने पिछले साल सेना पर 11.4 अरब डॉलर (करीब 80 हजार करोड़ रुपये) खर्च किए थे।

इस्लामाबाद में पाकिस्तान दिवस पर मिलट्री परेड में शामिल एसएसजी के कमांडो की फाइल फोटो।

न्यूज गैलरी

उत्तर कोरिया ने अमेरिका से कहा, धैर्य की भी सीमा होती है

प्योंगयांग: उत्तर कोरिया ने अमेरिका से वार्ता को लेकर अपने रुख में परिवर्तन की अपील की है। इसके साथ ही उसने तल्खी भरे अंदाज में कहा कि धैर्य की भी एक सीमा होती है। देश की सरकारी न्यूज एजेंसी के जरिये उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, 'अमेरिका को किम जोंग उन और डोनाल्ड ट्रंप की पहली शिखर वार्ता में तय समझौते का पालन करना चाहिए। अमेरिका को मौजूदा हालात देखते हुए अपने रुख में परिवर्तन करना चाहिए। इससे पहले कि काफी देर हो जाए, अमेरिका को बातचीत के रास्ते फिर खोल देने चाहिए।' उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पहली वार्ता एक साल पहले जून में हुई थी। लेकिन इस साल फरवरी में संपन्न दूसरी शिखर वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को बढ़ा दिया था। इससे नाराज उत्तर कोरिया ने मिसाइलों का परीक्षण फिर शुरू कर दिया है। (एएनआइ)

राष्ट्रपति शी दोस्त पुतिन से मिलने रूस पहुंचे

मॉस्को: चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग बुधवार को तीन दिन की यात्रा पर रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे। यहां पर वह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ विभिन्न मसलों पर चर्चा करेंगे। इनमें चीन के अमेरिका के साथ रिश्तों में आया तनाव भी विशेष मुद्दा होगा। क्रेमलिन में बातचीत का सिलसिला बुधवार से ही शुरू हो गया। माना जा रहा है कि दोनों देश नया व्यापार समझौता भी कर सकते हैं। बैठक के बाद मीडिया के सामने आए राष्ट्रपति चिनफिंग ने पुतिन को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया। कहा, हमने तय किया है कि हम अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएंगे। इस मौके पर राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को चिड़ियाघर के लिए चिनफिंग द्वारा दो पांडा भेजे जाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह हमारे खास रिश्ते और खास तरह के भरोसे का प्रतीक है, क्योंकि जब भी हम पांडा का जिक्र करेंगे-चेहरे पर मुस्कुराहट अपने-आप आ जाएगी। (एएफपी)

पहली वार श्रीलंका में कोई मुस्लिम मंत्री नहीं : विक्रमसिंघे

कोलंबो: श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि पहली बार श्रीलंका सरकार के मंत्रिमंडल में मुस्लिम समुदाय से कोई मंत्री नहीं है। राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेन के मंत्रिमंडल में मुस्लिम समुदाय के नौ मंत्रियों और दो प्रांतीय गवर्नरों ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। मंत्रियों और गवर्नरों ने सरकार पर ईस्टर संडे धमाके के बाद समुदाय के लोगों की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया है। विक्रमसिंघे ने कहा, 'पहली बार देश की सरकार में मुस्लिम समुदाय का एक भी मंत्री नहीं है।' उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसी स्थिति है। बहुसंख्यक सिंघला बौद्ध समूह के दबाव के बीच कैबिनेट मंत्री रिशथ बाथियुथीन और दो प्रांतीय गवर्नरों ने सिरिसेन सरकार से इस्तीफा दे दिया। (प्रेट्र)

लोकप्रिय एच-1बी वीजा पर ट्रंप प्रशासन ने चलाई कैंची

सख्त नीतियां ▸ पिछले साल दस फीसद कम मंजूर किए गए वीजा

हर साल जारी किए जाते हैं कुल 85 हजार एच-1बी वीजा

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के वीजा कार्यक्रम पर ट्रंप प्रशासन की सख्त नीतियों का असर दिखने लगा है। ट्रंप प्रशासन ने भारतीय पेशेवरों के बीच लोकप्रिय एच-1बी वीजा पर कैंची चला दी है। 2017 की तुलना में पिछले साल दस फीसद कम एच-1बी वीजा मंजूर किए गए।

वीजा मामलों को देखने वाले विभाग अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआइएस) ने 2018 में तीन लाख 35 हजार एच-1बी वीजा आवेदनों को मंजूरी दी। इनमें नए और पुराने दोनों आवेदन शामिल थे। यह आंकड़ा 2017 में स्वीकृत किए गए तीन लाख 73 हजार वीजा से दस फीसद कम था। स्थानीय मीडिया में माइग्रेशन पॉलिसी इंस्टीट्यूट की विश्लेषक सारा पीयर्स के हवाले से कहा गया है, 'मौजूदा प्रशासन एच-1बी वीजा के इस्तेमाल को कम करने के लिए लगातार आक्रामक कदम उठा रहा है और इस प्रयास का असर आंकड़ों में दिख रहा है।'

क्या है एच-1बी वीजा : इस वीजा के जरिये अमेरिकी कंपनियों को उन क्षेत्रों में उच्च कुशल विदेशी पेशेवरों को नौकरी पर रखने की अनुमति मिलती है जिनमें अमेरिकी पेशेवरों की कमी है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही इस पर लगाम कसी जा रही है। हर साल कुल 85 हजार एच-1बी वीजा जारी किए जाते हैं। यह वीजा तीन साल के लिए जारी होता है और छह साल तक इसकी अवधि बढ़ाई जा सकती है।

अमेरिकी कंपनी एच-1बी वीजाधारक कर्मियों को बकाया वेतन देने को राजी : अमेरिकी कंपनी पॉपुलस ग्रुप करीब 600 एच-1बी वीजाधारक कर्मचारियों का 11 लाख डॉलर (करीब 7.6 करोड़ रुपये) का बकाया चुकाने को राजी हो गई है। इनमें बड़ी संख्या में उच्च कुशलता वाले भारतीय आइटी पेशेवर हैं।

श्रम विभाग की वेतन संबंधी इकाई ने जांच में पाया था कि छुट्टी के दौरान काम बंद हो जाने पर पॉपुलस ग्रुप एच-1 बी धारक कर्मचारियों का वेतन नहीं दे सका था। यह कंपनी मिशिगन के ट्रॉय में स्थित है। कंपनी ने कहा है कि सभी 594 एच-1बी कर्मचारियों को उनका बकाया वेतन मिल जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति, डोनाल्ड ट्रंप। फाइल फोटो

ड्रीमर्स के लिए अमेरिकी संसद में बिल पारित

वाशिंगटन, आइएएनएस : अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में 'ड्रीमर्स' को संरक्षण प्रदान करने के लिए मंगलवार को एक बिल पारित किया गया। इससे उन 20 लाख से ज्यादा आप्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता हासिल करने का रास्ता प्रशस्त हो सकेगा जो बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में दाखिल हुए थे। ऐसे लोगों को ड्रीमर्स कहा जाता है। विपक्षी डेमोक्रेट्स की बहुमत वाले प्रतिनिधि सभा ने 187 के मुकाबले 237 मतों से ड्रीम एंड प्रॉमिस एक्ट, 2019 बिल पारित कर दिया। इस बिल से खासतौर पर सात लाख से ज्यादा उन लोगों को लाभ होगा जिन्हें डेफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल कार्यक्रम के तहत संरक्षण मिला हुआ है। डीएसीएए की शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुई थी। इसके तहत बचपन में अवैध तरीके से अमेरिका आए लाखों आप्रवासियों को अस्थायी संरक्षण और वर्क परमिट दिया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने 2017 में यह एलान किया था कि अगर संसद ड्रीमर्स मामले का समाधान नहीं निकाल पाती है तो वह डीएसीएए को खत्म कर देंगे।

प्रमिला बनीं प्रतिनिधि सभा की अध्यक्षता करने वाली पहली दक्षिण एशियाई

सांसद प्रमिला जयपाल। (ट्विटर से)

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद प्रमिला जयपाल (53) संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की अध्यक्षता करने वाली पहली दक्षिण एशियाई महिला बन गई हैं। जयपाल संसद में वाशिंगटन डीसी का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला भी हैं। 2015 से 2017 के बीच वह वाशिंगटन प्रांत की सीनेट की भी सदस्य रही थीं।

जयपाल ने मंगलवार को स्पीकर नैंसी पेलोसी की जगह सदन की कार्यवाही का संचालन किया। उन्होंने ट्विटर पर इसका छोटा वीडियो भी शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'आज मैं प्रतिनिधि सभा की अध्यक्षता करने वाली पहली दक्षिण-एशियाई महिला बन गई हूं। सदन का संचालन करना और अमेरिकी इतिहास की सबसे विविध संसद में सेवा देना मेरे लिए बहुत ही गौरवपूर्ण है।' मध्यावधि चुनाव के बाद विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी संसद के निचले सदन में बहुमत में आ गई है। इसके बाद इस साल जनवरी में पार्टी सांसद पेलोसी को निचले सदन का स्पीकर बनाया गया था। पार्टी के अन्य सदस्य भी बारी-बारी से अस्थायी तौर पर स्पीकर की भूमिका निभाते हैं। इसी क्रम में जयपाल को भी सदन की अध्यक्षता करने का मौका मिला।

अमेरिका में जांच एजेंसियों के निशाने पर टेक कंपनियां

▸ अमेजन, फेसबुक और गूगल जैसी टेक फर्में आई सांसत में

▸ कंपनियों पर अपनी बढ़ती ताकत के दुरुपयोग का लग रहा आरोप

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका में अमेजन, एपल, फेसबुक और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों पर नकेल और कसती जा रही है। सरकार इस बात की जांच करने की तैयारी में है कि कहीं ये कंपनियां अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल तो नहीं कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका का फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) अमेजन व फेसबुक की जांच कर रहा है, जबकि एपल व गूगल पर न्याय विभाग की निगाह है।

अगले कदम के तौर पर दोनों संघीय जांच एजेंसियां इस बात का फैसला करेंगी कि इस मामले में औपचारिक जांच शुरू की जाए या नहीं। हालांकि अब तक अनुभव बताते हैं कि इस मामले में नतीजा बहुत जल्दी नहीं आएगा। गूगल को लेकर एफटीसी की पिछली जांच में दो साल से ज्यादा का वक्त लगा था। बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को अमेरिका के साथ-साथ दुनियाभर में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चिंता जताई जा रही है कि इन कंपनियों के पास बहुत ज्यादा ताकत हो गई है। इस ताकत के चलते कंपनियां अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ-साथ यूजर्स को भी नुकसान पहुंचा रही हैं। फिलहाल जांच और सख्ती की खबरों से कंपनियों के शेयर सात-आठ फीसद तक टूट गए हैं। शुक्रवार को इस संबंध में खबरें सामने आई थीं कि अमेरिकी न्याय विभाग गूगल के खिलाफ जांच की तैयारी कर रहा है। गूगल पर जांच इस संदेह पर हो रही है कि अपनी ताकत के दम पर कंपनी छोटे प्रतिस्पर्धियों को खत्म करने की कोशिश में है। वहीं, शनिवार को वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा था कि अमेजन किसी मामले को लेकर एफटीसी के रडार पर है।

ट्रंप भी करते रहे हैं विरोध : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी गूगल और अन्य सोशल मीडिया कंपनियों पर हमलावर रहे हैं। उनका आरोप है कि कंपनियां जानबूझकर अपने प्लेटफॉर्म पर कुछ विचारों को दबाने की कोशिश करती हैं। उन्होंने अमेजन पर अमेरिका की डाक सेवा का बेजा फायदा उठाने का आरोप भी लगाया है। ट्रंप इन कंपनियों की गहन जांच के पक्षधर रहे हैं।

नेताओं ने किया जांच के फैसले का स्वागत

अमेरिका में दोनों प्रमुख पार्टियों के नेताओं ने बड़ी टेक कंपनियों के खिलाफ जांच का स्वागत किया है। सीनेट की न्यायिक कमेटी के चेयरमैन और रिपब्लिकन नेता लिंडसे ग्राहम का कहना है कि गूगल और फेसबुक जैसी कंपनियों के बिजनेस मॉडल की जांच होनी चाहिए। इन कंपनियों को बहुत ज्यादा ताकत मिल गई है और इनकी व्यवस्था बहुत अनियमित है। डेमोक्रेट नेता रिचर्ड ब्लूमेंथल ने भी जांच का स्वागत किया है।

नाइजीरिया के मुहम्मद बंदे बने यूएन महासभा के अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र, आइएएनएस : नाइजीरिया के राजनयिक संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की 74वीं बैठक के अध्यक्ष होंगे। सितंबर में नया सत्र शुरू होने पर वह मौजूदा अध्यक्ष इक्वाडोर की मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा की जगह लेगें। 193 सदस्यीय यूएन महासभा के अध्यक्ष का कार्यकाल एक साल का होता है।

सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बाद बंदे ने कहा कि गरीब और भुखमरी मिटाने के साथ शिक्षा व जलवायु परिवर्तन उनकी पहली प्राथमिकता होंगे। उन्होंने सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए हो रही बातचीत को भी तेज करने की बात की। यूएन में नाइजीरिया के स्थायी प्रतिनिधि तिजानी ने कहा, 'सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए हो रही अंतरसरकारी वार्ता की रफ्तार धीमी है। हम इसे तेज करेंगे। निष्पक्षता लाने के लिए यह सुधार बेहद जरूरी है। यूएन की स्थापना के 75 साल पूरे होने वाले हैं और यह बीते 50-70 साल के पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकता।' भारत सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट चाहता है इसलिए वह भी सुधार का समर्थक है। मुहम्मद बंदे के अध्यक्ष चुने जाने का भारत ने स्वागत किया है।

तिजानी मुहम्मद बंदे। फाइल फोटो

आधिकारिक आवास बेचने पर विचार कर रहे थे यूएन प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने कहा है कि पद संभालने के बाद वह न्यूयॉर्क स्थित अपना आधिकारिक आवास बेचने पर विचार कर रहे थे। उन्हें लगा था कि ऐसा करने से यूएन आर्थिक संकट से उबर पाएगा। लेकिन बाद में उन्हें मालूम हुआ कि ऐसा नहीं किया जा सकता। यूएन में एक बैठक के दौरान गुतेरस ने कहा, 'मैंने सच में ऐसा सोचा था। बाद में मुझे पता चला कि यह आवास अमेरिका को तब ही बेचा जा सकता है जब न्यूयॉर्क से संयुक्त राष्ट्र का कार्यालय कहीं और स्थानांतरित हो जाए।'

आइएस से प्रेरित छात्रा को ऑस्ट्रेलिया में 42 साल की सजा

मेलबर्न, एएफपी : ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने आई 26 वर्षीय बांग्लादेशी छात्रा को अपने मकान मालिक पर जानलेवा हमले के जुर्म में 42 साल की सजा सुनाई गई है। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) से प्रेरित मोमिना शोमा ने पिछले साल फरवरी में ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के आठ दिन बाद ही इस हमले को अंजाम दिया था। उसने सोते मकान मालिक रोजर सिंगारावेलु पर चाकू से हमला किया था। शोमा ने आइएस से जुड़े वीडियो देखकर इस हमले का पूर्वाभ्यास किया था।

विक्टोरिया प्रांत के शीर्ष कोर्ट ने बुधवार को जैसे ही सजा का एलान किया, वहां मौजूद शोमा ने अल्लाह-हो-अकबर का नारा लगाया। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, 'ऐसा कृत्य ना तो आपको शहीद का दर्जा देता है और ना ही इस्लाम का हीरो बनाता है। यह आपको सिर्फ एक अपराधी बनाता है।' सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि शोमा 2013 में ही आइएस से प्रभावित हो चुकी थी और उसकी मदद करने के लिए वह तुर्की के रास्ते सीरिया जाना चाहती थी। लेकिन तुर्की में उसे प्रवेश नहीं मिला। इसके बाद उसने मेलबर्न स्थित ला ट्रोब यूनिवर्सिटी में दाखिला ले लिया।

आतिशबाजी का खूबसूरत नजारा

रूस के स्टावरोपोल में तीसरे ब्रिक्स एवं एससीओ स्टूडेंट स्प्रिंग इंटरनेशल फेस्टिवल का रंगारंग शुभारंभ हुआ। इस मौके पर की गई आतिशबाजी का खूबसूरत नजारा। इस फेस्टिवल में ब्रिक्स और विभिन्न देशों के युवा और छात्र-छात्राएं अपने-अपने देशों की कला, परंपराओं और संस्कृतियों का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन अवसर पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सभी युवाओं को शुभकामनाएं भी दीं। रायटर

टेरिजा ने दिया सहयोग और समझौते का संदेश

लंदन, प्रेट्र: टेरीजा मे ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के तौर पर अपने आखिरी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के लिए सहयोग और समझौते का संदेश दिया। मे ने ट्रंप के साथ डाउनिंग स्ट्रीट में द्विपक्षीय बातचीत के बाद विदेश एवं राष्ट्रमंडल कार्यालय (एफसीओ) में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, 'हमारे सामने जो चुनौतियां हैं उसका सामना करने को लेकर हमारे बीच कभी-कभी मतभेद हो सकता है। मैंने हमेशा विश्वास किया है कि सहयोग और समझौता मजबूत संबंधों का आधार हैं और विशेष संबंधों के मामलों में यह और अधिक सही है।'

उन्होंने कहा, 'आज, हमने क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की ईरान की गतिविधियों का समाधान करने और तेहरान परमाणु हथियार हासिल नहीं करे, इसको सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों के साथ मिलकर काम करने के महत्व पर फिर से चर्चा की। हालांकि, जैसा कि मैंने पहले ही कहा है-इसे हासिल करने के हमारे साधन भिन्न हैं। ब्रिटेन परमाणु समझौते के साथ खड़ा है-यह स्पष्ट है कि हम दोनों एक ही लक्ष्य तक पहुंचना चाहते हैं।'

थ्येनआनमन नरसंहार की बरसी पर हांगकांग में मनाया शोक

▸ चीन के ज्यादातर हिस्सों में इस घटना की चर्चा पर भी है पाबंदी

हांगकांग, आइएएनएस : बीजिंग के थ्येनआनमन चौक नरसंहार की 30वीं बरसी पर चीन के स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग में हजारों लोगों ने शोक मनाया। हांगकांग के विक्टोरिया पार्क में शोक मनाने के लिए जुटे लोगों में से कई ने काले कपड़े पहने थे। आयोजकों का कहना है कि पार्क में करीब एक लाख 80 हजार लोग मौजूद थे लेकिन चारों तरफ सन्नाटा पसरा था। दूर तक केवल मोमबत्तियों की रोशनी दिखाई दे रही थी। पुलिस ने हालांकि आयोजकों के दावे का खंडन करते हुए कहा कि सभा में 40 हजार से भी कम लोग थे।

चीन की सेना ने चार जून, 1989 को लोकतंत्र के समर्थन में आंदोलन कर रहे छात्रों पर टैंक चढ़ा दिए थे। अनुमान है कि इस घटना में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। चीन के ज्यादातर हिस्सों में इस घटना की चर्चा करने पर भी पाबंदी है। लेकिन हांगकांग और मकाऊ में नरसंहार के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी जाती है। हांगकांग में शोक सभा के दौरान विद्रोही गीत भी गाये गए। लोगों ने उस घटना को कभी ना भूलने और चीन की झूठी बातों को नहीं मानने के नारे भी लगाए। इस शोक सभा में प्रत्यर्पण संबंधी नए कानून के विरोध में भी पोस्टर लहराए गए। बता दें कि हांगकांग में एक नया कानून प्रस्तावित किया गया है जिसमें अपराधियों को सीधे चीन में प्रत्यर्पित किए जाने का प्रावधान है। कई लोगों को डर है कि इस कानून से हांगकांग की स्वतंत्रता खतरे में आ जाएगी।

थ्येनआनमन चौक नरसंहार की 30वीं बरसी पर लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। एएफपी

एवरेस्ट से नीचे लाया गया 11 हजार किलो कचरा, चार शव भी मिले

काठमांडू, प्रेट्र: नेपाल सरकार द्वारा दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चलाए गए दो महीने के लंबे सफाई अभियान के दौरान 11,000 किलो कचरा नीचे लाया गया। अभियान के दौरान कुल चार शव भी मिले। एवरेस्ट स्थित बैस कैंप से हेलीकॉप्टर के माध्यम से काठमांडू लाए गए कचरे में खाली ऑक्सीजन सिलेंडर, प्लास्टिक की बोतलें, डिब्बे, बैटरी, बचा भोजन और रसोई अपशिष्ट शामिल हैं।

नेपाल सेना के जनसंपर्क निदेशालय के निदेशक देव पांडेय ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर नेपाल सैन्य प्रमुख पूर्णचंद्र थापा की उपस्थिति में बुधवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुछ कचरा एनजीओ 'ब्लू वेस्ट टू वैल्यू' को दिया गया। एनजीओ इसे कचरे को री-साइकिल करके उत्पाद तैयार करेगी। पांडे ने बताया कि 14 अप्रैल से शुरू हुए अभियान का अब औपचारिक समापन हो गया। पहले दिन 1,000 किलो कचरा नीचे लाया गया था।

सहमा हाफिज सईद, नहीं गया नमाज पढ़वाने

▸ मुंबई हमले के मास्टरमाइंट को गद्दाफी स्टेडियम जाने पर था गिरफ्तारी का डर

लाहौर, प्रेट्र : बरसों बाद बुधवार को पहली बार गद्दाफी स्टेडियम में आतंकी सरगना हाफिज सईद ने ईद की नमाज की अगुआई नहीं की। उसे स्टेडियम में जमा हजारों लोगों को नमाज पढ़वाने की सरकार ने इजाजत नहीं दी। यहां नमाज के बाद तकरीर में सईद अक्सर भारत के खिलाफ जहर उगलता था और कश्मीर मसले को हवा देता था। इसके स्थान पर सईद ने अपने जौहर टाउन स्थित आवास के नजदीक एक छोटी मस्जिद में जाकर नमाज अदा की। लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद पर मुंबई हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। संयुक्त राष्ट्र ने उसे वैश्विक आतंकी घोषित कर रखा है।

सूत्रों के अनुसार सईद ईद की नमाज की अगुआई के लिए गद्दाफी स्टेडियम जाना चाहता था लेकिन एक वरिष्ठ अधिकारी ने उसे मंगलवार को ही सरकार की मंशा से अवगत करा दिया। बता दिया कि उसके स्टेडियम में जाने पर रोक है। अगर वहां जाने की कोशिश की तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सरकार का सख्त रुख जानकर आतंकी सरगना सहम गया और वह गद्दाफी स्टेडियम नहीं गया। इससे पहले हाफिज सईद बरसों से ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा पर नियमित रूप से गद्दाफी स्टेडियम जाता था और नमाज के बाद तकरीर भी देता था। सरकार उसे वहां पर कड़ी सुरक्षा भी मुहैया कराती है। लेकिन भारत के कड़े रुख से पाकिस्तान सरकार इस समय बेहद सावधानी बरत रही है। फिलहाल दिखाना नहीं चाहती कि वह किसी आतंकी सरगना या उसके संगठन के साथ खड़ी है या उन्हें सुविधाएं दे रही है। पाकिस्तान पर इस समय आतंकियों को आर्थिक संरक्षण देने के कारण अंतरराष्ट्रीय संगठन एफएटीएफ की नजर है। संगठन ने उसे ग्रे सूची में भी डाल रखा है। इससे पाकिस्तान को कहीं से आसानी से सहायता नहीं मिल पा रही है।

खटाई में पड़ सकता है ट्रंप का सऊदी से हथियारों का सौदा

वाशिंगटन, रायटर : संसद की स्वीकृति के बगैर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को आठ अरब डॉलर (58 हजार करोड़ रुपये) के हथियारों की बिक्री की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना खटाई में पड़ सकती है। इस बिक्री को रोकने के लिए बड़ी संख्या में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने हाथ मिला लिया है। वे इस सौदे को रोकने के लिए आए 22 प्रस्तावों पर मिलकर मतदान करेंगे। ये प्रस्ताव अन्य देशों को हथियार बेचने के फैसले लेने के संसद के अधिकार की रक्षा से संबंधित हैं।

मई में ट्रंप ने ईरान की ओर से बढ़ रहे खतरे के मद्देनजर सऊदी अरब, यूएई और लेबनान को अविलंब हथियारों की आपूर्ति करने की जरूरत बताई थी। इन हथियारों में गाइडेड मिसाइल, एयरक्राफ्ट, मोर्टार और कुछ अन्य हैं। अमेरिकी संसद सीनेट की विदेशी मामलों की कमेटी में शामिल डेमोक्रेटिक सांसद बॉब मेनेनडेज ने कहा है कि हम राष्ट्रपति और विदेश मंत्री को संसद की अनदेखी नहीं करने देंगे। हम अपने अधिकार के लिए राष्ट्रपति के कदम को रोकेंगे।

ये भी जानिए

भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहित शर्मा और मुहम्मद शमी ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज हाशिम अमला को वनडे में तीन-तीन बार आउट किया है। अमला का हाल ही के मैचों में प्रदर्शन खराब रहा है।

विश्व कप में

अभिषेक त्रिपाठी • साउथैंप्टन

रोहित की हल-चहल

- बादलों के बीच जमकर बरसे चहल
- युजवेंद्रा ने झटके चार विकेट
- रोहित ने जड़ा शतक, भारत जीता

साउथैंप्टन में बुधवार को फाफ डुप्लेसिस को आउट करने के बाद साथी खिलाड़ियों संग जश्न मनाते भारतीय गेंदबाज युजवेंद्रा सिंह चहल (बीच में)। एएफपी

पूरा दिन मैदान बादलों से ढका रहा और भारतीय टीम के विश्व कप का पहला मुकाबला जीतते ही सूरज देवता प्रकट हुए। ऐसा लगा कि जैसे वह भी टीम इंडिया की जीत का इंतजार कर रहे हों। अच्छी बात यह रही कि बारिश नहीं हुई और भारत ने आसानी से छह विकेट से यह मैच अपने नाम करके आने वाले मैचों के दबाव को कम कर लिया।

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने मैच से पहले कहा था कि वह अपनी टीम को दबाव लेने से बचाएंगे, लेकिन उन्होंने बुधवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेकर साबित कर दिया कि वह खुद दबाव में हैं। इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व कप के शुरुआती दो मैच हारने से डुप्लेसिस पर पहले बल्लेबाजी करने का दबाव था और यही कारण है कि उन्होंने अपनी टीम की लचर बल्लेबाजी को देखते हुए आसमान में बादल होने के बावजूद टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, जो टीम इंडिया के लिए लॉटरी लगने जैसा था। भारत के तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार व जसप्रीत बुमराह ने इसका फायदा उठाते हुए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया। बुमराह ने 24 रन के कुल योग पर ही विपक्षी टीम के दोनों ओपनरों को पवेलियन पहुंचाकर उनकी कमर तोड़ दी। इसके बाद चहल ने कमान संभाली और चार विकेट गिराकर दक्षिण अफ्रीका को 227 रनों पर समेट दिया।

बुमराह का कहर : बुमराह ने पारी के चौथे ही ओवर में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हाशिम अमला (06) को कैच आउट करा दिया। बुमराह की गेंद टप्पा खाने के बाद उछली और अमला के बल्ले का किनारा लेती हुई दूसरी स्लिप में खड़े शर्मा के हाथों में गई, जिन्होंने उसे लपकने में कोई गलती नहीं की। इसके बाद बुमराह ने दूसरे सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (10) को कोहली के हाथों कैच आउट कराया। इससे पहले सात विश्व कप खेलकर चार बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली यह टीम धीमे-धीमे अंतिम-चार की दौड़ से बाहर होती जा रही है।

चहल का कहर : इसके बाद कप्तान फाफ डुप्लेसिस और रेसे वेन डेर डुसेन ने 54 रन जोड़कर अपनी टीम को संकट से निकालने का प्रयास किया, लेकिन चहल ने 20वें ओवर में दोनों को आउट कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। डुसेन ने चहल की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने का प्रयास किया, लेकिन गेंद उनके बल्ले और पैड को छकाती हुई टांगों के पीछे से विकेटों से जा टकराई। डुसेन ने 22 रन बनाए। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर डुप्लेसिस चहल की फिरकी को पढ़ नहीं पाए और गेंद पैड और बल्ले के बीच से निकलती हुई विकेटों पर लगी।

डुप्लेसिस ने 38 रनों का योगदान दिया। इसके बाद जेपी डुमिनी कुलदीप की गेंद को गलत लाइन पर खेल गए। हालांकि उन्होंने अंपायर के फैसले पर रिव्यू लिया लेकिन तीसरे अंपायर ने साफ किया गेंद विकेटों से टकरा रही है। डेविड मिलर और एंदिले फेलुकवायो ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। साझेदारी बढ़ती देख कोहली फिर चहल को गेंदबाजी आक्रमण पर लाए और उन्होंने आते ही मिलर को अपनी ही गेंद पर लपक लिया। मिलर ने 22 रनों का योगदान दिया। फेलुकवायो (34) ने कुलदीप की गेंद पर पारी का पहला छक्का लगाया। वह चहल की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में स्टंप हुए। इसके बाद मॉरिस और रबादा ने आठवें विकेट के लिए 66 रन जोड़कर अपनी टीम को कुछ सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मॉरिस 42 रन बनाकर आखिरी ओवर में भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर कैच आउट हो गए। भुवी ने अपने आखिरी ओवर में इमरान ताहिर को भी आउट किया। साउथैंप्टन की पिच को बल्लेबाजों के अनुकूल माना जाता है। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच इस मैदान पर खेले गए पिछले वनडे के 100 ओवरों में 734 रन बने थे लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने यहां शानदार प्रदर्शन किया।

रोहित ने कर दिखाया : पिछले विश्व कप में एक शतक मारने वाले रोहित शर्मा दोनों अभ्यास मैचों में कुछ खास नहीं कर पाए थे और इसलिए उन पर दबाव था कि वह टीम के लिए कुछ अच्छा करें। अपने साथी ओपनर शिखर धवन (08), कप्तान विराट कोहली (18) और चौथे नंबर पर उतरे केएल राहुल (26) के एक तरफ से आउट होते जाने के बावजूद उन्होंने दूसरी तरफ से शानदार बल्लेबाजी जारी रखी। जहां रबादा एक तरफ सब पर दबाव बनाए थे तो उन्होंने उनके एक ओवर में एक छक्के के साथ दो चौके लगाए। उन्होंने विश्व कप का दूसरा और अपने वनडे करियर का 23वां शतक लगाया। उन्होंने 144 गेंदों की पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाए। हालांकि 44वें ओवर में रबादा की गेंद पर रोहित शर्मा का आसान कैच कवर पर खड़े डेविड मिलर ने छोड़ा। इस समय शर्मा 107 रन पर थे। इसकी अगली ही गेंद को रोहित ने ठीक विकेटकीपर के पीछे से चौके के लिए पहुंचा दिया। रोहित का अच्छा साथ महेंद्र सिंह धौनी (34) ने दिया लेकिन 47वें ओवर की पहली गेंद पर उनका शॉट हवा में चला गया। गेंदबाज क्रिस मौरिस को इस बार किसी पर भरोसा नहीं था और उन्होंने इशारा किया कि यह कैच वही लेंगे। उन्होंने आखिरी में कैच तो ले लिया लेकिन वह कैच लेते-लेते गेंदबाजी छोर के स्टंप पर गिर गए।

तेज गेंदबाजों के दो ग्रेट स्पैल : इस मैच में तेज गेंदबाजों के दो ग्रेट स्पैल देखने को मिले जहां भारत की तरफ से बुमराह ने शुरुआती पांच ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए तो वहीं कैगिसो रबादा ने इतने ही ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिए। बुमराह की 63 प्रतिशत गेंदों पर बल्लेबाजों भौचक्क रह गए तो रबादा ने 57 फीसद गेंदों पर बल्लेबाजों को अपने कंट्रोल में रखा।

रबादा बनाम कोहली : दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा ने कोहली को अनुभवहीन कहा था। जब विराट से इस बारे में प्रेस कांफ्रेंस में पूछा गया था तो उन्होंने कहा था कि मैं मीडिया के जरिये उनसे बात नहीं करूंगा। मैंने उनके साथ कई मैच खेले हैं और अगर मुझे उनसे बात करनी होगी तो मैं उनसे सीधे कर लूंगा। बुधवार को जब धवन के आउट होने के बाद विराट कोहली मैदान पर उतरे और उनके सामने रबादा थे तो सबकी नजरें इन दोनों पर टिक गईं। रबादा ने विराट को पहली ही गेंद 146 किमी/घंटे वाली बाउंसर फेंकी। कोहली उनकी चौथी गेंद पर एक रन ले पाए। हालांकि इसके बाद इन दोनों का ज्यादा आमना-सामना नहीं हुआ और फेलुकवायो ने विराट को आउट कर दिया।

स्कोर बोर्ड

टॉस : दक्षिण अफ्रीका (बल्लेबाजी) मैन ऑफ द मैच : रोहित शर्मा

दक्षिण अफ्रीका 227/9 (50 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
हाशिम अमला का . रोहित बो . बुमराह	06	09	01	00
डिकॉक का . कोहली बो . बुमराह	10	17	01	00
फाफ डुप्लेसिस बो . चहल	38	54	04	00
रेसे वेन डेर डुसेन बो . चहल	22	37	01	00
डेविड मिलर का . एवं बो . चहल	31	40	01	00
जेपी डुमिनी एलबीडब्ल्यू बो . कुलदीप	03	11	00	00
एंदिले फेलुकवायो स्टं . धौनी बो . चहल	34	61	02	01
क्रिस मॉरिस का . कोहली बो . भुवनेश्वर	42	34	01	02
कैगिसो रबादा नाबाद	31	35	02	00
इमरान ताहिर का . जाधव बो . भुवनेश्वर	00	02	00	00

अतिरिक्त : (बा-1, लेबा-3, वा-6) 10

कुल : 50 ओवर में नौ विकेट पर 227 रन

विकेट पतन : 1-11 (अमला, 3.2), 2-24 (क्विंटन, 5.5), 3-78 (डुसेन, 19.1), 4-80 (डुप्लेसिस, 19.6), 5-89 (डुमिनी 22.6), 6-135 (मिलर, 35.3), 7-158 (फेलुकवायो, 39.3), 8-224 (मॉरिस, 49.2), 9-227 (ताहिर, 49.6)

गेंदबाजी :
भुवनेश्वर कुमार 10-0-44-2
जसप्रीत बुमराह 10-1-35-2
हार्दिक पांड्या 6-0-31-0
कुलदीप यादव 10-0-46-1
युजवेंद्रा सिंह चहल 10-0-51-4
केदार जाधव 4-0-16-0

भारत 230/4 (47.3 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
शिखर धवन का . डिकॉक बो . रबादा	08	12	01	00
रोहित शर्मा नाबाद	122	144	13	02
कोहली का . डिकॉक बो . फेलुकवायो	18	34	01	00
लोकेश राहुल का . डुप्लेसिस बो . रबादा	26	42	02	00
महेंद्र सिंह धौनी का . एवं बो . मॉरिस	34	46	02	00
हार्दिक पांड्या नाबाद	15	07	03	00

अतिरिक्त : (लेबा-3, वा-4) 07

कुल : 47.3 ओवर में चार विकेट पर 230 रन

विकेट पतन : 1-13 (धवन, 5.1), 2-54 (विराट, 15.3), 3-139 (राहुल, 31.3), 4-213 (धौनी, 46.1)

गेंदबाजी :
इमरान ताहिर 10-0-58-0
कैगिसो रबादा 10-1-39-2
क्रिस मॉरिस 10-3-36-1
एंदिले फेलुकवायो 8.3-0-40-1
तबरेज शम्सी 9-0-54-0

परिणाम : भारत छह विकेट से जीता

भारतीय टीम विश्व कप में अपने अभियान का आगाज कर चुकी है। इस मौके पर मैं पूरी टीम को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। इस टूर्नामेंट में अच्छा क्रिकेट देखने को मिले और खेल भावना का सम्मान बना रहे। खेल भी जीतो और दिल भी। – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

खोया गौरव वापस पाना चाहेगी कैरेबियाई टीम

मुकाबला

- ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला आज
- दोनों ही टीमें जीत चुकी हैं अपने-अपने पहले मैच

लंदन, एएफपी : जेसन होल्डर की अगुआई वाली वेस्टइंडीज की टीम तेज गेंदबाजों के दम पर गुरुवार को पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा विश्व कप में अपना खोया गौरव वापस पाने का होगा।

दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज टीम ने पहले मैच में पाकिस्तान को सिर्फ 105 रन पर आउट करके सात विकेट से जीत दर्ज की। ओशाने थॉमस ने 27 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि आंद्रे रसेल, शेल्डन कॉटरेल और कप्तान होल्डर से उन्हें पूरा सहयोग मिला। वेस्टइंडीज ने विश्व कप 1975 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था और उस टीम में चार तेज गेंदबाज थे। इसके चार साल बाद लॉर्ड्स पर फाइनल में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराकर खिताब बरकरार रखा। उस टीम में एंडी रॉबर्ट्स, माइकल होल्डिंग, कोलिन क्रोफ्ट और जोएल गार्नर थे। मौजूदा टीम में उस दर्जे के तेज गेंदबाज नहीं हैं, लेकिन केमार रोच और शेनॉन गेब्रियल के बिना पाकिस्तान को सस्ते में समेटकर उसके गेंदबाजों ने साबित कर दिया कि उनमें कितना दम है। वे विश्व कप में भले ही क्वालीफाइंग दौर से गुजरकर आए हों, लेकिन अपना दिन होने पर किसी भी टीम को हरा सकते हैं।

दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया, लेकिन इस मैच में उनके सामने चुनौती कड़ी होगी। पिछले तीन में से दो टी-20 विश्व कप जीत चुकी वेस्टइंडीज टीम के लिए थॉमस ने अभ्यास मैच में डेविड वार्नर को सस्ते में आउट किया था। वेस्टइंडीज की एक कमजोरी यह है कि बाउंसर जैसे हथियार को वे बार बार इस्तेमाल करते हैं, जबकि एक साल के प्रतिबंध के बाद लौटे वार्नर और स्टीव स्मिथ शॉर्ट गेंदों को झेलने में माहिर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के रूप में बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ। एपी

शाकिब अल हसन ने बांग्लादेश को संभाला

न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रन ही बना पाई बांग्लादेशी टीम, हसन ने लगाया अर्धशतक, हेनरी को मिले चार विकेट

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

विश्व के नंबर एक ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने बुधवार को लंदन के द ओवल मैदान में विश्व कप के मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने 200वें वनडे मैच में अपनी टीम को खराब स्थिति से बाहर निकालते हुए उसे चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया। कीवी गेंदबाजों के आगे के जहां अन्य बांग्लादेशी बल्लेबाज घुटने टेक रहे थे तो वहीं शाकिब तीसरे नंबर पर आकर दूसरे छोर से टीम के स्कोर को चलाते रहे। शाकिब के 68 गेंदों में 64 रनों की बदौलत ही बांग्लादेश की टीम सभी विकेट गंवाकर 49.2 ओवर में 244 रनों पर सिमट गई। शाकिब ने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान सात चौके भी लगाए।

शाकिब ने अपनी टीम के इस टूर्नामेंट के पहले मैच में अर्धशतकीय पारी पारी खेली थी। उस मैच में उन्होंने 75 रन बनाए थे और एक विकेट भी लिया था। शाकिब आइपीएल में प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन उन्होंने विश्व कप में अपनी लय पाकर टीम को राहत की सांस दिलाई। हालांकि बांग्लादेश के बल्लेबाज कीवी गेंदबाज मैट हेनरी (4/47) और ट्रेंट बोल्ट (2/44) के आगे टिक नहीं पाए और टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाई। पूरी बांग्लादेशी टीम मैच में सिर्फ 21 चौके लगा पाई। बोल्ट ने वनडे करियर में अपने 150 विकेट पूरे किए। बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने विश्व कप के पहले मैच में 330 रनों विशाल स्कोर खड़ा किया था। इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। इस मैच में दोनों ही टीमों में कोई बदलाव नहीं हुआ। बांग्लादेश को उनके सलामी बल्लेबाजों ने एक बार फिर सधी हुई शुरुआत दिलाई, दोनों ने पहले विकेट के लिए 8.3 ओवरों में 45 रनों की साझेदारी की। लेकिन इसके बाद बांग्लादेश ने सौम्य सरकार (25) और तमीम इकबाल (24) के 60 रन पर विकेट गंवा दिए। यहां से शाकिब अल हसन और मुश्फिकुर रहीम (19) ने 50 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला और स्कोर को 100 के पार लेकर गए। 110 के स्कोर पर रहीम को लाथम ने रन आउट कर दिया। हालांकि शाकिब अल हसन ने एक छोर संभाले रखा और लगातार दूसरे मैच में बेहतरीन अर्धशतक लगाया। उन्होंने अपने करियर का 44वां अर्धशतक लगाया। 151 के स्कोर पर कोलिन डि ग्रैंडहोम (1/39) ने शाकिब का विकेट लेकर बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया। शाकिब के आउट होने के बाद टीम को महमूदुल्लाह से काफी उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने 41 गेंदों में 20 रनों की काफी धीमी पारी खेली।

स्कोर बोर्ड

टॉस : न्यूजीलैंड (गेंदबाजी)

बांग्लादेश 244 (49.2 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
तमीम इकबाल का . बोल्ट बो . फर्ग्यूसन	24	38	03	00
सौम्य सरकार बो . हेनरी	25	25	03	00
शाकिब का . लाथम बो . ग्रैंडहोम	64	68	07	00
मुश्फिकुर रहीम रन आउट	19	35	02	00
मुहम्मद मिथुन का . ग्रैंडहोम बो . हेनरी	26	33	03	00
महमूदुल्लाह का . केन बो . सैंटनर	20	41	00	00
मुसद्दक हुसैन का . गुप्टिल बो . बोल्ट	11	22	00	00
मुहम्मद सैफुद्दीन बो . हेनरी	29	23	03	01
मेहदी हसन मिराज का . लाथम बो . बोल्ट	07	09	00	00
मशरफे मुर्तजा का . बोल्ट बो . हेनरी	01	02	00	00
मुस्तफिजुर रहमान नाबाद	00	00	00	00

अतिरिक्त : (बा-1, लेबा-8, वा-9) 18

कुल : 49.2 ओवर में 244 रनों पर सभी आउट

विकेट पतन : 1-45 (सरकार, 8.3), 2-60 (तमीम, 13.2), 3-110 (रहीम, 23.5), 4-151 (शाकिब, 30.2), 5-179 (मिथुन, 37.1), 6-197 (महमूदुल्लाह, 42.3), 7-224 (मुसद्दक, 46.2), 8-235 (मिराज, 48.2), 9-244 (मुर्तजा, 49.1)

गेंदबाजी :
मैट हेनरी 9.2-0-47-4
ट्रेंट बोल्ट 10-0-44-2
लॉकी फर्ग्यूसन 10-0-40-1
कोलिन डि ग्रैंडहोम 8-0-39-1
जेम्स नीशाम 2-0-24-0
मिशेल सैंटनर 10-1-41-1

द ओवल में बुधवार को अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट खेलते शाकिब अल हसन। रायटर

ऐसा लगा कि साउथैंप्टन नहीं, भारत में हो रहा है मैच

विश्व कप डायरी

- रोड से लेकर स्टेडियम तक में टीम इंडिया की जर्सी में दिखे प्रशंसक
- 20000 दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम में 90 फीसद भारतीय ही थे।

अभिषेक त्रिपाठी, साउथैंप्टन

कहां जाना है?, अरे चलो ये खा लें, स्टेडियम जाबे, कित्थे जा रहे हो, बस नहीं मिल रही, केम छो... ये सब सुनने के लिए आपको उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब जैसे राज्यों के चक्कर लगाने होंगे, लेकिन अगर यह सब आपको इंग्लैंड के एक शहर में एक दिन में ही सुनने को मिल जाए तो आप आश्चर्यचकित हो जाएंगे। भारतीय टीम के प्रशंसकों ने बुधवार को ढाई लाख जनसंख्या वाले इंग्लिश शहर साउथैंप्टन को भारतीयों का शहर बना दिया। विश्व कप में भारत के पहले मैच के लिए इस शहर में भारतीयों का जमावड़ा रहा।

हर जगह भारतीय समर्थक : साउथैंप्टन को इंग्लैंड का पोर्ट सिटी कहते हैं और यहां पर जाम वगैरह नहीं लगता, लेकिन बुधवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मैच के कारण सिटी सेंटर से लेकर रोज बाउल स्टेडियम तक के रास्ते में जाम लगा रहा। पूरे रास्ते में टीम इंडिया की जर्सी पहने भारतीय समर्थकों के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि यह मुकाबला इंग्लैंड में नहीं, बल्कि भारत के किसी स्टेडियम में हो रहा है। सिर पर मैच देखने का ऐसा जुनून था कि ये प्रशंसक जाम के कारण कई किलोमीटर दूर ही उतर गए और पैदल चलकर स्टेडियम तक पहुंचे। इस मैच में दूसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की थी, लेकिन उनके प्रशंसक ढूंढे नहीं मिल रहे थे। 20000 दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम में 90 फीसद भारतीय ही थे। पूरे स्टेडियम में तिरंगा और टीम इंडिया की जर्सी नजर आ रही थी। लंदन से यहां मैच देखने आए पीयूष शर्मा ने कहा कि हम विशेष तौर पर यह मैच देखने आए हैं। जिस भारतीय को जैसे भी टिकट मिल गई वैसे वह यहां पहुंच गया। यहां पर सबसे ज्यादा महंगी टिकट भारत के मैचों की ही है और सबसे ज्यादा इसी टीम के मैच का क्रेज है।

भारत आर्मी के 20000 समर्थक : भारत आर्मी से हाल ही में जुड़े मुंबई के केशव खांडेकर ने कहा कि मैं कई महीनों से टिकट हासिल करने का प्रयास कर रहा था। मैं यहां भारतीय टीम के तीन मैच देखने आया हूं। भारत आर्मी के करीब 20000 समर्थक पूरे विश्व कप के दौरान भारत के अलग-अलग मैचों में समर्थन करने जाएंगे। हाल ही में दैनिक जागरण ने बताया था कि इस विश्व कप के लिए करीब दो लाख से ज्यादा लोगों ने ब्रिटेन के वीजा के लिए एप्लीकेशन दी थी जिसमें से 80000 लोगों के विश्व कप देखने के लिए यहां पहुंचने की संभावना है। उम्मीद है कि भारत के अन्य मैचों में दर्शकों की संख्या बढ़ेगी।

साउथैंप्टन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान झूमते भारतीय प्रशंसक। एएफपी

दो लाख तक में बिक रही भारत की टिकट

साउथैंप्टन : इस विश्व कप में घरेलू इंग्लिश टीम से ज्यादा भारत के मैचों का क्रेज है और यही कारण है कि इसकी टिकट सबसे महंगी मिल रही हैं। आइसीसी की तरफ से टिकट बेची जा चुकी हैं और अब कुछ लोग उसे रीसेल कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच की कुछ टिकट तो दो लाख रुपये तक में बिकी हैं जिनकी वास्तविक कीमत 18000 से 20000 के बीच में है। भारतीय दर्शक रमेश ठाकुर ने कहा कि यहां सभी लोग भारत-पाकिस्तान का मैच देखना चाहते हैं, लेकिन टिकट नहीं मिल रही हैं। कई प्रशंसक तो किसी भी दाम में टिकट खरीदने को तैयार हैं।

इंग्लिश ऑलराउंडर क्रिस वोक्स बोले, क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा

नॉटिंघम : पाकिस्तान से विश्व कप मैच में मिली हार के बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने स्वीकार किया कि उन्हें अपने क्षेत्ररक्षण के स्तर में सुधार करना होगा क्योंकि ट्रेंटब्रिज में उन्हें इसकी वजह से ही 14 रन की शिकस्त झेलनी पड़ी। विश्व की शीर्ष रैंकिंग वनडे टीम इंग्लैंड विश्व कप में पाकिस्तान को 4-0 से रौंदने के बाद आई है। लेकिन सोमवार को नॉटिंघम में कहानी कुछ और ही दिखी जिसमें पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 348 रन का स्कोर बनाया तथा जो रूट और जोस बटलर के शतक के बावजूद इंग्लैंड की टीम जवाब में नौ विकेट पर 334 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज वोक्स, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और लेग स्पिनर आदिल राशिद काफी खर्चीले रहे और उन्हें खराब क्षेत्ररक्षण का खामियाजा भुगतना पड़ा जिसके कारण टीम ने कई रन दे दिए। यहां तक कि उन्होंने मुहम्मद हफीज को भी जीवनदान दिया जो बाद में 84 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने स्वीकार किया कि इंग्लैंड को शनिवार को कार्डिफ में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच में अपने क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा। वोक्स ने कहा, 'यह अचानक से नहीं हुआ क्योंकि यह मैच में खेल के अंतर से हुआ। हमने अच्छा क्षेत्ररक्षण नहीं किया था जितना हम कर सकते थे, शायद हमने 20 रन लुटा दिए। यह ऐसे दिनों में से एक था जिसमें हमने कुछ मौके गंवाए। हम निश्चित रूप से बहुत अच्छी क्षेत्ररक्षण टीम हैं, हमने पिछले कुछ वर्षों में यह साबित भी किया है और यह एक खराब दिन रहा। हमने ओवल में अपना स्तर साबित किया था। हम अब कार्डिफ में अगला मैच खेलेंगे और उसी स्तर से खेलने की कोशिश करेंगे।'

बांग्लादेश की टीम एकजुट हो गई : स्टीव रोड्स

लंदन : क्राइस्टचर्च हमले के बाद जिस तरह से बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने खुद को संभाला है, उसकी कोच स्टीव रोड्स ने तारीफ की। न्यूजीलैंड में मार्च में हुए आतंकी हमला हुआ था और उस दौरान बांग्लादेशी टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही थी। रोड्स ने कहा कि मेरे मन में इन खिलाड़ियों के लिए काफी सम्मान है। जिस तरीके से उन्होंने हमले के बाद खुद को संभाला है और उससे उबरे हैं, वह काबिले तारीफ है। वे अब ईद मना रहे हैं। अब तक उनके रोजे चल रहे थे। कई खिलाड़ियों के लिए यह काफी कठिन था।

अर्जेंटीना के साथ खिताब जीतना चाहते हैं एंजेल डि मारिया

ब्यूनस आयर्स : फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से खेलने वाले स्ट्राइकर एंजेल डि मारिया ने कहा कि वह अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ खिताब जीतना चाहते हैं। अर्जेंटीना ब्राजील में होने वाले कोपा अमेरिका में भाग लेगी। कोपा अमेरिका टूर्नामेंट 14 जून से शुरू हो रहा है। डि मारिया ने कहा कि हर दिन मैं सीनियर राष्ट्रीय टीम के साथ कुछ जीतने का सपना देखता हूं। मैं यहां (अर्जेंटीना की टीम में) तब तक रहूंगा जब तक मैं कुछ हासिल नहीं कर लेता।

पहले ही दौर से नोवाक जोकोविक शानदार फॉर्म में रहे हैं। वहीं सास्चा (ज्वेरेव) को लंबे मैचों की वजह से संघर्ष करते देखे गए हैं जिसमें उन्होंने दो पांच सेट के मुकाबले खेले हैं। मैंने पहली बार सास्चा को फैबियो फोगनिनी के खिलाफ बढ़िया फॉर्म में देखा। – बोरिस बेकर, पूर्व टेनिस खिलाड़ी

फुटबॉल डायरी ▸ नेशंस लीग के सेमीफाइनल में आज भिड़ेंगी दोनों टीमें

नीदरलैंड्स बढ़ा सकता है इंग्लैंड का इंतजार

1966 के बाद पहले खिताब की तलाश में है इंग्लिश टीम

गुइमारीस, एएफपी : इंग्लैंड की फुटबॉल टीम नेशंस लीग के रूप में 1966 के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने के बेहद करीब है, लेकिन फिर से एकजुट हुई कोच रोनाल्ड कोमन की डच टीम गुरुवार को नेशंस लीग में होने वाले सेमीफाइनल में बाधा पैदा कर सकती है।

पिछले फीफा विश्व कप में सेमीफाइनल तक के शानदार सफर और स्पेन व क्रोएशिया पर शानदार जीत के बाद इंग्लिश टीम ने पिछले 12 महीनों में दूसरी बार किसी बड़े टूर्नामेंट में जगह बनाई, जिससे कोच गेरेथ साउथगेट की टीम के पास अपने खिताबी सूखे को खत्म करने का मौका है। वहीं, नीदरलैंड्स की टीम पिछले विश्व कप में क्वालीफाई नहीं कर पाई थी, लेकिन अजाक्स के स्टार खिलाड़ी विर्गिल वान डिज्क की अगुआई में डच टीम नए रंग में नजर आ रही है। नीदरलैंड्स के कई खिलाड़ी अजाक्स की ओर से खेलते हैं और अजाक्स को चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में इंग्लिश क्लब टॉटनहम से शिकस्त झेलनी पड़ी थी, जिसके कई खिलाड़ी इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम मे खेलते हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इंग्लैंड का दबदबा देखने को मिले।

नहीं रहे चैंपियंस लीग के जन्मदाता जोहांसन

स्टॉकहोम, एपी : 17 वर्षों तक यूरोपीयन फुटबॉल के प्रमुख रहे लेनार्ट जोहांसन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। स्वीडन फुटबॉल संघ ने बताया कि कुछ समय से बीमार चल रहे जोहांसन का मंगलवार को निधन हो गया। वह यूएफा के पूर्व अध्यक्ष और फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा के पूर्व उपाध्यक्ष भी थे। वह लंबे समय तक स्वीडिश फुटबॉल संघ के अध्यक्ष रहे थे। यूएफा में 17 साल के अपने कार्यकाल (1990 से लेकर 2007) के दौरान जोहांसन ने चैंपियंस लीग जैसे टूर्नामेंट की शुरुआत कराई, जो बाद में दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में से एक बन गया। यूएफा ने कहा है कि जोहांसन को सम्मान देने के लिए इस सप्ताह होने वाले सभी फुटबॉल मैचों से पहले मौन रखा जाएगा। वहीं, फीफा के अध्यक्ष गियानी इंफेंटिनो ने जोहांसन के निधन पर शोक व्यक्त किया है और कहा है कि वह एक अच्छे दोस्त और प्रेरणा के स्रोत थे।

दोबारा फीफा अध्यक्ष बने इंफेंटिनो

पेरिस, एएफपी : गियानी इंफेंटिनो को बुधवार को पेरिस में हुए विश्व फुटबॉल की कांग्रेस में दोबारा फीफा का अध्यक्ष चुना गया। 2016 में सेप ब्लाटर के हटाए जाने के बाद 49 वर्षीय इंफेंटिनो को फीफा का अध्यक्ष बनाया गया था। वह निर्विरोध चुने गए हैं और 2023 तक अध्यक्ष पर पर आसीन रहेंगे। उनके विरोध में केवल एक वोट जा रहा था जिसके बाद फैसला किया गया कि चुनाव कराने की जरूरत नहीं है। अपने पहले कार्यकाल में कई मुश्किलों का सामना करने वाले पेशे से वकील इंफेंटिनो के सामने दूसरे कार्यकाल में कई सारी चुनौतियां होंगी।

रोनाल्डो पर से दुष्कर्म का मुकदमा हटने का दावा

वाशिंगटन, एएफपी : न्यूयार्क की एक वेबसाइट ने दावा किया है कि जुवेंटस के पुर्तगाली स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर से एक महिला से दुष्कर्म का मुकदमा हटा लिया गया है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि उन पर दुष्कर्म के आरोप लगाने वाली अमेरिकी महिला कैथरीन मायोर्गा और रोनाल्डो के बीच समझौता हुआ या नहीं। मायोर्गा ने पिछले साल सितंबर में 2009 में रोनाल्डो द्वारा उनके साथ दुष्कर्म करने की शिकायत दर्ज कराई थी।

छेत्री ने अपने रिकॉर्ड मैच में दागा गोल, लेकिन भारत हारा

बुरिरैम, थाइलैंड : भारत के करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री ने अपने रिकॉर्ड मुकाबले में बुधवार को गोल किया, लेकिन भारत को किंग्स कप के अपने शुरुआती मुकाबले में ऊंची रैंकिंग वाले कुराकाओ से 1-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। यह नवनियुक्त कोच इगोर स्टिमक के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का पहला टूर्नामेंट है। इस मुकाबले में उतरने के साथ ही छेत्री भारत की ओर से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया के 107 अंतरराष्ट्रीय मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने खेल के 31वें मिनट में विश्व की 82वें नंबर की टीम के खिलाफ गोल करके अपने अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या 69 पहुंचा दी। कुराकाओ ने 18 मिनट के भीतर तीन गोल करके भारत को हार के लिए मजबूर कर दिया।

अभ्यास सत्र के दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ी जेसी लिंगार्ड। रायटर

बीसीसीआइ करेगा मुंबई टी-20 लीग की जांच

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीसीसीआइ की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के प्रमुख अजित सिंह ने बुधवार को कहा कि वह पिछले महीने स्थानीय टी-20 लीग के दौरान मैच में कथित रूप से लचर प्रदर्शन करने के लिए मुंबई के खिलाड़ी के मामले की जांच करेंगे और उम्मीद कर रहे हैं कि एमसीए (मुंबई क्रिकेट संघ) जल्द से जल्द इसकी जानकारी मुहैया कराए। अजित ने कहा, 'अभी तक इस मामले को आगे नहीं भेजा गया है, लेकिन मैं अपने कार्यालय से कहूंगा कि वे उनसे (एमसीए से) इस संबंध में पूछें। एक बार यह आ जाए तो इसी के आधार पर कि शिकायत क्या है, हमें इसकी जांच करनी होगी, क्योंकि यह पहले ही सार्वजनिक हो चुका है।' मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मुंबई का यह आरोपी खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में खेलता है, उससे एक प्रतिद्वंद्वी टीम के मालिक ने मुंबई टी-20 लीग सेमीफाइनल में लचर प्रदर्शन करने को कहा। इस लीग को बीसीसीआइ की मान्यता प्राप्त है और इसे एमसीए द्वारा आयोजित किया जाता है। यह लीग 14 से 26 मई तक हुई थी और सभी मैचों का प्रसारण एक शीर्ष खेल चैनल पर किया गया था।

सिंधू और समीर की दमदार शुरुआत

सिडनी, प्रेट्र : ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार का दिन भारत के लिए मिला जुला रहा, जहां देश की शीर्ष शटलर पीवी सिंधू और समीर वर्मा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन एचएच प्रणय को शुरुआती दौर में ही हारकर बाहर होना पड़ा।

रियो ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता और दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने महिला सिंगल्स के पहले दौर में इंडोनेशिया की चोइरून्निसा को 21-14, 21-9 से हराया। अब उनका सामना थाइलैंड की अनुभवी निचाओन जिंदापोल से होगा।

वहीं, छठी वरीय समीर ने मलेशिया के ली जी जिया को 21-15, 16-21, 21-12 से हराकर पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बनाई। वह पिछले महीने सुदीरमन कप में इसी खिलाड़ी से हार गए थे। अब उनका सामना चीनी ताइपे के वांग जु वेइ से होगा।

पुरुष सिंगल्स के अन्य मुकाबलों में सिंगापुर ओपन के चैंपियन बी साई प्रणीत ने कोरिया के ली डोंग कियुन को 21-16, 21-14 से हराया। अब वह इंडोनेशिया के एंथनी सिनिसुका जिंटिंग से खेलेंगे। इसके अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स के पूर्व चैंपियन पी कश्यप ने भी थाइलैंड के सुपान्यू एविहिंगसानोन को 21-16, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना दिग्गज लिन डैन से होगा।

हालांकि प्रणय को पहले दौर में लिन डैन के हाथों 18-21, 19-21 से हार झेलनी पड़ी। वहीं पुरुष डबल्स में भारत के सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने हमवतन मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी की जोड़ी को 21-12, 21-16 से हराया। अब भारतीय जोड़ी की भिड़ंत दूसरी वरीय चीन के ली जुन्हुइ और लियू युचेन की जोड़ी से होगी। हालांकि अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी को कोरिया की बाएक हा ना और किम हाये रिन ने 21-14, 21-13 से शिकस्त दी।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू। (फाइल फोटो)

बैडमिंटन

- ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में हारे प्रणय
- प्रणीत और कश्यप भी अपने-अपने मुकाबले जीते
- सिंधू का अब निचाओन से है सामना

श्रीलंकाई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करें : जयवर्धने

कार्डिफ, एएफपी : पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने विश्व कप में श्रीलंका की बल्लेबाजी पर चिंता जताते हुए कहा कि 1996 की चैंपियन टीम को बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करना होगा, ताकि गेंदबाज दबाव में नहीं आएं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में श्रीलंका 136 रन पर आउट हो गया, जबकि अफगानिस्तान ने उसे 201 रन पर ऑल आउट कर दिया था। जयवर्धने ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि श्रीलंका को बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिए। इतनी अच्छी शुरुआत के बाद कुशल परेरा ने पारी को संवारा और दो बड़ी साझेदारियां बनीं। इस तरह से मध्य क्रम को बिखरते देखना दुखद रहा। मुहम्मद नबी ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्पिनरों को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी। श्रीलंका ने मध्य क्रम में जिस तरह से विकेट गंवाए, वह चिंता का विषय है। उन्हें बेहतर प्रदर्शन करके विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाना चाहिए। पाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच के बारे में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सामने मुकाबला रोचक होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच के बाद इस मैच में भी रन नहीं बने। उम्मीद है कि आगे हम बड़ा स्कोर बनाएंगे। जयवर्धने ने कहा कि श्रीलंकाई बल्लेबाजों में आत्मविश्वास की कमी दिखी। कार्डिफ में 250 से अधिक रन बन सकते थे। उम्मीद है कि इस जीत से टीम का मनोबल बढ़ेगा, जिसकी अभी कमी लग रही है।

श्रीलंका की अनुभवी गेंदबाजी सफलता की कुंजी : तिसारा परेरा

कार्डिफ : अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज नहीं चल सके लेकिन ऑलराउंडर तिसारा परेरा ने कहा कि उनकी टीम को हमेशा से अपनी अनुभवी गेंदबाजी इकाई पर भरोसा था।

परेरा ने कहा, 'हमें खुद पर भरोसा था और हमें पता था कि हमारे गेंदबाज कितने अनुभवी हैं। यही वजह है कि हम पांच गेंदबाजों को लेकर उतरे थे। हमें विकेट लेने थे वरना हम हार जाते। हमने अपने बेसिक्स नहीं छोड़े और कुछ अतिरिक्त करने का प्रयास नहीं किया। बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम नाकाम रहे क्योंकि अच्छी शुरुआत के बाद हमने पांच विकेट लगातार ही गंवा दिए थे। हमें बल्लेबाजी में अपनी कमजोरियों से उबरकर अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने कहा, 'लंबे समय बाद हमें अच्छी शुरुआत मिली लेकिन बीच में विकेट गिरने से हम फिर बैकफुट पर आ गए। गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण शानदार रहा। हमारा अनुभव भी काम आया। हमें निश्चित तौर पर बल्लेबाजी पर मेहनत करनी होगी।'

टीम को इंग्लैंड में खेलने में हो रही है परेशानी : नायब

कार्डिफ : कप्तान गुलबदीन नायब ने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान को इंग्लैंड में खेलने में परेशानी आ रही है और श्रीलंका से विश्व कप में 34 रन से मिली हार के लिए पहले 10 ओवर में खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार ठहराया। श्रीलंका ने पहले 10 ओवर में 79 रन बना लिए थे। इसके बाद अफगानिस्तान ने वापसी की और श्रीलंकाई टीम को 37 ओवर में 201 रन पर समेट दिया। अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने 35 रन फालतू दिए। गुलबदीन ने कहा, 'हमने गेंदबाजी में अच्छी शुरुआत नहीं की और पहले 10 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। गेंदबाजों ने जिम्मेदारी से प्रदर्शन नहीं किया। बीच के ओवरों में राशिद खान, हामिद हसन और मुहम्मद नबी ने अच्छी गेंदबाजी की। हम अगर 35 रन फालतू नहीं देते तो श्रीलंका का इतना स्कोर नहीं बनता।' उन्होंने कहा, 'श्रीलंका ने इस तरह के हालात में काफी क्रिकेट खेली है लेकिन हमें इतना अनुभव नहीं है। इस वजह से बल्लेबाजों को दिक्कतें आईं।'

बारिश ने बढ़ाया जोकोविक और हालेप का इंतजार

पेरिस, एएफपी : फ्रेंच ओपन में बुधवार को सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविक और रोमानिया की महिला खिलाड़ी सिमोना हालेप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले मूसलाधार बारिश की भेंट चढ़ गए।

2016 के बाद पहली बार और 2006 के बाद तीसरी बार ऐसा हुआ है जब बारिश की वजह से पूरे दिन में कोई भी मुकाबला नहीं हो सका। बारिश की वजह से बुधवार का खेल नहीं हो पाने से सबसे बड़ा नुकसान विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविक और गत चैंपियन हालेप को हुआ, जिन्हें अब अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले गुरुवार को उतरना होगा और फिर अगर ये वहां भी जीते तो उन्हें सेमीफाइनल में शुक्रवार को कोर्ट पर उतरना होगा। महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले शनिवार को होने हैं। ऐसे में अगर हालेप को अपने खिताबी रक्षा के अभियान में बने रहना उन्हें लगातार तीन दिन कोर्ट पर उतरना होगा। फिलिप चेट्रीर कोर्ट पर बुधवार को पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय जोकोविक को पांचवीं वरीय जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से भिड़ना था, जबकि महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में हालेप को अमेरिका की अमांडा एनिमिसोवा के खिलाफ खेलना था।

विविध

'ग्रीन विलेज' छेड़का का हर घर हरा-भरा

मुहिम ▸ मध्य प्रदेश के इस गांव में महिलाओं और छात्रों ने दीवारों पर हरे रंग से उकेरे मोहक चित्र

राजीव सोनी, भोपाल

मध्य प्रदेश में सतपुड़ा की वादियों में बसे होशंगाबाद जिले के गांव छेड़का की प्रसिद्धि अब गांधीवादी गांव के रूप में होने लगी है। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से फैसला लेकर गांव को 'ग्रीन विलेज' की थीम पर भी विकसित करने का संकल्प लिया है। घरों की बाहरी दीवारों पर हरा रंग पोतने के साथ उन पर आकर्षक पेंटिंग उकेरी गई हैं। यह युक्ति कमाल कर रही है। गांव की हरीभरी छवि पर्यावरण संरक्षण का संदेश तो दे ही रही है, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व तक पहुंचने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को भी लुभा रही है। इससे यहां पर्यटन क्षेत्र से जुड़े रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण

अभावों का पर्याय रहे 800 की आबादी वाले छेड़का गांव का चार साल में ही कायापलट हो चुका है। यह संभव हुआ है एक गांधीवादी विचारक की सोच और प्रयास से। यह शख्स हैं आयकर विभाग में बतौर डायरेक्टर जनरल पदस्थ आरके पालीवाल। उन्होंने इस गांव को पिछड़ेपन से मुक्त कराने का बीड़ा उठाया है। गांधी ग्रामसेवा केंद्र भी उनकी इस मुहिम में मददगार बन गया है। सतपुड़ा के जंगल में अंतिम छोर पर बसे इस गांव से आठ किमी दूर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई भी मौजूद है। यहां आने वाले पर्यटकों की भी रुचि अब इस गांव को देखने में बढ़ने लगी है। पालीवाल, गांधी ग्रामसेवा केंद्र से जुड़े कुछ संगठनों और गांधीवादियों के सुझाव पर यहां के आदिवासियों ने अपने घरों को हरे रंग से सजाने-संवारने की मुहिम शुरू की। गांव के 70-75 घरों की बाहरी दीवारों पर तोतापंखी हरा रंग चढ़ाया जा रहा है। हरे रंग का डिस्टेंपर कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं और गांधी ग्रामसेवा केंद्र ने उपलब्ध करवा दिया है। ग्रामीणों ने हरे रंग से दीवारों को रंग पारंपरिक कला के अनुरूप इनपर खूबसूरत 'मांडने' और फूल-पत्तियां उकेर दीं। होशंगाबाद और भोपाल से आए कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी सुंदर चित्रकारी कर गांव को ग्रीन विलेज की थीम पर संवारने में योगदान दिया।

गांव की सरपंच रेवती दिनेश धुर्वे बताती हैं कि पालीवाल साहब और गांधी केंद्र के सहयोग से हमारे पिछड़े गांव के भाग्य खुल गए हैं। दीवारों पर हरा रंग ही क्यों? इस पर वे बताती हैं कि जंगल की हरियाली के बीच हमारे घर भी उसी का हिस्सा दिखने लगे हैं। यह बात जंगलों से हमारे जुड़ाव को बढ़ाने का काम कर रही है और पर्यटकों को गांव तक ला रही है। गांव की चौपाल पर मौजूद रोजगार सहायक ममता माझी, गांधी केंद्र की सीमा ककोड़िया और सुस्मिता धुर्वे कहती हैं कि हम लोगों ने घरों के आगे-पीछे और गांव में जहां भी खाली जमीन है, वहां पौधे रोपे हैं। अगले चरण में गांव के सूखे पड़े तालाब की गहराई और दायरा बढ़ाने के साथ रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने की योजना भी है। पेयजल के लिए सार्वजनिक नल और पानी की टंकी बन गई है। गांधी सेवा केंद्र ने आमदनी बढ़ाने ग्रामीण महिलाओं को साबुन निर्माण, सिलाई और जैविक अनाज-सब्जियां उगाने का प्रशिक्षण दिलवाया है।

फाइवस्टार रिसोर्ट बनाम ग्रीन विलेज : गांधी केंद्र के सहयोगी और छेड़का निवासी हेमंत नागर, दिनेश धुर्वे कहते हैं, हमारे पड़ोसी गांव मढ़ई के निकट बड़े-बड़े रिसोर्ट बने हैं, जहां फाइव स्टार सुविधाएं जुटाई गई हैं, वहीं छेड़का अभावों से घिरा है। हमारे प्राकृतिक सुंदर घर इन फाइव स्टार रिसोर्ट को टक्कर दे सकते हैं। मौजूदा दौर की चुनौतियों के बीच यह आदिवासी गांव अब खुद को अपनी मूल प्रकृति की ओर ले जा रहा है। आरके पालीवाल कहते हैं कि ग्रीन विलेज की मुहिम ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश तो दे ही रही है, रोजगार के अवसर भी बन रहे हैं। अनेक संस्थाएं अब इस गांव पर ध्यान देने लग गई हैं।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

गांधी सेवा केंद्र और छात्र-छात्राओं ने भी सहभागिता की। नईदुनिया

होशंगाबाद (मप्र) : ग्रीन विलेज की थीम से सजे ग्राम छेड़का के घर का बाहरी दृश्य। नईदुनिया

रंग-बिरंगे फूलों के साथ हिमखंडों का भी दीदार

जागरण विशेष

- फूलों की घाटी की राह में अब भी लुभा रहे हैं विशालकाय हिमखंड
- तीन किमी के इस हिस्से में छह हिमखंडों को काटकर निकाली है वन विभाग ने राह

देवेंद्र रावत, गोपेश्वर (चमोली)

विश्व धरोहर फूलों की घाटी की सैर इस बार पर्यटकों के लिए किसी यादगार से कम नहीं। घाटी को जाने वाले रास्ते में अब भी छह विशालकाय हिमखंड मौजूद हैं और जून आखिर तक इनके पिघलने के आसार नहीं हैं। ऐसे में पर्यटकों के लिए इनके बीच से गुजरना अपने आप में अलौकिक अनुभव होगा। एक ओर रंग-बिरंगे फूल तो दूसरी ओर दूध से सफेद बर्फीले पहाड़।

चमोली जिले में समुद्रतल से 12 हजार 995 फीट की ऊंचाई पर 87.5 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैली फूलों की घाटी एक जून को पर्यटकों के लिए खुल चुकी है। लेकिन, घांघरिया से आगे अभी भी छह स्थानों पर विशालकाय हिमखंड सम्मोहन बिखेर रहे हैं, जो माह भर नहीं पिघलेंगे। बामणधौड़, स्यूचंद, मैरी की कब्र, पुष्पगंगा, द्वारीपुल व नागताल में बने इन हिमखंडों को काटकर फूलों की घाटी के लिए राष्ट्रीय पार्क प्रशासन ने सुरक्षित राह निकाली है। पर्यटक हिमखंडों के बीच से बनी इसी राह से होकर घाटी के दीदार को पहुंच रहे हैं। यह अपने आप में कभी न भूलने वाला अनुभव है।

वर्ष 1982 में फूलों की घाटी को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया, जबकि यूनेस्को ने वर्ष 2005 में इसे विश्व धरोहर घोषित किया। फूलों की घाटी नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान का ही एक हिस्सा है। यह वही घाटी है, जिसका जिक्र रामायण और महाभारत में नंदकानन नाम से हुआ है।

फूलों की घाटी एक जून से 31 अक्टूबर तक पर्यटकों के लिए खुली रहती है। लेकिन घाटी की रंगत निखरती है जुलाई से सितंबर के बीच। इस दौरान घाटी का सौंदर्य अपने पूरे शबाब पर होता है और ओर से छोर तक खिले रंग-बिरंगे फूल अद्भुत सम्मोहन बिखेरते हैं।

ऋषिकेश से 275 किमी दूर गोविंदघाट तक आप वाहन से पहुंच सकते हैं। यहां से तीन किमी सड़क मार्ग से पुलना और फिर दस किमी पैदल चलकर फूलों की घाटी राष्ट्रीय पार्क के बेस कैंप घांघरिया पहुंचा जा सकता है। यहां से फूलों की घाटी तक तीन किमी का पैदल रास्ता है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

विश्व धरोहर फूलों की घाटी में खिले फूल। जागरण

हसीन वादियों व बर्फ से लकदक घाटी को कैमरे में कैद करता पर्यटक। जागरण

फूलों की घाटी पहुंचने के लिए विभाग ने हिमखंडों को काटकर सुरक्षित पैदल रास्ता तैयार किया है। हिमखंडों के बीच से गुजरते हुए घाटी की सुंदरता देखते ही बन रही है। पर्यटक इस बार जून आखिर तक घाटी में प्रकृति के कई रूपों का एक साथ दीदार कर सकते हैं।

– बृजमोहन भारती, वन क्षेत्राधिकारी, फूलों की घाटी राष्ट्रीय पार्क

गंगोत्री से ही कचरा ढो रही गंगा, आंखें मूंदे बैठा प्रशासन

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी

निर्मल और स्वच्छ गंगा के दावों के बावजूद गंगा धाम गंगोत्री से ही भागीरथी (गंगा) गंदगी ढोने को विवश है। भागीरथी के घाट और तटों पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, लेकिन स्वच्छता का ढोल पीटने वाला जिला प्रशासन और गंगोत्री नगर पंचायत सिर्फ हवाई बातें कर रहा है।

गंगोत्री धाम में कपाट खुलने से लेकर कपाट बंद होने तक रोजाना देश-दुनिया से आठ से दस हजार यात्री पहुंचते हैं। वह अपने साथ लाई प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन बैग, खाद्य पदार्थों के प्लास्टिक रैपर, कपड़े आदि वहीं छोड़ देते हैं। इससे यहां रोजाना दो से तीन क्विंटल प्लास्टिक व अन्य कचरा जमा हो जाता है। लेकिन, इसे ठिकाने कहां लगाया जाता है, इसका जवाब प्रशासन के पास भी नहीं है। कारण, गंगोत्री में अभी तक कूड़ा निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं है। 2012-13 में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन को जो कॉम्पेक्टर मशीन लगाई गई थी, उसका संचालन 2015 तक ही हो पाया। हालांकि, प्रशासन दावे कर रहा है कि कूड़े के निस्तारण के लिए गंगोत्री में स्थान उपलब्ध हो गया है। लेकिन धाम की मौजूदा तस्वीर इसे झुठला रही है।

समुद्रतल से 10299 फीट की ऊंचाई पर स्थित गंगोत्री धाम में घाटों से लेकर पाटों (तट) तक जगह-जगह भारी मात्रा में कचरा बिखरा पड़ा है। जो निस्तारण की व्यवस्था न होने के कारण सीधे भागीरथी में समाता है। धाम में साफ-सफाई व कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था का जिम्मा नगर पंचायत गंगोत्री के पास है। लेकिन, कूड़ा उठाने और उसके निस्तारण की व्यवस्था को अभी तक नगर पंचायत दुरुस्त नहीं कर पाई है।

नगर पंचायत के पास गंगोत्री में अभी तक कूड़ा निस्तारण के लिए कोई स्थान नहीं है, जहां कूड़े की छंटाई कर जैविक कूड़े का निस्तारण किया जा सके। नगर पंचायत ने प्लास्टिक कूड़े के प्रबंधन के लिए जो कॉम्पेक्टर मशीन लगाई थी, उसका भी उपयोग नहीं हो रहा।

- गंगोत्री में हर दिन एकत्र होता है दो से तीन क्विंटल कचरा
- कचरा कहां लगता है ठिकाने, प्रशासन को भी नहीं पता

उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम में इस तरह से गंगा में बह रहा है प्लास्टि कचरा। जागरण

गंगोत्री में प्लास्टिक पर प्रतिबंध बेमानी

गंगोत्री धाम में प्रशासन और गंगोत्री मंदिर समिति ने प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का दावा किया था। लेकिन, प्लास्टिक व पॉलीथिन का अभी भी धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। खाद्य सामग्री, कपड़े, पूजा की वस्तुएं, पॉलीथिन जहां-तहां बिखरी पड़ी हैं।

गंगोत्री धाम में सफाई व्यवस्था के लिए पर्याप्त सफाई कर्मचारी रखे गए हैं। बस पार्किंग के पास स्थान मिल गया है। अब वहीं कूड़े का निस्तारण कराया जाएगा।

– देवेंद्र सिंह नेगी, एसडीएम एवं प्रशासक, नगर पंचायत गंगोत्री

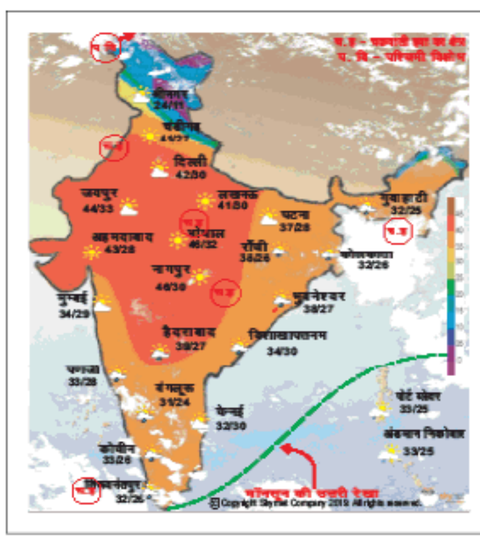

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के निचले भागों में मौसम काफी गर्म रहेगा जबकि पर्वतीय भागों में गरज और तेज हवाओं के साथ वर्षा होगी। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब व दिल्ली में हल्की हवाओं के साथ मौसम काफी गर्म रहेगा। कुछ स्थानों पर गरज और तेज हवाओं के साथ आंधी संभव है।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	34/29	अहमदाबाद	44/28
कोलाबा	34/28	बड़ोदा	41/26
चेन्नई	38/29	भोपाल	47/31
लैंडफाल	39/28	इन्दौर	44/28
बंगलूरु	30/22	रांची	41/27
त्रिवेन्द्रम	31/25	पटना	40/31
गुवाहाटी	30/27	कलकत्ता	38/29
नंगलोक	17/09	पुणे	31/24

देश की पहली शास्त्रीय भाषा बनी तमिल

2004 में आज ही तमिल को देश की पहली शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने दोनों सदनों में इसकी घोषणा की। इस श्रेणी में संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम व ओडिया भाषा को भी शामिल किया जा चुका है।

बाजार में पहली बार बिक्री के लिए आया डिटर्जेंट पाउडर

1907 में आज ही जर्मन कंपनी हेंकेल ने डिटर्जेंट पाउडर पर्सिल को बिक्री के लिए बाजार में उतारा। पाउडर का नाम उसमें मौजूद दो महत्वपूर्ण रासायनिक घटकों, सोडियम पर्बोरेट और सोडियम सिलिकेट के शुरुआती अक्षरों से लिया गया। 1917 में कंपनी ने इसका ट्रेडमार्क रजिस्टर करा लिया।

दिग्गज अभिनेता एवं राजनेता थे सुनील दत्त

अभिनेता सुनील दत्त का जन्म 1929 में आज ही के दिन पंजाब के झेलम जिले के खुर्द गांव में हुआ था। उनका असली नाम बलराज दत्त था। दक्षिण एशिया के सबसे पुराने रेडियो स्टेशन रेडियो सीलोन से उद्घोषक के रूप करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद मुंबई आ गए। 1955 में आई फिल्म मदर इंडिया ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। 1968 में पद्मश्री सम्मान मिला। भारतीय राजनीति में भी उन्होंने सार्थक भूमिका निभाई थी। 2004 से 2005 तक केंद्र में युवा मामलों और खेलकूद मंत्री रहे। 25 मई, 2005 को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई।

इधर उधर की

कॉफी कप टेस्ट पास करो और नौकरी पाओ

वेलिंग्टन, एजेंसी: आज तक यह सुना गया है कि नौकरी पाने के लिए अच्छी योग्यता की आवश्यकता होती है। लेकिन न्यूजीलैंड में एक ऐसी कंपनी है, जहां नौकरी के लिए आने वाले लोगों की बेहद ही अलग तरीके से परीक्षा ली जाती है। दरअसल, एक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर फर्म के बॉस ट्रेंट ने खुलासा किया है कि नई नियुक्ति के लिए वह एक अलग तरह से कैंडिडेट की परीक्षा लेते हैं। इस परीक्षा का नाम है कॉफी कप टेस्ट। ट्रेंट ने बताया कि जब भी कोई कैंडिडेट आता है तो वो उसको अपने किचन तक ले जाते हैं और कॉफी पीते-पीते बाहर निकल आते हैं और उसका इंटरव्यू लेते हैं। इस दौरान देखा जाता है कि कैंडिडेट ने खाली कप वापस किचन में रखा या नहीं। जो कप वापस रखते हैं उन्हें नौकरी दे दी जाती है।

शोध अनुसंधान

दिल के लिए फायदेमंद है विना नमक का टमाटर जूस

विना नमक मिलाए टमाटर का जूस पीना ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक हो सकता है। साथ ही इससे दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है। जापान की टोक्यो मेडिकल एंड डेंटल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह बात कही है। शोध के दौरान एक साल तक 184 पुरुषों और 297 महिलाओं को बिना नमक वाला जूस पीने को दिया गया। इससे शोधकर्ताओं का ब्लड प्रेशर 141.2/83.3 से घटकर 137.0/80.9 पर आ गया। इसी तरह हाई कोलेस्ट्रॉल के शिकार 125 प्रतिभागियों में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का औसत 155.0 से घटकर 149.9 पर आ गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि टमाटर या टमाटर से बनी चीजों से दिल की सेहत पर पड़ने वाले असर को लेकर यह अपनी तरह का पहला शोध है। - प्रेट्र

दवा प्रतिरोधी टीबी से निपटने की दिशा में उम्मीद की किरण

वैज्ञानिकों ने एक ऐसा पदार्थ खोजा है जो टीबी की दवा प्रतिरोधकता को खत्म करने में सक्षम है। इससे टीबी के बैक्टीरिया पर पुनः दवाओं का असर होने लगता है। इस समय दुनियाभर में दवा प्रतिरोधी टीबी बड़ा खतरा बनकर सामने आ रही है। इन पर मौजूदा एंटीबायोटिक दवाओं का असर नहीं होता है। अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी और स्वीडन की यूमिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में टीबी के बैक्टीरिया की दवा प्रतिरोधकता को खत्म करने में कामयाबी हासिल की है। प्रयोग के दौरान वैज्ञानिकों ने टीबी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा आइसोनाइज्ड के प्रति बैक्टीरिया की प्रतिरोधकता को खत्म किया। वैज्ञानिकों ने बताया कि आइसोनाइज्ड के साथ प्रयोग करने पर यह पदार्थ न केवल बैक्टीरिया की प्रतिरोधकता को खत्म करता है, बल्कि दवा के असर को भी बढ़ाता है। अभी इस पदार्थ को प्रयोगशाला में तैयार बैक्टीरिया पर आजमाया गया है। - प्रेट्र

सैटेलाइटों से सितारों के छिपने का खतरा

खगोलविदों ने जताई चिंता ▸ तारों के ढक जाने से वैज्ञानिक अध्ययन हो सकते हैं बाधित

न्यूयॉर्क टाइम्स से

पिछले महीने कंपनी ने लांच किए 60 सैटेलाइट, हजारों अन्य लांच करने की है तैयारी

सैटेलाइटों के प्रक्षेपण से आसमान की सूरत बदलने का अंदेशा भी जताया गया है। प्रतीकात्मक फोटो

वाशिंगटन : दुनिया के हर हिस्से को इंटरनेट से जोड़ने की अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत स्पेसएक्स कई सारे सैटेलाइट लांच की तैयारी में है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए कंपनी ने पिछले महीने ने 60 सैटेलाइट लांच किए थे। विमान व रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेस एक्स स्टारलिंक परियोजना के तहत हजारों सैटेलाइट और लांच करने वाली है। खगोलविदों ने इसपर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इनसे सितारों के ढक जाने का खतरा है जिससे वैज्ञानिक अध्ययन बाधित होंगे। यदि अंतरिक्ष में इनकी संख्या बढ़ती है तो कई सारे सितारों की बजाए ये सैटेलाइट ही आसमान में चमकते नजर आएंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस परियोजना का लक्ष्य बेहतरीन है लेकिन यह कई सारी समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। खगोलविद टायलर नॉर्डग्रेन ने कहा, 'यह परियोजना आसमान की सूरत को ही बदल देगी क्योंकि ये सैटेलाइट बहुत ज्यादा चमकीले हैं।'

प्रत्येक सैटेलाइट में सोलर पैनल लगा है जो ना सिर्फ सूर्य के प्रकाश को इकट्ठा करता है बल्कि उसे धरती पर प्रतिबिंबित भी करता है। स्पेस एक्स के मालिक एलन मस्कने कई बार दावा किया था कि ये सैटेलाइट सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद केवल कुछ ही घंटे तक नजर आएंगी। खगोलिविदों ने रात में ली गई कई तस्वीरें जारी कर मस्क के सारे दावों का खंडन किया है। 60 सैटेलाइट के लांच के बाद ली गई शुरुआती तस्वीरों में कई सारे सैटेलाइट दिख रहे हैं जो ध्रुव तारे से भी ज्यादा चमकीले हैं।

हर दूसरी तस्वीर में दिखेगा सैटेलाइट : टेलीस्कोप से आसमान की तस्वीर उतारते वक्त यदि कोई सैटेलाइट उस क्षेत्र से गुजरता है तो तस्वीर पर एक धारी बन जाती है। इसके चलते खगोलविद को फिर से तस्वीर लेनी पड़ती है। यदि स्टारलिंक परियोजना लांच हो गई तो शाम ढलने के कुछ घंटे बाद हर दूसरी तस्वीर में कोई सैटेलाइट नजर आएगा।

कई अन्य कंपनियां भी लांच करेंगी सैटेलाइट : स्पेसएक्स के अलावा कई अन्य कंपनियां भी दुनियाभर में इंटरनेट पहुंचाने के लिए सैटेलाइट करने पर विचार कर रही हैं। इसमें अमेजन, टेलीसैट व वन वेब आदि शामिल हैं। इनकी परियोजनाओं के लांच होने के बाद कक्षा में सैटेलाइट की संख्या और भी बढ़ जाएगी।

खगोलविदों ने पहले भी उठाए थे सवाल : 1990 में इरिडियम कम्युनिकेशन ने दुनियाभर में फोन कवरेज के लिए दर्जनों सैटेलाइट लांच किए थे। उस वक्त भी खगोलविदों ने सैटेलाइटों से तारों के ढकने की आशंका जाहिर की थी। हालांकि उस वक्त 66 सैटेलाइट ही लांच हुए थे और तकनीक भी बदल रही थी इसलिए यह बहुत बड़ी समस्या नहीं बना था।

आंखों के टेस्ट से होगा अल्जाइमर का इलाज

- ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने विकसित की नई इमेजिंग तकनीक
- रेटीना के पीछे बढ़ने वाले असामान्य प्रोटीन का लगाएगी पता

इस साल के अंत तक नई तकनीक का ट्रायल किया जाना है। प्रतीकात्मक फोटो

मेलबर्न, प्रेट्र : वैज्ञानिकों ने आंखों की जांच पर आधारित नई इमेजिंग टेक्नोलॉजी विकसित की है, जिससे समय रहते अल्जाइमर का पता लगाया जा सकता है। इस तकनीक का प्रयोग अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी भी करती है।

अल्जाइमर यानी भूलने की बीमारी। ये एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है जिसमें दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने से स्मृति क्षीण होने लगती है। अल्जाइमर के मरीज के लिए शुरुआती दौर में तुरंत घटी घटनाओं को भी याद करना मुश्किल हो जाता है। साथ ही पुरानी यादें भी धीरे-धीरे खत्म हो जाती हैं। अल्जाइमर की आखिरी स्टेज डिमेंशिया काफी खतरनाक होती है।

मेलबर्न यूनिवर्सिटी और सेंटर फॉर आइ रिसर्च ऑस्ट्रेलिया (सीईआरए) के शोधार्थियों ने जांच की नवीनतम तकनीक विकसित की है। जिसका इस साल के अंत तक ट्रायल भी किया जाएगा। जांच की इस प्रक्रिया में रेटीना के पीछे बढ़ने वाले असामान्य प्रोटीन का पता लगाया जाएगा।

सीईआरए के पीटर वेन विजनगार्डन ने कहा कि नई तकनीक उन लोगों का परीक्षण करेगी जिनमें सामान्यतः स्मृति जाने का कोई लक्षण नजर नहीं आता। इस तकनीक के जरिये लक्षणों के प्रकट होने से पहले असामान्यताओं का पता लगा सकते है। उन्होंने कहा कि अल्जाइमर का तुरंत इलाज करना बहुत मुश्किल होता है। ज्यादातर लोग ऐसे भी हैं जिनकी स्मृति खोने लगती है, लेकिन वह समय रहते इसका निदान नहीं कर पाते क्योंकि क्योंकि ब्रैन स्कैनिंग का खर्चा बहुत महंगा होता है। विजनगार्डन ने कहा कि नई तकनीकि महज कुछ ही सेकेंड में आसानी से इमेजिंग करने में सक्षम है। इस इमेजिंग के लिए विभिन्न रंगों के प्रकाश की जरूरत होती है, जिसके जरिये हम असामान्य प्रोटीन का पता लगा सकते हैं, जो आंख के पीछे बनते हैं।

सीइआरए ने शोधार्थी जेवियर हाडोक्स, जिन्होंने इस तकनीक को विकसित करने में अपना योगदान दिया है, कहते हैं कि इसमें ऐसी क्षमता है कि अल्जाइमर के निदान में यह क्रांति ला सकती है। उन्होंने कहा कि इसका टेस्ट उन लोगों की आसानी से पहचान कर सकता है, जिन्हें अल्जाइमर का खतरा हो, होडोक्स ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में यह टेस्ट अल्जाइमर के निदान का नया और सुरक्षित तरीका होगा। आम तौर पर यह बीमारी बुढ़ापे में होती है। व्यक्ति जैसे-जैसे बूढ़ा होता जात है, उसकी सोचने और याद करने की क्षमता भी कमजोर होती जाती है। लेकिन इसका गंभीर होना और दिमाग के काम करने की क्षमता में गंभीर बदलाव उम्र बढ़ने का सामान्य लक्षण नहीं है। दिमाग में एक सौ अरब कोशिकाएं (न्यूरॉन) होती हैं। हरेक कोशिका बहुत सारी अन्य कोशिकाओं से संवाद कर एक नेटवर्क बनाती हैं।

ज्यादा अंडे खाने से मृत्यु का खतरा : शोध

न्यूयॉर्क,आइएएनएस : यदि आप अंडे खाने शौकीन हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। एक अध्ययन में चेतावनी दी है कि रोजाना दो से ज्यादा अंडे खाने से मृत्यु का खतरा बढ़ने के साथ-साथ हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह दावा किया गया है।

अमेरिका की मैसाचुसेट्स लोवेल यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर कैथरीन टकर कहा कि शोधकर्ताओं ने अमेरिका में लगभग 30,000 वयस्कों के आहार, स्वास्थ्य और जीवनशैली की आदतों को 31 वर्षों तक अध्ययन किया और पाया कि ज्यादा मात्रा में अंडे के सेवन से इसमें मौजूद कोलेस्ट्रॉल शरीर को बीमार कर देता है।

अमेरिका के कृषि विभाग के मुताबिक, एक बड़े अंडे में 200 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। एक दिन में 300 मिलीग्राम से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल लेने पर हृदय संबंधी विकार होने का खतरा 17 फीसद और मृत्य का खतरा 18 फीसद तक बढ़ जाता है। कैथरीन ने कहा कि एक सप्ताह में कई अंडे खाइए लेकिन हर दिन अंडे, ऑमलेट खाने से बचना चाहिए। संतुलित पोषण ही अच्छे स्वास्थ्य की निशानी है।

फिल्म रिव्यू

★★★

भारत

प्रमुख कलाकार : सलमान खान, कट्रीना कैफ, सुनील ग्रोवर, कुमुद मिश्रा, सतीश कौशिक,
लेखक और निर्देशक: अली अब्बास जफर
अवधि : 2 घंटे 47 मिनट

छह लुक में लुभाएंगे सलमान?

सलमान खान के साथ 'सुल्तान', 'टाइगर जिंदा है' बनाने के बाद अली अब्बास जफर ने भारत का निर्देशन किया है, जो 2014 में आई कोरियाई फिल्म 'ओड टू माई फादर' का आधिकारिक रीमेक है। कोरिया और भारत की संस्कृति बिल्कुल अलग है, लेकिन विभाजन का दंश दोनों ने झेला है। एक परिवार शून्य से शुरुआत करके कैसे आगे बढ़ता है, कहानी इसी बारे में है।

फिल्म देश विभाजन से लेकर 2010 की है। बचपन में देश विभाजन के समय भारत (सलमान खान), पिता (जैकी श्राफ), मां (सोनाली कुलकर्णी) और भाई (शशांक अरोड़ा) के साथ ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में छोटी बहन बिछुड़ जाती है। पिता उसे खोजने उतरते हैं और भारत से परिवार का ख्याल रखने का वादा लेते हैं। भारत परिवार संग हिंदुस्तान आता है। उसकी विलायती (सुनील ग्रोवर) के साथ गहरी दोस्ती है। कहानी वर्तमान से शुरू होकर अतीत में आती-जाती है। उसमें भारत के सर्कस में काम करने, पैसा कमाने के लिए सऊदी अरब जाने, मैडम सर (कट्रीना कैफ) से मुलाकात, मालवाहक जहाज पर काम करने जैसे प्रसंग शामिल हैं।

वैसे 'ओड टू माई फादर' देख चुके दर्शकों को 'भारत' से निराशा हो सकती है। अली अब्बास ने 'ओड टू माई फादर' का देसीकरण करने के लिए विभाजन, भारतीय कामगारों के सऊदी अरब जाने जैसे प्रकरणों को शामिल किया है। पर वह पटकथा को प्रभावशाली नहीं बना पाए। रिसर्च की कमी भी झलकती है। उन्होंने वास्तविकता का पुट लाने के लिए पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के निधन, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उदारवादी नीति, 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप में जीत आदि की क्लीपिंग भी दर्शाई है, जो अनावश्यक लगते हैं। क्लाइमेक्स में विभाजन के दौरान बिछड़े लोगों को मिलाने के दृश्य अवश्य थोड़ा प्रभावित करते हैं। कहानी तेजी से बढ़ती जरूर है, पर प्रसंग बांध नहीं पाते। सर्कस में मौत का कुंआ खेल देखकर कोई रोमांच पैदा नहीं होता। देशभक्ति से जुड़े डायलॉग भी थोपे से लगते हैं। सोमालियाई डाकुओं की अमिताभ बच्चन की फिल्मों के प्रति दीवानगी को लेकर डांस का प्रसंग फूहड़ लगता है। फिल्म की अवधि को चुस्त संपादन से कम किया जा सकता था।

सलमान पहली बार छह लुक में नजर आए हैं। करीब सत्तर साल की उम्र में वह हैंडसम लगे हैं। अली अब्बास अपनी पिछली फिल्मों की तरह उनसे परफॉर्मेंस नहीं निकलवा पाए हैं। सुनील ग्रोवर की मौजूदगी फिल्म में रोचकता बनाए रखने में मदद करती है। मैडम सर बनीं कट्रीना गानों में सुंदर दिखी हैं। तब्बू संक्षिप्त मौजूदगी में प्रभाव छोड़ जाती हैं, जबकि दिशा पटानी की सलमान के साथ केमिस्ट्री प्रभावित नहीं करती। कुमुद मिश्रा, सोनाली कुलकर्णी, शशांक अरोड़ा जैसे समर्थ कलाकारों की प्रतिभा का समुचित उपयोग नहीं हो पाया है। आसिफ शेख अपनी संक्षिप्त भूमिका में याद रह जाते हैं। गीत, संगीत और कोरियोग्राफी भी बेमेल लगते हैं।

स्मिता श्रीवास्तव

●●●●● उत्कृष्ट ●●●● बहुत अच्छी ●●● अच्छी ●● औसत ● औसत से कम

कैंसर मरीजों के लिए फायदेमंद है विटामिन डी

वाशिंगटन, प्रेट्र : एक अध्ययन में दावा किया गया है कि यदि तीन साल तक विटामिन डी का सप्लीमेंट लिया जाए तो कैंसर मरीजों की जिंदगी के कुछ साल और बढ़ाए जा सकते हैं। अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का मानना है कि इस विटामिन में पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के तारेक हायकल ने कहा कि कैंसर के कारण होने वाली मौत के खतरे को कम करने के लिए विटामिन डी सबसे महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं ने लगभग तीन साल तक 79,000 से अधिक लोगों पर अध्ययन किया और विटामिन डी के उपयोग की तुलना प्लेसबो (बचाव की अन्य दवाओं) से की गई थी।

विश्वभर की टोपियों और हैट्स की प्रदर्शनी

मध्य-पूर्वी फ्रांस के लियोन स्थित कॉनफ्लुएंस संग्रहालय में आयोजित 'हेडड्रेस फ्रॉम अराउंड द वर्ल्ड' प्रदर्शनी में प्रदर्शित दुनियाभर में पहनी जाने वाली अलग-अलग टोपियां व हैट्स। पिछले 30 वर्षों में विभिन्न देशों के यात्रा के दौरान इन्हें फ्रांसीसी संग्रहक एंटोनी डी गैलबर्ट ने संग्रहीत किया है। एंटोनी ने करीब 500 डिजाइनदार हैट्स और टोपियां कलेक्ट की हैं। इनमें कलात्मकता का बेहद उत्कृष्ट नमूना देखने को मिलता है। साथ ही अलग-अलग देशों की संस्कृतियों में उनके पहनावे की झलक देखी जा सकती है। एएफपी

रोप पर साइकिल चलाने का कारनामा

लोहे के एक पतले से रोप पर जमीन से करीब 100 मीटर ऊपर साइकिल से दुर्गम पहाड़ियों के बीच का फासला तय करने की यह तस्वीर चीन के हुनान प्रांत के श्यांगुझाई नेशनल जियोलॉजिकल पार्क की है। इस स्टंट को करने के लिए गजब के संतुलन और दृढ़ इरादों की जरूरत पड़ती है। स्टंट के दौरान एक व्यक्ति साइकिल पर नीचे की ओर लटका हुआ था। रायटर

स्क्रीन शॉट

लड़कियां एक्शन करते हुए अच्छी लगती हैं : कृति सैनन

बॉलीवुड में कृति सैनन पांच साल का सफर तय कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पहली फिल्म 'हीरोपंती' के पांच साल पूरे होने की खुशी जाहिर की थी। वह लगातार काम कर रही हैं। इस साल रिलीज हुई उनकी फिल्म 'लुका छुपी' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। दिलजीत दोसांझ और वरुण शर्मा के साथ उनकी फिल्म 'अर्जुन पटियाला' बनकर तैयार है, वहीं दूसरी ओर कृति आशुतोष गोवारिकर की फिल्म 'पानीपत' की शूटिंग भी कर रही हैं। मराठा और अफगानियों के बीच पानीपत में लड़े गए युद्ध पर बनी इस फिल्म में कृति सैनन पार्वती बाई का किरदार निभाएंगी। इसमें उन्हें कुछ एक्शन सीन भी करने पड़े हैं। उन एक्शन सीन्स की बात करते हुए वह कहती हैं, 'लड़कियां एक्शन करते हुए बहुत अच्छी लगती हैं। उन्हें एक्शन करते देखना दिलचस्प होता है। मैंने 'पानीपत' फिल्म में बहुत छोटा ही सही, लेकिन बहुत अहम हिस्सा शूट किया है। उस सीन में मैंने साड़ी में तलवारबाजी की है। मैं उन दृश्यों को शूट करते वक्त बहुत उत्सुक थी। मैंने अपने जीवन में किसी को थप्पड़ तक नहीं मारा है और उस फिल्म में मैं लोगों का कत्ल कर रही हूं, जो एक अलग ही अनुभव था। एक्शन करने में मुझे बहुत मजा आया। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिली, जिसमें फीमेल सुपरहीरो का किरदार मिले, तो मैं वह भी जरूर करना चाहूंगी। एक्शन करने के लिए मेरी लंबाई का फायदा भी मुझे मिलेगा।'

...अभय ने नहीं खाए लड्डू

सितारे अपनी डाइट को फॉलो करने के लिए तमाम जतन करते हैं। इसके लिए वे अपने पसंदीदा खाने से भी दूरी बना लेते हैं। हालांकि सामने वाले उन्हें लालच देने से गुरेज नहीं करते। ऐसा ही कुछ हुआ अभय देयोल के साथ। फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' में उनके साथ अर्चना पूरण सिंह भी थीं। शूटिंग के दौरान अभय बहुत सख्त डाइट रूल का पालन कर रहे थे, पर अर्चना उन्हें लड्डू खाने के लिए बाध्य कर रही थीं। हालांकि अभय ने अपना नियम भंग नहीं किया। 'द कपिल शर्मा' शो के दौरान अर्चना ने स्वीकार किया कि उन्हें अभय देओल को लड्डू खाने के लिए मनाने में बहुत मुश्किल हुई थी, जो उस समय अपनी अगली फिल्मी 'देव डी' की भूमिका के लिए डाइट पर थे। अब जबकि अभिनेता डिटॉक्स मोड से बाहर हैं, उन्हें स्वादिष्ट लड्डू खाने में मजा आता है। जहां सभी अपने हाथों से लड्डू खाने का आनंद लेते हैं, वहीं अभय इनका मजा लेने का अनूठा तरीका लेकर आए। वह चॉपस्टिक का उपयोग करते हैं। दरअसल, अभय इन दिनों अपनी फिल्म 'चॉपस्टिक' के प्रमोशन में लगे हैं। उसी सिलसिले में वह अपनी को-स्टार मिथिला पालकर के साथ शो में पहुंचे। शो के दौरान अर्चना पूरण सिंह ने अपने साथी अभिनेता अभय देओल के बारे में कुछ रोचक जानकारियां साझा कीं। जब कपिल शर्मा ने उनसे पूछा कि क्या उनकी फिल्म की बकरी की देखभाल की जा रही है, तो अभिनेता ने खुलासा किया कि बकरी के पास मेकअप और आहार के लिए एक अलग टीम है। इस पर कपिल ने पुरानी बातों को याद करते हुए कहा, 'जब अजय देवगन अपनी फिल्म का प्रचार करने के लिए एक अतिथि के रूप में यहां आए थे, तो खुलासा किया था कि उन्होंने पालतू जानवरों को एक कूलर के सामने रखा था ताकि वे सहज महसूस कर सकें।'

शाहिद कपूर की फिल्म 'डिंको सिंह' अटकी?

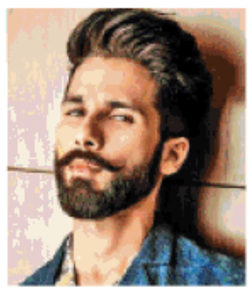

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'कबीर सिंह' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह सुपरहिट तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' का हिंदी रीमेक है। फिल्म 21 जून को रिलीज होगी। बीते दिनों आई खबरों में कहा गया था कि शाहिद कपूर मणिपुर के बॉक्सर डिंको सिंह की जिंदगानी पर बनने वाली फिल्म के प्रोड्यूसर बन सकते हैं। फिल्म का निर्देशन राजा कृष्ण मेनन करने वाले थे। उसमें बॉक्सर की भूमिका शाहिद खुद निभाने वाले थे। इस बारे में पूछने पर शाहिद ने बताया कि उनके पास फिल्म के अधिकार हैं। वह उस फिल्म को वाकई बनाने के इच्छुक हैं। फिलहाल उस पर सिर्फ विचार-विमर्श हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह अपनी अगली फिल्म की अधिकारिक घोषणा शीघ्र ही करेंगे। उसके साथ ही इम्तियाज अली की फिल्म पर भी कोई प्रगति न होने की खबरें हैं। उल्लेखनीय है कि डिंको सिंह 52 किग्रा. श्रेणी में भारत के पहले और एकमात्र एशियाई स्वर्ण पदक मुक्केबाज हैं।

'भारत' की स्क्रीनिंग, सोशल मीडिया पर ट्रोल हुईं मौनी

एक्ट्रेस मौनी रॉय 'भारत' फिल्म के प्रीमियर के दौरान अपनी अपीयरेंस को लेकर सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हुईं। इंस्टाग्राम पर लोगों ने उनकी तुलना राखी सावंत और माइकल जैक्सन से कर डाली। मौनी मंगलवार को सलमान खान और कट्रीना कैफ स्टारर 'भारत' की स्क्रीनिंग में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक ड्रेस पर निओन ग्रीन जैकेट पहनी थी। हालांकि वह काफी सहज लग रही थीं लेकिन उनके होठों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। फिल्म की स्क्रीनिंग के फोटोग्राफ्स वायरल होने के बाद लोगों ने मौनी के लुक पर कमेंट करने शुरू कर दिए। 'प्लास्टिक सर्जरी ने उसकी खूबसूरती को बर्बाद कर दिया।' 'उसके होंठों को क्या हो गया है?' 'सर्जरी फेल हो गई', 'प्लास्टिक' और 'बोटोक्स' आंटी जैसे कमेंट किए गए। एक इंस्टा यूजर ने उन्हें प्राकृतिक खूबसूरती को स्वीकार नहीं करने को लेकर भी लताड़ा।

अध्ययन

शोधकर्ताओं के मुताबिक, बीते 50 साल के दौरान जब जलवायु परिवर्तन में तेजी आनी शुरू हुई तो अतिवृष्टि के मामलों में भी आश्चर्यजनक रूप से बढ़ोतरी देखने को मिली, मौसम की बदलती प्रवृत्ति ग्लोबल वॉर्मिंग के खतरों केप्रति आगाह करती है..

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण होती है अतिवृष्टि

- 2004 से 2013 के बीच वैश्विक स्तर पर अतिवृष्टि के मामलों में सात फीसद बढ़ोतरी दर्ज की गई, इसी दौरान यूरोप और एशिया के भागों में 8.6 फीसद ज्यादा भारी बारिश हुई

वाष्प का एकाएक संघनित होना व मौसमी कारण अतिवृष्टि के जिम्मेदार है। फाइल

वाशिंगटन, प्रेट्र : अतिवृष्टि यानी बहुत ज्यादा बारिश कई बार अपने साथ बाढ़ जैसी तबाही और जलजनित बीमारियां लेकर आती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वॉर्मिंग) के कारण बीते 50 साल में दुनियाभर में अतिवृष्टि के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है। वाटर रिसोर्सेज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 1964 से लेकर 2013 तक अत्यधिक बारिश की सर्वाधिक घटनाएं हुई और यह वही समय था जब ग्लोबल वार्मिंग भी तेज हो गई थी।

अध्ययन के मुताबिक, अत्यधिक वर्षा की घटनाएं कनाडा के कुछ हिस्सों, यूरोप, अमेरिका के मध्य-पश्चिम और पूर्वोत्तर क्षेत्र, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया, पश्चिमी रूस और चीन के कुछ हिस्सों में बढ़ी हैं। कनाडा में सास्काचेवान यूनिवर्सिटी में हाइड्रो-क्लाइमेटोलॉजिस्ट साइमन पापालेइसीउ ने कहा 'इस अध्ययन के लिए वैश्विक स्तर पर सैकड़ों बारिश के रिकॉर्ड खंगाले गए, जिसमें हमने पाया कि बीते 50 साल के दौरान जब ग्लोबल वॉर्मिंग में तेजी आनी शुरू हुई तो अतिवृष्टि के मामले भी आश्चर्यजनक रूप से बढ़ोतरी देखी गई। यह बदलती प्रवृत्ति जलवायु परिवर्तन के खतरों के प्रति आगाह करती है।

इस अध्ययन का नेतृत्व करने वाले साइमन ने बताया कि शोध के लिए दुनियाभर के बारिश पर नजर रखने वाले एक लाख स्टेशनों के 8700 रिकॉर्डों का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि वर्ष 1964 से लेकर 2013 तक दशक-दर-दशक अतिवृष्टि के मामले काफी बढ़े हैं। वर्ष 2004 से 2013 के बीच वैश्विक स्तर पर अतिवृष्टि के मामलों में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी दौरान यूरोप और एशिया के भागों में 8.6 फीसद ज्यादा अतिवृष्टि हुई। शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारी बारिश के मामले बढ़ रहे हैं। क्योंकि ज्यादा गर्मी कारण पृथ्वी से पानी का वाष्पन ज्यादा होता है और संघनन होने पर पानी अचानक बरस जाता है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। साथ ही यह कई बीमारियों को भी अपने साथ लेकर आती है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। वर्ष 1980 से 2009 के बीच अतिवृष्टि के कारण आई बाढ़ में लगभग पांच लाख लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने के साथ-साथ इमारतें गिर जाती हैं, फसलें खराब हो जाती हैं। बोलोग्ना यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अल्बर्टो मोंटानारी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में पानी तो बहुत ज्यादा मात्रा में बरकरार रखता है, लेकिन इसके खतरों के प्रति भी सजग रहने की जरूरत है।